केवल तुम्हारी आँखों के लिए

इयान फ्लेमिंग

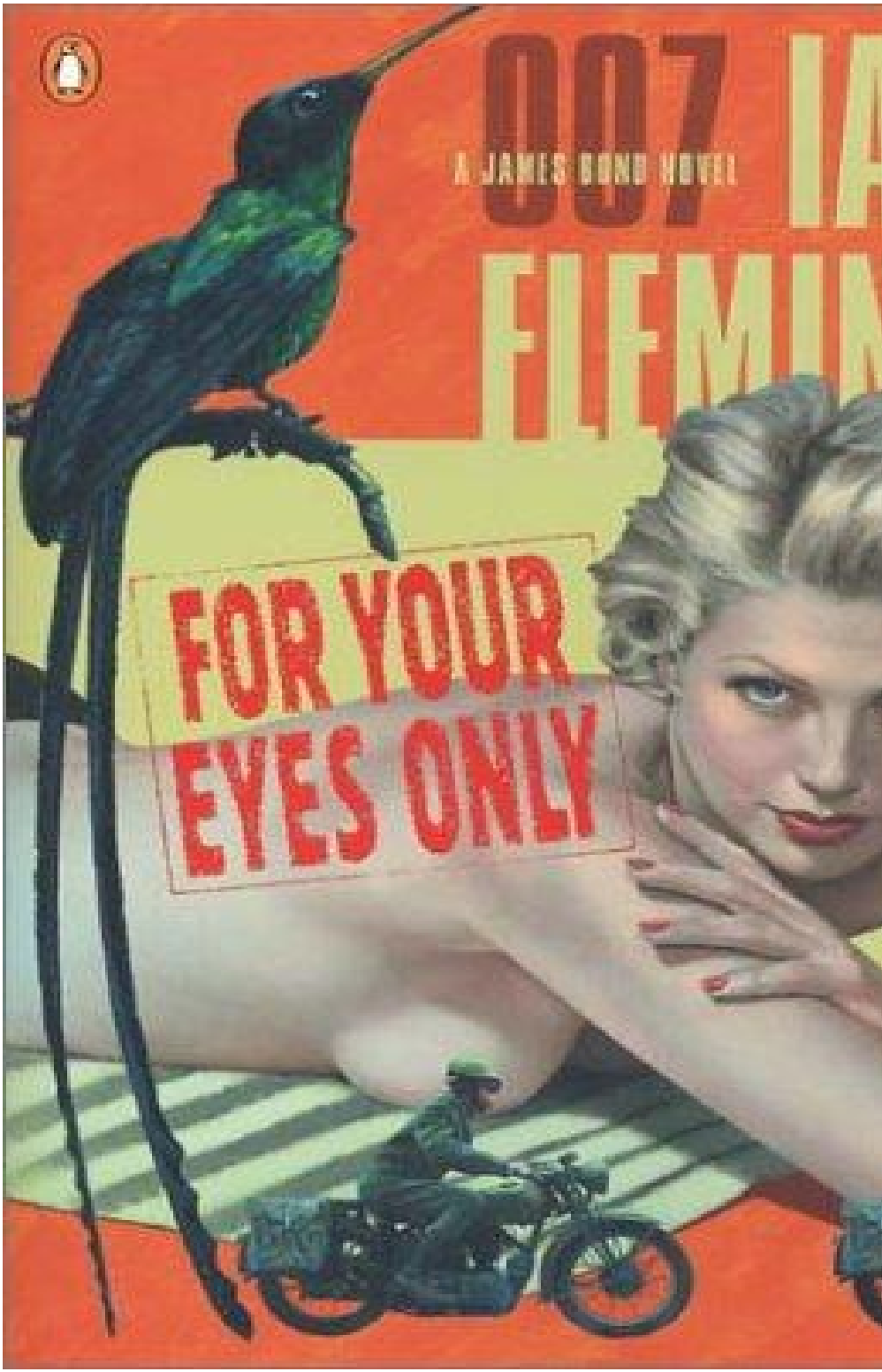
A JAMES BOND NOVEL
007
IA
FLEMIN
FOR YOUR
EYES ONLY

केवल तुम्हारी आँखों के लिए
007 जेम्स बॉन्ड [8]
इयान फ्लेमिंग
न्यूयॉर्क : पेंगुइन बुक्स, 2003. (2003)

टैग: सामान्य, काल्पनिक, रहस्यमयी जासूसी, सस्पेंस, थ्रिलर, जासूसी, खुफिया अधिकारी, विदेशी देश, ब्रिटिश, बॉन्ड; जेम्स (काल्पनिक पात्र), जासूसी कहानियां; अंग्रेजी, ब्रिटिश - विदेशी देश
Generalttt Fictionttt Mystery Detectivettt Suspensettt Thrillersttt Espionagett Intelligence officersttt Foreign countriesttt Britishttt Bond; James (Fictitious character)ttt Spy stories; Englishttt British - Foreign countriesttt

उत्पाद वर्णन

पेरिस के पास SHAPE मुख्यालय में रूसी ठिकाने का खात्मा; अमेरिका में एक क्यूबाई गुंडे की सुनियोजित हत्या; रोम से वेनिस और उससे आगे तक एक हेरोइन गिरोह का पीछा करना; बॉन्ड के लिए तो यह सब रोज़मर्रा का काम है। लेकिन किसी और के लिए - निश्चित मौत।

लेखक के बारे में

1908 में जन्मे और ईटन एवं सैंडहर्स्ट में शिक्षित फ्लेमिंग 1931 में रॉयटर्स न्यूज़ एजेंसी से जुड़े। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वे एडमिरल्टी में नौसेना खुफिया निदेशक के निजी सहायक रहे और लेफ्टिनेंट से कमांडर के पद तक पहुंचे। केम्सली न्यूज़पेपर्स के विदेश प्रबंधक बनने के बाद उन्होंने जमैका में अपना घर, गोल्डनआई (जहाँ उन्होंने अपना पहला बॉन्ड उपन्यास लिखा था) बनवाया। 1964 में अपनी मृत्यु तक, उनकी चालीस मिलियन से अधिक पुस्तकें बिक चुकी थीं और बॉन्ड की लोकप्रियता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी थी।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

केवल तुम्हारी आँखों के लिए

जेम्स बॉन्ड के जीवन की पांच गुप्त घटनाएं

इयान फ्लेमिंग

(1960)

विषयसूची:

केवल तुम्हारी आँखों के लिए

एक नज़रिए से लेकर हत्या तक

केवल तुम्हारी आँखों के लिए

क्वांटम ऑफ़ सोलेस

जोखिम

हिल्डेब्रांड दुर्लभता

—-

एक नज़रिए से लेकर हत्या तक

चौड़े काले रबर के गॉगल्स के पीछे की आँखें पत्थर की तरह ठंडी थीं। सत्तर की रफ्तार से दौड़ती बीएसए एम20 की तेज़ रफ़्तार में, वे ही एकमात्र शांत चीज़ थीं, जो तेज़ी से भागते हुए मांस और धातु के बीच मौजूद थीं। गॉगल्स के शीशे से सुरक्षित, वे हैंडलबार के ठीक ऊपर से सीधे आगे की ओर टकटकी लगाए देख रही थीं, और उनकी गहरी, अविचलित नज़रें बंदूक की नली जैसी थीं। गॉगल्स के नीचे, हवा मुँह के रास्ते चेहरे में घुस गई थी और होंठों को पीछे की ओर खींचकर एक चौकोर मुस्कान बना दी थी, जिसमें बड़े-बड़े दाँत और सफ़ेद मसूड़े दिखाई दे रहे थे। मुस्कान के दोनों ओर हवा से गाल फूलकर थैलीनुमा हो गए थे जो हल्के से फड़फड़ा रहे थे। क्रैश हेलमेट के नीचे तेज़ी से भागते हुए चेहरे के दाईं और बाईं ओर, काले दस्ताने, जो नियंत्रणों पर टूटे हाथों से जकड़े हुए थे, किसी बड़े जानवर के हमलावर पंजों की तरह लग रहे थे।

वह व्यक्ति रॉयल कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स के डिस्पैच-राइडर की वर्दी पहने हुए था, और उसकी मशीन, जो जैतून के हरे रंग से रंगी हुई थी, वाल्व और कार्बोरेटर में कुछ बदलावों और साइलेंसर के कुछ बैफल हटाकर गति बढ़ाने के कारण, एक मानक ब्रिटिश सेना मशीन के समान थी। उस व्यक्ति या उसके उपकरण में ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे यह संकेत मिले कि वह वह नहीं है जो वह दिख रहा था, सिवाय पेट्रोल टैंक के ऊपर क्लिप से लटकी हुई एक पूरी तरह से भरी हुई लूगर पिस्तौल के।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

मई की सुबह सात बजे थे और जंगल से गुज़रती सीधी सड़क बसंत की हल्की-हल्की धुंध से जगमगा रही थी। सड़क के दोनों ओर, विशाल ओक के पेड़ों के बीच काई और फूलों से ढकी हुई गहरी जगहें वर्साय और सेंट जर्मेन के शाही जंगलों की तरह मनमोहक थीं। यह सड़क D98 थी, जो सेंट जर्मेन क्षेत्र में स्थानीय यातायात के लिए एक गौण सड़क थी, और मोटरसाइकल सवार अभी-अभी पेरिस-मंटेस ऑटोरोड के नीचे से गुज़रा था, जो पेरिस जाने वाले यात्रियों से भरी हुई थी। वह सेंट जर्मेन की ओर उत्तर दिशा में जा रहा था और दोनों दिशाओं में कोई और नज़र नहीं आ रहा था, सिवाय लगभग आधा मील आगे, एक लगभग उसी जैसी आकृति के - एक और रॉयल कॉर्प्स डिस्पैच-राइडर। वह एक युवा, दुबला-पतला आदमी था और अपनी बाइक पर आराम से बैठा सुबह का आनंद ले रहा था और अपनी गति लगभग चालीस पर बनाए हुए था। वह समय पर था और दिन बहुत सुंदर था। वह सोच रहा था कि लगभग आठ बजे मुख्यालय वापस पहुँचने पर अपने अंडे तले हुए खाए या स्क्रैम्बल किए हुए।

पांच सौ गज, चार सौ, तीन, दो, एक। पीछे से आ रहा आदमी अपनी गति धीमी करके पचास गज पर आ गया। उसने अपना दाहिना दस्ताना दांतों से सटाकर उतार दिया। उसने दस्ताने को

अपनी कमीज के बटनों के बीच फंसाया और नीचे झुककर बंदूक को क्लिप से निकाल लिया।

अब तक वह आगे चल रहे युवक के ड्राइविंग मिरर में काफी बड़ा दिख रहा होगा, क्योंकि अचानक ही युवक ने अपना सिर झटकाकर पीछे घुमाया और सुबह के इस समय अपने साथ एक और संदेशवाहक को देखकर आश्चर्यचकित रह गया। उसे लगा था कि वह कोई अमेरिकी या शायद फ्रांसीसी सैन्य पुलिस वाला होगा। वह SHAPE के स्टाफ में शामिल आठ नाटो देशों में से कोई भी हो सकता था, लेकिन जब उसने कोर की वर्दी पहचानी तो वह अचंभित और प्रसन्न हो गया। आखिर कौन हो सकता है? उसने पहचानते हुए खुशी से अपना दाहिना अंगूठा उठाया और अपनी गति तीस तक कम कर दी, दूसरे आदमी के बगल में आने का इंतजार करने लगा। एक आंख आगे सड़क पर और दूसरी मिरर में दिख रही उस शख्सियत पर रखते हुए, उसने मुख्यालय कमांड में स्पेशल सर्विस ट्रांसपोर्टेशन यूनिट के ब्रिटिश संदेशवाहकों के नाम याद किए। अल्बर्ट, सिड, वॉली - शायद वॉली ही हो, वही मजबूत कद-काठी। वाह! वह कैंटीन में उस छोटे से मेंढक वाले किस्से को लेकर उसकी टांग खींच लेगा।

- लुईस, एलिस, लिसे - उसका नाम क्या था भला?

बंदूकधारी व्यक्ति की गति धीमी हो गई थी। अब वह पचास गज दूर था। हवा से अप्रभावित उसका चेहरा, स्पष्ट और कठोर, शायद स्लाविक रेखाओं से सुसज्जित था। उसकी काली, लक्ष्य साधी हुई आँखों के पीछे एक लाल चिंगारी जल रही थी।

चालीस गज, तीस गज। एक अकेली मैना जंगल से निकलकर उस नौजवान संदेशवाहक के आगे उड़ गई। वह लड़खड़ाते हुए सड़क पार करके झाड़ियों में घुस गई, जहाँ मिशेलिन का एक बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था कि सेंट जर्मेन एक किलोमीटर दूर है। उस नौजवान ने मुस्कुराते हुए व्यंग्यपूर्ण अंदाज़ में उंगली उठाई और आत्मरक्षा का भाव व्यक्त किया - 'एक मैना दुख का प्रतीक है'।

उसके पीछे बीस गज की दूरी पर बंदूकधारी व्यक्ति ने दोनों हाथों से हैंडल हटा दिए, लूगर को उठाया, उसे सावधानीपूर्वक अपनी बाईं बांह पर टिकाया और एक गोली चलाई।

युवक के हाथ अचानक नियंत्रण से हटकर उसकी पीछे की ओर झुकी हुई रीढ़ की हड्डी के बीचोंबीच जा टकराए। उसकी मशीन सड़क पर इधर-उधर मुड़ी, एक संकरी खाई को पार किया और घास और लिली के फूलों के एक पैच में जा घुसी। वहाँ वह चीखते हुए पिछले पहिये पर उठी और धीरे-धीरे पीछे की ओर अपने मृत सवार के ऊपर जा गिरी। बीएसए खांसती, लात मारती, युवक के कपड़ों और फूलों को नोंचती हुई, फिर शांत पड़ी रही।

हत्यारे ने एक संकरा मोड़ लिया और अपनी गाड़ी को उसी दिशा में मोड़कर रोक दिया जहाँ से वह आया था। उसने पहिए के रेस्ट पर पैर पटका, अपनी गाड़ी को उस पर चढ़ाया और पेड़ों के नीचे जंगली फूलों के बीच चला गया। वह मृत व्यक्ति के पास घुटनों के बल बैठ गया और बेरहमी से उसकी पलकें पीछे खींचीं। उतनी ही बेरहमी से उसने लाश से काले चमड़े का शवपेटिका फाड़ दिया और कमीज़ के बटन तोड़कर एक फटा हुआ चमड़े का बटुआ निकाल लिया। उसने बाईं कलाई से एक सस्ती घड़ी इतनी तेज़ी से खींची कि क्रोम का ब्रेसलेट बीच से टूट गया। वह खड़ा हुआ और शवपेटिका को अपने कंधे पर टांग लिया। बटुआ और घड़ी को अपनी कमीज़ की जेब

में रखते हुए वह सुनने लगा। वहाँ केवल जंगल की आवाज़ें थीं। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

दुर्घटनाग्रस्त बीएसए मोटरसाइकिल से गर्म धातु की धीमी टिक-टिक की आवाज़ आ रही थी। हत्यारा सड़क की ओर वापस लौटा। वह धीरे-धीरे चल रहा था, नरम मिट्टी और काई पर बने टायर के निशानों पर पत्तियां रगड़ रहा था। खाई और घास के किनारे पर बने गहरे गड्ढों को पार करने में उसे और भी सावधानी बरतनी पड़ी, और फिर वह अपनी मोटरसाइकिल के पास खड़ा होकर लिली ऑफ द वैली के फूलों की ओर देखने लगा। बुरा नहीं! शायद इसे केवल पुलिस के कुत्ते ही पकड़ पाएंगे, और दस मील की सड़क तय करनी थी, इसलिए इसमें घंटों, शायद दिन भी लग सकते थे - काफी लंबा समय। ऐसे कामों में सबसे ज़रूरी चीज़ थी पर्याप्त सुरक्षा मार्जिन रखना। वह उस आदमी को चालीस गज की दूरी से गोली मार सकता था, लेकिन उसने बीस गज की दूरी तक पहुंचना बेहतर समझा। और घड़ी और बटुआ लेना भी बढ़िया था - पेशेवर तरीका।

खुद पर गर्व करते हुए, उस आदमी ने अपनी मशीन को स्टैंड से उठाया, फुर्ती से सीट पर बैठा और स्टार्टर को किक किया। धीरे-धीरे, ताकि टायर के निशान न दिखें, उसने सड़क पर फिर से रफ्तार पकड़ी और लगभग एक मिनट में वह फिर से सत्तर की रफ्तार पर था और हवा ने उसके चेहरे पर फिर से वही खोखली मुस्कान बिखेर दी थी।

हत्या स्थल के आसपास का जंगल, जिसने घटना घटने के दौरान अपनी सांस रोक रखी थी, धीरे-धीरे फिर से सांस लेने लगा।

जेम्स बॉन्ड ने शाम का अपना पहला पेय फौकेट के कैफे में पिया। यह कोई अच्छा पेय नहीं था। फ्रांसीसी कैफे में लोग गंभीरता से शराब नहीं पी सकते। धूप में फुटपाथ पर बाहर बैठकर वोदका, व्हिस्की या जिन पीना ठीक नहीं है।

एक बढ़िया सा पानी (I'eau) काफी गंभीर होता है, लेकिन इसका स्वाद अच्छा नहीं होता, फिर भी यह नशा पैदा करता है। दोपहर के भोजन से पहले एक क्वार्ट शैम्पेन या ऑरेंज शैम्पेन ठीक है, लेकिन शाम को एक क्वार्ट पीने से दूसरा क्वार्ट पीने का मन करता है और एक साधारण शैम्पेन की बोतल रात की शुरुआत के लिए अच्छी नहीं होती। परनोड (Pernod) भी ठीक है, लेकिन इसे दोस्तों के साथ पीना चाहिए, और वैसे भी बॉन्ड को यह कभी पसंद नहीं आया क्योंकि इसका मुलेठी जैसा स्वाद उसे उसके बचपन की याद दिलाता था। नहीं, कैफे में आपको उनके साथ मिलने वाले म्यूजिकल कॉमेडी ड्रिंक्स में से सबसे कम तीखा वाला पीना चाहिए, और बॉन्ड हमेशा एक ही चीज़ पीता था - एक अमेरिकानो - बिटर कैम्पारी, सिन्ज़ानो, नींबू के छिलके का एक बड़ा टुकड़ा और सोडा। सोडा के लिए वह हमेशा पेरिएर (Perrier) ही मांगता था, क्योंकि उसकी राय में महंगा सोडा वाटर एक खराब ड्रिंक को बेहतर बनाने का सबसे सस्ता तरीका था।

जब बॉन्ड पेरिस में होता था, तो वह हमेशा एक ही पते पर ठहरता था। वह टर्मिनस नॉर्ड में रुकता था, क्योंकि उसे स्टेशन होटल पसंद थे और यह उनमें से सबसे कम दिखावटी और सबसे गुमनाम था।

वह दोपहर का भोजन कैफ़े डे ला पैक्स, रोटोंडे या डी'मे में करता था, क्योंकि वहाँ का खाना

अच्छा होता था और लोगों को देखना उसे अच्छा लगता था। अगर उसे कोई बढ़िया ड्रिंक चाहिए होती, तो वह हैरीज़ बार में पीता था, एक तो इसलिए कि वहाँ की ड्रिंक्स बढ़िया होती थीं और दूसरा इसलिए कि सोलह साल की उम्र में पेरिस की अपनी पहली नासमझी भरी यात्रा में उसने वही किया था जो कॉन्टिनेंटल डेली मेल में हैरी के विज्ञापन में लिखा था और अपने टैक्सी ड्राइवर से कहा था 'सैंक रू डो नू'। यहीं से उसके जीवन की एक यादगार शाम की शुरुआत हुई, जिसका अंत लगभग एक साथ उसकी वर्जिनिटी और नोटकेस के खो जाने से हुआ। रात के खाने के लिए बॉन्ड किसी बड़े रेस्टोरेंट में जाता था - वी'फोर, कैनटन, लुकास-कार्टन या कोचन डी'ओर। वह मानता था कि ये रेस्टोरेंट, टूर डी'अर्जेंट, मैक्सिम्स और ऐसे ही अन्य रेस्टोरेंट के बारे में मिशेलिन चाहे जो भी कहे, किसी तरह खर्च और डॉलर के दाग से बचे हुए थे। वैसे भी, उसे वहाँ का खाना पसंद था। रात के खाने के बाद वह आम तौर पर वह प्लेस पिगाले गया यह देखने के लिए कि उसके साथ क्या होगा। जब हमेशा की तरह कुछ नहीं हुआ, तो वह पेरिस के उस पार गैरे डू नॉर्ड तक पैदल चलकर घर जाता और सो जाता।

आज रात बॉन्ड ने इस धूल भरी पता-पुस्तिका को फाड़कर एक पुरानी शैली की पार्टी करने का फैसला किया। वह ऑस्ट्रो-हंगरी सीमा पर एक बुरी तरह असफल मिशन के बाद पेरिस से गुजर रहा था। मामला एक हंगेरियन नागरिक को निकालने का था। बॉन्ड को लंदन से विशेष रूप से स्टेशन V के ऊपर इस ऑपरेशन का निर्देशन करने के लिए भेजा गया था। यह वियना स्टेशन को पसंद नहीं आया था। कुछ गलतफहमियां थीं - जानबूझकर की गई। वह व्यक्ति सीमावर्ती बारूदी सुरंग क्षेत्र में मारा गया था। एक जांच अदालत गठित करनी होगी। बॉन्ड को अगले दिन अपनी रिपोर्ट देने के लिए लंदन स्थित अपने मुख्यालय लौटना था, और इन सब बातों से वह उदास हो गया था। आज का दिन बहुत खूबसूरत था - उन दिनों में से एक जब आपको लगभग यकीन हो जाता है कि पेरिस खूबसूरत और जीवंत है - और बॉन्ड ने शहर को एक और मौका देने का फैसला किया था।

संयोग। वह किसी न किसी तरह एक असली लड़की को ढूंढ लेगा, और उसे बोइस में आर्मेनोनविले जैसी किसी काल्पनिक जगह पर डिनर के लिए ले जाएगा। उसकी आँखों से पैसे का घमंड मिटाने के लिए।

क्योंकि वह पैसा निश्चित रूप से वहाँ होगा - वह उसे जल्द से जल्द पचास हजार फ्रैंक दे देगा। वह उससे कहेगा: 'मैं तुम्हें डोनाटिएन या शायद सोलांगे कहकर बुलाना चाहता हूँ, क्योंकि ये नाम मेरे मिजाज और शाम के अनुकूल हैं। हम पहले से एक-दूसरे को जानते थे और तुमने मुझे यह पैसा इसलिए दिया था क्योंकि मैं मुश्किल में था।'

ये लीजिए, और अब हम एक-दूसरे को बताएंगे कि सेंट ट्रोपेज़ में एक साल पहले हमारी आखिरी मुलाकात के बाद से हम क्या कर रहे हैं। इस बीच, ये रहा मेनू और वाइन लिस्ट, और आपको वो चुनना है जो आपको खुश और मोटा कर दे।' और अब और कुछ न चखने की ज़रूरत न होने पर वह राहत महसूस करती, और हंसते हुए कहती:

“लेकिन, जेम्स, मैं मोटी नहीं होना चाहती।” और फिर वे दोनों ‘पेरिस में बसंत’ की कहानी में खो जाते, और बॉन्ड शांत रहते हुए उसकी हर बात में दिलचस्पी लेता। और, भगवान की कसम, शाम के अंत तक अगर यह पता चलता कि ‘पेरिस में अच्छा समय’ की उस घिसी-पिटी कहानी में जरा भी सच्चाई नहीं बची है, तो इसमें बॉन्ड की कोई गलती नहीं होती।

फूकेट के कैफे में बैठे, अपनी अमेरिकानो कॉफी का इंतज़ार करते हुए, बॉन्ड अपनी उग्रता पर मुस्कुराया। वह जानता था कि वह इस कल्पना में बस इसलिए डूबा हुआ था ताकि उस शहर पर आखिरी प्रहार कर सके जिसे वह युद्ध के समय से ही दिल से नापसंद करता था। 1945 के बाद से पेरिस में उसका एक भी दिन खुशहाल नहीं बीता था। ऐसा नहीं था कि शहर ने अपना शरीर बेच दिया था। कई शहरों ने ऐसा किया है। असल में, उसका दिल खो गया था - पर्यटकों को गिरवी रख दिया गया था, रूसियों, रोमानियाई और बल्गेरियाई लोगों को गिरवी रख दिया गया था, दुनिया के उन नीच लोगों को गिरवी रख दिया गया था जिन्होंने धीरे-धीरे शहर पर कब्ज़ा कर लिया था। और, ज़ाहिर है, जर्मनों को भी। यह लोगों की आँखों में देखा जा सकता था - उदास, ईर्ष्यालु, शर्मिंदा। वास्तुकला? बॉन्ड ने फुटपाथ पर चमकती काली कारों की कतारों पर नज़र डाली जिन पर सूरज की रोशनी चुभती हुई लग रही थी। हर जगह शैंप्स-एलिसी जैसा ही हाल था। शहर को देखने के लिए केवल दो घंटे ही होते थे - सुबह पाँच से सात बजे के बीच। सात बजने के बाद यह काले धातु की एक गर्जनापूर्ण धारा में डूब गया, जिसके साथ कोई खूबसूरत इमारतें, कोई विशाल, वृक्षों से घिरी सड़कें प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकती थीं।

वेटर की ट्रे संगमरमर की मेज पर धड़ाम से गिरी। बॉन्ड कभी नकल नहीं कर पाया था, उसी फुर्ती से एक हाथ से वेटर ने बोतल खोलने वाले औजार से पेरिएर की बोतल का ढक्कन खोला। वेटर ने बोतल का ढक्कन बर्फ की बाल्टी के नीचे सरकाया, मशीनी अंदाज़ में "वोइल..., म'सियूर" कहा और झट से चला गया। बॉन्ड ने अपने ड्रिंक में बर्फ डाली, उसे सोडा से पूरा भर दिया और एक लंबा घूंट लिया। वह आराम से बैठ गया और एक लॉरेंस जौने (एक तरह की सिगरेट) जलाई। ज़ाहिर है, शाम तो खराब ही होने वाली थी। मान लीजिए कि अगले एक-दो घंटे में उसे वो लड़की मिल भी गई, तो भी असलियत कुछ और ही निकली। गौर से देखने पर पता चलता कि उसकी त्वचा बुर्जुआ फ्रांसीसी महिलाओं जैसी भारी, नम और चौड़े रोमछिद्रों वाली थी। मखमली बेरेट के नीचे उसके सुनहरे बाल जड़ों से भूरे और पियानो के तार जैसे खुरदुरे थे। सांसों में पुदीने की महक दोपहर के लहसुन की गंध को छुपा नहीं पाती। उसका आकर्षक शरीर तार और रबर से जटिल ढंग से गढ़ा हुआ था। वो लिले से होगी और उससे पूछेगी कि क्या वो अमेरिकी है। और, बॉन्ड मन ही मन मुस्कुराया, वो या उसकी साथी शायद उसका नोटों का डिब्बा चुरा लेंगी। ला रोंडे! वो वहीं लौट आएगा जहाँ से आया था। लगभग, यही होगा। खैर, भाड़ में जाए!

एक जर्जर काली प्यूजो 403 कार बीच के ट्रैफिक से निकलकर, कारों की अंदरूनी लाइन को पार करते हुए, फुटपाथ पर आकर डबल पार्किंग करने लगी। हमेशा की तरह ब्रेक लगने की तेज आवाजें, हॉर्न बजने और चिल्लाने की आवाजें सुनाई दीं।

बिल्कुल बेपरवाह होकर, एक लड़की कार से उतरी और ट्रैफिक को अपने हाल पर छोड़कर, फुटपाथ पर तेज़ी से चलने लगी। बॉन्ड सीधा बैठ गया। उसके पास सब कुछ था, लेकिन बिलकुल वही सब कुछ जो उसकी कल्पनाओं में होता था। वह लंबी थी और हालाँकि उसका शरीर हल्के रेनकोट से ढका हुआ था, लेकिन उसके चलने का तरीका और उसके हाव-भाव से लग रहा था कि वह खूबसूरत होगी। उसके चेहरे पर ड्राइविंग के साथ आने वाली चंचलता और आत्मविश्वास था, लेकिन अब उसके दबे हुए होंठों में बेचैनी थी और आँखें परेशान थीं क्योंकि वह फुटपाथ पर चलती भीड़ के बीच से तिरछे होकर निकल रही थी।

बॉन्ड उसे तब तक देखता रहा जब तक वह मेजों के किनारे तक नहीं पहुँच गई और गलियारे से अंदर नहीं आ गई। ज़ाहिर है, यह नामुमकिन था। वह किसी से मिलने आ रही थी - अपने प्रेमी से। वह उस तरह की औरत थी जो हमेशा किसी और की होती है। उसे उसके लिए देर हो रही थी। इसीलिए वह इतनी जल्दी में थी। कितनी बुरी किस्मत - यहाँ तक कि उस स्टाइलिश बेरेट के नीचे उसके लंबे सुनहरे बाल भी! और वह सीधे उसकी ओर देख रही थी।

वह मुस्कुरा रही थी...! इससे पहले कि बॉन्ड खुद को संभाल पाता, लड़की उसकी मेज के पास आ गई और एक कुर्सी खींचकर बैठ गई।

उसने उसकी चौंकी हुई आँखों में कुछ बनावटी मुस्कान बिखेरी। "मुझे देर होने के लिए माफ़ करना, और मुझे डर है कि हमें तुरंत निकलना होगा। आपको कार्यालय में बुलाया जा रहा है।" उसने धीमी आवाज़ में कहा: "जल्दी से निकलो।"

बॉन्ड अचानक वास्तविकता में लौट आया। वह जो भी हो, वह निश्चित रूप से 'द फर्म' से ही थी। 'क्रैश डाइव'

यह एक बोलचाल का मुहावरा था जिसे सीक्रेट सर्विस ने पनडुब्बी सेवा से लिया था। इसका मतलब था बुरी खबर।

सबसे बुरा हाल। बॉन्ड ने अपनी जेब में हाथ डाला और कुछ सिक्के मेज पर सरका दिए। उसने कहा, "ठीक है। चलो चलते हैं," और उठकर उसके पीछे-पीछे मेजों के बीच से होते हुए उसकी कार तक गया। कार अभी भी यातायात की भीतरी लेन में खड़ी थी। किसी भी पल कोई पुलिसवाला आ सकता था। जैसे ही वे कार में चढ़े, गुस्से से भरी निगाहें उन पर टिक गईं। लड़की ने इंजन चालू ही छोड़ दिया था। उसने गियर को दूसरे में डाला और गाड़ी को यातायात में उतार दिया।

बॉन्ड ने तिरछी नज़र से उसे देखा। उसकी पीली त्वचा मखमली थी। उसके सुनहरे बाल जड़ों तक रेशम जैसे थे। उसने कहा:

आप कहाँ से हैं और यह सब किस बारे में है?

ट्रैफ़िक पर ध्यान केंद्रित करते हुए उसने कहा: “स्टेशन से। ग्रेड टू असिस्टेंट। ड्यूटी पर नंबर 765, मैरी एन रसेल छुट्टी पर। मुझे बिल्कुल पता नहीं है कि यह सब क्या है। मैंने अभी मुख्यालय से सिग्नल देखा - एम से स्टेशन प्रमुख के लिए निजी संदेश। तुरंत और इसी तरह। उन्हें आपको तुरंत ढूंढना था और ज़रूरत पड़ने पर ड्यूक्सिश्मे की मदद लेनी थी। एफ प्रमुख ने कहा कि जब आप पेरिस में थे तो आप हमेशा उन्हीं जगहों पर जाते थे, और मुझे और एक दूसरी लड़की को एक सूची दी गई थी।” वह मुस्कुराई। “मैंने केवल हैरीज़ बार में ही खाना खाया था, और फ़ोकेट के बाद मैं रेस्टोरेंट में जाने वाली थी। आपको इस तरह लेने आना बहुत अच्छा लगा।” उसने उसे एक नज़र देखा। “उम्मीद है कि मैं बहुत अनाड़ी नहीं थी।”

बॉन्ड ने कहा: “तुम ठीक थे। अगर मेरे साथ कोई लड़की होती तो तुम इसे कैसे संभालते?”

वह हंस पड़ी। “मैं भी लगभग ऐसा ही करने वाली थी, बस आपको ‘सर’ कहकर बुलाने वाली

थी। मुझे बस इस बात की चिंता थी कि आप उस लड़की का क्या करेंगे। अगर उसने हंगामा किया तो मैं उसे अपनी कार में घर छोड़ने की पेशकश करने वाली थी और आप टैक्सी ले लें।"

आप काफी काबिल लगते हैं। आप कितने समय से सेना में हैं?

"पांच साल। यह मेरा किसी स्टेशन के साथ पहला अनुभव है।"

"आप इसे कैसे पसंद करते हैं?"

"मुझे काम ठीक-ठाक लगता है। शामें और छुट्टियाँ थोड़ी उबाऊ लगती हैं। पेरिस में दोस्त बनाना आसान नहीं है, बिना..." - व्यंग्य से उसका मुँह नीचे की ओर मुड़ा - "बिना आराम किए। मेरा मतलब है," उसने जल्दी से जोड़ा, "मैं कोई दकियानूसी नहीं हूँ, लेकिन पता नहीं कैसे फ्रांसीसी लोग इस पूरे काम को इतना उबाऊ बना देते हैं। मेरा मतलब है कि मुझे मेट्रो या बसों में सफर करना छोड़ना पड़ा है। दिन का कोई भी समय हो, आपकी पीठ पर काले-नीले निशान पड़ जाते हैं।" वह हँसी। "बोरियत के अलावा और आदमी से क्या कहें, यह न जानने के अलावा, कुछ चुटकीं तो सच में बहुत दर्द देती हैं। हद हो गई। इसलिए आने-जाने के लिए मैंने यह कार सस्ते में खरीदी, और दूसरी कारें मेरे रास्ते से हट जाती हैं। जब तक आप दूसरे ड्राइवर की नज़र में नहीं आते, आप उनमें से सबसे बदतमीज़ को भी टक्कर दे सकते हैं। उन्हें डर लगता है कि आपने उन्हें देखा नहीं है। और वे कार की खस्ता हालत देखकर परेशान हो जाते हैं।"

वे आपसे काफी दूरी बनाए रखते हैं।

वे रोंड पॉइंट पर आ गए थे। मानो अपने सिद्धांत को साबित करने के लिए, वह तेज़ी से उसके चारों ओर घूमी और सीधे प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड से आ रही गाड़ियों की कतार में घुस गई। चमत्कारिक रूप से गाड़ियाँ दो भागों में बँट गईं और उसे एवेन्यू मैटिग्नन में जाने का रास्ता मिल गया।

बॉन्ड ने कहा: "काफी अच्छा है। लेकिन इसे आदत मत बनाओ। हो सकता है कि आसपास कुछ फ्रांसीसी मैरी ऐन भी हों।"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

वह हंस पड़ी। उसने एवेन्यू गैब्रिएल में मुड़कर सीक्रेट सर्विस के पेरिस स्थित मुख्यालय के बाहर गाड़ी रोक दी और बोली, "मैं इस तरह का दांव-पेच सिर्फ कर्तव्य की स्थिति में ही आजमाती हूं।"

बॉन्ड गाड़ी से बाहर निकला और उसके पास आकर बोला: "अच्छा, मुझे यहाँ से ले जाने के लिए धन्यवाद। जब ये सब भागदौड़ खत्म हो जाए, तो क्या मैं तुम्हें भी यहाँ से ले जा सकता हूँ? मुझे चुभन तो समझ नहीं आती, लेकिन मैं भी पेरिस में उतना ही ऊब गया हूँ जितना तुम।"

उसकी आँखें नीली और चौड़ी थीं। वे उसकी आँखों में कुछ खोज रही थीं। उसने गंभीरता से कहा: "मुझे अच्छा लगेगा। यहाँ का स्विचबोर्ड हमेशा मुझे ढूंढ सकता है।"

बॉन्ड ने खिड़की से हाथ अंदर डाला और स्टीयरिंग व्हील पर लगे हैंडल को दबाया। उसने "अच्छा" कहा और मुड़कर मेहराबदार रास्ते से तेज़ी से अंदर चला गया।

विंग कमांडर रैट्रे, स्टेशन एफ के प्रमुख, एक मोटे-ताज़े आदमी थे जिनके गाल गुलाबी थे और बाल सीधे पीछे की ओर कंघी किए हुए थे। वे सलीके से कपड़े पहनते थे, उनकी कोट की कफ़ मुड़ी हुई और दोहरी स्लिट वाली थी, साथ ही वे बो-टाई और फैंसी वेस्टकोट भी पहनते थे। वे एक ऐसे रईस और खान-पान के शौकीन व्यक्ति की छवि पेश करते थे, जिसमें केवल उनकी धीमी, कुछ हद तक धूर्त नीली आँखें ही थोड़ी अटपटी लगती थीं। वे लगातार गाउलोइसेस सिगरेट पीते थे और उनके दफ्तर से उनकी तेज़ गंध आती थी। उन्होंने बॉन्ड का राहत भरे लहजे में स्वागत किया। "तुम्हें किसने ढूँढा?"

“रसेल। फौक्वेट के यहाँ। क्या वह नई है?”

“छह महीने। वो अच्छी है। लेकिन ज़रा बैठो। यहाँ बहुत बड़ा मामला है और मुझे तुम्हें जानकारी देनी है और तुम्हें आगे भेजना है।” वह अपने इंटरकॉम की ओर झुका और एक बटन दबाया। “एम को सिग्नल दें, कृपया। स्टेशन प्रमुख की ओर से व्यक्तिगत संदेश। ‘007 मिल गया है, अभी ब्रीफिंग है।’ ठीक है?” उसने बटन छोड़ दिया।

बॉन्ड ने गॉलोइस सिगरेट के कोहरे से बचने के लिए खुली खिड़की के पास एक कुर्सी खींच ली। पृष्ठभूमि में चैंप्स-एलिसी पर यातायात की हल्की गड़गड़ाहट सुनाई दे रही थी। आधे घंटे पहले वह पेरिस से तंग आ चुका था और जाने की खुशी मना रहा था। अब उसे उम्मीद थी कि वह यहीं रुक जाएगा।

एफ विभाग के प्रमुख ने कहा: “कल सुबह किसी ने SHAPE से सेंट जर्मेन स्टेशन तक हमारे भोर के संदेशवाहक को निशाना बनाया। SHAPE इंटेलिजेंस डिवीजन से सारांश, संयुक्त खुफिया दस्तावेज़, आयरन कर्टन ऑर्डर ऑफ बैटल - सभी शीर्ष सामान्य जानकारी लेकर जाने वाले साप्ताहिक दल पर हमला हुआ। उसकी पीठ में गोली लगी। उसका संदेशवाहक बैग, बटुआ और घड़ी भी ले गए।”

बॉन्ड ने कहा: “यह तो बुरा है। क्या यह कोई साधारण लूटपाट नहीं हो सकती? या उन्हें लगता है कि बटुआ और घड़ी सिर्फ बहाना थे?”

“SHAPE सिक्योरिटी अभी तक कोई फैसला नहीं कर पा रही है। कुल मिलाकर उनका मानना है कि यह सिर्फ एक बहाना था। सुबह सात बजे डकैती के लिए ठीक नहीं है। लेकिन जब आप वहां पहुंचेंगे तो आप उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं। एम आपको अपने निजी प्रतिनिधि के रूप में भेज रहा है। वह बहुत चिंतित है। खुफिया जानकारी के नुकसान के अलावा, उनके खुफिया लोगों को कभी भी यह पसंद नहीं आया कि हमारा कोई स्टेशन रिजर्वेशन एरिया से बाहर हो।”

वे कई वर्षों से सेंट जर्मेन इकाई को शेप इंटेलिजेंस सेटअप में शामिल करवाने की कोशिश कर रहे हैं।

लेकिन आप जानते हैं कि एम कैसा है, एक मनमौजी बूढ़ा आदमी। वह नाटो सुरक्षा को लेकर

कभी खुश नहीं रहा। दरअसल, शेप इंटेलिजेंस डिवीजन में न केवल कुछ फ्रांसीसी और एक इतालवी हैं, बल्कि उनके काउंटर इंटेलिजेंस और सुरक्षा अनुभाग का प्रमुख एक जर्मन है!

बॉन्ड ने सीटी बजाई।

समस्या यह है कि एम को काबू में लाने के लिए SHAPE को बस इसी घिनौने धंधे की ज़रूरत है। खैर, वह कहता है (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

आपको तुरंत वहां पहुंचना है। मैंने आपके लिए क्लीयरेंस का इंतजाम कर दिया है। पास मिल गए हैं। आपको कर्नल श्रेइबर, मुख्यालय कमांड सुरक्षा शाखा को रिपोर्ट करना है। अमेरिकी। कुशल अधिकारी। वह शुरू से ही इस मामले को संभाल रहे हैं। जहां तक मुझे पता है, उन्होंने लगभग सारा काम कर लिया है।

“उसने क्या किया? असल में हुआ क्या?”

विभागाध्यक्ष ने अपनी मेज से एक नक्शा उठाया और उसे लेकर आगे बढ़े। यह पेरिस के आसपास के इलाकों का विशाल मिशेलिन मानचित्र था। उन्होंने पेंसिल से इशारा किया। “ये रहा वर्साय, और यहाँ, पार्क के ठीक उत्तर में, पेरिस-मंटेस और वर्साय ऑटोरोड का बड़ा जंक्शन है। उससे कुछ सौ गज उत्तर में, N184 पर, SHAPE स्थित है। हर बुधवार, सुबह सात बजे, स्पेशल सर्विसेज का एक डिस्पैच-राइडर SHAPE से साप्ताहिक खुफिया जानकारी लेकर निकलता है, जिसके बारे में मैंने आपको बताया था। उसे सेंट जर्मेन के ठीक बाहर, फोरक्यूक्स नामक एक छोटे से गाँव तक पहुँचना होता है, अपने मुख्यालय में ड्यूटी ऑफिसर को अपनी जानकारी देनी होती है, और साढ़े सात बजे तक SHAPE को रिपोर्ट करना होता है। सुरक्षा कारणों से, इस घनी आबादी वाले क्षेत्र से जाने के बजाय, उसे N307 से सेंट नोम जाने, D98 पर दाहिने मुड़ने और ऑटोरोड के नीचे से होते हुए सेंट जर्मेन के जंगल से गुजरने का आदेश दिया गया है। दूरी लगभग बारह किलोमीटर है, और आराम से चलने पर वह यह यात्रा पंद्रह मिनट से भी कम समय में पूरी कर लेगा। कल सिग्नल कोर का एक कॉर्पोरल था, एक मजबूत और तगड़ा आदमी जिसका नाम बेट्स था, और जब उसने रिपोर्ट नहीं की। सात बजकर पैंतालीस मिनट तक वे वापस शेप में आ गए और उन्होंने उसे ढूंढने के लिए एक और खोजी दल भेजा। उसका कोई सुराग नहीं मिला, और उसने हमारे मुख्यालय में भी सूचना नहीं दी थी। आठ बजकर पंद्रह मिनट तक सुरक्षा शाखा काम पर लग गई थी, और नौ बजे तक नाकाबंदी कर दी गई थी। पुलिस और ड्यूक्सिश्मे को सूचित कर दिया गया और तलाशी दल रवाना हो गए। कुत्तों ने उसे ढूंढ लिया, लेकिन शाम लगभग छह बजे तक, और तब तक अगर सड़क पर कोई सुराग होता भी तो वह यातायात में दबकर मिट गया होता। एफ प्रमुख ने बॉन्ड को नक्शा सौंप दिया और अपनी डेस्क पर वापस चले गए। "और बस इतना ही, इसके अलावा सभी सामान्य कदम उठाए जा चुके हैं।"

सीमाएँ, बंदरगाह, हवाई अड्डे इत्यादि। लेकिन इस तरह की चीज़ें काम नहीं आएंगी। अगर यह कोई पेशेवर काम होता, तो जिसने भी इसे किया होता, वह दोपहर तक सामान देश से बाहर निकाल सकता था या एक घंटे के भीतर पेरिस स्थित दूतावास में पहुँचा सकता था।

बॉन्ड ने अधीरता से कहा: “बिल्कुल! तो फिर एम मुझसे क्या उम्मीद करता है? क्या मैं शेप

सिक्योरिटी को कहूँ कि वे सब कुछ दोबारा करें, लेकिन बेहतर तरीके से? इस तरह का काम तो मेरे बस की बात ही नहीं। बिलकुल समय की बर्बादी।"

एफ के प्रमुख ने सहानुभूति भरी मुस्कान के साथ कहा, "सच कहूँ तो मैंने स्क्रैम्बलर के बारे में एम को भी लगभग यही बात समझाई थी। बड़ी चतुराई से। वह बूढ़ा आदमी काफी समझदार था। उसने कहा कि वह शेप को दिखाना चाहता है कि वह भी इस काम को उतनी ही गंभीरता से ले रहा है जितनी कि वे ले रहे हैं। आप संयोग से वहाँ मौजूद थे और लगभग वहीं पर थे, और उसने कहा कि आपमें ऐसी बुद्धि है जो अदृश्य कारक को समझ सकती है। मैंने उससे पूछा कि उसका क्या मतलब है, तो उसने कहा कि हर कड़ी सुरक्षा वाले मुख्यालय में एक अदृश्य व्यक्ति ज़रूर होता है - एक ऐसा व्यक्ति जिसे हर कोई इतना हल्के में लेता है कि उस पर किसी का ध्यान ही नहीं जाता - माली, खिड़की साफ करने वाला, डाकिया। मैंने कहा कि शेप ने इस बारे में सोचा है, और इस तरह के सभी काम आम सैनिक करते हैं। एम ने मुझे इतना शाब्दिक अर्थ न लेने को कहा और फोन काट दिया।"

बॉन्ड हँस पड़ा। उसे एम के चेहरे पर शिकन और कर्कश आवाज़ सुनाई दे रही थी। उसने कहा, "ठीक है, तो मैं देखता हूँ कि मैं क्या कर सकता हूँ। मुझे किसे रिपोर्ट करनी है?"

"ये लीजिए। एम नहीं चाहती कि सेंट जर्मेन यूनिट इसमें शामिल हो। आपको जो भी कहना हो, मैं उसे सीधे प्रिंटर से लंदन भेज दूँगा। लेकिन हो सकता है कि जब आप कॉल करें, मैं उपलब्ध न रहूँ। मैं किसी को आपका ड्यूटी ऑफिसर बना दूँगा और आप चौबीसों घंटे के भीतर कभी भी उनसे संपर्क कर सकते हैं। रसेल यह कर सकती है। वह आपको लेने आई थी।"

वो तुम्हें भी उठा ले जा सकती है। ठीक रहेगा?

"हां," बॉन्ड ने कहा। "सब ठीक हो जाएगा।"

रैट्रे द्वारा कब्ज़ा की गई जर्जर प्यूजो कार से उसकी गंध आ रही थी। ग्लव कंपार्टमेंट में उसकी कुछ चीज़ें पड़ी थीं - सुचार्ड मिल्क चॉकलेट का आधा पैकेट, बॉबी पिन से भरा एक कागज़ का टुकड़ा, और एक... (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

जॉन ओ'हारा की पेपरबैक किताब, एक काला साबर का दस्ताना। बॉन्ड एटोइल तक उसके बारे में सोचता रहा, फिर उसने अपना ध्यान उससे हटा लिया और कार को बोइस से तेज़ी से आगे बढ़ाया। रैट्रे ने कहा था कि पचास की रफ़्तार से पंद्रह मिनट लगेंगे। बॉन्ड ने कहा कि गति आधी कर दो और समय दोगुना कर दो, और कर्नल श्रेइबर को बता दो कि वह साढ़े नौ बजे तक उनके साथ होगा। पोर्ट डे सेंट क्लाउड के बाद यातायात कम था, और बॉन्ड ने ऑटोरोड पर सत्तर की रफ़्तार बनाए रखी जब तक कि उसके दाहिनी ओर दूसरी निकास सड़क नहीं आ गई और वहाँ SHAPE के लिए लाल तीर का निशान था। बॉन्ड ढलान पर मुड़ा और N184 पर चला गया। दो सौ गज आगे, सड़क के बीच में, वह ट्रैफ़िक पुलिसकर्मी था जिसके लिए बॉन्ड को सतर्क रहने को कहा गया था। पुलिसकर्मी ने उसे बाईं ओर के बड़े फाटकों से अंदर आने का इशारा किया और वह पहले चेकपॉइंट पर रुक गया। एक धूसर वर्दी वाला अमेरिकी पुलिसकर्मी अपने केबिन से बाहर निकला और उसके पास पर नज़र डाली। उसे अंदर गाड़ी खड़ी करने और पास को

पकड़ने के लिए कहा गया।

अब एक फ्रांसीसी पुलिसकर्मी ने उसका पास लिया, बोर्ड पर लगे एक मुद्रित फॉर्म पर विवरण नोट किया, उसे एक बड़ा प्लास्टिक का विंडस्क्रीन नंबर दिया और आगे जाने का इशारा किया। जैसे ही बॉन्ड कार पार्क में पहुँचा, नाटकीय ढंग से अचानक सौ आर्क-लाइटें चमक उठीं और उसके सामने फैली एक एकड़ में फैली नीची झोपड़ियों को ऐसे रोशन कर दिया मानो दिन हो गया हो। खुद को नंगा महसूस करते हुए, बॉन्ड नाटो देशों के झंडों के नीचे खुली बजरी पर चला और चार छोटी सीढ़ियाँ चढ़कर चौड़े कांच के दरवाजों तक पहुँचा, जो यूरोप के सहयोगी बलों के सर्वोच्च मुख्यालय का प्रवेश द्वार थे। अब वहाँ मुख्य सुरक्षा डेस्क थी। अमेरिकी और फ्रांसीसी सैन्य पुलिस ने उसका पास चेक किया और विवरण नोट किया। उसे लाल टोपी पहने एक ब्रिटिश सांसद के हवाले कर दिया गया।

और यह रास्ता मुख्य गलियारे से होते हुए अनगिनत दफ्तरों के दरवाजों के बीच से गुजरता था। उन पर कोई नाम नहीं लिखे थे, बस सभी मुख्यालयों के सामान्य वर्णमाला के अक्षरों का इस्तेमाल किया गया था। एक दरवाजे पर लिखा था COMSTRIKFLTLANT AND SACLANT

सैस्यूर से संपर्क। बॉन्ड ने पूछा कि इसका क्या मतलब है। सैन्य पुलिसकर्मी, या तो अनभिज्ञ था या, शायद अधिक संभावना है, सुरक्षा के प्रति सजग था, उसने दृढ़ता से कहा: "ठीक से नहीं कह सकता, महोदय।"

एक दरवाजे के पीछे, जिस पर लिखा था कर्नल जी. ए. श्रेइबर, सुरक्षा प्रमुख, मुख्यालय कमान, एक अधेड़ उम्र का सीधा खड़ा व्यक्ति बैठा था, जिसके बाल सफ़ेद हो रहे थे और जिसका व्यवहार किसी बैंक मैनेजर की तरह विनम्र और नकारात्मक था। उसकी मेज पर चांदी के फ्रेम में कई पारिवारिक तस्वीरें और एक फूलदान में एक सफेद गुलाब रखा था। कमरे में तंबाकू के धुएं की कोई गंध नहीं थी। सावधानीपूर्वक सौहार्दपूर्ण प्रारंभिक बातचीत के बाद, बॉन्ड ने कर्नल को उनकी सुरक्षा के लिए बधाई दी। उसने कहा: “ये सभी जाँचें और दोहरी जाँचें विपक्ष के लिए आसान नहीं बनातीं। क्या आपने पहले कभी कुछ खोया है, या क्या आपको कभी तख्तापलट के गंभीर प्रयास के संकेत मिले हैं?”

“दोनों सवालों का जवाब ना है, कमांडर। मुख्यालय से मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। मुझे केवल बाहरी इकाइयों की चिंता है। आपकी गुप्त सेवा के इस भाग के अलावा, हमारे पास विभिन्न पृथक सिग्नल इकाइयाँ हैं।”

फिर, ज़ाहिर है, चौदह अलग-अलग देशों के गृह मंत्रालय भी हैं। उन विभागों से जो भी जानकारी लीक हो सकती है, उसके लिए मैं ज़िम्मेदार नहीं हूँ।

“यह आसान काम नहीं हो सकता,” बॉन्ड ने सहमति जताते हुए कहा। “अब, इस गड़बड़ी के बारे में। विंग कमांडर रैट्रे ने आपसे पिछली बार बात की थी, तब से क्या कुछ और सामने आया है?”

गोली मिल गई। लूगर। रीढ़ की हड्डी को चीर दिया। संभवतः लगभग तीस गज की दूरी से चलाई गई होगी, दस गज कम या ज्यादा। अगर मान लें कि हमारा आदमी सीधी दिशा में जा रहा था, तो

गोली पीछे से सीधी दिशा में चलाई गई होगी। चूंकि यह सड़क पर खड़ा कोई आदमी नहीं हो सकता, इसलिए हत्यारा किसी वाहन में या उस पर सवार होकर चल रहा होगा।

"तो क्या आपके आदमी ने उसे ड्राइविंग मिरर में देखा होगा?"

"शायद।"

"अगर आपके राइडर्स को पता चलता है कि कोई उनका पीछा कर रहा है, तो क्या उनके पास बचाव के लिए कोई निर्देश हैं?"

कर्नल ने हल्की सी मुस्कान दी। "ज़रूर। उन्हें पूरी ताकत से आगे बढ़ने का आदेश दिया गया है।"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

"और आपका आदमी किस गति से दुर्घटनाग्रस्त हुआ?"

“वे सोचते हैं, इतनी जल्दी नहीं। बीस से चालीस के बीच। कमांडर, आपका मतलब क्या है?”

“मैं सोच रहा था कि क्या आपने तय कर लिया है कि यह किसी पेशेवर का काम था या किसी नौसिखिए का। अगर आपका आदमी भागने की कोशिश नहीं कर रहा था, और मान लें कि उसने शीशे में कातिल को देख लिया था, जो कि मेरी राय में सिर्फ एक संभावना है, तो इससे पता चलता है कि उसने पीछा कर रहे आदमी को दुश्मन नहीं बल्कि दोस्त समझा। इसका मतलब यह हो सकता है कि उसने कोई ऐसा भेष अपनाया हो जो यहाँ की स्थिति के अनुकूल हो - ऐसा भेष जिसे आपका आदमी सुबह के उस समय भी अपना लेता।”

कर्नल श्राइबर के चिकने माथे पर हल्की सी शिकन आ गई थी। "कमांडर," उनकी आवाज़ में तनाव झलक रहा था, "हम इस मामले के हर पहलू पर विचार कर रहे हैं, जिसमें वह पहलू भी शामिल है जिसका आपने ज़िक्र किया है। कल दोपहर को कमांडिंग जनरल ने इस मामले में आपातकाल घोषित कर दिया, स्थायी सुरक्षा और सुरक्षा अभियान समितियाँ गठित की गईं, और उस क्षण से हर पहलू, हर सुराग की व्यवस्थित रूप से छानबीन की गई है। और मैं आपको बता सकता हूँ, कमांडर," कर्नल ने अपना एक सुसजप्ड हाथ उठाया और उसे धीरे से अपने सोख्ता कागज़ पर रखा, "इस मामले में जो भी व्यक्ति कोई ज़रा सा भी मौलिक विचार दे पाएगा, उसका आइंस्टीन से घनिष्ठ संबंध होना ज़रूरी है।"

इस मामले में आगे बढ़ने के लिए कुछ भी नहीं है, बिल्कुल कुछ भी नहीं है।

बॉन्ड ने सहानुभूति भरी मुस्कान दी। वह खड़ा हो गया। “तो कर्नल जी, मैं आज शाम आपका और समय बर्बाद नहीं करूंगा। अगर मुझे विभिन्न बैठकों का विवरण मिल जाए ताकि मैं नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकूं, और अगर आपका कोई आदमी मुझे कैंटीन और मेरे क्वार्टर का रास्ता दिखा दे...”

“ज़रूर, ज़रूर।” कर्नल ने घंटी बजाई। एक युवा, छोटे बालों वाला सहायक अंदर आया। “प्रोक्टर,

कमांडर को वीआईपी विंग में उनके कमरे तक ले चलो, और फिर उन्हें बार और कैंटीन ले चलो।" वह बॉन्ड की ओर मुड़ा। "आपके खाने-पीने के बाद मैं आपके लिए वे कागज़ात तैयार रखूँगा।"

वे मेरे दफ्तर में होंगे। उन्हें बाहर नहीं ले जाया जा सकता, लेकिन आपको बगल वाले दफ्तर में सब कुछ आसानी से मिल जाएगा, और प्रॉक्टर आपको किसी भी कमी के बारे में बता देंगे।" उन्होंने अपना हाथ आगे बढ़ाया। "ठीक है? तो हम सुबह फिर मिलेंगे।"

बॉन्ड ने शुभ रात्रि कहा और सहायक के पीछे-पीछे बाहर निकल गया। तटस्थ रंगों से रंगे और तटस्थ गंध वाले गलियारों में चलते हुए उसने सोचा कि शायद यह अब तक का सबसे निराशाजनक असाइनमेंट था। अगर चौदह देशों के शीर्ष सुरक्षा विशेषज्ञ भी इस समस्या का समाधान नहीं ढूंढ पा रहे थे, तो उसकी क्या उम्मीद थी? उस रात जब वह आगंतुकों के ठहरने के सादे लेकिन आलीशान कमरे में बिस्तर पर लेटा, तब तक बॉन्ड ने फैसला कर लिया था कि वह कुछ और दिन इस मिशन को जारी रखेगा - मुख्य रूप से मैरी एन रसेल के साथ यथासंभव लंबे समय तक संपर्क बनाए रखने के लिए।

और फिर उसे फेंक दिया। इस निर्णय के बाद वह तुरंत गहरी और निश्चिंत नींद में सो गया।

दो नहीं, बल्कि चार दिन बाद, जब सेंट जर्मेन के जंगल पर भोर हुई, तो जेम्स बॉन्ड एक ओक के पेड़ की मोटी शाखा पर लेटा हुआ था और डी98 सड़क के किनारे पेड़ों के बीच स्थित एक छोटे से खाली मैदान पर नजर रख रहा था, जो हत्या की सड़क थी।

वह सिर से पैर तक पैराशूटिस्टों के छलावरण वाले कपड़ों में लिपटा हुआ था - हरे, भूरे और काले रंग के। यहाँ तक कि उसके हाथ भी उसी कपड़े से ढके हुए थे, और उसके सिर पर एक हुड था जिसमें आँखों और मुँह के लिए छेद बने हुए थे। यह अच्छा छलावरण था जो सूरज के ऊपर आने और परछाइयों के और भी गहरे होने पर और भी बेहतर हो जाता, और ज़मीन पर कहीं से भी, यहाँ तक कि ऊँची शाखा के ठीक नीचे से भी, उसे देखा नहीं जा सकता था।

बात कुछ इस तरह हुई। SHAPE में पहले दो दिन उम्मीद के मुताबिक समय की बर्बादी ही रहे। बॉन्ड ने अपने बार-बार पूछे जाने वाले सवालों से खुद को थोड़ा अलोकप्रिय बनाने के अलावा कुछ हासिल नहीं किया था। तीसरे दिन सुबह जब वह अलविदा कहने जा रहा था, तभी कर्नल का फोन आया। "ओह, कमांडर, मैंने सोचा आपको बता दूं कि आखिरी दिन...

पुलिस कुत्तों की एक टीम कल रात देर से अंदर घुसी - आपका यह विचार था कि पूरे जंगल की तलाशी लेना सार्थक हो सकता है।

"माफ़ कीजिए" - आवाज़ में खेद का भाव नहीं था - "लेकिन नकारात्मक, बिल्कुल नकारात्मक।"

"ओह। समय बर्बाद करने के लिए मैं ही दोषी हूँ।" कर्नल को चिढ़ाने के इरादे से ही बॉन्ड ने कहा: "क्या मैं हैंडलर से बात कर सकता हूँ?"

"ज़रूर, ज़रूर। जो चाहो। वैसे, कमांडर, आप यहाँ कितने समय तक रहने की योजना बना रहे हैं?"

आप जब तक चाहें हमारे साथ रह सकते हैं, हमें खुशी है। लेकिन आपके कमरे का मामला है। लगता है कुछ दिनों में हॉलैंड से एक बड़ी पार्टी आ रही है। शायद कोई उच्च स्तरीय स्टाफ कोर्स है, और प्रशासन का कहना है कि उनके पास जगह की थोड़ी कमी है।

बॉन्ड को कर्नल श्रेइबर के साथ अच्छे संबंध होने की उम्मीद नहीं थी और ऐसा हुआ भी नहीं। उन्होंने सौहार्दपूर्वक कहा:

मैं अपने चीफ से बात करके आपको वापस कॉल करूंगा, कर्नल।

“ऐसा कीजिए।” कर्नल की आवाज भी उतनी ही विनम्र थी, लेकिन दोनों व्यक्तियों का शिष्टाचार टूट रहा था और दोनों रिसीवरों ने एक साथ लाइन काट दी।

मुख्य प्रशिक्षक लैंडेस का एक फ्रांसीसी था। उसकी नज़रें शिकारी की तरह तेज़ और धूर्त थीं। बॉन्ड उससे कुत्तों के बाड़े में मिला, लेकिन प्रशिक्षक की नज़दीकी अल्सेशियन कुत्तों के लिए असहनीय थी, इसलिए शोर से बचने के लिए वह बॉन्ड को ड्यूटी-रूम में ले गया। यह एक छोटा सा कार्यालय था, जिसमें खूंटियों पर दूरबीनें टंगी थीं और दीवारों के चारों ओर वाटरप्रूफ कपड़े, गमबूट, कुत्तों के हार्नेस और अन्य सामान रखे थे। वहाँ लकड़ी की दो कुर्सियाँ और एक मेज थी जिस पर सेंट जर्मेन के जंगल का एक बड़ा नक्शा रखा था। इसे पेंसिल से चौकोर खानों में बाँटा गया था। प्रशिक्षक ने नक्शे पर इशारा करते हुए कहा, "हमारे कुत्तों ने पूरा इलाका छान मारा है, महोदय। अब वहाँ कुछ नहीं बचा है।"

"क्या आपका मतलब यह है कि उन्होंने एक बार भी जांच नहीं की?"

कर्मचारी ने अपना सिर खुजाया। “महाशय, हमें कुछ जानवरों से परेशानी हुई। एक-दो खरगोश थे। कुछ लोमड़ियों के बिल भी थे। कैरेफोर रॉयल के पास एक खुले मैदान से उन्हें भगाने में हमें काफी मशक्कत करनी पड़ी। शायद उन्हें अभी भी जिप्सियों की गंध आ रही थी।”

“ओह।” बॉन्ड की दिलचस्पी बस थोड़ी सी ही थी। “मुझे दिखाओ। ये जिप्सी कौन थे?”

उस सहायक ने अपनी मैली छोटी उंगली से नज़ाकत से इशारा किया। “ये पुराने ज़माने के नाम हैं। ये है एटोइल परफ़ाइट, और ये, जहाँ हत्या हुई थी, ये है कैरेफ़ोर डेस क्यूरिएक्स। और ये, त्रिभुज के निचले हिस्से में, कैरेफ़ोर रॉयल है। ये,” उसने नाटकीय अंदाज़ में कहा, “मौत के रास्ते के साथ एक क्रॉस बनाता है।” उसने अपनी जेब से एक पेंसिल निकाली और चौराहे के ठीक बाहर एक बिंदु बनाया। “और ये है खुला मैदान, महोदय। यहाँ सर्दियों के ज़्यादातर समय जिप्सियों का एक काफिला रहता था। वे पिछले महीने चले गए।”

जगह की सफाई तो ठीक से हो गई, लेकिन कुत्तों के लिए उनकी गंध महीनों तक वहां बनी रहेगी।

बॉन्ड ने उन्हें धन्यवाद दिया, और कुत्तों का निरीक्षण और प्रशंसा करने के बाद, तथा हैंडलर के पेशे के बारे में थोड़ी बातचीत करने के बाद, वह प्यूजो कार में बैठकर सेंट जर्मेन स्थित पुलिस स्टेशन के लिए रवाना हो गए। “हाँ, वे जिप्सियों को ज़रूर जानते थे। बिल्कुल रोमानी जैसे दिखने वाले लोग। फ्रेंच का एक शब्द भी मुश्किल से बोलते थे, लेकिन उनका व्यवहार अच्छा था। कोई

शिकायत नहीं थी। छह पुरुष और दो महिलाएँ। नहीं। किसी ने उन्हें जाते हुए नहीं देखा था। एक सुबह वे वहाँ नहीं थे। शायद एक हफ़्ते से गायब थे। उन्होंने एक सुनसान जगह चुनी थी।"

बॉन्ड जंगल से होते हुए D98 सड़क पर आगे बढ़ा। जब सड़क से एक चौथाई मील आगे विशाल ऑटोरोड पुल दिखाई दिया, तो बॉन्ड ने गति बढ़ाई और फिर इंजन बंद कर दिया और चुपचाप तब तक गाड़ी चलाता रहा जब तक कि वह कैरेफोर रॉयल के पास नहीं पहुँच गया। वह रुका और बिना आवाज किए कार से बाहर निकला, और खुद को थोड़ा मूर्ख महसूस करते हुए, धीरे से जंगल में प्रवेश किया और बड़ी सावधानी से उस खुले मैदान की ओर बढ़ा जहाँ से आगे रास्ता दिखाई देगा। (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

बीस गज अंदर पेड़ों के बीचोंबीच जाकर वह उसके पास पहुँचा। वह झाड़ियों और पेड़ों के किनारे खड़ा होकर उसका ध्यानपूर्वक निरीक्षण करने लगा। फिर वह अंदर चला गया और उसे एक छोर से दूसरे छोर तक छानबीन करने लगा।

खुला मैदान लगभग दो टेनिस कोर्ट जितना बड़ा था और घनी घास और काई से ढका हुआ था। वहाँ लिली ऑफ द वैली का एक बड़ा पैच था और आसपास के पेड़ों के नीचे नीले रंग के कुछ फूल बिखरे हुए थे। एक तरफ एक छोटा सा टीला था, शायद एक छोटा सा टीला, जो पूरी तरह से कंटीली झाड़ियों और जंगली गुलाबों से घिरा और ढका हुआ था, जिन पर अब घनी झाड़ियाँ खिली हुई थीं। बॉन्ड इसके चारों ओर घूमा और जड़ों के बीच झाँका, लेकिन टीले के मिट्टी जैसे आकार के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दिया।

बॉन्ड ने आखिरी बार चारों ओर देखा और फिर खुले मैदान के उस कोने की ओर बढ़ा जो सड़क के सबसे करीब था। यहाँ पेड़ों के बीच से आसानी से रास्ता था। क्या वहाँ किसी रास्ते के निशान थे, पत्तियों के हल्के से दबे होने के निशान? बस उतने ही निशान थे जितने जिप्सियों या पिछले साल पिकनिक मनाने वालों ने छोड़े होंगे। सड़क के किनारे दो पेड़ों के बीच एक संकरा रास्ता था। बॉन्ड ने लापरवाही से झुककर तनों का निरीक्षण किया। वह अकड़ गया और घुटनों के बल बैठ गया। उसने अपने नाखून से धीरे से जमी हुई मिट्टी की एक पतली सी परत खुरची। इसने पेड़ के तने में एक गहरे खरोंच को छुपा दिया था। उसने मिट्टी के टुकड़ों को अपने दूसरे हाथ में पकड़ा। अब उसने थूककर मिट्टी को गीला किया और सावधानी से खरोंच को फिर से भर दिया। एक पेड़ पर तीन और दूसरे पर चार छिपे हुए खरोंच थे। बॉन्ड तेजी से पेड़ों से निकलकर सड़क पर आ गया। उसकी कार ऑटोरोड पुल के नीचे जाने वाली एक हल्की ढलान पर रुक गई थी। हालांकि ऑटोरोड पर वाहनों के शोर से कुछ हद तक बचाव था, फिर भी बॉन्ड ने कार को धक्का दिया, उसमें कूद गया और पुल के काफी नीचे पहुंचने के बाद ही गियर बदले।

और अब बॉन्ड वापस खुले मैदान में, उसके ऊपर आ गया था, और उसे अभी भी नहीं पता था कि उसका अनुमान सही था या नहीं।

एम के कथन ने ही उसे सुराग ढूंढने के लिए प्रेरित किया था - अगर वह कोई सुराग था - और जिप्सियों के उल्लेख ने भी।

"कुत्तों को जिप्सियों की गंध आ रही थी... लगभग पूरी सर्दी भर... वे पिछले महीने चले गए।

कोई शिकायत नहीं...”

एक सुबह वे वहां थे ही नहीं। अदृश्य कारक। अदृश्य व्यक्ति। वे लोग जो पृष्ठभूमि में इतने घुलमिल जाते हैं कि पता ही नहीं चलता कि वे वहां हैं या नहीं। छह पुरुष और दो लड़कियां, और वे मुश्किल से एक शब्द भी फ्रेंच बोलते थे। बढ़िया आवरण, जिप्सी। आप विदेशी होते हुए भी विदेशी नहीं होते, क्योंकि आप सिर्फ एक जिप्सी होते हैं। उनमें से कुछ कारवां में चले गए थे। क्या उनमें से कुछ यहीं रुक गए थे, सर्दियों के दौरान अपने लिए एक गुप्त ठिकाना बना लिया था, एक ऐसी गुप्त जगह जहां से अति गोपनीय संदेशों का अपहरण उनका पहला अभियान था? बॉन्ड को लगा कि वह कल्पनाओं में खोया हुआ है, जब तक कि उसे दो पेड़ों पर खरोंचें नहीं मिलीं, वे खरोंचें जिन्हें बड़ी सावधानी से छिपाया गया था। वे ठीक उस ऊंचाई पर थीं जहां अगर कोई साइकिल चला रहा होता, तो उसके पैडल पेड़ की छाल में फंस सकते थे। यह सब एक कोरी कल्पना हो सकती है, लेकिन बॉन्ड के लिए यह काफी था। उसके मन में बस एक ही सवाल था कि क्या इन लोगों ने सिर्फ एक बार ही यह कारनामा किया था या वे अपनी सुरक्षा को लेकर इतने आश्वस्त थे कि वे फिर से कोशिश करेंगे। उसने यह बात सिर्फ स्टेशन एफ की मैरी को बताई। ऐन रसेल ने उसे सावधान रहने को कहा। एफ के प्रमुख ने अधिक सकारात्मक तरीके से सेंट जर्मेन में अपनी यूनिट को सहयोग करने का आदेश दिया। बॉन्ड ने कर्नल श्रेइबर को अलविदा कहा और यूनिट के मुख्यालय में एक कैंप बेड पर चला गया - जो एक गुमनाम गांव की एक गली में स्थित एक गुमनाम सा घर था।

उस यूनिट ने छलावरण वाली वर्दी मुहैया कराई थी और उस यूनिट को चलाने वाले चारों सीक्रेट सर्विस के जवान खुशी-खुशी बॉन्ड के आदेशों का पालन करने लगे थे। वे बॉन्ड की तरह ही यह बात समझते थे कि अगर बॉन्ड SHAPE के पूरे सुरक्षा तंत्र को नाकाम करने में कामयाब हो जाता है, तो सीक्रेट सर्विस को SHAPE के उच्च कमान के सामने एक अमूल्य उपलब्धि हासिल हो जाएगी और एम की अपनी यूनिट की स्वतंत्रता को लेकर चिंताएं हमेशा के लिए दूर हो जाएंगी।

ओक की शाखा पर लेटे हुए बॉन्ड ने मन ही मन मुस्कुराया। निजी सेनाएँ, निजी युद्ध। वे आम उद्देश्य से कितनी ऊर्जा छीन लेते हैं, आम दुश्मन से कितना ध्यान भटका देते हैं!

साढ़े छह बज गए। नाश्ते का समय हो गया। बॉन्ड ने सावधानी से अपना दाहिना हाथ अपने कपड़ों में टटोला और अपने मुँह के छेद तक पहुँचाया। बॉन्ड ने ग्लूकोज़ की गोली को जितना हो सके लंबे समय तक चलाया और फिर दूसरी गोली चूस ली। उसकी नज़रें मैदान से हटी ही नहीं। लाल गिलहरी, जो सुबह होते ही दिखाई दी थी और तब से लगातार बीच के छोटे अंकुर खा रही थी, टीले पर गुलाब की झाड़ियों के पास कुछ कदम दौड़ी, कुछ उठाया और उसे अपने पंजों में घुमाकर कुतरने लगी। दो जंगली कबूतर जो शोर मचा रहे थे... (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

घनी घास के बीच प्रेमालाप करते पक्षी अनाड़ीपन और फड़फड़ाते हुए प्यार करने लगे। काँटेदार झाड़ी में घोंसला बनाने के लिए गौरैयों का एक जोड़ा बड़े चाव से छोटे-छोटे टुकड़े इकट्ठा कर रहा था। मोटा थ्रश पक्षी आखिरकार अपना कीड़ा ढूंढकर उसे खींचने लगा, उसके पैर जमे हुए थे। टीले पर गुलाबों के बीच मधुमक्खियाँ घनी झुंड में थीं, और जहाँ बॉन्ड था, लगभग बीस गज दूर और टीले के ऊपर, वहाँ से वह उनकी सुहावनी आवाज़ सुन पा रहा था। यह किसी परीकथा का

दृश्य था - गुलाब, लिली ऑफ द वैली, पक्षी और ऊँचे पेड़ों से छनकर आती सूरज की तेज़ किरणें चमकती हरी घास पर पड़ रही थीं। बॉन्ड सुबह चार बजे अपने छिपने की जगह पर चढ़ा था और उसने रात से शानदार दिन में बदलते इस नज़ारे को इतनी बारीकी से और इतने लंबे समय तक पहले कभी नहीं देखा था। उसे अचानक मूर्खता का एहसास हुआ। किसी भी पल कोई पक्षी आकर उसके सिर पर बैठ जाएगा!

सबसे पहले कबूतरों ने ही खतरे की घंटी बजाई। तेज आवाज के साथ वे उड़ गए और पेड़ों की ओर दौड़ पड़े।

सभी पक्षी और गिलहरी उनके पीछे-पीछे चले गए। अब मैदान में मधुमक्खियों की हल्की भिनभिनाहट के अलावा सन्नाटा पसरा हुआ था।

खतरे की घंटी किसने बजाई? बॉन्ड का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। उसकी आँखें सुराग की तलाश में चारों ओर घूम रही थीं। गुलाबों के बीच कुछ हिल रहा था। यह एक छोटी सी हलचल थी, लेकिन असाधारण। धीरे-धीरे, इंच-दर-इंच, एक काँटेदार तना, जो असामान्य रूप से सीधा और मोटा था, ऊपरी शाखाओं से ऊपर उठ रहा था। यह तब तक ऊपर उठता रहा जब तक कि यह झाड़ी से एक फुट ऊपर नहीं पहुँच गया। फिर यह रुक गया। तने के सिरे पर एक अकेला गुलाबी गुलाब था। झाड़ी से अलग, यह अप्राकृतिक लग रहा था, लेकिन केवल तभी जब कोई पूरी प्रक्रिया को ध्यान से देख रहा हो। सरसरी नज़र से देखने पर यह एक भटका हुआ तना ही था, और कुछ नहीं।

अब, चुपचाप, गुलाब की पंखुड़ियाँ घूमती और फैलती हुई प्रतीत हुईं, पीले परागकोष एक तरफ हट गए और एक शिलिंग के आकार के कांच के लेंस पर सूरज की रोशनी चमक उठी। लेंस बॉन्ड को सीधे देख रहा था, लेकिन फिर बहुत धीरे-धीरे, गुलाब की आँख अपने तने पर घूमने लगी और तब तक घूमती रही जब तक कि लेंस फिर से बॉन्ड को देखने लगा और पूरे मैदान का बारीकी से निरीक्षण हो गया। मानो संतुष्ट होकर, पंखुड़ियाँ धीरे से घूमकर आँख को ढक लिया और बहुत धीरे-धीरे अकेला गुलाब नीचे उतरकर बाकी गुलाबों के साथ मिल गया।

बॉन्ड की सांसें तेज़ी से बाहर निकलीं। उसने कुछ पल के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं। जिप्सी! अगर वह मशीन कोई सबूत थी, तो टीले के अंदर, धरती की गहराई में, यकीनन अब तक की सबसे पेशेवर जासूसी इकाई छिपी हुई थी - इंग्लैंड ने जर्मनी के सफल आक्रमण के बाद जो भी तैयारी की थी, उससे कहीं ज़्यादा शानदार, और खुद जर्मनों ने आर्डेन्स में जो छोड़ा था, उससे भी कहीं बेहतर। बॉन्ड की रीढ़ में रोमांच और उम्मीद की एक सिहरन दौड़ गई - लगभग डर की सिहरन। तो वह सही था! लेकिन अब आगे क्या होने वाला था?

अब, टीले की दिशा से एक पतली, तीखी आवाज़ आई - बहुत तेज़ गति से चल रही बिजली की मोटर की आवाज़। गुलाब की झाड़ी थोड़ी काँपी। मधुमक्खियाँ उड़ गईं, मंडराईं और फिर बैठ गईं। धीरे-धीरे, बड़ी झाड़ी के बीचोंबीच एक टेढ़ी-मेढ़ी दरार बन गई और धीरे-धीरे चौड़ी होती गई। अब झाड़ी के दोनों हिस्से दोहरे दरवाजों की तरह खुल रहे थे। अंधेरा छेद इतना चौड़ा हो गया कि बॉन्ड को खुले दरवाजे के दोनों ओर झाड़ी की जड़ें ज़मीन में जाती हुई दिखाई देने लगीं। मशीनरी की आवाज़ तेज़ हो गई और घुमावदार दरवाजों के किनारों से धातु की चमक दिखाई दी। यह किसी कब्ज़े वाले ईस्टर अंडे के खुलने जैसा था। पल भर में दोनों हिस्से अलग हो गए और गुलाब

की झाड़ी के दोनों हिस्से, जो अभी भी मधुमक्खियों से भरे हुए थे, पूरी तरह से खुल गए। अब झाड़ी की जड़ों और ज़मीन को सहारा देने वाले धातु के ढांचे का अंदरूनी हिस्सा सूरज की रोशनी में खुला था। घुमावदार दरवाजों के बीच के अंधेरे छेद से हल्की बिजली की रोशनी चमक रही थी। मोटर की आवाज़ बंद हो गई थी। पहले सिर और कंधे दिखाई दिए, फिर बाकी का आदमी। वह धीरे से बाहर निकला और झुककर चारों ओर मैदान को ध्यान से देखने लगा। उसके हाथ में एक बंदूक थी - एक लूगर। संतुष्ट होकर वह मुड़ा और शाफ्ट की ओर इशारा किया। दूसरे आदमी का सिर और कंधे दिखाई दिए। उसने स्नोशूज़ जैसे दिखने वाले तीन जोड़े ऊपर दिए और नज़रों से ओझल हो गया। पहले आदमी ने एक जोड़ा चुना और घुटनों के बल बैठकर उन्हें अपने बूटों पर बांध लिया। अब वह ज़्यादा आज़ादी से इधर-उधर घूमने लगा, पैरों के निशान छोड़े बिना, क्योंकि चौड़ी जाली के नीचे बर्फ़ कुछ पल के लिए चपटी हुई और फिर धीरे-धीरे ऊपर उठ गई। बॉन्ड मन ही मन मुस्कुराया। बड़े चालाक कमीने!

दूसरा आदमी बाहर आया। उसके पीछे तीसरा भी आया। दोनों ने मिलकर शाफ्ट से एक मोटरसाइकिल निकाली और उसे हार्नेस की रस्सी से अपने बीच लटकाकर खड़े हो गए, जबकि पहला आदमी, जो स्पष्ट रूप से उनका नेता था, घुटनों के बल बैठकर उनके बूटों के नीचे स्नोशू बांधने लगा। फिर, एक कतार में वे आगे बढ़े। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

पेड़ों के बीच से सड़क की ओर। जिस तरह से वे छाया में धीरे-धीरे ऊंचे-ऊंचे कदम रखते हुए, बारी-बारी से अपने बड़े-बड़े जालीदार पैरों को उठाते और सावधानी से रखते हुए आगे बढ़ रहे थे, उसमें कुछ असाधारण रूप से भयावहता थी।

बॉन्ड ने राहत की एक लंबी साँस ली और गर्दन की मांसपेशियों को आराम देने के लिए अपना सिर धीरे से डाल पर टिका दिया। तो यही था पूरा ब्यौरा! अब आखिरी छोटी सी जानकारी भी फाइल में जोड़ी जा सकती थी। जहाँ उसके दोनों मातहत ग्रे रंग के ओवरऑल पहने हुए थे, वहीं नेता ने रॉयल कॉर्प्स ऑफ़ सिग्नल्स की वर्दी पहनी हुई थी और उसकी मोटरसाइकिल ऑलिव ग्रीन रंग की बीएसए एम20 थी, जिसके पेट्रोल टैंक पर ब्रिटिश सेना का रजिस्ट्रेशन नंबर था। इसीलिए SHAPE के संदेशवाहक ने उसे रेंज में आने दिया था। और यूनिट ने अपने इस अति-गुप्त खजाने का क्या किया? शायद रात में उसमें से सबसे खास चीज़ें रेडियो के ज़रिए बाहर भेज दीं।

पेरिस्कोप की जगह, झाड़ी से गुलाब की डंडी जैसा एक एंटीना ऊपर उठेगा, धरती के बहुत नीचे पेडल जनरेटर चालू हो जाएगा और तेज़ रफ़्तार वाले सिफर समूह निकल पड़ेंगे। सिफर? अगर बॉन्ड उस यूनिट को छिपने की जगह से बाहर निकलते ही पकड़ ले, तो उस शाफ़्ट में दुश्मन के कई अच्छे राज़ छिपे होंगे। और सोवियत सैन्य खुफिया एजेंसी जीआरयू को झूठी जानकारी भेजने का कितना बढ़िया मौका होगा, जो शायद नियंत्रण का काम कर रही थी! बॉन्ड के दिमाग में तरह-तरह के विचार दौड़ रहे थे।

दोनों साथी वापस आ रहे थे। वे सुरंग में घुस गए और गुलाब की झाड़ी ने उसे ढक लिया। मशीन के साथ नेता सड़क के किनारे झाड़ियों के बीच होगा। बॉन्ड ने अपनी घड़ी पर नज़र डाली।

छह बजकर पचपन मिनट। बिल्कुल! वह इंतज़ार कर रहा होगा कि कोई संदेशवाहक आए। या तो

उसे पता नहीं था कि जिस आदमी को उसने मारा था, वह हर हफ्ते ड्यूटी पर आता था, जो कि असंभव था, या फिर वह मान रहा था कि अतिरिक्त सुरक्षा के लिए SHAPE अब अपना रूटीन बदल देगा। ये लोग बहुत सावधान थे। शायद उन्हें आदेश मिला था कि गर्मी आने से पहले जितना हो सके सफाई कर लें, क्योंकि गर्मी आने पर जंगल में बहुत सारे पर्यटक आ जाते हैं। फिर यूनिट को वापस बुला लिया जाएगा और सर्दियों में फिर से तैनात किया जाएगा।

कौन कह सकता है कि उनकी दीर्घकालिक योजनाएँ क्या थीं? इतना ही काफी है कि नेता एक और हत्या की तैयारी कर रहा था।

मिनट बीतते गए। सात बजकर दस मिनट पर नेता फिर प्रकट हुआ। वह खुले मैदान के किनारे एक बड़े पेड़ की छाया में खड़ा हुआ और एक संक्षिप्त, ऊँची, चिड़िया जैसी सीटी बजाई। तुरंत ही गुलाब की झाड़ी खुलने लगी और दोनों साथी बाहर आए और नेता के पीछे-पीछे पेड़ों में चले गए। दो मिनट में वे मोटरसाइकिल को अपने बीच लटकाए हुए वापस आ गए। नेता ने चारों ओर ध्यान से देखा कि उन्होंने कोई निशान तो नहीं छोड़ा है, फिर वह उनके पीछे-पीछे खाई में उतर गया और गुलाब की झाड़ी के दोनों हिस्से उसके पीछे तेज़ी से बंद हो गए।

आधे घंटे बाद उस खुले मैदान में फिर से चहल-पहल शुरू हो गई। एक घंटे बाद, जब सूरज की तेज रोशनी से परछाइयाँ छलकने लगीं, तो जेम्स बॉन्ड चुपचाप अपनी डाल पर पीछे की ओर सरकते हुए, कुछ कंटीली झाड़ियों के पीछे काई के एक टुकड़े पर धीरे से उतरा और सावधानी से वापस जंगल में विलीन हो गया।

उस शाम बॉन्ड की मैरी एन रसेल के साथ हुई नियमित बातचीत काफी तीखी रही। उन्होंने कहा: “तुम पागल हो। मैं तुम्हें ऐसा नहीं करने दूंगी। मैं हेड ऑफ एफ से कर्नल श्राइबर को फोन करवाकर पूरी कहानी बताऊंगी। यह SHAPE का काम है, तुम्हारा नहीं।”

बॉन्ड ने तीखे लहजे में कहा: “ऐसा कुछ नहीं होगा। कर्नल श्रेइबर का कहना है कि उन्हें कल सुबह ड्यूटी डिस्पैच-राइडर की जगह मुझे एक मॉक टेस्ट करने देने में कोई आपत्ति नहीं है। इस समय उन्हें बस इतना ही जानना है। अपराध का पुनर्निर्माण करना है। उन्हें कोई फ़र्क नहीं पड़ता। उन्होंने इस मामले की फाइल लगभग बंद कर दी है। अब, मेरी बात मानो और जैसा कहा जाए वैसा करो। बस मेरी रिपोर्ट एम को प्रिंटर पर दे दो। उन्हें समझ आ जाएगा कि मुझे इस मामले को सुलझाने की ज़रूरत क्यों है। उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।”

“धिक्कार है एम! धिक्कार है तुम पर! धिक्कार है इस पूरी बेवकूफ सर्विस पर!” आवाज़ में गुस्से और आँसू थे। “तुम लोग बस कुछ बच्चे हो जो रेड इंडियन बनने का नाटक कर रहे हो। अकेले ही इन लोगों से भिड़ रहे हो! ये तो बस दिखावा है। बस इतना ही। दिखावा।”

बॉन्ड को गुस्सा आने लगा था। उसने कहा: “बस करो, मैरी एन। उस रिपोर्ट को प्रिंटर पर डालो।”

मुझे खेद है, लेकिन यह एक आदेश है।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

आवाज में निराशा थी। “अच्छा, ठीक है। आपको मुझ पर अपना रौब दिखाने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन चोट मत लगने देना। कम से कम स्थानीय थाने के लड़के तुम्हारे टुकड़े उठा लेंगे। शुभकामनाएँ।”

“धन्यवाद, मैरी एन। और क्या आप कल रात मेरे साथ डिनर करेंगी? आर्मेनोनविले जैसी किसी जगह पर।”

गुलाबी शैम्पेन और जिप्सी वायलिन। पेरिस में वसंत ऋतु की दिनचर्या।

“हां,” उसने गंभीरता से कहा। “मुझे अच्छा लगेगा। लेकिन फिर आप और भी ज्यादा ध्यान रखेंगे, प्लीज़?”

“बिल्कुल करूँगा। चिंता मत करो। शुभ रात्रि।”

"'रात।"

बॉन्ड ने बाकी की शाम अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देने और स्टेशन के चार आदमियों को अंतिम जानकारी देने में बिताई।

यह एक और खूबसूरत दिन था; बॉन्ड, धड़कती हुई बीएसए राइफल पर आराम से बैठा हुआ, उड़ान भरने का इंतजार कर रहा था, उसे शायद ही विश्वास हो रहा था कि कैरेफोर रॉयल के ठीक आगे उसका इंतजार कर रहा एक घात लगाकर हमला होने वाला है।

सिग्नल कोर के कॉर्पोरल, जिसने उन्हें उनका खाली डिस्पैच-केस सौंपा था और उन्हें जाने का संकेत देने ही वाला था, बोला: “महोदय, आप तो मानो जीवन भर रॉयल कोर में ही रहे हों। लगता है आपको जल्द ही बाल कटवाने चाहिए, लेकिन वर्दी तो एकदम बढ़िया है। आपको साइकिल कैसी लगी, महाराज?”

“सब कुछ बढ़िया चल रहा है। मैं भूल ही गया था कि ये चीज़ें कितनी मज़ेदार होती हैं।”

“मुझे तो किसी भी दिन एक बढ़िया सी ऑस्टिन ए40 कार दे दो, महोदय।” कॉर्पोरल ने अपनी घड़ी देखी। “सात बजने ही वाले हैं।” उसने अंगूठा ऊपर उठाया। “ठीक है।”

बॉन्ड ने अपने चश्मे को अपनी आंखों पर नीचे खींचा, कॉर्पोरल की ओर हाथ बढ़ाया, मशीन को गियर में डाला और बजरी पर से होते हुए मुख्य द्वार से बाहर निकल गया।

184 से निकलकर 307 पर, बैली और नॉइज़ी-ले-रोई से होते हुए सेंट नोम का इलाका शुरू हुआ। यहाँ से उसे D98 पर तेज़ी से दाएँ मुड़ना था - जिसे उसके हैंडलर ने 'मौत का रास्ता' कहा था। बॉन्ड ने गाड़ी घास के किनारे रोकी और एक बार फिर अपनी लंबी बैरल वाली .45 कोल्ट पिस्तौल पर नज़र डाली। उसने गर्म पिस्तौल को वापस अपने पेट से सटा लिया और जैकेट का बटन खुला छोड़ दिया। तैयार! शुरू हो जाओ...!

बॉन्ड ने तीखे मोड़ पर मुड़ते हुए रफ्तार बढ़ा दी। पेरिस ऑटोरोड को ले जाने वाला पुल सामने दिखाई देने लगा। उसके नीचे बनी सुरंग का अंधेरा मुँह खुला और उसे निगल गया। उसके

एग्ज़ॉस्ट की आवाज़ बहुत तेज़ थी, और एक पल के लिए ठंडी और नमी से भरी सुरंग की गंध आई। फिर वह धूप में आ गया और तुरंत कैरेफोर रॉयल के पार पहुँच गया। आगे तेल से चमकती हुई डामर की सड़क दो मील तक जादुई जंगल से गुज़रती हुई सीधी जा रही थी और पत्तों और ओस की मीठी खुशबू फैली हुई थी। बॉन्ड ने अपनी गति घटाकर चालीस कर दी। उसकी बाईं ओर लगा ड्राइविंग मिरर उसकी गति से थोड़ा काँप रहा था। उसमें पेड़ों की कतारों के बीच सड़क का एक खाली, फैला हुआ नज़ारा दिखाई दे रहा था, जो उसके पीछे हरे रंग की लकीरों की तरह दूर तक फैली हुई थीं।

हत्यारे का कोई सुराग नहीं मिला। क्या वह डर गया था? क्या कोई अड़चन आ गई थी? लेकिन तभी उत्तल कांच के बीचोंबीच एक छोटा सा काला धब्बा दिखाई दिया - एक मक्खी जो मक्खी बनी, फिर मधुमक्खी और फिर भृंग।

अब एक हेलमेट दो बड़े काले पंजों के बीच हैंडलबार पर झुका हुआ था। हे भगवान, वह कितनी तेज़ी से आ रहा था! बॉन्ड की नज़रें शीशे से आगे सड़क और फिर वापस शीशे पर गईं। तभी कातिल का दाहिना हाथ बंदूक की ओर बढ़ा...!

बॉन्ड ने गति धीमी की - पैंतीस, तीस, बीस। आगे की सड़क धातु की तरह चिकनी थी। उसने आखिरी बार शीशे में देखा। दाहिना हाथ हैंडल से हट गया था। आदमी के चश्मे पर सूरज की रोशनी पड़ रही थी, जिससे हेलमेट के नीचे उसकी आंखें बड़ी-बड़ी जलती हुई लग रही थीं। अब! बॉन्ड ने ज़ोर से ब्रेक लगाया और बीएसए को पैंतालीस की रफ्तार से फिसला दिया। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

कुछ डिग्री पर गोली चली और इंजन बंद हो गया। वह गोली चलाने में उतनी तेज़ी नहीं दिखा पाया। कातिल की बंदूक से दो बार चिंगारी निकली और एक गोली बॉन्ड की जांघ के पास सैडल-स्प्रिंग्स में जा लगी। लेकिन तभी कोल्ट ने अपना एक शब्द कहा, और कातिल और उसकी बीएसए राइफल, मानो जंगल के भीतर से फंदे से बंधे हों, सड़क से बेतहाशा हट गए, खाई को पार किया और एक बीच के पेड़ के तने से सीधे जा टकराए। एक पल के लिए आदमी और मशीन का वह उलझा हुआ ढांचा चौड़े तने से चिपका रहा और फिर, धातु की खड़खड़ाहट के साथ, पीछे की ओर घास में गिर गया।

बॉन्ड अपनी गाड़ी से उतरा और खाकी रंग के उस बदसूरत ढांचे और धुआं उगलते स्टील के पास गया। नब्ज़ महसूस करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। गोली जहाँ भी लगी थी, हेलमेट अंडे के छिलके की तरह चकनाचूर हो गया था।

बॉन्ड ने मुंह फेर लिया और अपनी बंदूक को वापस अपनी कमीज के सामने वाले हिस्से में रख लिया। वह भाग्यशाली रहा था। अपनी किस्मत को आजमाना ठीक नहीं था। वह बीएसए पर सवार हुआ और तेजी से सड़क पर वापस चला गया।

उसने बीएसए राइफल को जंगल के अंदर एक पुराने पेड़ के सहारे टिकाया और धीरे-धीरे खुले मैदान के किनारे तक चला गया। वह बड़े बीच के पेड़ की छाया में खड़ा हो गया। उसने अपने होंठ गीले किए और लगभग वैसी ही सीटी बजाई जैसी वह किसी कातिल की बजाता है। वह इंतज़ार

करने लगा। क्या उसने सीटी गलत बजाई थी? तभी झाड़ी कांप उठी और एक तेज़, पतली सी आवाज़ सुनाई दी। बॉन्ड ने अपने दाहिने अंगूठे को अपनी बेल्ट में फंसा लिया, बंदूक के बट से कुछ ही इंच की दूरी पर। उसे उम्मीद थी कि अब उसे और किसी को मारना नहीं पड़ेगा। उसके दोनों साथी निहत्थे लग रहे थे। अगर किस्मत अच्छी रही तो वे चुपचाप आ जाएँगे।

अब घुमावदार दरवाजे खुल चुके थे। बॉन्ड जहां था वहां से शाफ्ट के नीचे नहीं देख सकता था, लेकिन कुछ ही सेकंड में पहला आदमी बाहर निकला और अपने स्नोशूज़ पहनने लगा, और दूसरा भी उसके पीछे-पीछे चल पड़ा। स्नोशूज़!

बॉन्ड का दिल ज़ोर से धड़कने लगा। वह उन्हें भूल ही गया था! वे ज़रूर झाड़ियों में कहीं छिपे होंगे।

धिक्कार है मूर्ख! क्या उन्हें पता भी चलेगा?

दोनों आदमी धीरे-धीरे उसकी ओर बढ़े, सावधानी से अपने पैर रखते हुए। जब वह लगभग बीस फीट दूर था, तो आगे वाले आदमी ने कुछ धीमी आवाज़ में कहा जो रूसी भाषा जैसी लग रही थी। जब बॉन्ड ने कोई जवाब नहीं दिया, तो दोनों आदमी वहीं रुक गए। वे हैरानी से उसे घूर रहे थे, शायद किसी पासवर्ड के जवाब का इंतज़ार कर रहे थे। बॉन्ड को खतरे का आभास हुआ। उसने अपनी बंदूक निकाली और झुककर उनकी ओर बढ़ा। "हाथ ऊपर करो।" उसने कोल्ट की नली से इशारा किया। आगे वाले आदमी ने आदेश दिया और आगे की ओर छलांग लगा दी। उसी समय दूसरा आदमी छिपने की जगह की ओर भागा। पेड़ों के बीच से एक राइफल की आवाज़ आई और उस आदमी का दाहिना पैर लड़खड़ा गया। स्टेशन के आदमी बाहर निकले और दौड़ते हुए आए। बॉन्ड एक घुटने पर गिर गया और अपनी बंदूक की नली से उस भागते हुए शरीर पर वार किया। वार लगा, लेकिन तभी वह आदमी उस पर टूट पड़ा। बॉन्ड ने देखा कि नाखून उसकी आँखों की ओर चमक रहे हैं, वह झुका और एक जोरदार मुक्के से बच गया। अब एक हाथ उसकी दाहिनी कलाई पर था और उसकी बंदूक धीरे-धीरे उसकी ओर मोड़ी जा रही थी। हत्या न करने की इच्छा से उसने सेफ्टी कैच ऊपर रखा था। उसने अंगूठा उसे खोलने की कोशिश की। तभी एक बूट उसके सिर के किनारे पर लगा और उसने बंदूक छोड़ दी और पीछे गिर पड़ा। धुंधली आँखों से उसने देखा कि बंदूक की नली उसके चेहरे की ओर तनी हुई है। उसके मन में कौंध गया कि वह मरने वाला है - दया दिखाने के लिए मर रहा है...!

अचानक बंदूक की नली गायब हो गई और उस आदमी का भार उससे हट गया। बॉन्ड घुटनों के बल उठा और फिर खड़ा हो गया। उसके बगल में घास पर फैला हुआ शरीर आखिरी लात मार रहा था। उसकी पैंट के पीछे खून के धब्बे थे। बॉन्ड ने चारों ओर देखा। थाने के चारों आदमी एक समूह में थे।

बॉन्ड ने अपने हेलमेट का पट्टा खोला और अपने सिर के किनारे को रगड़ा। उसने कहा, "अच्छा, धन्यवाद। किसने किया?"

किसी ने जवाब नहीं दिया। वे लोग शर्मिंदा लग रहे थे।

बॉन्ड असमंजस में उनकी ओर बढ़ा। "क्या बात है?"

अचानक बॉन्ड को उन आदमियों के पीछे कुछ हलचल दिखाई दी। एक अतिरिक्त पैर दिखाई दिया - एक महिला का पैर।

बॉन्ड ज़ोर से हँस पड़ा। वे लोग शरमाते हुए मुस्कुराए और पीछे मुड़कर देखा। भूरे रंग की कमीज़ और काली जींस पहने मैरी एन रसेल उनके पीछे से हाथ ऊपर करके निकली। उसके एक हाथ में .22 कैलिबर की पिस्तौल जैसी कोई चीज़ थी। उसने अपने हाथ नीचे किए और पिस्तौल को अपनी जेब में रख लिया। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

जींस पहने हुए। वह बॉन्ड के पास आई। उसने घबराकर कहा: “आप किसी को दोष नहीं देंगे, है ना? मैं उन्हें आज सुबह मेरे बिना जाने नहीं दे सकती थी।” उसकी आँखों में विनती थी। “सच में, अच्छा हुआ कि मैं आ गई। मतलब, मैं बस संयोग से आपके पास पहले पहुँच गई। कोई भी आप पर गोली चलाने से डर रहा था।”

बॉन्ड ने उसकी आँखों में देखकर मुस्कुराया। उसने कहा, "अगर तुम नहीं आतीं, तो मुझे डिनर का प्लान कैंसिल करना पड़ता।" वह वापस अपने साथियों की ओर मुड़ा, उसकी आवाज़ गंभीर थी। "ठीक है। तुममें से कोई एक मोटरबाइक लेकर कर्नल श्रेइबर को इस घटना का सार बता दे। कहना कि हम छिपने की जगह देखने से पहले उनकी टीम का इंतज़ार कर रहे हैं।"

और क्या वह कुछ तोड़फोड़ रोधी लोगों को भी शामिल करेगा? हो सकता है उस शाफ्ट में जाल बिछा हो। ठीक है?

बॉन्ड ने लड़की का हाथ पकड़ा और कहा: "इधर आओ। मैं तुम्हें चिड़िया का घोंसला दिखाना चाहता हूँ।"

"क्या यह कोई आदेश है?"

"हाँ।"

केवल तुम्हारी आँखों के लिए

जमैका का सबसे खूबसूरत पक्षी, और कुछ लोगों का मानना है कि दुनिया का सबसे खूबसूरत पक्षी, स्ट्रीमर-टेल या डॉक्टर हमिंगबर्ड है। नर हमिंगबर्ड लगभग नौ इंच लंबा होता है, जिसमें से सात इंच पूंछ होती है - दो लंबे काले पंख जो एक दूसरे को काटते और मोड़ते हैं और जिनके भीतरी किनारे लहरदार डिज़ाइन में होते हैं।

सिर और कलगी काले रंग के होते हैं, पंख गहरे हरे रंग के, लंबी चोंच लाल रंग की और आँखें चमकीली और विश्वासयोग्य, काली होती हैं। शरीर पन्ना हरे रंग का होता है, इतना चमकदार कि जब सूरज की रोशनी छाती पर पड़ती है तो प्रकृति में सबसे चमकीली हरी चीज़ दिखाई देती है। जमैका में, प्रिय पक्षियों को उपनाम दिए जाते हैं। ट्रोचिलस पॉलीटमस को 'डॉक्टर बर्ड' कहा जाता है क्योंकि इसके दो काले पंख पुराने ज़माने के चिकित्सक के काले कोट की याद दिलाते हैं। श्रीमती हैवेलॉक इन पक्षियों के दो परिवारों से विशेष रूप से लगाव रखती थीं क्योंकि शादी के बाद से और कॉन्टेंट आने के बाद से वह उन्हें शहद पीते, लड़ते, घोंसला बनाते और प्रेम करते हुए देखती आ रही थीं। अब उनकी उम्र पचास से अधिक थी, इसलिए इन दो परिवारों की कई पीढ़ियाँ आ-जा चुकी थीं, जब उनकी सास ने मूल दो जोड़ों को पिरामस और थिस्बे और डैफनिस और क्लो नाम दिए थे। लेकिन बाद के जोड़ों ने नाम बरकरार रखे थे, और श्रीमती हैवेलॉक अब चौड़े, ठंडे बरामदे में अपनी शानदार चाय की थाली में बैठी पिरामस को देख रही थीं, जो एक भयंकर 'टी-टी-टी' की आवाज़ के साथ डैफनिस पर झपट्टा मार रहा था। डैफनिस ने जापानी हैट की अपनी विशाल झाड़ी से सारा शहद खत्म कर दिया था और पास के मंकीफिडल में घुस गया था, जो पिरामस का इलाका था। काले और हरे रंग के दो छोटे-छोटे धूमकेतु जैसे जीव सुंदर लॉन के ऊपर चक्कर लगाते हुए दूर चले गए, जो हिबिस्कस और बोगनविलिया के चमकीले गुच्छों से सजा था, जब तक कि वे नींबू के बागों में ओझल नहीं हो गए। वे जल्द ही वापस आ जाएँगे। दोनों परिवारों के बीच यह लगातार चलने वाली लड़ाई एक खेल थी। इस बड़े, खूबसूरती से लगाए गए बगीचे में सभी के लिए पर्याप्त शहद था।

श्रीमती हैवेलॉक ने अपनी चाय का कप नीचे रखा और एक पटम पेपेरियम सैंडविच उठाया। उन्होंने कहा, "ये लोग सचमुच बेहद दिखावा करने वाले हैं।"

कर्नल हैवेलॉक ने अपने डेली ग्लीनर के ऊपर से देखा। "कौन?"

“पाइरामस और डैफनिस।”

“ओह, हाँ।” कर्नल हैवेलॉक को ये नाम बेवकूफी भरे लगे। उन्होंने कहा: “मुझे तो ऐसा लग रहा है कि बतिस्ता जल्द ही भाग जाएगा। कास्त्रो उस पर काफी दबाव बनाए हुए है। बार्कलेज़ के एक आदमी ने मुझे आज सुबह बताया कि (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

यहां पहले से ही बहुत सारा पैसा आ रहा है। सुना है कि बेलेयर को नामांकित लोगों को बेच दिया गया है। एक हजार एकड़ जमीन, जिस पर मवेशी-कीड़े लगे हैं और एक ऐसा घर जिसे क्रिसमस तक लाल चींटियां गिरा देंगी, उसके लिए डेढ़ लाख पाउंड! किसी ने अचानक वह भयानक ब्लू

हार्बर होटल खरीद लिया है, और यहां तक कि यह भी चर्चा है कि जिमी फारक्वार्सन को भी अपनी जगह के लिए खरीदार मिल गया है - शायद पत्तों पर धब्बे और पनामा रोग भी साथ में मिल गए हों।

“यह उर्सुला के लिए अच्छा होगा। बेचारी यहाँ बर्दाश्त नहीं कर सकती। लेकिन मुझे यह विचार बिल्कुल पसंद नहीं है कि पूरा द्वीप इन क्यूबावासियों द्वारा खरीद लिया जाए। लेकिन टिम, आखिर उन्हें इतना पैसा कहाँ से मिलता है?”

“धोखाधड़ी, यूनियन फंड, सरकारी पैसा - न जाने क्या-क्या। यह जगह बदमाशों और गुंडों से भरी पड़ी है। वे अपना पैसा क्यूबा से निकालकर कहीं और जल्दी से लगाना चाहते होंगे। डॉलर के साथ विनिमय दर तय होने के बाद जमैका भी बाकी जगहों जितना ही अच्छा है। लगता है बेलेयर खरीदने वाले ने एशेनहाइम के दफ्तर में सूटकेस से पैसा निकालकर फर्श पर फेंक दिया। शायद वह एक-दो साल तक इस जगह को अपने पास रखेगा, और जब मामला शांत हो जाएगा या जब कास्त्रो सत्ता में आकर सब कुछ ठीक कर देगा, तब वह इसे दोबारा बाजार में बेच देगा, थोड़ा-बहुत नुकसान उठाएगा और कहीं और चला जाएगा। एक तरह से अफसोस की बात है। बेलेयर कभी एक शानदार संपत्ति हुआ करती थी। अगर परिवार में किसी ने भी परवाह की होती तो इसे फिर से संवारा जा सकता था।”

"बिल के दादा के ज़माने में यह दस हज़ार एकड़ ज़मीन थी। उस ज़मींदार को सीमा की यात्रा करने में तीन दिन लगते थे।"

“बिल को क्या फर्क पड़ता है। मुझे यकीन है उसने लंदन जाने का टिकट बुक करा लिया होगा। एक और पुराना परिवार खत्म हो गया। जल्द ही उस परिवार में से हमारे सिवा कोई नहीं बचेगा। शुक्र है जूडी को यह जगह पसंद है।”

श्रीमती हैवेलॉक ने शांत भाव से "जी हां, प्रिय" कहा और चाय से संबंधित सामान हटाने के लिए घंटी बजा दी।

अगाथा, एक विशालकाय नीली-काली नीग्रो महिला, जिसने पुराने ज़माने का सफ़ेद सिर का कपड़ा पहन रखा था, जो जमैका के भीतरी इलाकों को छोड़कर कहीं और देखने को नहीं मिलता, सफ़ेद और गुलाबी रंग के ड्राइंग रूम से बाहर आई। उसके पीछे पोर्ट मारिया की एक सुंदर युवती फेयप्रिंस थी, जिसे वह दूसरी नौकरानी के रूप में प्रशिक्षित कर रही थी। श्रीमती हैवेलॉक ने कहा: “अगाथा, अब हमें वाइन की बोतलें भरना शुरू कर देना चाहिए। इस साल अमरूद जल्दी पक गए हैं।”

अगाथा के चेहरे पर कोई भाव नहीं था। उसने कहा: "जी हाँ। लेकिन हमें और बोतलों की ज़रूरत नहीं है।"

“क्यों? पिछले साल ही तो मैंने हेनरिकेस से तुम्हारे लिए सबसे बेहतरीन दो दर्जन चीज़ें खरीदी थीं।”

"जी हाँ। किसी ने पांच-छह खुराक मिलाकर पी ली हैं।"

अरे बाप रे! ये कैसे हो गया?

“मैं कुछ कह नहीं सकती।” अगाथा ने बड़ी चांदी की ट्रे उठाई और श्रीमती हैवेलॉक के चेहरे को देखते हुए इंतजार करने लगी।

श्रीमती हैवेलॉक ने जमैका में अपना अधिकांश जीवन बिताया था और उन्हें यह बात अच्छी तरह से पता थी कि जो कुछ भी गलत है, वह गलत ही होता है और किसी दोषी को ढूंढने से कुछ हासिल नहीं होगा। इसलिए उन्होंने बड़ी खुशी से कहा, "ठीक है, अगाथा। मैं किंग्स्टन जाकर और ले आऊंगी।"

"जी मैडम।" अगाथा, उस छोटी लड़की के पीछे-पीछे घर के अंदर चली गई।

श्रीमती हैवेलॉक ने पेटिट-पॉइंट का एक टुकड़ा उठाया और सिलाई शुरू कर दी, उनकी उंगलियां स्वतः ही चलने लगीं।

उसकी निगाहें जापानी हैट और मंकीफिडल की बड़ी-बड़ी झाड़ियों पर टिक गईं। हाँ, दोनों नर पक्षी वापस आ गए थे। अपनी पूंछों को करीने से ऊपर उठाए वे फूलों के बीच घूम रहे थे। सूरज क्षितिज पर नीचे था और बीच-बीच में लगभग चुभने वाली खूबसूरत हरी रोशनी की एक चमक दिखाई दे रही थी। एक मॉकिंग बर्ड, फ्रैंगिपानी के सबसे ऊपरी शाखा पर बैठा, अपने शाम के गायन की शुरुआत कर रहा था। एक सुबह के समय पेड़ पर रहने वाले मेंढक की झंकार सुनाई दी। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

उसने संक्षिप्त बैंगनी संध्या के आरंभ की घोषणा की।

पोर्टलैंड काउंटी में ब्लू माउंटेंस की सबसे पूर्वी चोटियों में से एक, कैंडलफ्लाई पीक की तलहटी में स्थित बीस हजार एकड़ का कॉन्टेंट नामक भूभाग, ओलिवर क्रॉमवेल द्वारा एक पूर्व हैवेलॉक को राजा चार्ल्स के मृत्युदंड के वारंट पर हस्ताक्षर करने वालों में से एक होने के पुरस्कार के रूप में दिया गया था। उस समय और बाद के समय के कई अन्य बसने वालों के विपरीत, हैवेलॉक परिवार ने तीन शताब्दियों तक, भूकंपों और तूफानों के बावजूद और कोको, चीनी, खट्टे फल और खोपरा के उतार-चढ़ाव के बावजूद, इस बागान को बनाए रखा था।

अब यह संपत्ति केले और पशुपालन के लिए प्रसिद्ध थी, और द्वीप की सभी निजी संपत्तियों में से सबसे समृद्ध और सुव्यवस्थित संपत्तियों में से एक थी। भूकंप या तूफान के बाद मरम्मत या पुनर्निर्माण किया गया यह घर एक मिश्रित शैली का था - पुरानी पत्थर की नींव पर बना महोगनी के खंभों वाला दो मंजिला केंद्रीय भाग, जिसके दोनों ओर चांदी के देवदार की शिंगलों से बनी चौड़ी, सपाट ढलान वाली जमैका शैली की छतें थीं। हेवलॉक परिवार अब केंद्रीय भाग के गहरे बरामदे में बैठा था, जो धीरे-धीरे ढलान वाले बगीचे की ओर खुल रहा था, जिसके पार बीस मील दूर समुद्र तक फैला एक विशाल, लहराता जंगल का दृश्य दिखाई दे रहा था।

कर्नल हैवेलॉक ने अपना अखबार नीचे रख दिया। "मुझे लगा कि मैंने एक कार की आवाज़ सुनी।"

श्रीमती हैवेलॉक ने दृढ़ता से कहा: “अगर ये पोर्ट एंटोनियो के वो घिनौने फेडन हैं, तो आपको इन्हें निकालना ही होगा। मैं इंग्लैंड के बारे में उनकी बकवास और नहीं सुन सकती। और पिछली बार जब वे गए थे तो दोनों काफी नशे में थे और खाना ठंडा हो चुका था।” वह झट से उठीं। “मैं अगाथा से कहूँगी कि वो कहे कि मुझे माइग्रेन है।”

अगाथा ड्राइंग रूम के दरवाजे से बाहर निकली। वह परेशान लग रही थी। उसके पीछे-पीछे तीन आदमी चल रहे थे। उसने जल्दी से कहा: “मैं किंग्स्टन से जेम्मुन हूँ। कर्नल से मिलने आई हूँ।”

मुख्य अभिनेता नौकरानी के पास से सरकते हुए निकल गया। उसने अभी भी अपनी टोपी पहन रखी थी, एक छोटी, ऊपर की ओर मुड़ी हुई पनामा टोपी। उसने इसे अपने बाएं हाथ से उतारा और अपने पेट से लगा लिया। सूरज की किरणें उसके बालों में लगी चिकनाई और मुस्कुराते हुए सफेद दांतों पर चमक रही थीं। वह कर्नल हैवेलॉक के पास गया, अपना हाथ सीधा आगे बढ़ाते हुए। “मेजर गोंजालेस। हवाना से। आपसे मिलकर खुशी हुई, कर्नल।”

लहजा किसी जमैका के टैक्सी ड्राइवर की बनावटी अमेरिकी बोली जैसा था। कर्नल हैवेलॉक उठ खड़े हुए। उन्होंने बढ़े हुए हाथ को हल्के से छुआ। उन्होंने मेजर के कंधे के ऊपर से दरवाजे के दोनों ओर खड़े दो अन्य आदमियों को देखा। वे दोनों उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का नया होल्डऑल बैग लिए हुए थे - एक पैन अमेरिकन ओवरनाइट बैग। बैग भारी लग रहे थे। अब वे दोनों आदमी एक साथ झुके और उन्हें अपने पीले जूतों के पास रख दिया। फिर वे सीधे खड़े हो गए। उन्होंने पारदर्शी हरे विज़र वाली सपाट सफेद टोपियाँ पहन रखी थीं, जिनकी हरी छाया उनके गालों तक पड़ रही थी। हरी छाया के बीच से उनकी बुद्धिमान पशु जैसी आँखें मेजर पर टिकी हुई थीं, उनके हावभाव को पढ़ रही थीं।

वे मेरी सचिव हैं।

कर्नल हैवेलॉक ने अपनी जेब से एक पाइप निकाला और उसे भरने लगे। उनकी सीधी नीली आँखें मेजर के चुस्त-दुरुस्त कपड़ों, शानदार जूतों, चमकते नाखूनों और बाकी दोनों के नीली जींस और कैलिप्सो शर्ट पर टिकी थीं। वे सोच रहे थे कि इन दोनों को अपने अध्ययन कक्ष में और अपनी मेज के ऊपरी दराज में रखी रिवॉल्वर के पास कैसे लाएँ। उन्होंने कहा, "मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ?" पाइप जलाते हुए उन्होंने धुएँ के बीच से मेजर की आँखों और मुँह को देखा।

मेजर गोंजालेस ने अपने हाथ फैलाए। उनकी मुस्कान की चौड़ाई वैसी ही बनी रही। उनकी सुनहरी आँखों में एक अलग ही चमक थी, मानो वे मग्न हों। “यह काम का मामला है, कर्नल जी। मैं हवाना में एक खास सज्जन का प्रतिनिधित्व करता हूँ,” उन्होंने अपने दाहिने हाथ से एक इशारा किया। “एक प्रभावशाली सज्जन। एक बहुत ही अच्छे इंसान।”

मेजर गोंजालेस ने गंभीरता का भाव दिखाते हुए कहा, "कर्नल, आपको वह पसंद आएगा। उसने मुझे अपनी शुभकामनाएं देने और आपकी संपत्ति की कीमत पता करने के लिए कहा है।"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

श्रीमती हैवेलॉक, जो होठों पर हल्की सी मुस्कान लिए यह सब देख रही थीं, अपने पति के बगल

में खड़ी हो गईं। उन्होंने बेचारे पति को शर्मिंदा न करने के लिए विनम्रता से कहा, “कितनी अफ़सोस की बात है, मेजर। इतनी धूल भरी सड़कों पर इतना लंबा सफर! आपके मित्र को पहले पत्र लिखना चाहिए था, या किंग्स्टन या गवर्नमेंट हाउस में किसी से पूछना चाहिए था। देखिए, मेरे पति का परिवार लगभग तीन सौ वर्षों से यहाँ रह रहा है।”

उसने उसे प्यार से, लेकिन क्षमा मांगते हुए देखा। "मुझे खेद है कि कंटेंट बेचने का तो कोई सवाल ही नहीं उठता।"

ऐसा कभी नहीं हुआ। मुझे आश्चर्य है कि आपके इस महत्वपूर्ण मित्र को यह विचार कहाँ से आया होगा।

मेजर गोंजालेस ने संक्षिप्त रूप से झुककर अभिवादन किया। उनका मुस्कुराता हुआ चेहरा कर्नल हैवेलॉक की ओर मुड़ा। उन्होंने कहा, मानो श्रीमती हैवेलॉक ने कुछ कहा ही न हो: "मेरे सज्जन को बताया गया है कि यह जमैका के सबसे बेहतरीन एस्टैंसिया (पारंपरिक जमैका आवास) में से एक है।"

वह बहुत उदार व्यक्ति हैं। आप कोई भी उचित राशि बता सकते हैं।

कर्नल हैवेलॉक ने दृढ़ता से कहा: "आपने श्रीमती हैवेलॉक की बात सुनी। यह संपत्ति बिक्री के लिए नहीं है।"

मेजर गोंजालेस हँसे। उनकी हँसी बिल्कुल स्वाभाविक लग रही थी। उन्होंने अपना सिर ऐसे हिलाया जैसे किसी मंदबुद्धि बच्चे को कुछ समझा रहे हों। “आप मुझे गलत समझ रहे हैं, कर्नल। मेरे महोदय को जमैका में यही संपत्ति चाहिए, कोई और नहीं। उनके पास निवेश करने के लिए कुछ अतिरिक्त धन है। ये धन जमैका में एक घर की तलाश में है। मेरे महोदय चाहते हैं कि यही उनका घर हो।”

कर्नल हैवेलॉक ने धैर्यपूर्वक कहा: “मैं आपकी बात पूरी तरह समझता हूँ, मेजर। और मुझे बहुत खेद है कि आपका समय बर्बाद हुआ। मेरे जीवनकाल में संतोष कभी बिकेगा नहीं। और अब, अगर आप मुझे माफ़ कर दें, तो मैं और मेरी पत्नी हमेशा जल्दी खाना खाते हैं, और आपको अभी लंबा रास्ता तय करना है।” उन्होंने बरामदे के साथ बाईं ओर इशारा करते हुए कहा, “मुझे लगता है कि यह आपकी कार तक पहुँचने का सबसे तेज़ रास्ता है। चलिए मैं आपको दिखाता हूँ।”

कर्नल हैवेलॉक ने आकर्षक ढंग से आगे बढ़ना शुरू किया, लेकिन जब मेजर गोंजालेस अपनी जगह पर ही रुके रहे, तो वह थम गए। उनकी नीली आँखें जम सी गईं।

मेजर गोंजालेस की मुस्कान में शायद एक दांत कम था और उनकी आंखें चौकस हो गई थीं। लेकिन उनका व्यवहार अब भी हंसमुख था। उन्होंने प्रसन्नता से कहा, "बस एक पल रुकिए, कर्नल।" उन्होंने कंधे के ऊपर से एक संक्षिप्त आदेश दिया। हेवलॉक दंपति ने देखा कि दांतों के बीच से निकले कुछ तीखे शब्दों के साथ ही उनका हंसमुख मुखौटा उतर गया। पहली बार श्रीमती हेवलॉक थोड़ी अनिश्चित दिखीं। वह अपने पति के और करीब आ गईं। दोनों पुरुषों ने अपने नीले पैन अमेरिकन बैग उठाए और आगे बढ़े। मेजर गोंजालेस ने बारी-बारी से दोनों के बैगों की ज़िप खोली और खींची। उनके मुंह खुल गए। बैग अमेरिकी नोटों के साफ-सुथरे ठोस बंडलों से

लबालब भरे हुए थे। मेजर गोंजालेस ने अपनी बाहें फैलाईं। "सभी सौ डॉलर के नोट हैं। सभी असली हैं।"

आधा मिलियन डॉलर। यानी, आपके पैसों में, मान लीजिए, एक लाख अस्सी हज़ार पाउंड। एक बड़ी दौलत। कर्नल जी, दुनिया में रहने के लिए और भी कई अच्छी जगहें हैं। और शायद मेरे सज्जन इसमें बीस हज़ार पाउंड और जोड़ दें ताकि पूरी रकम हो जाए। आपको एक हफ्ते में पता चल जाएगा। मुझे बस आपके हस्ताक्षर वाला आधा कागज़ चाहिए। बाकी काम वकील कर लेंगे। अब, कर्नल जी," मुस्कान दिल जीत रही थी, "क्या हम हाँ कह दें और हाथ मिला लें? फिर बैग यहीं रहेंगे और हम आपको आपके खाने के लिए छोड़ते हैं।"

अब हेवलॉक्स ने मेजर को उसी भाव से देखा - क्रोध और घृणा का मिलाजुला भाव। कल्पना कीजिए कि श्रीमती हेवलॉक्स अगले दिन यह कहानी सुना रही होंगी। "कितना साधारण, घिनौना आदमी! और पैसों से भरे वो गंदे प्लास्टिक के थैले! टिम्मी तो कमाल का था। उसने बस उसे बाहर जाने और ये गंदा सामान अपने साथ ले जाने को कहा।"

कर्नल हैवेलॉक के होंठ अरुचि से नीचे की ओर मुड़ गए। उन्होंने कहा: "मुझे लगा था कि मैंने अपनी बात स्पष्ट कर दी है।"

मेजर, यह संपत्ति किसी भी कीमत पर बिक्री के लिए नहीं है। और मुझे अमेरिकी डॉलर के प्रति लोगों की इस लालसा में कोई रुचि नहीं है। अब मुझे आपसे जाने का अनुरोध करना होगा।" कर्नल हैवेलॉक ने अपनी ठंडी पाइप को मेज पर इस तरह रख दिया मानो वह अपनी आस्तीनें चढ़ाने की तैयारी कर रहे हों।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

पहली बार मेजर गोंजालेस की मुस्कान से गर्माहट गायब हो गई। होंठ अभी भी खिले हुए थे, लेकिन अब उन पर गुस्से का भाव था। उनकी सुनहरी आँखें अचानक कठोर और भावहीन हो गईं। उन्होंने धीरे से कहा:

"कर्नल साहब, गलती मेरी है, आपकी नहीं। मेरे सज्जन ने मुझे निर्देश दिया है कि यदि आप उनकी अत्यंत उदार शर्तों को स्वीकार नहीं करेंगे तो हमें अन्य उपाय अपनाने पड़ेंगे।"

श्रीमती हैवेलॉक अचानक डर गईं। उन्होंने कर्नल हैवेलॉक की बांह पर हाथ रखा और उसे जोर से दबाया।

उसने दिलासा देते हुए अपना हाथ उसके हाथ पर रखा। उसने दबी आवाज़ में कहा, "मेजर, कृपया हमें अकेला छोड़ दीजिए और जाइए। वरना मैं पुलिस से संपर्क कर लूंगा।"

मेजर गोंजालेस की जीभ का गुलाबी सिरा बाहर निकला और धीरे-धीरे उनके होठों को चाटने लगा। उनके चेहरे की चमक फीकी पड़ गई थी और वह तनावग्रस्त और कठोर हो गया था। उन्होंने कठोर स्वर में कहा, "तो कर्नल, यह संपत्ति आपके जीवनकाल में नहीं बिकेगी। क्या यही आपका अंतिम शब्द है?" उनका दाहिना हाथ उनकी पीठ के पीछे गया और उन्होंने धीरे से एक बार

उंगलियां चटकाईं। उनके पीछे, दोनों आदमियों के बंदूकधारी हाथ उनकी रंगीन कमीजों के कमरबंद के ऊपर से अंदर चले गए। उनकी तेज, जानवरों जैसी आंखें मेजर की पीठ के पीछे की उंगलियों को देख रही थीं।

श्रीमती हैवेलॉक ने अपना हाथ अपने मुंह पर रख लिया। कर्नल हैवेलॉक ने हां कहने की कोशिश की, लेकिन उनका मुंह सूख गया था।

उसने मुश्किल से घूंट भरा। उसे यकीन नहीं हो रहा था। यह घिनौना क्यूबा का बदमाश ज़रूर झूठ बोल रहा होगा। उसने किसी तरह भारी आवाज़ में कहा: "हाँ, ऐसा ही है।"

मेजर गोंजालेस ने संक्षिप्त रूप से सिर हिलाया। "तो फिर, कर्नल जी, मेरे सज्जन अगले मालिक - आपकी बेटी - के साथ बातचीत जारी रखेंगे।"

उंगलियां चटकने की आवाज आई। मेजर गोंजालेस ने गोलीबारी के लिए रास्ता साफ करने के लिए एक तरफ हट गए। रंगीन शर्ट के नीचे से भूरे बंदर जैसे हाथ बाहर निकले। धातु के भद्दे, सॉसेज के आकार के टुकड़े बार-बार धमाका करते और गिरते रहे, यहां तक कि जब दोनों शरीर जमीन पर गिरने वाले थे तब भी।

मेजर गोंजालेस झुके और जाँच की कि गोलियाँ कहाँ लगी थीं। फिर तीनों छोटे कद के आदमी तेज़ी से गुलाबी और सफ़ेद रंग के ड्राइंग-रूम से होते हुए गहरे रंग के नक्काशीदार महोगनी हॉल से गुज़रे और शानदार सामने के दरवाज़े से बाहर निकल गए। वे आराम से जमैका की नंबर प्लेट वाली एक काली फोर्ड कंसुल सेडान में चढ़े और मेजर गोंजालेस गाड़ी चला रहे थे, जबकि दोनों बंदूकधारी पिछली सीट पर सीधे बैठे थे। वे आराम से रॉयल पाम्स के लंबे रास्ते पर चल पड़े। ड्राइववे और पोर्ट एंटोनियो जाने वाली सड़क के जंक्शन पर कटे हुए टेलीफोन के तार पेड़ों के बीच से चमकीली लताओं की तरह लटक रहे थे।

मेजर गोंजालेस ने बड़ी सावधानी और कुशलता से कार को उबड़-खाबड़ ग्रामीण सड़क पर चलाया, जब तक कि वह तट के पास पक्की सड़क पर नहीं पहुँच गया। फिर उसने रफ्तार बढ़ा दी। हत्या के बीस मिनट बाद वह छोटे से केले के बंदरगाह के बाहरी इलाके में पहुँचा। वहाँ उसने चोरी की कार को सड़क के किनारे घास पर चढ़ा दिया और तीनों आदमी बाहर निकलकर कम रोशनी वाली मुख्य सड़क से होते हुए एक चौथाई मील चलकर केले के घाटों तक पहुँचे। स्पीडबोट इंतज़ार कर रही थी, उसका धुआँ निकल रहा था। तीनों आदमी उसमें सवार हो गए और नाव उस शांत पानी में सरपट दौड़ पड़ी, जिसे एक अमेरिकी कवयित्री ने दुनिया का सबसे खूबसूरत बंदरगाह कहा है। चमचमाती पचास टन की क्रिसक्राफ्ट नाव पर लंगर की जंजीर आधी ऊपर उठी हुई थी। उस पर अमेरिकी झंडा लहरा रहा था। गहरे समुद्र में चलने वाली इस नाव के दो आकर्षक एंटीना बता रहे थे कि ये पर्यटक थे।

शायद किंग्स्टन से, या मोंटेगो बे से। तीनों आदमी नाव पर सवार हुए और स्पीडबोट को किनारे लगाया गया। दो डोंगी चक्कर लगा रही थीं, मानो भीख मांग रही हों। मेजर गोंजालेस ने उनमें से प्रत्येक को पचास सेंट का सिक्का उछाला और कपड़े उतारे हुए आदमी पानी में कूद पड़े। दोनों डीजल इंजन लड़खड़ाती गर्जना के साथ चालू हुए और क्रिसक्राफ्ट ने अपना पिछला हिस्सा थोड़ा नीचे किया और टिचफील्ड होटल के नीचे गहरे चैनल की ओर चल पड़ी। भोर तक वह हवाना

वापस पहुँच जाएगी। किनारे पर मौजूद मछुआरे और घाट के कर्मचारी उसे जाते हुए देखते रहे और इस बात पर बहस करते रहे कि जमैका में छुट्टियाँ मना रहे फिल्म सितारों में से यह कौन हो सकता है।

कॉन्टेंट के चौड़े बरामदे पर सूरज की आखिरी किरणें लाल धब्बों पर चमक रही थीं। एक पक्षी रेलिंग के ऊपर से उड़कर श्रीमती हैवेलॉक के दिल के ठीक ऊपर मंडराने लगा और नीचे देखने लगा। नहीं, यह उसके लिए नहीं था। वह खिलखिलाते हुए अपने घोंसले की ओर उड़ गया, जहाँ हिबिस्कस के फूल मुरझा रहे थे।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

तभी एक छोटी स्पोर्ट्स कार में सवार किसी व्यक्ति के ड्राइववे के मोड़ पर रेसिंग गियर बदलने की आवाज सुनाई दी।

अगर श्रीमती हैवेलॉक जीवित होतीं तो वह शायद ये कहने की तैयारी कर रही होतीं: “जूडी, मैं तुम्हें हमेशा कहती हूँ कि कोने पर ऐसा मत करो। इससे लॉन में चारों तरफ़ कंकड़ बिखर जाते हैं और तुम्हें पता है कि इससे जोशुआ की लॉन-मोवर कैसे खराब हो जाती है।”

एक महीने बाद की बात है। लंदन में अक्टूबर की शुरुआत शानदार धूप के साथ हुई थी, और रीजेंट्स पार्क से घास काटने वाली मशीनों की आवाज एम के कार्यालय की खुली खिड़कियों से अंदर आ रही थी।

वे मोटर-मॉवर थे और जेम्स बॉन्ड ने सोचा कि गर्मियों की सबसे खूबसूरत आवाज़ों में से एक, पुरानी मशीनों की सुस्त लोहे जैसी आवाज़, हमेशा के लिए दुनिया से गायब हो रही है। शायद आज बच्चे भी उन छोटे दो-स्ट्रोक इंजनों की धुआँ-धुआँ और खड़खड़ाहट के बारे में ऐसा ही महसूस करते होंगे। कम से कम कटी हुई घास की खुशबू तो वैसी ही रहेगी।

बॉन्ड के पास इन विचारों के लिए समय था क्योंकि एम को मुद्दे पर आने में कठिनाई हो रही थी।

बॉन्ड से पूछा गया था कि क्या इस समय उसके पास कोई काम है, और उसने खुशी-खुशी जवाब दिया कि उसके पास कोई काम नहीं है और वह पैंडोरा का पिटारा खुलने का इंतज़ार कर रहा था। वह थोड़ा हैरान था क्योंकि एम ने उसे उसके नंबर - 007 - से नहीं बल्कि जेम्स कहकर पुकारा था। ड्यूटी के दौरान ऐसा होना असामान्य था। ऐसा लग रहा था मानो इस असाइनमेंट में कोई निजी पहलू हो - मानो यह उसे आदेश से ज़्यादा एक अनुरोध के रूप में दिया गया हो। और बॉन्ड को लगा कि उसकी ठंडी, बेहद साफ़, धूसर आँखों के बीच चिंता की एक हल्की सी झलक थी। और तीन मिनट पाइप जलाने में बिताना तो बिल्कुल ही बेकार था।

एम ने अपनी कुर्सी को मेज के समानांतर घुमाकर माचिस की डिब्बी नीचे फेंक दी, जिससे वह लाल चमड़े की मेज पर फिसलती हुई बॉन्ड की ओर गई। बॉन्ड ने उसे पकड़ा और शालीनता से वापस मेज के बीचोंबीच रख दिया। एम ने हल्की सी मुस्कान दी। ऐसा लगा जैसे उसने अपना मन बना लिया हो। उसने नरमी से कहा: "जेम्स, क्या तुमने कभी सोचा है कि नौसेना में हर कोई जानता है कि क्या करना है, सिवाय कमांडिंग एडमिरल के?"

बॉन्ड ने भौंहें चढ़ा लीं। उन्होंने कहा, “मुझे यह बात सूझी ही नहीं थी, महोदय। लेकिन मैं आपकी बात समझ गया। बाकी लोगों को तो सिर्फ आदेशों का पालन करना होता है। आदेश क्या होंगे, यह फैसला एडमिरल को करना होता है। मेरा मानना है कि इसका मतलब यही है कि सर्वोच्च कमान का पद सबसे एकाकी होता है।”

एम ने अपनी पाइप को एक तरफ झटका दिया। “वही बात है। किसी को तो सख्त होना ही पड़ेगा। अंत में किसी को तो फैसला लेना ही होगा। अगर आप नौसेना को कोई संदेह का संकेत भेजते हैं, तो आपको किनारे पर छोड़ दिया जाना चाहिए। कुछ लोग धार्मिक होते हैं - फैसला भगवान पर छोड़ देते हैं।” एम की आँखों में बचाव का भाव था। “मैं भी कभी-कभी सेना में ऐसा करने की कोशिश करता था, लेकिन भगवान हमेशा सारा दोष मुझ पर ही डाल देते थे - मुझसे कहते थे कि मैं खुद फैसला कर लूँ।”

एक के लिए तो ठीक है, लेकिन मुश्किल है। दिक्कत ये है कि चालीस के बाद बहुत कम लोग ही इतने मजबूत रह पाते हैं। ज़िंदगी ने उन्हें बहुत चोटें पहुंचाई हैं - परेशानियां, दुख, बीमारियां। ये सब चीज़ें उन्हें नरम बना देती हैं।” एम ने बॉन्ड को तीखी नज़र से देखा। “जेम्स, तुम्हारी मजबूती का गुणांक कैसा है? तुम अभी उस खतरनाक उम्र तक नहीं पहुंचे हो।”

बॉन्ड को निजी सवाल पसंद नहीं थे। उन्हें नहीं पता था कि क्या जवाब दें, न ही सच क्या है। उनकी न तो पत्नी थी, न बच्चे - उन्होंने कभी किसी व्यक्तिगत हानि का दुख नहीं झेला था। उन्हें कभी अंधापन या किसी जानलेवा बीमारी का सामना नहीं करना पड़ा था। उन्हें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि वे इन चीजों का सामना कैसे करेंगे, जिनके लिए उनसे कहीं अधिक दृढ़ता की आवश्यकता थी, जितनी उन्होंने कभी दिखाई थी। उन्होंने हिचकिचाते हुए कहा: "मुझे लगता है कि अगर मुझे करना पड़े और अगर मुझे लगे कि यह सही है, तो मैं ज्यादातर चीजों को सहन कर सकता हूँ, महोदय। मेरा मतलब है" - उन्हें ऐसे शब्दों का प्रयोग करना पसंद नहीं था - "अगर कारण है -

"हाँ, कुछ हद तक ठीक है, महोदय।" एम पर बात पलटने के लिए खुद पर शर्मिंदा होते हुए उन्होंने आगे कहा: "बेशक, यह जानना आसान नहीं है कि क्या सही है और क्या गलत। मेरा मानना है कि जब मुझे सेवा में कोई अप्रिय काम दिया जाता है, तो उसका कारण न्यायसंगत होता है।"

“धत् तेरे की!” एम की आँखों में अधीरता झलक रही थी। “मेरा मतलब यही तो था! तुम मुझ पर निर्भर हो। तुम खुद कोई ज़िम्मेदारी नहीं उठाओगे।” उसने अपने पाइप का तना अपनी छाती की ओर बढ़ाया। “मुझे ही तो यह सब करना है।” (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

ऐसा करो। किसी चीज़ के सही या गलत होने का फैसला तो मुझे ही करना है।” आँखों से गुस्सा गायब हो गया। उसका गंभीर चेहरा गुस्से से सिकुड़ गया। उसने उदास स्वर में कहा, “खैर, मुझे लगता है कि इसी के लिए मुझे पैसे मिलते हैं। किसी को तो यह सब करना ही पड़ेगा।” एम ने अपना पाइप वापस मुँह में डाला और अपने गुस्से को शांत करने के लिए एक गहरा कश लिया।

अब बॉन्ड को एम पर दया आ रही थी। उसने एम को 'खूनी' जैसा इतना कठोर शब्द इस्तेमाल करते कभी नहीं सुना था। न ही एम ने कभी सुना था।

एम. ने अपने स्टाफ के किसी भी सदस्य को कभी यह संकेत नहीं दिया था कि वह उस बोझ को महसूस कर रहा है जिसे वह तब से ढो रहा है जब उसने गुप्त सेवा का कार्यभार संभालने के लिए पाँचवें समुद्री लॉर्ड बनने की निश्चित संभावना को त्याग दिया था। एम. खुद एक समस्या में फंस गया था। बॉन्ड सोच रहा था कि आखिर यह क्या है। यह खतरे से संबंधित नहीं हो सकता। अगर एम. को परिस्थितियाँ लगभग सही मिल जातीं, तो वह दुनिया में कहीं भी, कुछ भी जोखिम उठा सकता था। यह राजनीतिक भी नहीं हो सकता। एम. को किसी भी मंत्रालय की संवेदनशीलता की कोई परवाह नहीं थी और वह प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत निर्णय लेने के लिए उनकी पीठ पीछे जाने में जरा भी संकोच नहीं करता था। यह नैतिक हो सकता है। यह व्यक्तिगत भी हो सकता है। बॉन्ड ने कहा: "क्या मैं आपकी किसी तरह मदद कर सकता हूँ, महोदय?"

एम ने बॉन्ड की ओर एक संक्षिप्त, विचारशील नज़र डाली, और फिर अपनी कुर्सी घुमाकर खिड़की से बाहर ऊंचे, गर्मी के बादलों को देखने लगा। उसने अचानक कहा: "क्या तुम्हें हैवेलॉक मामला याद है?"

“सर, मैंने अखबारों में जो पढ़ा, बस वही बता रही हूँ। जमैका में एक बुजुर्ग दंपति थे। एक रात बेटी घर लौटी तो उसने देखा कि उनके शरीर पर गोलियों के निशान थे। हवाना के कुछ गुंडों का भी जिक्र था। नौकरानी ने बताया कि तीन आदमी कार में आए थे। उसे लगा कि वे क्यूबा के हो सकते हैं। बाद में पता चला कि कार चोरी की थी।”

उस रात स्थानीय बंदरगाह से एक नौका रवाना हुई थी। लेकिन जहाँ तक मुझे याद है, पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला। बस इतना ही, महोदय। मुझे इस मामले में कोई सूचना मिलती नहीं दिखी है।

एम ने रूखेपन से कहा: "तुम ऐसा नहीं करते। ये मेरे लिए व्यक्तिगत मामला है। हमें इस मामले को संभालने के लिए नहीं कहा गया था।"

“बस यूं ही हो गया,” एम ने गला साफ किया: सेवा का यह निजी उपयोग उसके अंतरात्मा पर बोझ था, “मैं हैवलॉक्स को जानता था। दरअसल, मैं उनकी शादी में दूल्हे का दोस्त था। माल्टा। उन्नीस सौ पच्चीस।”

“मैं समझ गया, महोदय। यह बुरी बात है।”

एम ने संक्षेप में कहा: “अच्छे लोग। खैर, मैंने स्टेशन सी को इसकी जांच करने को कहा था। उन्हें बतिस्ता के लोगों से कोई सुराग नहीं मिला, लेकिन दूसरी तरफ हमारा एक अच्छा आदमी है - इस कास्त्रो नाम के व्यक्ति के साथ। और कास्त्रो की खुफिया एजेंसियों ने सरकार में काफी पैठ बना ली है। मुझे पूरी कहानी कुछ हफ्ते पहले पता चली। संक्षेप में कहें तो, हैमरस्टीन या वॉन हैमरस्टीन नाम के एक व्यक्ति ने उस जोड़े की हत्या करवाई थी। इन छोटे-छोटे देशों में बहुत सारे जर्मन अच्छी तरह से जमे हुए हैं। ये नाज़ी हैं जो युद्ध के अंत में बच निकले थे। यह व्यक्ति पूर्व गेस्टापो का सदस्य है। उसे बतिस्ता की काउंटर इंटेलिजेंस के प्रमुख के रूप में नौकरी मिल गई। उसने जबरन वसूली, ब्लैकमेल और सुरक्षा के नाम पर खूब पैसा कमाया। कास्त्रो के गुट के आगे बढ़ने तक उसकी जिंदगी आराम से चल रही थी। वह सबसे पहले खुद को अलग करने वालों में से एक था। उसने अपने एक अधिकारी, गोंजालेस नाम के एक व्यक्ति को, अपने लूटे हुए धन में

हिस्सा दिया, और यह व्यक्ति कुछ लोगों के साथ कैरिबियन में घूमता रहा। उसने अपनी सुरक्षा के लिए बंदूकधारियों को तैनात किया और क्यूबा के बाहर हैमरस्टीन का पैसा जमा करना शुरू कर दिया - उसे नॉमिनी के नाम पर रियल एस्टेट वगैरह में निवेश किया। उसने सिर्फ़ सबसे अच्छी संपत्तियाँ खरीदीं, लेकिन ऊँची कीमतों पर। हैमरस्टीन उन्हें वहन कर सकता था। जब पैसे से काम नहीं चलता था, तो वह बल का प्रयोग करता था - किसी बच्चे का अपहरण कर लेता था, कुछ एकड़ ज़मीन जला देता था, मालिक को समझाने के लिए कुछ भी करता था। खैर, इस हैमरस्टीन को जमैका की सबसे अच्छी संपत्तियों में से एक, हैवेलॉक्स की संपत्ति के बारे में पता चला और उसने गोंजालेस को जाकर उसे हासिल करने का आदेश दिया। मुझे लगता है कि उसे आदेश दिया गया था कि अगर हैवेलॉक्स संपत्ति नहीं बेचते हैं तो उन्हें मार दिया जाए और फिर बेटी पर दबाव डाला जाए। वैसे, उनकी एक बेटी भी है। अब तक लगभग पच्चीस साल की हो गई होगी। मैंने उसे कभी नहीं देखा। खैर, यही हुआ। उन्होंने हैवेलॉक्स को मार डाला। फिर दो हफ्ते पहले बतिस्ता ने हैमरस्टीन को बर्खास्त कर दिया। हो सकता है उसे इनमें से किसी नौकरी के बारे में पता चला हो। मुझे नहीं पता। लेकिन, खैर, हैमरस्टीन वहाँ से निकल गया और अपने तीन लोगों के छोटे दल को साथ ले गया।

मुझे कहना होगा कि उन्होंने समय का बहुत अच्छा ध्यान रखा। ऐसा लग रहा है कि अगर कास्त्रो दबाव बनाए रखते हैं तो इस सर्दी में उन्हें सत्ता मिल सकती है।

बॉन्ड ने धीमी आवाज़ में कहा: "वे कहाँ चले गए हैं?"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

“अमेरिका। वर्मोंट के बिल्कुल उत्तर में। कनाडा की सीमा से सटा हुआ। ऐसे लोगों को सीमावर्ती इलाकों के करीब रहना पसंद होता है। जगह का नाम है इको लेक। यह किसी करोड़पति का फार्महाउस है जिसे उसने किराए पर लिया है। तस्वीरों में तो यह बहुत सुंदर दिखता है। पहाड़ों में छिपा हुआ, इसके परिसर में एक छोटी सी झील है। उसने निश्चित रूप से अपने लिए ऐसी जगह चुनी है जहाँ उसे आगंतुकों से परेशानी नहीं होगी।”

"आपको इस बारे में कैसे पता चला, महोदय?"

“मैंने पूरे मामले की रिपोर्ट एडगर हूवर को भेजी। वह उस आदमी को जानते थे। मुझे अंदाज़ा था कि वह जानते ही होंगे। मियामी से कास्त्रो तक हथियारों की तस्करी को लेकर उन्हें काफी परेशानी रही है। और जब से बड़े अमेरिकी गैंगस्टरों का पैसा हवाना के कसीनो में जाने लगा है, तब से उनकी दिलचस्पी हवाना में है। उन्होंने बताया कि हैमरस्टीन और उनके साथी छह महीने के विज़िटर वीज़ा पर अमेरिका आए थे। उन्होंने मेरी बहुत मदद की। वह जानना चाहते थे कि क्या मेरे पास केस बनाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। क्या मैं इन लोगों को जमैका में मुकदमे के लिए प्रत्यर्पित करवाना चाहता हूँ? मैंने यहाँ अटॉर्नी जनरल से इस बारे में बात की और उन्होंने कहा कि जब तक हम हवाना से गवाह नहीं ला सकते, तब तक कोई उम्मीद नहीं है। इसकी कोई संभावना नहीं है। कास्त्रो की खुफिया एजेंसियों की बदौलत ही हमें इतनी जानकारी मिली है। आधिकारिक तौर पर क्यूबा के लोग कुछ नहीं करेंगे। फिर, हूवर ने उनके वीज़ा रद्द करवाने और उन्हें वापस भेजने का प्रस्ताव दिया। मैंने उन्हें धन्यवाद दिया और मना कर दिया, और बात वहीं खत्म हो

गई।"

एम कुछ पल चुपचाप बैठा रहा। उसकी पाइप बुझ गई थी और उसने उसे फिर से जलाया। उसने आगे कहा, "मैंने अपने दोस्त माउंटियों से बात करने का फैसला किया। मैंने स्क्रैम्बलर पर कमिश्नर से संपर्क किया। उन्होंने मुझे कभी निराश नहीं किया। उन्होंने अपने सीमा गश्ती विमानों में से एक को सीमा के पार भेजा और इस इको लेक इलाके का पूरा हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने कहा कि अगर मुझे किसी और सहयोग की आवश्यकता हो तो वे उसे प्रदान करेंगे। और अब," एम ने धीरे-धीरे अपनी कुर्सी को डेस्क के समानांतर घुमाते हुए कहा, "मुझे यह तय करना है कि आगे क्या करना है।"

अब बॉन्ड को समझ आया कि एम क्यों परेशान था, वह क्यों चाहता था कि कोई और फैसला करे। क्योंकि ये लोग एम के दोस्त थे। क्योंकि इसमें एक निजी मामला शामिल था, इसलिए एम ने इस केस पर अकेले काम किया था। और अब वह समय आ गया था जब न्याय होना चाहिए था और इन लोगों को सजा मिलनी चाहिए थी। लेकिन एम सोच रहा था: क्या यह न्याय है, या बदला? कोई भी जज ऐसे हत्या के मामले को नहीं लेगा जिसमें वह मृतक को व्यक्तिगत रूप से जानता हो। एम चाहता था कि कोई और, बॉन्ड, फैसला सुनाए।

बॉन्ड के मन में कोई संदेह नहीं था। वह हैवेलॉक्स को नहीं जानता था और न ही उसे इस बात की परवाह थी कि वे कौन थे।

हैमरस्टीन ने दो निहत्थे बूढ़े लोगों पर जंगल का कानून लागू किया था। चूंकि कोई और कानून उपलब्ध नहीं था, इसलिए हैमरस्टीन पर भी जंगल का कानून लागू होना चाहिए। इसके अलावा न्याय का कोई और रास्ता नहीं था। अगर यह बदला था, तो यह समाज का बदला था।

बॉन्ड ने कहा: "मैं एक मिनट भी नहीं हिचकिचाऊंगा, महोदय। अगर विदेशी गुंडे यह जान लें कि वे इस तरह की हरकतें करके बच निकल सकते हैं, तो वे यह मान लेंगे कि अंग्रेज उतने ही नरम हैं जितना कुछ लोग सोचते हैं। यह कठोर न्याय का मामला है - जैसे को तैसा।"

एम बॉन्ड को देखता रहा। उसने न तो कोई प्रोत्साहन दिया, न ही कोई टिप्पणी की।

बॉन्ड ने कहा: "इन लोगों को फांसी नहीं दी जा सकती, महोदय। लेकिन इन्हें मार डालना चाहिए।"

एम की निगाहें बॉन्ड से हट गईं। एक पल के लिए वे खाली-खाली सी हो गईं, मानो अंतर्मुखी हों। फिर धीरे से उन्होंने अपनी मेज के बाईं ओर स्थित ऊपरी दराज की ओर हाथ बढ़ाया, उसे खोला और उसमें से एक पतली सी फाइल निकाली जिस पर न तो कोई शीर्षक था और न ही कोई अति-गोपनीय लाल तारा चिन्ह। उन्होंने फाइल को ठीक अपने सामने रखा और फिर से खुली दराज में हाथ फेरा। हाथ से उन्हें एक रबर स्टैंप और लाल स्याही का पैड मिला। एम ने पैड खोला, उस पर रबर स्टैंप लगाया और फिर सावधानी से, ताकि वह फाइल के ऊपरी दाहिने कोने से ठीक से संरेखित हो जाए, उसे भूरे रंग के कवर पर दबा दिया।

एम ने दराज में स्टाम्प और स्याही पैड वापस रख दिए और दराज बंद कर दिया। उसने दस्तावेज़ को घुमाया और धीरे से बॉन्ड की ओर मेज पर सरका दिया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

लाल रंग के नम अक्षरों में लिखा था: केवल आपकी आंखों के लिए।

बॉन्ड ने कुछ नहीं कहा। उसने सिर हिलाया, फाइल उठाई और कमरे से बाहर चला गया।

दो दिन बाद, बॉन्ड फ्राइडे कॉमेट विमान से मॉन्ट्रियल गए। उन्हें यह पसंद नहीं आया। यह बहुत ऊँचा और बहुत तेज़ उड़ता था और इसमें बहुत ज़्यादा यात्री थे। उन्हें पुराने स्ट्रैटोक्रूज़र के दिनों की याद आ रही थी - वह शानदार, भारी-भरकम पुराना विमान जो अटलांटिक महासागर पार करने में दस घंटे लेता था। तब शांति से खाना खा सकते थे, आरामदायक बंक में सात घंटे सो सकते थे और समय पर उठकर निचले डेक पर जाकर BOAC का वह बेतुका 'कंट्री हाउस' नाश्ता कर सकते थे, जब भोर होती थी और पश्चिमी गोलार्ध की पहली सुनहरी रोशनी केबिन को रोशन कर देती थी। अब सब कुछ बहुत जल्दी-जल्दी होता था। एयर होस्टेस को लगभग दोगुनी तेज़ी से सब कुछ परोसना पड़ता था, और फिर चालीस हज़ार फीट की ऊँचाई से सौ मील लंबी उड़ान भरने से पहले मुश्किल से दो घंटे की झपकी मिलती थी। लंदन से निकलने के मात्र आठ घंटे बाद, बॉन्ड मॉन्ट्रियल से ओटावा तक चौड़े रूट 17 पर हर्ट्ज़ यू-ड्राइव प्लाईमाउथ सेडान चला रहे थे और सड़क के दाईं ओर चलने का ध्यान रख रहे थे।

रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस का मुख्यालय ओटावा में संसद भवन के पास न्याय विभाग में स्थित है। कनाडा की अधिकांश सरकारी इमारतों की तरह, न्याय विभाग भी भूरे रंग की ईंटों से बनी एक विशाल इमारत है, जिसे भव्यता और गंभीरता से निर्मित किया गया है ताकि यह लंबी और कठोर सर्दियों का सामना कर सके। बॉन्ड को फ्रंट डेस्क पर कमिश्नर से मिलने और अपना नाम 'श्री जेम्स' बताने के लिए कहा गया था। उसने ऐसा ही किया, और एक युवा, तरोताज़ा चेहरे वाला आरसीएमपी कॉर्पोरल, जो ऐसा लग रहा था मानो उसे धूप वाले गर्म दिन में अंदर रहना पसंद नहीं था, उसे लिफ्ट से तीसरी मंजिल पर ले गया और एक बड़े, साफ-सुथरे कार्यालय में एक सार्जेंट को सौंप दिया, जिसमें दो महिला सचिव और बहुत सारा भारी फर्नीचर था। सार्जेंट ने इंटरकॉम पर बात की और दस मिनट का अंतराल रहा, जिसके दौरान बॉन्ड ने सिगरेट पी और एक भर्ती पुस्तिका पढ़ी, जिसमें माउंटेड पुलिस को एक डूड रेंच, डिक ट्रेसी और रोज़ मैरी के मिश्रण जैसा बताया गया था। जब उन्हें जोड़ने वाले दरवाजे से अंदर लाया गया, तो गहरे नीले सूट, सफेद कमीज और काली टाई पहने एक लंबा-सा नौजवान खिड़की से मुड़कर उनकी ओर आया। “श्रीमान जेम्स?” उस आदमी ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा। “मैं कर्नल हूँ, चलिए मान लेते हैं - उह - जॉन्स।”

उन्होंने हाथ मिलाया। “आइए, बैठिए। कमिश्नर को बहुत अफ़सोस है कि वे स्वयं आपका स्वागत करने के लिए यहाँ नहीं आ पाए। उन्हें ज़ुकाम हो गया है - आप जानते हैं, कूटनीतिक कारणों से होने वाला ज़ुकाम।” कर्नल ‘जॉन्स’

वह मुस्कुराया। “सोचा कि आज छुट्टी लेना ही बेहतर रहेगा। मैं तो बस एक नौकर हूँ। मैं खुद भी एक-दो शिकार यात्राओं पर जा चुका हूँ और कमिश्नर ने आपकी इस छोटी सी छुट्टी का जिम्मा मुझे ही सौंपा है,” कर्नल थोड़ा रुका, “सिर्फ मुझे ही। है ना?”

बॉन्ड मुस्कुराया। कमिश्नर मदद करने के लिए खुश थे, लेकिन वे इस मामले को बहुत सावधानी से निपटाने वाले थे। उनके कार्यालय पर कोई आंच नहीं आने देनी थी। बॉन्ड को लगा कि वे एक सावधान और बहुत समझदार व्यक्ति होंगे। उन्होंने कहा:

“मैं आपकी बात पूरी तरह समझता हूँ। लंदन में मेरे दोस्त नहीं चाहते थे कि कमिश्नर खुद इस मामले में दखल दें। और मैंने कमिश्नर को न तो देखा है और न ही उनके मुख्यालय के आसपास कहीं गया हूँ। ऐसे में, क्या हम दोनों दस मिनट तक अंग्रेज़ी में बात कर सकते हैं?”

कर्नल जॉन्स हँसे। “ज़रूर। मुझे बस इतना ही भाषण देने और फिर काम पर लग जाने को कहा गया था। कमांडर, आप समझ रहे हैं कि हम दोनों मिलकर कई गंभीर अपराधों में शामिल होने वाले हैं, जिनमें झूठे बहाने से कनाडा का शिकार लाइसेंस हासिल करना और सीमा कानूनों का उल्लंघन करने में सहायक होना शामिल है, और फिर इससे भी ज़्यादा गंभीर अपराध होंगे। इस गिरोह से किसी को भी कोई फ़ायदा नहीं होगा। समझे?”

“मेरे दोस्तों को भी ऐसा ही लगता है। जब मैं यहाँ से चला जाऊँगा, तो हम एक-दूसरे को भूल जाएँगे, और अगर मैं सिंग-सिंग जेल में पहुँच गया तो यही मेरी चिंता है। खैर, अब क्या करें?”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

कर्नल जॉन्स ने डेस्क की दराज खोली और उसमें से एक मोटी फाइल निकाली। सबसे ऊपर एक सूची थी। उन्होंने अपनी पेंसिल पहले आइटम पर रखी और बॉन्ड की ओर देखा। उन्होंने बॉन्ड के पुराने काले-सफेद रंग के ट्वीड सूट, सफेद शर्ट और पतली काली टाई पर नज़र डाली। उन्होंने कहा: "कपड़े।" उन्होंने फाइल से एक सादा कागज निकाला और उसे डेस्क पर सरका दिया। "यह उन चीजों की सूची है जिनकी आपको ज़रूरत होगी और शहर में एक बड़े सेकंड-हैंड कपड़ों की दुकान का पता भी है। कुछ भी फैंसी या भड़कीला नहीं - खाकी शर्ट, गहरे भूरे रंग की जींस, अच्छे क्लाइंबिंग बूट या जूते। ध्यान रहे, ये आरामदायक होने चाहिए।"

और ये रहा अखरोट के रंग के लिए रसायन विक्रेता का पता। एक गैलन खरीद लें और उससे नहा लें।

इस समय पहाड़ियों में बहुत सारे भूरे हिरण हैं और आप पैराशूट के कपड़े या छलावरण की गंध वाली कोई भी चीज़ पहनना नहीं चाहेंगे। है ना? अगर आपको पकड़ लिया जाता है, तो आप कनाडा में शिकार पर आए एक अंग्रेज हैं जो रास्ता भटक गए हैं और गलती से सीमा पार कर गए हैं। राइफल। मैं खुद नीचे गया और आपके इंतज़ार करते समय इसे आपकी प्लाईमाउथ कार की डिक्की में रख दिया। नई सैवेज 99F में से एक, वेदरबी 6 x 62

‘स्कोप, पांच-शॉट रिपीटर जिसमें .250-3000 हाई-वेलोसिटी के बीस राउंड हैं। बाज़ार में उपलब्ध सबसे हल्की बड़ी गेम लीवर एक्शन राइफल। केवल साढ़े छह पाउंड। यह मेरे एक दोस्त की है। इसे एक दिन वापस पाकर मुझे खुशी होगी, लेकिन अगर यह नहीं मिली तो उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। इसका परीक्षण हो चुका है और यह 500 तक ठीक है। गन लाइसेंस,” कर्नल जॉन्स ने उसे आगे बढ़ाते हुए कहा, “यह शहर में आपके असली नाम से जारी किया गया है

क्योंकि यह आपके पासपोर्ट से मेल खाता है। शिकार लाइसेंस भी वैसा ही है, लेकिन केवल छोटे शिकार, कीट-पतंगों के लिए, क्योंकि अभी हिरण का शिकार का मौसम नहीं आया है, साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस भी है जो हर्ट्ज़ वालों के पास आपके लिए रखे अस्थायी लाइसेंस की जगह लेगा। हैवरसैक, कंपास - इस्तेमाल किए हुए, आपकी कार के बूट में हैं। ओह, वैसे," कर्नल जॉन्स ने अपनी सूची से ऊपर देखते हुए कहा, "क्या आप अपने साथ कोई निजी बंदूक ले जा रहे हैं?"

"हां। बर्न्स मार्टिन होल्स्टर में वाल्थर पीपीके।"

"ठीक है, मुझे नंबर दे दो। मेरे पास एक खाली लाइसेंस है। अगर वह मुझे वापस मिल जाए तो कोई बात नहीं। मेरे पास इसके लिए एक कहानी है।"

बॉन्ड ने अपनी बंदूक निकाली और संख्या पढ़ी। कर्नल जॉन्स ने फॉर्म भरा और उसे आगे बढ़ा दिया।

"तो चलिए, नक्शे देखते हैं। ये रहा स्थानीय एस्सो का नक्शा, बस इतना ही काफी है आपको इस इलाके तक पहुंचने के लिए।" कर्नल जॉन्स उठे और नक्शा लेकर बॉन्ड के पास गए और उसे फैला दिया। "आप रूट 17 से मॉन्ट्रियल वापस जाइए, सेंट ऐनीज़ पुल पार करके रूट 37 पर आ जाइए और फिर नदी पार करके रूट 7 पर आ जाइए। रूट 7 पर सीधे पाइक रिवर तक जाइए। स्टैनब्रिज में रूट 52 पर आ जाइए। स्टैनब्रिज में दाईं ओर मुड़कर फ्रेलिग्सबर्ग जाइए और वहां किसी गैरेज में गाड़ी खड़ी कर दीजिए। पूरी यात्रा में सड़कें अच्छी हैं। रुकने के समय सहित पूरी यात्रा में पांच घंटे से ज्यादा नहीं लगने चाहिए।"

ठीक है? अब आपको यहीं पर सब कुछ ठीक करना है। ऐसा समय निकालिए कि आप सुबह करीब तीन बजे फ्रेलिग्सबर्ग पहुँचें। गैराज का कर्मचारी आधा सोया हुआ होगा और आप बिना उसकी नज़र में आए गाड़ी की डिक्की से सामान निकाल कर निकल सकेंगे, चाहे आप दो सिर वाले चीनी ही क्यों न हों।" कर्नल जॉन्स अपनी कुर्सी पर वापस गए और फाइल से दो और कागज़ निकाले। पहला पेंसिल से बना एक नक्शा था, दूसरा हवाई तस्वीर का एक हिस्सा। उन्होंने बॉन्ड को गंभीरता से देखते हुए कहा: "अब, ये वो ज्वलनशील चीज़ें हैं जो आप अपने साथ ले जाएँगे और मुझे आप पर भरोसा करना होगा कि आप इनका इस्तेमाल होते ही इन्हें तुरंत या अगर आपको मुसीबत में पड़ने का डर है तो तुरंत ही ठिकाने लगा देंगे। यह," उन्होंने कागज़ आगे बढ़ाते हुए कहा, "निषेध के दिनों के एक पुराने तस्करी मार्ग का मोटा-मोटा नक्शा है। इसका इस्तेमाल अब नहीं होता, वरना मैं इसकी सलाह नहीं देता।" कर्नल जॉन्स ने कड़वी मुस्कान के साथ कहा, "हो सकता है कि विपरीत दिशा से कुछ बदमाश आ रहे हों, जो गोली चलाने के बाद सवाल भी नहीं पूछते - बदमाश, ड्रग तस्कर, गुलामों का व्यापार करने वाले - लेकिन आजकल वे ज्यादातर विस्काउंट से होकर आते हैं। यह रास्ता फ्रैंकलिन (डर्बी लाइन के ठीक पार) और फ्रेलिग्सबर्ग के बीच धावकों द्वारा इस्तेमाल किया जाता था। आप तलहटी से होते हुए इस रास्ते पर चलें, फ्रैंकलिन को छोड़कर ग्रीन माउंटेंस की शुरुआत में पहुँचें। वहाँ चारों ओर वर्मोंट स्प्रूस और पाइन के पेड़ हैं, साथ में कुछ मेपल के पेड़ भी हैं, और आप महीनों तक वहाँ रह सकते हैं और किसी को नहीं देख सकते। यहाँ से आप कुछ राजमार्गों को पार करते हुए ग्रामीण इलाके में पहुँचते हैं, और एनोसबर्ग फॉल्स को पश्चिम की ओर छोड़ देते हैं। फिर आप एक खड़ी पर्वत श्रृंखला को पार करते हैं और अपनी इच्छित घाटी के शीर्ष पर पहुँच जाते हैं। क्रॉसिंग इको

लेक है और तस्वीरों को देखकर, मैं पूर्व की ओर से इसके ऊपर से उतरना चाहूँगा। समझ गए?"

"दूरी कितनी है? लगभग दस मील?"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

"साढ़े दस मिनट। अगर आप रास्ता नहीं भटके तो फ्रेलिग्सबर्ग से यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीन घंटे लगेंगे, इसलिए आप लगभग छह बजे तक उस जगह के पास पहुँच जाएँगे और आखिरी पड़ाव पार करने के लिए आपके पास लगभग एक घंटे की रोशनी होगी।" कर्नल जॉन्स ने हवाई तस्वीर का चौकोर टुकड़ा आगे बढ़ाया। यह उसी तस्वीर का बीच का हिस्सा था जिसे बॉन्ड ने लंदन में देखा था। इसमें तराशे हुए पत्थरों से बनी सुव्यवस्थित इमारतों की एक लंबी, नीची कतार दिखाई दे रही थी। छतें स्लेट की थीं, और सुंदर धनुषाकार खिड़कियों और एक ढके हुए आँगन की झलक दिख रही थी। सामने के दरवाजे के पास से एक कच्ची सड़क गुजर रही थी और इस तरफ गैरेज और कुत्तों के रहने की जगह जैसी कोई चीज़ दिखाई दे रही थी। बगीचे की तरफ फूलों की क्यारी वाला एक पत्थर का चबूतरा था, और इसके आगे दो-तीन एकड़ का साफ-सुथरा लॉन छोटी झील के किनारे तक फैला हुआ था। ऐसा लग रहा था कि झील को एक गहरे पत्थर के बांध से कृत्रिम रूप से बनाया गया था।

बांध की दीवार जहां किनारे से अलग होती थी, वहां लोहे से बने बगीचे के फर्नीचर का एक समूह था, और दीवार के बीच में एक डाइविंग बोर्ड और झील से बाहर निकलने के लिए एक सीढ़ी थी। झील के उस पार जंगल तेजी से ऊपर की ओर उठता था।

कर्नल जॉन्स ने इसी तरफ से एक प्रस्ताव रखा था। तस्वीर में कोई इंसान नहीं दिख रहा था, लेकिन आँगन के सामने पत्थर की पट्टियों पर महंगे दिखने वाले एल्युमीनियम के बगीचे के फर्नीचर का ढेर लगा था और बीच में एक कांच की मेज पर पेय रखे थे। बॉन्ड को याद आया कि बड़ी तस्वीर में बगीचे में एक टेनिस कोर्ट और सड़क के दूसरी ओर एक स्टड फार्म की साफ-सुथरी सफेद बाड़ और चरते हुए घोड़े दिखाई दे रहे थे। इको लेक वैसा ही दिख रहा था जैसा वह था - एकांत में बसा एक आलीशान ठिकाना, जो परमाणु बम के लक्ष्यों से काफी दूर था, एक ऐसे करोड़पति का जिसे निजता पसंद थी और जो शायद स्टड फार्म और कभी-कभार किराए पर दी गई संपत्ति से अपने कई खर्चों की भरपाई कर सकता था। कैरेबियन राजनीति के दस उथल-पुथल भरे वर्षों के बाद, जिसे अपनी ऊर्जा फिर से पाने के लिए आराम की जरूरत थी, उसके लिए यह एक शानदार शरणस्थल हो सकता था। हाथों से खून धोने के लिए झील भी सुविधाजनक थी।

कर्नल जॉन्स ने अपनी खाली फाइल बंद की और टाइप की हुई सूची को छोटे-छोटे टुकड़ों में फाड़कर कूड़ेदान में डाल दिया। दोनों आदमी खड़े हो गए। कर्नल जॉन्स बॉन्ड को दरवाजे तक ले गए और अपना हाथ बढ़ाते हुए बोले: "ठीक है, मुझे लगता है कि बस इतना ही है। काश मैं तुम्हारे साथ आ पाता। इन सब बातों से मुझे युद्ध के अंत में किए गए एक-दो स्नाइपिंग मिशन याद आ गए। मैं तब सेना में था। हम आठवीं कोर में मोंटी के अधीन थे। आर्डेन्स में मोर्चे के बाईं ओर। यह लगभग वैसा ही इलाका था जैसा तुम इस्तेमाल करोगे, बस पेड़ अलग थे। लेकिन तुम जानते हो इन पुलिस की नौकरियों में कैसा होता है। ढेर सारा कागजी काम और पेंशन के लिए

बेदाग रहना पड़ता है। खैर, अलविदा और शुभकामनाएं। मुझे कोई शक नहीं कि मैं अखबारों में इसके बारे में सब कुछ पढ़ लूंगा," वे मुस्कुराए, "जो भी नतीजा हो।"

बॉन्ड ने उन्हें धन्यवाद दिया और उनसे हाथ मिलाया। उनके मन में एक आखिरी सवाल आया। उन्होंने कहा, "वैसे, सैवेज सिंगल पुल है या डबल? मुझे पता लगाने का मौका नहीं मिलेगा और जब निशाना सामने आएगा तो प्रयोग करने के लिए शायद ज्यादा समय भी न बचे।"

"एक बार खींचने पर ही गोली चल जाती है। जब तक पक्का न हो जाए कि तुमने उसे मार गिराया है, तब तक अपनी उंगली दूर रखना। और हो सके तो तीन सौ गज से ज़्यादा दूर रहना। मुझे लगता है ये लोग भी काफी माहिर हैं। ज़्यादा पास मत जाना।" उसने दरवाज़े का हैंडल पकड़ा। उसका दूसरा हाथ बॉन्ड के कंधे पर गया। "हमारे कमिश्नर का एक सिद्धांत है: 'जहाँ गोली चलाई जा सकती है, वहाँ कभी किसी आदमी को मत भेजो।' याद रखना। अलविदा, कमांडर।"

बॉन्ड ने रात और अगले दिन का अधिकांश समय मॉन्ट्रियल के बाहरी इलाके में स्थित को-ज़ी मोटर कोर्ट में बिताया। उन्होंने तीन रातों के लिए अग्रिम भुगतान कर दिया था। उन्होंने दिन भर अपने सामान की जाँच की और ओटावा में खरीदे मुलायम लहरदार रबर के चढ़ाई वाले जूते पहने। उन्होंने ग्लूकोज की गोलियाँ, कुछ स्मोक्ड हैम और ब्रेड खरीदी, जिनसे उन्होंने सैंडविच बनाए। उन्होंने एक बड़ी एल्युमिनियम की बोतल भी खरीदी और उसमें तीन-चौथाई बॉर्बन और एक-चौथाई कॉफी भर ली। अंधेरा होने पर उन्होंने रात का खाना खाया और थोड़ी देर सोए, फिर अखरोट के दाग को पतला किया और उससे अपने पूरे शरीर को, यहाँ तक कि बालों की जड़ों तक, अच्छी तरह से धोया। बाहर निकलने पर वे नीली-भूरी आँखों वाले किसी रेड इंडियन की तरह दिख रहे थे। आधी रात से ठीक पहले उन्होंने चुपचाप कार गैरेज का साइड दरवाजा खोला, प्लाईमाउथ में बैठे और दक्षिण की ओर फ्रेलिग्सबर्ग के लिए आखिरी यात्रा पर निकल पड़े।

रात भर खुले रहने वाले गैरेज में काम करने वाला आदमी उतना नींद में नहीं था जितना कर्नल जॉन्स ने कहा था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

"क्या आप शिकार पर जा रहे हैं, महोदय?"

उत्तरी अमेरिका में आप संक्षिप्त और सटीक आवाज़ों से काफी हद तक काम चला सकते हैं। "हूँ", "हुन" और "हाय!" जैसे शब्द, अलग-अलग लहजों में, साथ ही "ज़रूर", "लगता है ऐसा ही है", "ऐसा है?" और "नट्स!" जैसे शब्द लगभग हर परिस्थिति में काम आ सकते हैं।

बॉन्ड ने अपनी राइफल का पट्टा कंधे पर लटकाते हुए कहा, "हनी।"

"शनिवार को हाईगेट स्प्रिंग्स के पास एक आदमी को एक बड़ा सा बीवर मिला।"

बॉन्ड ने बेपरवाही से कहा, "तो ऐसा है?", दो रातों का किराया चुकाया और गैराज से बाहर निकल गया। वह कस्बे के दूसरे छोर पर रुका था, और अब उसे राजमार्ग पर केवल सौ गज

चलना था, जिसके बाद उसे अपने दाहिनी ओर जंगल में जाती हुई कच्ची पगडंडी मिल गई। आधे घंटे बाद वह पगडंडी एक टूटे-फूटे फार्महाउस पर जाकर खत्म हो गई। एक जंजीर से बंधा कुत्ता ज़ोर-ज़ोर से भौंकने लगा, लेकिन फार्महाउस में कोई रोशनी नहीं थी, इसलिए बॉन्ड उसके किनारे से निकल गया और तुरंत ही नाले के किनारे वाला रास्ता मिल गया। उसे इस रास्ते पर तीन मील चलना था। कुत्ते से दूर जाने के लिए उसने अपने कदम तेज़ कर दिए। जब भौंकना बंद हुआ तो सन्नाटा छा गया, एक शांत रात में जंगल का गहरा मखमली सन्नाटा। वह एक गर्म रात थी, जिसमें पूरा पीला चाँद था, जिसकी रोशनी घने देवदार के पेड़ों से छनकर आ रही थी, जिससे बॉन्ड को रास्ता आसानी से मिल गया। चढ़ाई वाले बूटों के लचीले, गद्देदार तलवों पर चलना बहुत अच्छा लग रहा था, और बॉन्ड को नई ऊर्जा मिली और उसे पता चल गया कि वह अच्छी गति से चल रहा है। लगभग चार बजे पेड़ कम होने लगे और वह जल्द ही खुले मैदानों से होते हुए आगे बढ़ रहा था, उसके दाहिनी ओर फ्रैंकलिन की बिखरी हुई रोशनी दिखाई दे रही थी। उसने एक पक्की सड़क पार की और अब जंगल के बीच से एक चौड़ा रास्ता था, और उसके दाहिनी ओर एक झील की हल्की चमक दिखाई दे रही थी। पाँच बजे तक वह अमेरिकी राजमार्ग 108 और 120 की काली नदियों को पार कर चुका था। बाद वाले राजमार्ग पर एक बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था एनोसबर्ग।

फॉल्स 1 मील। अब वह आखिरी पड़ाव पर था - एक छोटा सा शिकार का रास्ता जो तेज़ी से ऊपर चढ़ता था। राजमार्ग से काफी दूर, वह रुका और अपनी राइफल और बैग को समेटा, एक सिगरेट पी और नक्शा जला दिया। आसमान में हल्की सी चमक आ चुकी थी और जंगल में हल्की-हल्की आवाज़ें सुनाई दे रही थीं - एक अनजान पक्षी की कर्कश, उदास आवाज़ और छोटे जानवरों की सरसराहट। बॉन्ड ने अपने सामने पहाड़ के दूसरी ओर छोटी सी घाटी में बने घर की कल्पना की। उसने खाली पर्दों वाली खिड़कियाँ, चारों आदमियों के थके हुए सोते चेहरे, लॉन पर ओस और झील की गहरे नीले रंग की सतह पर सुबह की धूप से फैलते हुए छल्ले देखे। और यहाँ, पहाड़ के दूसरी ओर, जल्लाद पेड़ों के बीच से आता हुआ दिखाई दिया। बॉन्ड ने उस तस्वीर को अपने दिमाग से निकाल दिया, सिगरेट के बचे हुए हिस्से को ज़मीन पर कुचल दिया और आगे बढ़ गया।

यह पहाड़ी थी या पर्वत? कितनी ऊँचाई पर पहाड़ी पर्वत बन जाती है? बर्च के पेड़ों की चांदी जैसी छाल से कुछ क्यों नहीं बनाते? यह देखने में बहुत उपयोगी और कीमती लगती है। अमेरिका में सबसे अच्छी चीज़ें गिलहरी और सीप का स्टू हैं। शाम को अंधेरा वास्तव में गिरता नहीं, बल्कि उगता है।

जब आप किसी पहाड़ की चोटी पर बैठकर सामने वाले पहाड़ के पीछे सूरज को डूबते हुए देखते हैं, तो घाटी से अंधेरा आप तक पहुँचता है। क्या पक्षी एक दिन मनुष्य का भय खो देंगे? इन जंगलों में मनुष्य ने सदियों से किसी छोटे पक्षी को भोजन के लिए नहीं मारा होगा, फिर भी वे डरते हैं। वर्मोंट के ग्रीन माउंटेन बॉयज़ का नेतृत्व करने वाला यह ईथन एलन कौन था? अब, अमेरिकी मोटलों में, वे ईथन एलन के फर्नीचर को एक आकर्षण के रूप में विज्ञापित करते हैं। क्यों? क्या उसने फर्नीचर बनाया था? सेना के जूतों में ऐसे ही रबर के तलवे होने चाहिए।

इन और अन्य बेतरतीब विचारों के साथ बॉन्ड लगातार ऊपर चढ़ता गया और सफेद तकियों पर सो रहे चार चेहरों के विचार को हठपूर्वक अपने दिमाग से दूर धकेलता रहा।

गोल चोटी वृक्ष रेखा से नीचे थी और बॉन्ड को नीचे घाटी का कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। उसने आराम किया और फिर एक बलूत का पेड़ चुना, और एक मोटी शाखा के सहारे ऊपर चढ़ गया। अब उसे सब कुछ दिखाई दे रहा था - ग्रीन माउंटेंस का अंतहीन दृश्य जो हर दिशा में दूर-दूर तक फैला हुआ था, पूर्व की ओर सूर्य का सुनहरा गोला जो अभी-अभी अपनी पूरी शान से उग रहा था, और नीचे, दो हज़ार फीट नीचे एक लंबी, आसान ढलान। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

पेड़ों की चोटियों के बीच से घास के मैदान की एक चौड़ी पट्टी गुजरती है, धुंध की एक पतली चादर के पार, झील, लॉन और घर दिखाई देते हैं।

बॉन्ड पेड़ की शाखा पर लेट गया और सुबह की हल्की धूप की किरण को घाटी में धीरे-धीरे उतरते हुए देखता रहा। झील तक पहुँचने में पंद्रह मिनट लगे, और फिर मानो चमकते हुए लॉन और छतों की गीली स्लेट की टाइलों पर एक साथ फैल गई। फिर झील से धुंध तेज़ी से छंट गई और लक्ष्य क्षेत्र, धुला हुआ, चमकदार और नया, एक खाली मंच की तरह इंतज़ार कर रहा था।

बॉन्ड ने अपनी जेब से दूरबीन निकाली और एक-एक इंच करके दृश्य का जायज़ा लिया। फिर उसने अपने नीचे की ढलान वाली ज़मीन का निरीक्षण किया और दूरी का अनुमान लगाया। घास के मैदान के किनारे से, जो कि उसके लिए गोलीबारी का एकमात्र खुला क्षेत्र होगा, जब तक कि वह पेड़ों की आखिरी पट्टी से होते हुए झील के किनारे तक न जाए, चबूतरे और आँगन तक लगभग पाँच सौ गज और गोताखोरी बोर्ड और झील के किनारे तक लगभग तीन सौ गज की दूरी होगी। ये लोग अपना समय कैसे बिताते थे? उनकी दिनचर्या क्या थी?

क्या वे कभी नहाते थे? अभी भी काफी गर्मी थी। खैर, पूरा दिन बाकी था। अगर दिन के अंत तक वे झील तक नहीं पहुँचे, तो उसे आँगन और पाँच सौ गज की दूरी पर ही किस्मत आज़मानी पड़ेगी। लेकिन एक अनजान राइफल के साथ यह अच्छा मौका नहीं होगा। क्या उसे सीधे घास के मैदान के किनारे पर चले जाना चाहिए? वह एक चौड़ा घास का मैदान था, जहाँ बिना किसी आड़ के लगभग पाँच सौ गज तक चलना था। घर के जागने से पहले वहाँ से निकल जाना ही बेहतर होगा। ये लोग सुबह कितने बजे उठते हैं?

मानो उसे जवाब देते हुए, मुख्य भवन के बाईं ओर स्थित छोटी खिड़कियों में से एक में एक सफेद पर्दा ऊपर की ओर सरक गया।

बॉन्ड को स्प्रिंग रोलर की आखिरी चटकने की आवाज़ साफ़ सुनाई दी। इको लेक! बिल्कुल। क्या प्रतिध्वनि दोनों दिशाओं में काम करती है? क्या उसे टहनियों और डालियों को टूटने से बचाना होगा? शायद नहीं। घाटी में आवाज़ें पानी की सतह से टकराकर ऊपर की ओर लौटेंगी। लेकिन कोई जोखिम नहीं लेना चाहिए।

बाईं ओर की एक चिमनी से धुएं का एक पतला स्तंभ सीधा ऊपर उठने लगा। बॉन्ड को बेकन और अंडे याद आए जो जल्द ही तलने वाले थे। और गरमा गरम कॉफी भी। वह शाखा के सहारे धीरे-धीरे नीचे ज़मीन पर बैठ गया। वह कुछ खाएगा, अपनी आखिरी सुरक्षित सिगरेट पिएगा और फायरिंग पॉइंट की ओर चल पड़ेगा।

रोटी बॉन्ड के गले में अटक गई। उसके अंदर तनाव बढ़ता जा रहा था। उसकी कल्पना में उसे सैवेज की गहरी दहाड़ सुनाई दे रही थी। वह देख सकता था कि काली गोली धीरे-धीरे, किसी धीमी गति से उड़ने वाली मधुमक्खी की तरह, घाटी में गुलाबी त्वचा के एक चौकोर टुकड़े की ओर नीचे उतर रही है। टकराते ही हल्की सी आवाज़ आई। त्वचा में गड्ढा बना, वह फट गई और फिर बंद हो गई, जिससे किनारों पर खरोंच के निशान वाला एक छोटा सा छेद बन गया। गोली बिना किसी हड़बड़ी के धड़कते दिल की ओर बढ़ती रही - ऊतक, रक्त वाहिकाएँ, आज्ञाकारी रूप से उसे रास्ता दे रही थीं।

यह आदमी कौन था जिसके साथ वह ऐसा करने जा रहा था? उसने बॉन्ड का क्या बिगाड़ा था? बॉन्ड ने सोच-विचार करते हुए अपनी ट्रिगर उंगली को देखा। उसने धीरे से उसे मोड़ा, कल्पना में धातु के ठंडे घुमाव को महसूस किया। लगभग अपने आप ही, उसका बायां हाथ बोतल की ओर बढ़ा। उसने उसे होठों से लगाया और अपना सिर पीछे झुकाया। कॉफी और व्हिस्की ने उसके गले में हल्की सी जलन पैदा कर दी। उसने बोतल का ढक्कन वापस लगाया और व्हिस्की की गर्माहट के पेट तक पहुंचने का इंतजार किया। फिर वह धीरे-धीरे खड़ा हुआ, अंगड़ाई ली और गहरी जम्हाई ली, फिर राइफल उठाई और उसे अपने कंधे पर टांग लिया। उसने पहाड़ी से वापस आने पर जगह को चिह्नित करने के लिए चारों ओर ध्यान से देखा और धीरे-धीरे पेड़ों के बीच से नीचे उतरने लगा।

अब कोई पगडंडी नहीं थी और उसे धीरे-धीरे रास्ता चुनना पड़ा, ज़मीन पर गिरी सूखी शाखाओं को ध्यान से देखते हुए। पेड़ पहले से ज़्यादा मिश्रित थे। स्प्रूस और सिल्वर बर्च के बीच इक्का-दुक्का ओक, बीच और सिकोमोर के पेड़ थे, और कहीं-कहीं शरद ऋतु में जलते हुए मेपल के पेड़ भी थे। पेड़ों के नीचे उनके छोटे-छोटे पौधों की घनी झाड़ियाँ थीं और पुराने तूफ़ानों की बहुत सी सूखी लकड़ियाँ थीं। बॉन्ड सावधानी से नीचे उतरा, उसके पैरों से पत्तियों और काई से ढकी चट्टानों के बीच हल्की आवाज़ आ रही थी, लेकिन जल्द ही जंगल ने उसे देख लिया और खबर फैलाने लगा। एक बड़ी हिरणी, अपने दो नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ, उसे सबसे पहले देखा और भयानक शोर मचाते हुए भाग गई। एक चमकीले लाल सिर वाला कठफोड़वा उसके आगे उड़ता हुआ आया, हर बार जब बॉन्ड उसके पास पहुँचता तो वह चीखता था, और हमेशा गिलहरियाँ वहाँ मौजूद रहती थीं, अपने पिछले पैरों पर खड़ी होकर, अपने छोटे थूथन को अपने दाँतों से ऊपर उठाकर उसकी गंध को पकड़ने की कोशिश करती थीं, और फिर भाग जाती थीं। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

वे अपनी चट्टानी गुफाओं की ओर चहचहाते हुए भाग गए, उनकी चहचहाहट से मानो जंगल में दहशत फैल गई हो। बॉन्ड ने उन्हें डरने से रोकने की पूरी कोशिश की, क्योंकि उसके पास जो बंदूक थी वह उनके लिए नहीं थी, लेकिन हर बार जब वे डर के मारे भागते हुए दिखाई दिए तो उसे लगा कि जब वह घास के मैदान के किनारे पहुंचेगा, तो कहीं उसे नीचे लॉन पर चश्मा पहने कोई आदमी न दिख जाए जो पेड़ों की चोटियों से डरकर भागते हुए पक्षियों को देख रहा हो।

लेकिन जब वह एक आखिरी विशाल ओक के पेड़ के पीछे रुका और नीचे लंबी घास के मैदान के उस पार पेड़ों की आखिरी कतार, झील और घर की ओर देखा, तो कुछ भी नहीं बदला था। बाकी सभी पर्दे अभी भी नीचे थे और एकमात्र हलचल धुएं के पतले गुबार की थी।

आठ बज रहे थे। बॉन्ड घास के मैदान में पेड़ों की ओर देख रहा था, अपने उद्देश्य के लिए उपयुक्त पेड़ की तलाश में। उसे मिल गया - एक बड़ा मेपल का पेड़, जो भूरे और गहरे लाल रंग से जगमगा रहा था। यह उसके कपड़ों के लिए बिल्कुल सही था, इसका तना काफी मोटा था और यह स्प्रूस की दीवार से थोड़ा पीछे था। वहाँ खड़े होकर वह झील और घर का वह सब कुछ देख सकता था जिसकी उसे ज़रूरत थी। बॉन्ड कुछ देर खड़ा रहा, घास के मैदान की घनी झाड़ियों और सुनहरी छड़ियों के बीच से अपना रास्ता तय करने की योजना बना रहा था। उसे यह रास्ता पेट के बल और धीरे-धीरे तय करना होगा। एक हल्की हवा चली और घास के मैदान को छू गई। काश यह हवा चलती रहती और उसके रास्ते को ढक लेती!

कुछ ही दूरी पर, बाईं ओर पेड़ों के किनारे पर, एक शाखा टूट गई। वह एक बार निर्णायक रूप से टूटी और फिर कोई आवाज़ नहीं हुई। बॉन्ड एक घुटने पर बैठ गया, उसके कान खड़े हो गए और उसकी इंद्रियाँ खोज में जुट गईं। वह पूरे दस मिनट तक उसी स्थिति में रहा, ओक के चौड़े तने के सामने एक स्थिर भूरी परछाई की तरह।

जानवर और पक्षी टहनियाँ नहीं तोड़ते। सूखी लकड़ी उनके लिए एक विशेष खतरे का संकेत होती है। पक्षी कभी भी ऐसी टहनियों पर नहीं बैठते जो उनके नीचे टूट सकती हैं, और हिरण जैसा बड़ा जानवर भी, जिसके सींग और चार खुर होते हैं, जंगल में चुपचाप चलता है, जब तक कि वह उड़ नहीं रहा होता। क्या इन लोगों ने वाकई पहरेदार तैनात किए थे? बॉन्ड ने धीरे से राइफल को अपने कंधे से उतारा और अपना अंगूठा सेफ पर रख दिया। शायद, अगर लोग अभी भी सो रहे हों, तो जंगल में ऊपर से चलाई गई एक गोली किसी शिकारी या अवैध शिकारी की गोली लग सकती है।

लेकिन तभी, उसके और लगभग उस जगह के बीच जहाँ से टहनी टूटी थी, दो हिरण झाड़ियों से निकले और आराम से बाईं ओर घास के मैदान को पार कर गए। यह सच था कि वे दो बार पीछे मुड़कर देखने के लिए रुके, लेकिन हर बार आगे बढ़ने से पहले उन्होंने कुछ निवाले घास खाई और फिर दूर जंगल के किनारे की ओर चले गए। उनमें न तो कोई डर था और न ही कोई जल्दबाजी। निश्चित रूप से वे ही टूटी हुई शाखा के कारण थे। बॉन्ड ने राहत की सांस ली। बस, अब घास के मैदान को पार करना है।

घनी घास में से होकर पाँच सौ गज रेंगना एक लंबा और थका देने वाला काम है। इससे घुटनों, हाथों और कोहनियों पर बहुत ज़ोर पड़ता है, चारों ओर घास और फूलों की डंडियों के सिवा कुछ नहीं दिखता, और धूल व छोटे-छोटे कीड़े आँखों, नाक और गर्दन में घुस जाते हैं। बॉन्ड ने अपने हाथों को सही जगह पर रखने और धीमी, एक समान गति बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया। हवा चलती रही और घास में से होकर उसके रेंगने के निशान घर से बिल्कुल भी दिखाई नहीं देंगे।

ऊपर से देखने पर ऐसा लग रहा था मानो कोई बड़ा ज़मीनी जानवर - शायद बीवर या वुडचक - घास के मैदान में नीचे आ रहा हो। नहीं, यह बीवर नहीं हो सकता। वे हमेशा जोड़े में चलते हैं। फिर भी शायद यह बीवर ही हो - क्योंकि अब घास के मैदान में ऊपर से, कोई चीज़, कोई और ऊँची घास में घुस गया था, और बॉन्ड के पीछे और ऊपर घास के घने सागर में एक दूसरी लकीर बन रही थी। ऐसा लग रहा था मानो जो भी हो, वह धीरे-धीरे बॉन्ड को पकड़ लेगा और दोनों लकीरें अगली वृक्ष रेखा पर जाकर मिलेंगी।

बॉन्ड रेंगता और सरकता हुआ लगातार आगे बढ़ता रहा, केवल अपने चेहरे से पसीना और धूल पोंछने के लिए रुकता था और बीच-बीच में यह सुनिश्चित करता था कि वह मेपल के पेड़ की ओर सही रास्ते पर है। लेकिन जब वह घर से पेड़ों की कतार के इतने करीब पहुँच गया कि वह उसे छिपा सके, लगभग बीस फीट दूर मेपल के पेड़ से, तो वह रुक गया और कुछ देर लेट गया, अपने घुटनों की मालिश करने लगा और आखिरी चक्कर के लिए अपनी कलाइयों को ढीला करने लगा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसे चेतावनी देने वाली कोई आवाज नहीं सुनाई दी थी, और जब उसके बाईं ओर घनी घास में कुछ ही फीट की दूरी से धीमी, धमकी भरी फुसफुसाहट सुनाई दी, तो उसने अपना सिर इतनी तेजी से घुमाया कि उसकी गर्दन की रीढ़ की हड्डी से चटकने की आवाज आई।

"ज़रा सी भी हिली तो मैं तुम्हें मार डालूँगी।" यह एक लड़की की आवाज़ थी, लेकिन ऐसी आवाज़ जिसमें कही गई बात को लेकर ज़बरदस्त गुस्सा था।

बॉन्ड, जिसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था, स्टील के तीर के शाफ्ट को ऊपर की ओर घूर रहा था, जिसका नीले रंग का त्रिकोणीय सिरा उसके सिर से लगभग अठारह इंच की दूरी पर घास के डंठलों को चीर रहा था।

धनुष घास पर तिरछा रखा हुआ था। तीर की नोक के नीचे धनुष की लगाम पकड़े हुए भूरी उंगलियों के जोड़ सफेद थे। फिर चमकता हुआ स्टील का एक टुकड़ा था, और धातु के पंखों के पीछे, लहराती घास की लटों से आंशिक रूप से ढके हुए, पसीने से तर धूप से झुलसी त्वचा की पृष्ठभूमि पर दो भयंकर धूसर आँखों के नीचे कसे हुए होंठ थे। बॉन्ड घास के बीच से बस इतना ही देख पाया। आखिर ये कौन था? कोई गार्ड? बॉन्ड ने अपने सूखे मुँह में लार भरी और धीरे-धीरे अपना दाहिना हाथ, जो दिखाई नहीं दे रहा था, अपनी कमरबंद और बंदूक की ओर बढ़ाया। उसने धीरे से कहा: "तुम कौन हो?"

तीर की नोक ने धमकी भरे लहजे में इशारा किया। "अपना दाहिना हाथ रोको वरना मैं इसे तुम्हारे कंधे में घुसा दूंगा। क्या तुम गार्डों में से एक हो?"

“नहीं। क्या आप हैं?”

“बेवकूफ मत बनो। तुम यहाँ क्या कर रहे हो?” आवाज़ में तनाव कम हो गया था, लेकिन फिर भी कठोर और संदेहपूर्ण था। लहजे की हल्की सी झलक थी - क्या था वो स्कॉटिश था? वेल्श?

अब बराबरी का मौका था। नीले तीर के सिरे में कुछ खास ही घातक बात थी।

बॉन्ड ने सहजता से कहा: "रोबिना, अपना धनुष और बाण एक तरफ रख दो। फिर मैं तुम्हें बताऊंगा।"

"क्या तुम कसम खाते हो कि तुम अपनी बंदूक नहीं निकालोगे?"

“ठीक है। लेकिन भगवान के लिए, चलो इस मैदान के बीच से निकलें।” बिना देर किए, बॉन्ड घुटनों के बल उठा और फिर से रेंगने लगा। अब उसे पहल करनी होगी और उसे कायम रखना होगा। यह मनहूस लड़की जो भी हो, गोलीबारी शुरू होने से पहले उसे जल्दी और चुपके से निपटाना होगा। हे भगवान, मानो पहले से ही सोचने के लिए काफी कुछ नहीं था!

बॉन्ड पेड़ के तने तक पहुँच गया। वह सावधानी से खड़ा हुआ और जलती हुई पत्तियों के बीच से एक सरसरी नज़र डाली। ज़्यादातर पर्दे ऊपर उठ चुके थे। दो धीमी गति से चलती हुई अश्वेत नौकरानियाँ आँगन में एक बड़ी नाश्ते की मेज़ लगा रही थीं। उसका अनुमान सही था। पेड़ों की चोटियों के ऊपर से झील तक का दृश्य अब एकदम साफ़ था। बॉन्ड ने अपनी राइफ़ल और थैला कंधे से उतारा और पेड़ के तने से पीठ टिकाकर बैठ गया। लड़की घास के किनारे से निकली और मेपल के पेड़ के नीचे खड़ी हो गई। वह दूरी बनाए रखी।

तीर अभी भी धनुष में था लेकिन धनुष खींचा नहीं गया था। वे एक-दूसरे को संदेह भरी नजरों से देखने लगे।

फटी हुई कमीज़ और पतलून में वह लड़की किसी खूबसूरत, बेढंगी अप्सरा जैसी लग रही थी। कमीज़ और पतलून जैतून के हरे रंग की थीं, सिकुड़ी हुई, कीचड़ और दागों से सनी हुई और जगह-जगह से फटी हुई थीं। उसने अपने सुनहरे बालों को सुनहरी छड़ी से बांध रखा था ताकि घास के मैदान में रेंगते समय उनकी चमक छिपी रहे। उसके चेहरे की सुंदरता जंगली और कुछ हद तक पशुवत थी, चौड़े, कामुक होंठों, ऊँची गाल की हड्डियों और चांदी जैसे भूरे रंग की, तिरस्कारपूर्ण आँखों के साथ। उसकी बांहों और एक गाल पर खरोंचों का खून था, और एक चोट ने उसी गाल की हड्डी को थोड़ा फूला हुआ और काला कर दिया था। बाएँ कंधे के ऊपर तीरों से भरे तरकश के धातु के पंख दिखाई दे रहे थे। धनुष के अलावा, उसके पास कमर पर एक शिकार करने वाला चाकू और दूसरे कूल्हे पर एक छोटा भूरा कैनवास का थैला था, जिसमें शायद उसका खाना था। वह एक खूबसूरत, खतरनाक जीव जैसी लग रही थी जो जंगली इलाकों और जंगलों को जानती थी और उनसे डरती नहीं थी। वह चलती रहेगी। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

जीवन भर अकेले रहने वाले और सभ्यता से उन्हें कोई खास मतलब नहीं है।

बॉन्ड को वह बहुत अच्छी लगी। उसने मुस्कुराते हुए उससे कहा, "मुझे लगता है तुम रॉबिना हुड हो। मेरा नाम जेम्स बॉन्ड है।" उसने अपनी बोतल उठाई, ढक्कन खोला और बोतल आगे बढ़ा दी।

बैठ जाइए और ये पीजिए - शराब और कॉफी। और मेरे पास कुछ बिल्टोंग भी है। या आप ओस और जामुन खाकर ही जीते हैं?

वह थोड़ा और करीब आई और उससे एक गज की दूरी पर बैठ गई। वह एक आदिवासी की तरह बैठी थी, घुटने चौड़े फैले हुए और टखने जांघों के नीचे दबे हुए। उसने बोतल उठाई और सिर पीछे करके एक गहरी घूंट भरी। बिना कुछ कहे उसने बोतल वापस कर दी। वह मुस्कुराई भी नहीं। उसने कहा, "धन्यवाद।"

अनिच्छा से उसने अपना तीर उठाया और उसे अपनी पीठ के पीछे से तरकश में बाकी तीरों के

साथ रख दिया। उसे ध्यान से देखते हुए उसने कहा, “मुझे लगता है तुम शिकारी हो। हिरण के शिकार का मौसम अभी तीन हफ्ते बाद शुरू होगा। लेकिन तुम्हें यहाँ नीचे कोई हिरण नहीं मिलेगा। वे रात में ही इतनी नीचे आते हैं। तुम्हें दिन में ऊपर, काफी ऊपर जाना चाहिए। अगर तुम चाहो तो मैं तुम्हें बता दूँगी कि वहाँ कुछ हिरण कहाँ हैं। काफी बड़ा झुंड है। दिन थोड़ा ढल चुका है, लेकिन तुम फिर भी उन तक पहुँच सकते हो। वे यहाँ से हवा की दिशा में हैं और लगता है तुम्हें छिपकर शिकार करने का अच्छा ज्ञान है। तुम ज्यादा शोर नहीं करते।”

“क्या आप यहाँ शिकार करने आए हैं? अपना लाइसेंस दिखाइए।”

उसकी कमीज़ में बटन वाली छाती की जेबें थीं। बिना किसी विरोध के उसने उनमें से एक जेब से सफेद कागज निकाला और मुझे दे दिया।

यह लाइसेंस वरमोंट के बेनिंगटन में जारी किया गया था। यह जूडी हैवेलॉक के नाम पर जारी किया गया था।

परमिट के प्रकारों की एक सूची थी। 'गैर-निवासी शिकार' और 'गैर-निवासी धनुष-बाण' पर सही का निशान लगा हुआ था। इसकी कीमत 18.50 डॉलर थी, जिसका भुगतान मोंटपेलियर, वर्मोंट स्थित मत्स्य एवं वन्यजीव सेवा को करना था। जूडी हैवेलॉक ने अपनी उम्र पच्चीस वर्ष और जन्म स्थान जमैका बताया था।

बॉन्ड ने सोचा: ‘हे भगवान!’ उसने कागज़ वापस कर दिया। तो यही था नतीजा! उसने सहानुभूति और सम्मान से कहा: “तुम वाकई कमाल की लड़की हो, जूडी। जमैका से यहाँ तक का सफ़र बहुत लंबा है। और तुम तो तीर-कमान लेकर उससे लड़ने जा रही थी। तुम्हें पता है चीन में क्या कहते हैं: ‘बदला लेने से पहले दो कब्रें खोद लो।’ क्या तुमने ऐसा किया, या तुम्हें लगा कि तुम बच जाओगी?”

लड़की उसे घूर रही थी। “तुम कौन हो? यहाँ क्या कर रहे हो? इसके बारे में तुम्हें क्या पता है?”

बॉन्ड सोचने लगा। इस मुसीबत से निकलने का एक ही रास्ता था और वो था उस लड़की से हाथ मिलाना। कितना पेचीदा मामला है! उसने हताशा से कहा: “मैंने आपको अपना नाम बता दिया है। मुझे लंदन से, स्कॉटलैंड यार्ड ने भेजा है। मैं आपकी सारी परेशानियों से वाकिफ हूँ और यहाँ कुछ हिसाब चुकाने और यह देखने आया हूँ कि आप इन लोगों से परेशान न हों। लंदन में हमें लगता है कि उस घर में रहने वाला आदमी आपकी संपत्ति को लेकर आप पर दबाव डालना शुरू कर सकता है और उसे रोकने का कोई और तरीका नहीं है।”

लड़की ने कड़वे स्वर में कहा: “मेरा एक प्यारा सा टट्टू था, एक पालोमिनो नस्ल का। तीन हफ्ते पहले उन्होंने उसे ज़हर दे दिया। फिर उन्होंने मेरे अल्सेशियन कुत्ते को गोली मार दी। मैंने उसे बचपन से पाला था। फिर एक चिट्ठी आई। उसमें लिखा था, ‘मौत के कई हाथ होते हैं। इनमें से एक हाथ अब तुम पर उठा है।’ मुझे अखबार के व्यक्तिगत अनुभाग में, एक खास दिन पर एक सूचना देनी थी। मुझे बस इतना लिखना था, ‘मैं आज्ञा का पालन करूंगी। जूडी।’ मैं पुलिस के पास गई। उन्होंने बस मुझे सुरक्षा देने का वादा किया। उन्हें लगा कि ये क्यूबा के लोग हैं। वे इसके अलावा कुछ नहीं कर सकते थे। इसलिए मैं क्यूबा चली गई और सबसे अच्छे होटल में

रुकी और कैसीनो में खूब जुआ खेला।" उसने हल्की सी मुस्कान दी। "मैंने ऐसे कपड़े नहीं पहने थे। मैंने अपने सबसे अच्छे कपड़े और खानदानी गहने पहने थे। और लोग मुझसे अच्छे से पेश आए। मैं भी उनके साथ अच्छा व्यवहार करती थी। मुझे करना ही पड़ता था। और इस सब के दौरान मैं सवाल पूछती रही। मैंने ऐसा दिखाया कि मैं रोमांच के लिए निकली हूँ - कि मैं अंडरवर्ल्ड और कुछ असली गैंगस्टर्स को देखना चाहती हूँ, वगैरह। और आखिर में मुझे इस आदमी के बारे में पता चला।" उसने घर की ओर इशारा किया। "वह क्यूबा छोड़कर चला गया था। बतिस्ता को उसके बारे में पता चल गया था या कुछ ऐसा ही।"

और उसके बहुत सारे दुश्मन थे। मुझे उसके बारे में बहुत कुछ बताया गया था और अंत में मेरी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से हुई, जो एक तरह का उच्च पदस्थ व्यक्ति था। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

पुलिसवाले ने मुझे बाकी बातें बताईं, जब मैंने," वह हिचकिचाई और बॉन्ड की आँखों से नज़रें बचाते हुए बोली, "उससे सुलह कर ली थी।" वह थोड़ी देर रुकी। फिर बोली: "मैं वहाँ से चली गई और अमेरिका चली गई। मैंने कहीं पिंकर्टन के बारे में पढ़ा था, जो जासूसी करने वाले लोग हैं। मैं उनके पास गई और उन्हें उस आदमी का पता ढूंढने के लिए पैसे दिए।" उसने अपने हाथ गोद में ऊपर की ओर कर लिए। अब उसकी आँखों में चुनौती का भाव था। "बस इतना ही।"

"तुम यहाँ कैसे मिला?"

"मैं हवाई जहाज से बेनिंगटन गया। फिर पैदल चला। चार दिन लगे। ग्रीन माउंटेंस से होते हुए। मैं लोगों से बचता रहा। मुझे इस तरह की चीजों की आदत है। हमारा घर जमैका के पहाड़ों में है। वे यहाँ से कहीं ज़्यादा मुश्किल हैं। और वहाँ ज़्यादा लोग, किसान रहते हैं। यहाँ तो कोई पैदल चलता हुआ नहीं दिखता। सब लोग कार से जाते हैं।"

और फिर तुम क्या करने वाले थे?

"मैं वॉन हैमरस्टीन को गोली मारूंगी और फिर पैदल बेनिंगटन वापस जाऊंगी।" उसकी आवाज़ इतनी सहज थी मानो वह कोई जंगली फूल तोड़ने जा रही हो।

घाटी से आवाज़ें सुनाई दीं। बॉन्ड उठ खड़ा हुआ और डालियों के बीच से जल्दी से एक नज़र डाली। तीन आदमी और दो लड़कियाँ आँगन में आ गए थे। वे कुर्सियाँ खींचकर मेज़ पर बैठ गए और बातें व हँसी-मज़ाक करने लगे। मेज़ के सिर पर दोनों लड़कियों के बीच एक जगह खाली थी। बॉन्ड ने अपनी दूरबीन निकाली और उसमें से देखा। तीनों आदमी बहुत छोटे और सांवले थे। उनमें से एक, जो हर समय मुस्कुराता रहता था और जिसके कपड़े सबसे साफ़-सुथरे और अच्छे दिखते थे, गोंज़ालेस हो सकता था। बाकी दो नीच किसान जैसे थे। वे आयताकार मेज़ के निचले हिस्से में एक साथ बैठे थे और बातचीत में कोई हिस्सा नहीं ले रहे थे। लड़कियाँ सांवली थीं। वे सस्ती क्यूबा की वेश्याओं जैसी दिख रही थीं। उन्होंने चमकीले स्विमसूट और बहुत सारे सोने के गहने पहने थे और सुंदर बंदरियाओं की तरह हँसती और बड़बड़ाती थीं। आवाज़ें लगभग समझने लायक थीं, लेकिन वे स्पैनिश में बात कर रहे थे।

बॉन्ड को अपने पास एक लड़की की मौजूदगी का एहसास हुआ। वह उससे एक गज पीछे खड़ी

थी। बॉन्ड ने उसे गिलास पकड़ा दिया। उसने कहा, “यह साफ-सुथरा दिखने वाला आदमी मेजर गोंजालेस है। मेज के नीचे बैठे दो लोग बंदूकधारी हैं। मुझे नहीं पता कि ये लड़कियां कौन हैं। वॉन हैमरस्टीन अभी तक नहीं आया है।” उसने गिलास में एक नज़र डाली और बिना कुछ कहे उसे वापस कर दिया। बॉन्ड सोच रहा था कि क्या उसे इस बात का एहसास था कि वह अपने माता-पिता के हत्यारों को देख रही थी।

दोनों लड़कियां मुड़कर घर के दरवाजे की ओर देख रही थीं। उनमें से एक ने कुछ कहा जो शायद अभिवादन था। तभी एक छोटा, गठीला, लगभग नग्न आदमी धूप में बाहर आया। वह चुपचाप मेज के पास से होते हुए लॉन की ओर खुलने वाले पत्थर के चबूतरे के किनारे तक गया और पाँच मिनट का शारीरिक अभ्यास करने लगा।

बॉन्ड ने उस आदमी को बारीकी से देखा। उसकी लंबाई लगभग पाँच फुट चार इंच थी, कंधे और कूल्हे मुक्केबाज़ जैसे थे, लेकिन पेट चर्बी से भरा हुआ था। उसके सीने और कंधों पर काले बालों का गुच्छा था, और उसकी बांहें और टांगें भी घनी थीं। इसके विपरीत, उसके चेहरे और सिर पर एक भी बाल नहीं था और उसकी खोपड़ी चमकदार सफ़ेद-पीली थी, जिसके पिछले हिस्से में एक गहरा गड्ढा था जो शायद किसी घाव या चीर-फाड़ के निशान जैसा लग रहा था। चेहरे की हड्डियों की बनावट एक आम प्रशियाई अधिकारी जैसी थी - चौकोर, सख्त और उभरी हुई - लेकिन बिना बालों वाली भौंहों के नीचे आँखें पास-पास और सूअर जैसी थीं, और उसके बड़े मुँह के होंठ भद्दे थे - मोटे, गीले और गहरे लाल रंग के। उसने अपने पेट के चारों ओर एक काले कपड़े की पट्टी के अलावा कुछ नहीं पहना था, जो किसी एथलेटिक सपोर्ट-बेल्ट से मुश्किल से ही बड़ी थी, और एक सोने के कंगन पर एक बड़ी सोने की घड़ी पहनी थी। बॉन्ड ने गिलास लड़की को दे दिया। उसे राहत मिली। वॉन हैमरस्टीन उतना ही अप्रिय लग रहा था जितना एम की फाइल में बताया गया था।

बॉन्ड लड़की के चेहरे को देखता रहा। उसका मुंह गंभीर, लगभग क्रूर लग रहा था, क्योंकि वह उस आदमी को नीची नज़रों से देख रही थी जिसे वह मारने आई थी। वह उसके बारे में क्या कर सकता था? उसे उसके चेहरे पर मुसीबतों के सिवा कुछ नहीं दिख रहा था। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

उसकी मौजूदगी। वह शायद उसकी योजनाओं में भी दखल दे सकती थी और अपने धनुष-बाण से कोई बेवकूफी भरा खेल खेलने पर अड़ी हो। बॉन्ड ने मन बना लिया। वह जोखिम नहीं उठा सकता था। खोपड़ी के निचले हिस्से पर एक हल्की सी चोट और वह उसे तब तक बांधे रखेगा जब तक सब खत्म न हो जाए। बॉन्ड ने धीरे से अपनी स्वचालित पिस्तौल के बट की ओर हाथ बढ़ाया।

लड़की ने बेपरवाही से कुछ कदम पीछे हट गई। उतनी ही बेपरवाही से वह झुकी, गिलास को ज़मीन पर रखा और अपना धनुष उठा लिया। उसने पीछे हाथ बढ़ाकर एक तीर निकाला और उसे लापरवाही से धनुष में लगा दिया।

फिर उसने बॉन्ड की ओर देखा और धीमी आवाज़ में कहा: “कोई बेवकूफी भरी बात मत सोचो। और मुझसे दूरी बनाए रखो। मेरी दृष्टि बहुत तेज़ है। मैं यहाँ तक किसी सुस्त लंदन पुलिसवाले के

हाथों पिटने के लिए नहीं आई हूँ। पचास गज की दूरी से भी मेरा निशाना नहीं चूकता, और सौ गज की दूरी से भी मैंने उड़ते हुए पक्षियों को मारा है। मैं तुम्हारे पैर में तीर नहीं मारना चाहती, लेकिन अगर तुमने दखल दिया तो मार दूंगी।"

बॉन्ड ने अपने पिछले अनिर्णय पर कोसते हुए कहा, "बेवकूफी मत करो। उस बेकार चीज़ को नीचे रख दो। यह मर्दों का काम है। भला तुम कैसे सोच सकती हो कि एक तीर-कमान से चार आदमियों का सामना कर सकती हो?"

लड़की की आँखें हठपूर्वक धधक रही थीं। उसने अपना दाहिना पैर वापस तीरंदाजी की मुद्रा में कर लिया। उसने गुस्से से भरे होंठों से कहा: "तुम नरक में जाओ। और इससे दूर रहो। उन्होंने मेरे माता-पिता को मारा है। तुम्हारे नहीं। मैं यहाँ एक दिन और एक रात से हूँ। मैं जानती हूँ कि वे क्या करते हैं और मैं जानती हूँ कि हैमरस्टीन को कैसे पकड़ना है। मुझे बाकी लोगों की परवाह नहीं है। उसके बिना वे कुछ भी नहीं हैं। अब सुनो।" उसने धनुष को आधा खींचा। तीर बॉन्ड के पैरों की ओर इशारा कर रहा था। "या तो तुम मेरी बात मानो या तुम्हें पछतावा होगा। और यह मत सोचो कि मैं ऐसा नहीं कह रही हूँ। यह एक निजी मामला है जिसकी मैंने कसम खाई है और कोई मुझे रोक नहीं सकता।" उसने अपना सिर अकड़कर हिलाया। "तो?"

बॉन्ड ने उदास मन से स्थिति का जायजा लिया। उसने उस बेहद खूबसूरत और बेबाक लड़की को ऊपर से नीचे तक देखा। यह एक दमदार अंग्रेज़ लड़की थी, जिसमें बचपन के तीखे अनुभवों का तड़का लगा था। खतरनाक मिश्रण।

वह खुद को नियंत्रित उन्माद की स्थिति में ले आई थी। उसे पूरा यकीन था कि वह उसे निष्क्रिय करने में जरा भी संकोच नहीं करेगी। और उसके पास बचाव का कोई रास्ता नहीं था। उसका हथियार खामोश था, जबकि उसका हथियार पूरे मोहल्ले को सतर्क कर देता। अब एकमात्र उम्मीद यही थी कि वह उसके साथ मिलकर काम करे। उसे काम का एक हिस्सा दे दे और बाकी वह खुद कर लेगा। उसने धीरे से कहा: "सुनो, जूडी। अगर तुम इस काम में शामिल होने पर अड़ी हो, तो बेहतर होगा कि हम इसे साथ मिलकर करें। तब शायद हम इसे अंजाम दे सकें और जिंदा बच सकें। इस तरह का काम मेरा पेशा है। मुझे यह करने का आदेश मिला है - तुम्हारे परिवार के एक करीबी दोस्त ने, अगर तुम जानना चाहो तो। और मेरे पास सही हथियार है। इसकी मारक क्षमता तुम्हारे हथियार से कम से कम पांच गुना ज्यादा है। मैं अभी, आँगन में ही उसे मारने का अच्छा मौका ले सकता हूँ। लेकिन हालात इतने अच्छे नहीं हैं। उनमें से कुछ ने नहाने के कपड़े पहने हुए हैं। वे झील की ओर आ रहे होंगे। तब मैं उन्हें मार डालूँगा। तुम मेरी तरफ से गोलीबारी कर सकती हो।" उसने बेजान तरीके से कहा: "यह बहुत मददगार होगा।"

"नहीं।" उसने दृढ़ता से सिर हिलाया। "मुझे माफ़ करना। अगर आप चाहें तो आप चाहें तो सहायक फायरिंग कर सकते हैं। मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। तैराकी के बारे में आप सही कह रहे हैं। कल वे सब लगभग ग्यारह बजे झील पर थे। आज भी उतनी ही गर्मी है और वे फिर वहीं होंगे। मैं उसे झील के किनारे पेड़ों के पास से पकड़ लूँगी। मुझे कल रात एक बढ़िया जगह मिल गई थी। अंगरक्षक अपने साथ बंदूकें लाते हैं - टॉमी गन जैसी चीज़ें। वे नहाते नहीं हैं। वे वहीं बैठे रहते हैं और पहरा देते हैं। मुझे वॉन हैमरस्टीन को पकड़ने का सही समय पता है और उनके कुछ समझने से पहले ही मैं झील से दूर चली जाऊँगी। मैं आपको बता दूँ, मैंने सब कुछ प्लान कर लिया है। अब बस। मैं और देर नहीं कर सकती। मुझे अब तक वहाँ पहुँच जाना चाहिए था। मुझे

माफ़ करना, लेकिन अगर आप तुरंत हाँ नहीं कहते हैं तो कोई दूसरा विकल्प नहीं है।" उसने नाव का अगला हिस्सा कुछ इंच ऊपर उठाया।

बॉन्ड ने मन ही मन सोचा: 'इस लड़की का तो बुरा हाल हो।' उसने गुस्से से कहा: "ठीक है। लेकिन मैं तुम्हें बता दूं कि अगर हम बच निकले तो तुम्हारी इतनी पिटाई होगी कि तुम एक हफ्ते तक बैठ भी नहीं पाओगी।" उसने कंधे उचकाए। उसने हार मानकर कहा: "जाओ। मैं बाकी लोगों का ख्याल रख लूंगा। अगर तुम बच निकलीं तो यहीं मुझसे मिलना। अगर नहीं बचीं तो मैं आकर सब संभाल लूंगा।"

लड़की ने अपने धनुष की डोरी खोली। उसने उदासीनता से कहा: "मुझे खुशी है कि तुम समझ रहे हो। ये तीर चलाना मुश्किल है।" (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

"निकल जाओ। मेरी चिंता मत करो। लेकिन नज़रों से दूर रहना और ध्यान रखना कि सूरज तुम्हारे उस गिलास पर न पड़े।" उसने बॉन्ड को दया और आत्म-प्रशंसा से भरी एक संक्षिप्त मुस्कान दी, मानो उसने आखिरी बात कह दी हो, और मुड़कर पेड़ों के बीच से होते हुए चली गई।

बॉन्ड उस पतली, गहरे हरे रंग की आकृति को तब तक देखता रहा जब तक वह पेड़ों के तनों में गायब नहीं हो गई। फिर उसने अधीरता से गिलास उठाया और अपनी सुविधाजनक जगह पर लौट गया। भाड़ में जाए वो! अब उस मूर्ख औरत को अपने दिमाग से निकाल कर काम पर ध्यान केंद्रित करने का समय था। क्या वह कुछ और कर सकता था - इसे संभालने का कोई और तरीका था? अब उसने तय कर लिया था कि वह उसके पहले गोली चलाने का इंतजार करेगा। यह बुरा था। लेकिन अगर उसने पहले गोली चला दी तो यह जानने का कोई तरीका नहीं था कि वह गुस्सैल औरत क्या करेगी। बॉन्ड का दिमाग कुछ पल के लिए इस विचार में डूब गया कि यह सब खत्म होने के बाद वह उस लड़की के साथ क्या करेगा। तभी घर के सामने हलचल हुई, और उसने उन रोमांचक विचारों को एक तरफ रख दिया और अपना गिलास उठाया।

नाश्ते का सामान दो नौकरानियाँ समेट रही थीं। लड़कियों या बंदूकधारियों का कोई अता-पता नहीं था। वॉन हैमरस्टीन बाहर रखे सोफे के कुशनों पर आराम से लेटे अखबार पढ़ रहे थे और बीच-बीच में मेजर गोंजालेस से कुछ बातें कर रहे थे, जो उनके पैरों के पास रखी लोहे की बगीचे की कुर्सी पर बैठे थे। गोंजालेस सिगार पी रहे थे और समय-समय पर धीरे से अपना हाथ मुँह के सामने उठाते, एक तरफ झुकते और सिगार का एक पत्ता ज़मीन पर थूक देते। बॉन्ड वॉन हैमरस्टीन की बातें नहीं सुन पा रहा था, लेकिन उनकी बातें अंग्रेज़ी में थीं और गोंजालेस अंग्रेज़ी में ही जवाब दे रहे थे। बॉन्ड ने अपनी घड़ी देखी। साढ़े दस बज रहे थे। चूंकि दृश्य स्थिर लग रहा था, बॉन्ड पेड़ की ओर पीठ करके बैठ गया और सैवेज का बारीकी से निरीक्षण करने लगा। साथ ही वह सोच रहा था कि जल्द ही इसके साथ क्या करना होगा।

बॉन्ड को वो काम पसंद नहीं था जो वो करने वाला था, और इंग्लैंड से आते-आते उसे बार-बार खुद को याद दिलाना पड़ा था कि ये लोग किस तरह के थे। हैवेलॉक्स की हत्या एक बेहद भयानक हत्या थी। वॉन हैमरस्टीन और उसके बंदूकधारी बेहद खूंखार लोग थे, जिन्हें दुनिया भर में कई लोग शायद निजी बदले की भावना से खत्म करना चाहेंगे, जैसा कि ये लड़की करने का प्रस्ताव रख रही थी। लेकिन बॉन्ड के लिए मामला अलग था। उसके मन में उनके खिलाफ कोई

निजी मकसद नहीं था। ये तो बस उसका काम था।

- क्योंकि चूहों को मारना कीट नियंत्रण अधिकारी का काम था। वह एम द्वारा समुदाय का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया गया सार्वजनिक जल्लाद था। एक तरह से, बॉन्ड ने मन ही मन तर्क किया, ये लोग उसके देश के उतने ही दुश्मन थे जितने कि एसएमईआरएसएच या अन्य शत्रु गुप्त सेवाओं के एजेंट। उन्होंने ब्रिटिश धरती पर ब्रिटिश लोगों के खिलाफ युद्ध की घोषणा की थी और वे वर्तमान में एक और हमले की योजना बना रहे थे। बॉन्ड का दिमाग अपने संकल्प को मजबूत करने के लिए और तर्क खोजने लगा। उन्होंने लड़की के टट्टू और उसके कुत्ते को हाथ के दो हल्के झटकों से मार डाला जैसे कि वे मक्खियाँ हों। वे...

घाटी से स्वचालित गोलियों की बौछार सुनकर बॉन्ड चौंक गया। जैसे ही दूसरी बौछार हुई, उसकी राइफल ऊपर उठी और वह निशाना साध रहा था। शोरगुल के बाद हंसी और तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दी। किंगफिशर, नीले और भूरे रंग के फटे हुए पंखों का एक गुच्छा, लॉन पर धड़ाम से गिरा और फड़फड़ाने लगा। वॉन हैमरस्टीन, जिसकी टॉमी-गन की नोक से अभी भी धुआं टपक रहा था, कुछ कदम चला और अपने नंगे पैर की एड़ी नीचे रखकर तेज़ी से घूमा। उसने एड़ी उठाई और पंखों के ढेर के पास घास पर पोंछी। बाकी लोग चारों ओर खड़े होकर हंस रहे थे और चापलूसी भरी तालियां बजा रहे थे। वॉन हैमरस्टीन के लाल होंठ खुशी से मुस्कुरा रहे थे। उसने कुछ कहा जिसमें 'अचूक निशानेबाज' शब्द शामिल था। उसने बंदूक एक बंदूकधारी को सौंप दी और अपने मोटे नितंबों पर हाथ फेरे। उसने दोनों लड़कियों को एक तीखा आदेश दिया, जो घर के अंदर भाग गईं, फिर, बाकी लोगों के साथ, वह मुड़ा और ढलान वाले लॉन से झील की ओर धीरे-धीरे चलने लगा। अब लड़कियाँ दौड़कर घर से बाहर आईं। हर एक के हाथ में शैम्पेन की खाली बोतल थी। बातें करती और हँसती हुई वे पुरुषों के पीछे-पीछे चल पड़ीं।

बॉन्ड तैयार हो गया। उसने सैवेज राइफल की बैरल पर टेलीस्कोपिक साइट लगाई और पेड़ के तने के सहारे खड़ा हो गया। उसने अपने बाएं हाथ को टिकाने के लिए लकड़ी में एक उभार ढूंढा, निशाना 300 मीटर पर साधा और झील के किनारे खड़े लोगों के समूह पर निशाना साधा। फिर, राइफल को हल्के से पकड़े हुए, वह पेड़ के तने से टिक गया और दृश्य को देखने लगा।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

दोनों बंदूकधारियों के बीच एक तरह की गोलीबारी प्रतियोगिता होने वाली थी। उन्होंने अपनी बंदूकों में नई मैगज़ीनें लगाईं और गोंज़ालेस के आदेश पर बांध की सपाट पत्थर की दीवार पर, डाइविंग बोर्ड के दोनों ओर लगभग बीस फीट की दूरी पर तैनात हो गए। वे झील की ओर पीठ करके खड़े थे और उनकी बंदूकें तैयार थीं।

वॉन हैमरस्टीन घास के किनारे पर बैठ गया, दोनों हाथों में शैम्पेन की बोतलें झूल रही थीं। लड़कियाँ उसके पीछे खड़ी थीं, उन्होंने अपने कान हाथों से ढके हुए थे। स्पेनिश में कुछ उत्तेजित होकर बड़बड़ाहट हो रही थी और हँसी की आवाज़ें आ रही थीं, जिनमें दोनों बंदूकधारियों ने हिस्सा नहीं लिया। दूरबीन से देखने पर उनके चेहरे एकाग्रता से भरे हुए लग रहे थे।

वॉन हैमरस्टीन ने आदेश दिया और सन्नाटा छा गया। उसने दोनों हाथ पीछे की ओर घुमाए और

"अन..." गिनना शुरू किया।

"दो...तीन।" 'तीन' कहते हुए उसने शैंपेन की बोतलों को झील के ऊपर हवा में उछाल दिया।

दोनों आदमी कठपुतलियों की तरह घूमे, बंदूकें उनकी कमर से दबी हुई थीं। घूमते ही उन्होंने गोलियां चलाईं। गोलियों की गड़गड़ाहट से शांत वातावरण में हलचल मच गई और पानी से भी तेज़ आवाज़ आई। पक्षी चीखते हुए पेड़ों से उड़ गए और गोलियों से कटी कुछ छोटी डालियाँ झील में गिर गईं। बाईं ओर की बोतल चूर-चूर हो गई, दाईं ओर की बोतल, जिस पर केवल एक गोली लगी थी, एक सेकंड के अंश में दो टुकड़ों में टूट गई। कांच के टुकड़े झील के बीचोंबीच छलकने लगे। बाईं ओर के बंदूकधारी ने जीत हासिल कर ली थी। उन दोनों के ऊपर मंडराते धुएं के बादल आपस में मिल गए और लॉन के ऊपर से दूर चले गए। गूंज धीरे-धीरे सन्नाटे में घुल गई। दोनों बंदूकधारी दीवार के सहारे घास की ओर चले, पीछे वाला उदास दिख रहा था, जबकि आगे वाले के चेहरे पर एक धूर्त मुस्कान थी। वॉन हैमरस्टीन ने दोनों लड़कियों को आगे आने का इशारा किया। वे अनिच्छा से, पैर घसीटते हुए और मुंह फुलाते हुए आईं। वॉन हैमरस्टीन ने कुछ कहा, विजेता से एक सवाल पूछा। उस आदमी ने बाईं ओर खड़ी लड़की की ओर सिर हिलाकर अभिवादन किया। लड़की ने उदास भाव से उसकी ओर देखा।

गोंजालेस और हैमरस्टीन हँसे। हैमरस्टीन ने हाथ बढ़ाकर लड़की के नितंब पर ऐसे थपथपाया जैसे वह कोई गाय हो। उसने कुछ कहा, जिसमें से बॉन्ड ने 'उना नोचे' शब्द सुने। लड़की ने ऊपर उसकी ओर देखा और आज्ञाकारी भाव से सिर हिलाया। समूह तितर-बितर हो गया। पुरस्कार विजेता लड़की तेज़ी से दौड़ी और झील में कूद गई, शायद उस आदमी से दूर भागने के लिए जिसने उसका दिल जीता था, और दूसरी लड़की भी उसके पीछे-पीछे चली गई। वे झील के उस पार तैरती हुई एक-दूसरे को गुस्से से पुकारती रहीं। मेजर गोंजालेस ने अपना कोट उतारकर घास पर रख दिया और उस पर बैठ गए। उन्होंने कंधे पर एक होल्स्टर पहन रखा था जिसमें मध्यम कैलिबर की स्वचालित पिस्तौल का बट दिखाई दे रहा था। उन्होंने वॉन हैमरस्टीन को अपनी घड़ी उतारकर बांध की दीवार के सहारे डाइविंग बोर्ड की ओर जाते देखा। बंदूकधारी झील से थोड़ा पीछे खड़े होकर वॉन हैमरस्टीन और दोनों लड़कियों को देख रहे थे, जो अब छोटी झील के बीच में थीं और दूर किनारे की ओर बढ़ रही थीं। बंदूकधारी अपनी बंदूकें बाहों में थामे खड़े थे और कभी-कभार उनमें से कोई एक बगीचे या घर की ओर देखता था। बॉन्ड को लगा कि वॉन हैमरस्टीन के इतने लंबे समय तक जीवित रहने का हर कारण था। वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसने ऐसा करने के लिए काफी मेहनत की थी।

वॉन हैमरस्टीन डाइविंग बोर्ड तक पहुँच गया था। वह किनारे तक चलकर पानी की ओर देखने लगा। बॉन्ड ने खुद को सख़्त कर लिया और तिजोरी को ऊपर उठा लिया। उसकी आँखें गुस्से से लाल थीं। अब बस कुछ ही पल बचे थे। उसकी उंगली ट्रिगर पर खुजली कर रही थी। आखिर वो लड़की किस बात का इंतज़ार कर रही थी?

वॉन हैमरस्टीन ने मन बना लिया था। उन्होंने अपने घुटने हल्के से मोड़े। बाहें पीछे की ओर आईं। दूरबीन से बॉन्ड देख सकता था कि उनके कंधों के ऊपर के घने बाल हवा के झोंके से कांप रहे थे, जिससे झील की सतह पर हल्की सी सिहरन दौड़ गई। अब उनकी बाहें आगे आ रही थीं और एक पल के लिए उनके पैर बोर्ड से अलग हो गए, फिर भी वे लगभग सीधे खड़े थे। उस पल भर में उनकी पीठ पर चांदी की एक चमक दिखाई दी और फिर वॉन हैमरस्टीन का शरीर एक सटीक

गोता लगाते हुए पानी में जा गिरा।

गोंजालेस अपने पैरों पर खड़ा था, गोता लगाने से मची हलचल को अनिश्चितता से देख रहा था। उसका मुंह खुला हुआ था, मानो वह इंतज़ार कर रहा हो। उसे पता नहीं था कि उसने कुछ देखा है या नहीं। दोनों बंदूकधारी ज़्यादा आश्वस्त थे। उनकी बंदूकें तैयार थीं। वे दुबके हुए थे, गोंजालेस से बांध के पीछे पेड़ों की ओर देख रहे थे, किसी आदेश की प्रतीक्षा कर रहे थे।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

धीरे-धीरे हलचल कम हुई और झील पर लहरें फैल गईं। गोता काफी गहरा हो चुका था।

बॉन्ड का मुंह सूख गया था। उसने अपने होंठ चाटे और दूरबीन से झील में देखने लगा। गहराई में गुलाबी रंग की हल्की सी चमक दिखाई दी। वह धीरे-धीरे ऊपर उठी। वॉन हैमरस्टीन का शरीर पानी की सतह पर आ गया। वह सिर नीचे करके धीरे-धीरे पानी में लोट रहा था। उसके बाएं कंधे के नीचे से लगभग एक फुट लंबा स्टील का शाफ्ट निकला हुआ था और एल्युमिनियम के पंखों पर सूरज की रोशनी पड़ रही थी।

मेजर गोंजालेस ने आदेश दिया और दोनों टॉमीगन गरज उठीं और उनमें से चिंगारियां निकलने लगीं। बॉन्ड को नीचे पेड़ों में गोलियों की गड़गड़ाहट सुनाई दी। सैवेज उसके कंधे से टकराया और उसका दाहिना साथी धीरे-धीरे मुंह के बल आगे गिर पड़ा। अब दूसरा आदमी झील की ओर भाग रहा था, उसकी बंदूक अभी भी कमर से छोटी-छोटी बौछारें दाग रही थी। बॉन्ड ने गोली चलाई, निशाना चूका और फिर चलाई। उस आदमी के पैर लड़खड़ा गए, लेकिन उसकी गति उसे आगे ले जाती रही। वह पानी में जा गिरा। उसकी मुट्ठी बंद उंगली नीले आसमान की ओर अंधाधुंध गोली चलाती रही जब तक कि पानी ने बंदूक के यंत्र को जाम नहीं कर दिया।

अतिरिक्त गोली चलाने में जो कुछ सेकंड बर्बाद हुए, उससे मेजर गोंजालेस को मौका मिल गया। वह पहले बंदूकधारी के शव के पीछे पहुँच गया था और अब उसने टॉमी-गन से बॉन्ड पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। चाहे उसने बॉन्ड को देखा हो या वह सैवेज राइफल से निकल रही चमकती रोशनी पर ही गोली चला रहा हो, वह सही निशाना लगा रहा था। गोलियां मेपल के पेड़ में जा लगीं और लकड़ी के टुकड़े बॉन्ड के चेहरे पर छिटक गए। बॉन्ड ने दो बार गोली चलाई। बंदूकधारी का शव हिल गया। बहुत नीचे!

बॉन्ड ने राइफल में दोबारा गोलियां भरीं और निशाना साधा। एक टूटी हुई शाखा उसकी राइफल पर गिर पड़ी। उसने उसे झटक कर हटा दिया, लेकिन तभी गोंजालेस उठकर बगीचे के फर्नीचर के समूह की ओर दौड़ पड़ा। उसने लोहे की मेज को एक तरफ पटक दिया और उसके पीछे छिप गया, तभी बॉन्ड की दो गोलियों ने उसके पीछे घास के टुकड़े बिखेर दिए। इस मजबूत आड़ में उसका निशाना और सटीक हो गया, और लगातार गोलियों की बौछार, कभी मेज के दाईं ओर से तो कभी बाईं ओर से, मेपल के पेड़ पर जा लगीं, जबकि बॉन्ड की एक-एक गोली सफेद लोहे से टकराकर या घास के मैदान में सरसराती हुई निकल गई। दूरबीन जैसी दृष्टि को मेज के एक तरफ से दूसरी तरफ जल्दी से घुमाना आसान नहीं था और गोंजालेस अपनी चालों में माहिर था। बार-बार उसकी गोलियां बॉन्ड के बगल में और ऊपर पेड़ के तने पर जा लगीं। बॉन्ड झुककर तेजी से

दाईं ओर भागा। वह खुले मैदान से खड़े होकर गोली चलाएगा और गोंजालेस को अचानक पकड़ लेगा। लेकिन भागते हुए ही उसने देखा कि गोंजालेस लोहे की मेज के पीछे से निकल आया है। उसने भी गतिरोध को खत्म करने का फैसला कर लिया था। वह बांध पार करके जंगल में घुसने और बॉन्ड का पीछा करने के लिए दौड़ रहा था। बॉन्ड खड़ा हुआ और उसने अपनी राइफल ऊपर उठा ली। ऐसा करते ही गोंजालेस ने भी उसे देख लिया। वह बांध की दीवार पर एक घुटने के बल बैठ गया और बॉन्ड पर गोलियों की बौछार कर दी। गोलियों की आवाज सुनकर बॉन्ड एकदम स्थिर खड़ा रहा। गोंजालेस की छाती पर बाल जैसे निशान बन गए। बॉन्ड ने ट्रिगर दबा दिया।

गोंजालेस लड़खड़ा गया। वह आधा खड़ा हुआ। उसने अपनी बाहें ऊपर उठाईं और, अपनी बंदूक से आसमान में गोलियां बरसाते हुए, अनाड़ीपन से मुंह के बल पानी में कूद गया।

बॉन्ड यह देखने के लिए इंतजार कर रहा था कि क्या चेहरा बदलेगा। ऐसा नहीं हुआ। धीरे से उसने अपनी राइफल नीचे की और अपनी बांह के पिछले हिस्से से अपना चेहरा पोंछा।

घाटी में चारों ओर मौत की गूंज सुनाई दे रही थी। दाईं ओर, झील के उस पार पेड़ों में, उसने दो लड़कियों को घर की ओर दौड़ते हुए देखा। अगर नौकरानियों ने पहले ही ऐसा नहीं किया होता, तो वे जल्द ही पुलिस के पास पहुँच जातीं। अब आगे बढ़ने का समय था।

बॉन्ड घास के मैदान से होते हुए अकेले मेपल के पेड़ के पास वापस गया। लड़की वहीं थी। वह पेड़ के तने से टेक लगाकर खड़ी थी, उसकी पीठ बॉन्ड की ओर थी। उसका सिर उसकी बाहों में टिका हुआ था। उसके दाहिने हाथ से खून बह रहा था और ज़मीन पर टपक रहा था, और उसकी गहरे हरे रंग की कमीज़ की आस्तीन पर ऊपर की ओर एक काला धब्बा था। धनुष और तीरों का तरकश उसके पैरों के पास पड़ा था। उसके कंधे कांप रहे थे।

बॉन्ड उसके पीछे आया और उसके कंधों पर अपना हाथ रखकर उसे दिलासा दिया। उसने धीरे से कहा: “आराम करो, जूडी। अब सब ठीक हो गया है। हाथ में कितनी चोट आई है?”

उसने दबी हुई आवाज़ में कहा: “कुछ नहीं। किसी चीज़ ने मुझे मारा। लेकिन वो बहुत भयानक था। मुझे पता ही नहीं था।” (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

ऐसा ही होगा।

बॉन्ड ने तसल्ली देते हुए उसका हाथ दबाया। “यह करना ज़रूरी था। नहीं तो वे तुम्हें पकड़ लेते। वे पेशेवर हत्यारे थे - सबसे बुरे। लेकिन मैंने तुमसे कहा था कि इस तरह का काम मर्दों का होता है। अब चलो तुम्हारा हाथ देखते हैं। हमें चलना होगा - सीमा पार। पुलिस वाले जल्द ही यहाँ पहुँच जाएँगे।”

वह मुड़ी। उसका खूबसूरत, बेबाक चेहरा पसीने और आंसुओं से भीगा हुआ था। अब उसकी धूसर आँखें कोमल और आज्ञाकारी थीं। उसने कहा: “तुम्हारा ऐसा व्यवहार अच्छा है। मेरे हाल के बाद। मैं तो कुछ हद तक तनावग्रस्त थी।”

उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। बॉन्ड ने उसकी कमर में रखे शिकार के चाकू की ओर हाथ बढ़ाया

और उसकी कमीज़ की आस्तीन को कंधे से काट दिया। वहाँ मांसपेशियों पर गोली के घाव का गहरा, खून बहता हुआ निशान था। बॉन्ड ने अपना खाकी रुमाल निकाला, उसे तीन टुकड़ों में काटा और उन्हें आपस में जोड़ दिया। उसने कॉफी और व्हिस्की से घाव को साफ किया, फिर अपने थैले से रोटी का एक मोटा टुकड़ा निकाला और उसे घाव पर बांध दिया। उसने उसकी कमीज़ की आस्तीन को काटकर एक स्लिंग बनाया और उसकी गर्दन के पीछे जाकर गांठ बांधी। उसका मुंह उसके मुंह से कुछ ही इंच दूर था। उसके शरीर की गंध में एक गर्म, पशुवत सी महक थी। बॉन्ड ने उसके होठों पर एक बार धीरे से और फिर एक बार ज़ोर से चुंबन किया। उसने गांठ बांध दी। उसने अपनी आँखों के पास मौजूद उसकी धूसर आँखों में देखा। वे हैरान और खुश लग रही थीं। उसने उसके होंठों के हर कोने पर फिर से चुंबन किया और उसके होंठ धीरे से मुस्कुराए। बॉन्ड उससे थोड़ा दूर खड़ा हुआ और मुस्कुराया। उसने धीरे से उसका दाहिना हाथ उठाया और कलाई को स्लिंग में डाल दिया।

उसने विनम्रता से कहा: "आप मुझे कहाँ ले जा रहे हैं?"

बॉन्ड ने कहा: “मैं तुम्हें लंदन ले जा रहा हूँ। वहाँ एक बूढ़ा आदमी है जो तुमसे मिलना चाहेगा। लेकिन पहले हमें कनाडा जाना होगा, और मैं ओटावा में अपने एक दोस्त से बात करके तुम्हारा पासपोर्ट ठीक करवा लूँगा। तुम्हें कुछ कपड़े वगैरह खरीदने होंगे। इसमें कुछ दिन लगेंगे। हम को-ज़ी नाम की जगह पर रुकेंगे।”

मोटल।"

उसने उसकी तरफ देखा। वह बिल्कुल अलग लड़की लग रही थी। उसने धीरे से कहा: "यह अच्छा रहेगा। मैं कभी मोटल में नहीं रुकी हूँ।"

बॉन्ड नीचे झुका और अपनी राइफल और थैला उठाकर एक कंधे पर टांग लिया। फिर उसने उसका धनुष और तरकश दूसरे कंधे पर टांगा और मुड़कर घास के मैदान से होते हुए ऊपर की ओर चल पड़ा।

वह उसके पीछे-पीछे चलने लगी और चलते-चलते उसने अपने बालों से सुनहरे रंग की थकी हुई लटें निकालीं और एक रिबन खोलकर अपने हल्के सुनहरे बालों को अपने कंधों तक गिरने दिया।

क्वांटम ऑफ़ सोलेस

जेम्स बॉन्ड ने कहा: "मैंने हमेशा सोचा है कि अगर मैं कभी शादी करूंगा तो एक एयर होस्टेस से शादी करूंगा।"

डिनर पार्टी कुछ ज्यादा ही नीरस रही थी, और अब जब बाकी दो मेहमान एडीसी के साथ अपनी फ्लाइट पकड़ने के लिए चले गए थे, तो गवर्नर और बॉन्ड ऑफिस ऑफ वर्क्स के बड़े से सुसज्जित ड्राइंग रूम में एक सस्ते सोफे पर साथ बैठे बातचीत करने की कोशिश कर रहे थे। बॉन्ड को हास्यास्पद चीजों की गहरी समझ थी। उन्हें कभी भी नरम गद्दों पर बैठना पसंद नहीं था। वे अपने पैरों को ज़मीन पर मजबूती से टिकाकर एक ठोस गद्देदार कुर्सी पर बैठना पसंद करते थे। और उन्हें एक बुजुर्ग कुंवारे व्यक्ति के साथ गुलाबी रंग के चिंट्ज़ के बिस्तर पर बैठे हुए, अपने फैले हुए पैरों के बीच रखी नीची मेज पर रखी कॉफी और शराब को घूरते हुए मूर्खता महसूस हो रही थी। इस दृश्य में कुछ मिलनसार, अंतरंग, यहाँ तक कि कुछ हद तक स्त्रीत्वपूर्ण सा था। (यह लेख ABC Amber LIT Converter, http://www.processtext.com/abclit.html द्वारा जनरेट किया गया है)

इनमें से कोई भी वातावरण उपयुक्त नहीं था।

बॉन्ड को नासाऊ पसंद नहीं था। वहाँ हर कोई हद से ज़्यादा अमीर था। सर्दियों में आने वाले पर्यटक और द्वीप पर घर बसाने वाले निवासी अपनी दौलत, बीमारियों और नौकरों की समस्याओं के अलावा किसी और बात नहीं करते थे। वे गपशप भी ठीक से नहीं करते थे। गपशप करने लायक कुछ था ही नहीं। सर्दियों में आने वाले सभी लोग प्रेम प्रसंगों के लिए बहुत बूढ़े थे और ज़्यादातर अमीरों की तरह अपने पड़ोसियों के बारे में कुछ भी बुरा कहने से कतराते थे। हार्वे मिलर दंपति, जो अभी-अभी वहाँ से गए थे, एक आम उदाहरण थे - एक खुशमिजाज, कुछ हद तक नीरस कनाडाई करोड़पति, जिसने शुरुआत में ही प्राकृतिक गैस के कारोबार में कदम रखा और उसी में टिका रहा, और उसकी बातूनी और खूबसूरत पत्नी। ऐसा लगता था कि वह अंग्रेज़ थी। वह बॉन्ड के बगल में बैठी थी और बड़े चाव से बातें कर रही थी कि 'उसने हाल ही में शहर में कौन-कौन से शो देखे' और 'क्या उसे नहीं लगता कि सैवॉय ग्रिल रात के खाने के लिए सबसे अच्छी जगह है? वहाँ बहुत सारे दिलचस्प लोग मिलते हैं - अभिनेत्रियाँ और ऐसे ही लोग।' बॉन्ड ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की थी, लेकिन चूंकि उसने दो साल से कोई नाटक नहीं देखा था, और वह भी सिर्फ इसलिए क्योंकि वियना में जिस व्यक्ति का वह पीछा कर रहा था, वह नाटक देखने गया था, इसलिए उसे लंदन की रात्रिजीवन की कुछ धुंधली यादों पर निर्भर रहना पड़ा, जो किसी तरह श्रीमती हार्वे मिलर के अनुभवों से मेल नहीं खाती थीं।

बॉन्ड जानता था कि गवर्नर ने उसे रात के खाने पर केवल कर्तव्यवश बुलाया था, और शायद हार्वे मिलर्स के मामले में मदद करने के लिए। बॉन्ड एक सप्ताह से कॉलोनी में था और अगले दिन मियामी के लिए रवाना होने वाला था। यह एक नियमित जांच का काम था। क्यूबा में कास्त्रो विद्रोहियों को सभी पड़ोसी क्षेत्रों से हथियार मिल रहे थे। ये मुख्य रूप से मियामी और मैक्सिको की खाड़ी से आ रहे थे, लेकिन जब अमेरिका ने

तटरक्षक बलों ने दो बड़ी खेपें ज़ब्त कर ली थीं, कास्त्रो समर्थकों ने जमैका और बहामास को

संभावित ठिकानों के रूप में चुना था, और बॉन्ड को इसे रोकने के लिए लंदन से भेजा गया था। वह यह काम करना नहीं चाहता था। दरअसल, उसकी सहानुभूति विद्रोहियों के साथ थी, लेकिन सरकार का क्यूबा के साथ एक बड़ा निर्यात कार्यक्रम था जिसके तहत क्यूबा को उनकी इच्छा से अधिक चीनी मिल रही थी, और समझौते की एक छोटी सी शर्त यह थी कि ब्रिटेन क्यूबा के विद्रोहियों को किसी भी प्रकार की सहायता या समर्थन नहीं देगा। बॉन्ड को दो बड़े केबिन क्रूज़र के बारे में पता चला था जिन्हें इस काम के लिए तैयार किया जा रहा था, और उनके रवाना होने से ठीक पहले गिरफ्तारी करने और किसी घटना को अंजाम देने से बचने के लिए, उसने एक अंधेरी रात चुनी और एक पुलिस नाव में चुपके से उन नावों के पास पहुँचा। अंधेरी नाव के डेक से उसने प्रत्येक नाव के एक खुले पोर्ट से एक थर्मिट बम फेंका। फिर वह तेज़ी से वहाँ से निकल गया और दूर से आग के ढेर को देखता रहा। बेशक, बीमा कंपनियों के लिए दुर्भाग्य की बात थी, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ और उसने एम द्वारा बताए गए काम को जल्दी और कुशलता से पूरा कर लिया था।

जहां तक बॉन्ड को पता था, पुलिस प्रमुख और उनके दो अधिकारियों को छोड़कर कॉलोनी में किसी को भी यह नहीं पता था कि रोडस्टेड में लगी दो भीषण और - जानकारों के अनुसार - समयोचित आग किसने लगाई थी।

बॉन्ड ने लंदन में केवल एम को ही रिपोर्ट किया था। वह गवर्नर को शर्मिंदा नहीं करना चाहता था, जो उसे आसानी से शर्मिंदा होने वाला व्यक्ति लगता था, और वास्तव में उसे ऐसे अपराध की जानकारी देना नासमझी होती, जो आसानी से विधान परिषद में प्रश्न का विषय बन सकता था। लेकिन गवर्नर मूर्ख नहीं था।

उन्हें कॉलोनी में बॉन्ड की यात्रा का उद्देश्य पता था, और उस शाम, जब बॉन्ड ने उनसे हाथ मिलाया था, तो गवर्नर के संयमित और रक्षात्मक व्यवहार से बॉन्ड को एक शांतिप्रिय व्यक्ति की हिंसक कार्रवाई के प्रति अरुचि का पता चल गया था।

इससे डिनर पार्टी को कोई मदद नहीं मिली थी, और शाम को थोड़ी बहुत जीवंतता देने के लिए एक मेहनती एडीसी की तमाम बातचीत और उत्साह की जरूरत थी।

अब साढ़े नौ बज चुके थे, और गवर्नर और बॉन्ड के पास अपने-अपने बिस्तर पर जाने से पहले एक और शिष्टाचारपूर्ण घंटा बचा था, दोनों को इस बात की राहत थी कि उन्हें एक-दूसरे को फिर कभी नहीं देखना पड़ेगा। ऐसा नहीं था कि बॉन्ड को गवर्नर से कोई शिकायत थी। वह उस तरह के व्यक्ति थे जिनसे बॉन्ड दुनिया भर में अक्सर मिलता था - दृढ़, वफादार, सक्षम, गंभीर और न्यायप्रिय: औपनिवेशिक सिविल सेवकों का सबसे अच्छा प्रकार। दृढ़ता, सक्षमता और वफादारी के साथ, वह तीस वर्षों तक छोटे पदों पर बने रहते, जबकि उनके चारों ओर साम्राज्य बिखर रहा होता; और अब, ठीक समय पर, सीढ़ी पर टिके रहकर और सांपों से बचकर, वह शीर्ष पर पहुँच गए थे। एक या दो साल में जीसीबी से छुट्टी और फिर गोडालमिंग, चेल्टेनहैम या टुनब्रिज वेल्स के लिए प्रस्थान, पेंशन और ट्रूसियल ओमान जैसी जगहों की यादों के एक छोटे से पैकेट के साथ।

ब्रिटिश गुयाना के लीवार्ड द्वीप समूह के बारे में स्थानीय गोल्फ क्लब में शायद ही किसी ने सुना होगा या किसी को परवाह होगी। फिर भी, बॉन्ड ने उस शाम सोचा, गवर्नर ने कास्त्रो विद्रोहियों के मामले जैसे कितने छोटे-मोटे ड्रामे देखे होंगे या उनकी कितनी ही जानकारी रही होगी! उन्हें

छोटी-छोटी सत्ताओं की राजनीति के दांव-पेंच, विदेशों में छोटे समुदायों के जीवन के शर्मनाक पहलुओं, और दुनिया भर के सरकारी दफ्तरों की फाइलों में दबे लोगों के रहस्यों के बारे में कितना कुछ पता होगा। लेकिन इस कठोर, संशयपूर्ण दिमाग से कोई चिंगारी कैसे निकाल सकता था? जेम्स बॉन्ड, जिसे गवर्नर स्पष्ट रूप से एक खतरनाक आदमी और अपने करियर के लिए संभावित खतरा मानते थे, उस शाम को व्यर्थ समय बर्बाद होने से बचाने के लिए एक भी रोचक तथ्य या टिप्पणी कैसे निकाल सकता था?

बॉन्ड की एयर होस्टेस से शादी करने की बेपरवाह और थोड़ी झूठी टिप्पणी हवाई यात्रा के बारे में एक नीरस बातचीत के अंत में आई थी, जो हार्वे मिलर्स के मॉन्ट्रियल जाने वाले विमान को पकड़ने के लिए रवाना होने के बाद अनिवार्य रूप से शुरू हुई थी। गवर्नर ने कहा था कि नासाऊ जाने वाले अमेरिकी यात्रियों में से अधिकांश BOAC एयरलाइंस को मिल रहे हैं क्योंकि भले ही उनके विमान आइडलविल्ड से आधे घंटे धीमे हों, लेकिन उनकी सेवा शानदार है। बॉन्ड ने अपनी ही तुच्छ बातों से खुद को ऊबाते हुए कहा था कि वह तेज और आरामदायक यात्रा के बजाय धीमी और आरामदायक यात्रा करना पसंद करेंगे। तभी उन्होंने एयर होस्टेस के बारे में यह टिप्पणी की थी।

“जी हां,” गवर्नर ने विनम्र और संयमित स्वर में कहा, जिसे सुनकर बॉन्ड ने प्रार्थना की कि उनका स्वर थोड़ा नरम हो जाए और वे मानवीय बन जाएं। “क्यों?”

“ओह, मुझे नहीं पता। एक सुंदर लड़की का हमेशा मेरा ख्याल रखना, मुझे पेय और गर्म खाना परोसना और यह पूछना कि क्या मुझे सब कुछ मिल गया है, अच्छा रहेगा। और वे हमेशा मुस्कुराती रहती हैं और मुझे खुश करने की कोशिश करती हैं। अगर मैं किसी एयर होस्टेस से शादी नहीं करता, तो मेरे पास एक जापानी से शादी करने के अलावा कोई चारा नहीं होगा। उनके विचार भी अच्छे लगते हैं।” बॉन्ड का किसी से भी शादी करने का कोई इरादा नहीं था। अगर वह करता भी, तो निश्चित रूप से किसी नीरस गुलाम से नहीं। वह बस गवर्नर को किसी मानवीय विषय पर चर्चा करने के लिए प्रेरित करना चाहता था, चाहे वह उसे हंसाए या नाराज़ करे।

“मुझे जापानियों के बारे में तो नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि आपके मन में यह बात आई होगी कि ये एयर होस्टेस सिर्फ ग्राहकों को खुश करने के लिए प्रशिक्षित होती हैं, और काम से बाहर वे बिल्कुल अलग हो सकती हैं।” गवर्नर की आवाज़ तर्कसंगत और विवेकपूर्ण थी।

"चूंकि मुझे शादी करने में कोई खास दिलचस्पी नहीं है, इसलिए मैंने कभी इस बारे में छानबीन करने की जहमत नहीं उठाई।"

कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया। गवर्नर की सिगार बुझ गई थी। उन्होंने उसे दोबारा जलाने में कुछ पल लगाए। जब उन्होंने बोलना शुरू किया, तो बॉन्ड को लगा कि उनकी शांत आवाज़ में एक नई जान आ गई है, एक नई रुचि जाग उठी है। गवर्नर ने कहा: “एक आदमी था जिसे मैं जानता था, जिसके विचार शायद तुम्हारे जैसे ही रहे होंगे। उसे एक एयर होस्टेस से प्यार हो गया और उसने उससे शादी कर ली। सच कहूँ तो, यह काफी दिलचस्प कहानी है। मुझे लगता है,” गवर्नर ने बॉन्ड की ओर तिरछी नज़र से देखा और हल्के से खुद को कम आंकते हुए हँसे, “तुम ज़िंदगी का बहुत बुरा पहलू देखते हो। यह कहानी तुम्हें शायद नीरस लगे। लेकिन क्या तुम इसे सुनना चाहोगे?”

“बिल्कुल।” बॉन्ड ने उत्साह से कहा। उसे शक था कि गवर्नर की नज़र में जो घटियापन है, वो उसके अपने नज़रिए से मिलता-जुलता होगा, लेकिन कम से कम इससे वो और कोई बेतुकी बात करने से बच जाएगा। अब इस बेहद चिपचिपे सोफे से दूर जाना था। उसने कहा: “क्या मुझे थोड़ी और ब्रांडी मिल सकती है?” वो उठा, अपने गिलास में एक इंच ब्रांडी डाली और सोफे पर वापस जाने के बजाय एक कुर्सी खींचकर ड्रिंक ट्रे के दूसरी तरफ गवर्नर से थोड़ा तिरछा होकर बैठ गया।

राज्यपाल ने अपनी सिगार के सिरे को गौर से देखा, एक कश लिया और सिगार को सीधा पकड़ लिया ताकि लंबी राख नीचे न गिरे। अपनी पूरी कहानी सुनाते हुए वह राख को सावधानीपूर्वक देखते रहे और मानो गर्म, नम हवा में उठते और जल्दी से गायब होते नीले धुएं की पतली धारा से बात कर रहे हों।

उन्होंने सावधानीपूर्वक कहा: “यह आदमी - मैं इसे मास्टर्स, फिलिप मास्टर्स कहूंगा - सेवा में लगभग मेरा समकालीन था। मैं उससे एक साल आगे था। वह फेट्स गया और ऑक्सफोर्ड के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की - (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

कॉलेज का नाम मायने नहीं रखता - और फिर उन्होंने औपनिवेशिक सेवा के लिए आवेदन किया। वह कोई बहुत होशियार व्यक्ति नहीं थे, लेकिन मेहनती और सक्षम थे और ऐसे व्यक्ति थे जो साक्षात्कारकर्ताओं पर अच्छा प्रभाव छोड़ते हैं। उन्हें सेवा में ले लिया गया। उनकी पहली पोस्टिंग नाइजीरिया में थी। उन्होंने वहाँ अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें वहाँ के मूल निवासी पसंद थे और उनके साथ उनका अच्छा तालमेल था। वह उदार विचारों वाले व्यक्ति थे और यद्यपि उन्होंने वास्तव में मेलजोल नहीं रखा, जो,” गवर्नर ने कड़वी मुस्कान के साथ कहा, “उन दिनों में उनके वरिष्ठों के साथ उनके लिए मुसीबत खड़ी कर सकता था, फिर भी वह नाइजीरियाई लोगों के प्रति उदार और मानवीय थे। यह उनके लिए काफी आश्चर्य की बात थी।” गवर्नर रुके और अपनी सिगार का एक कश लिया। राख गिरने ही वाली थी कि वह सावधानी से पेय ट्रे की ओर झुके और राख को अपने कॉफी कप में गिरने दिया। वह वापस बैठ गए और पहली बार बॉन्ड की ओर देखा। उन्होंने कहा: “मैं कह सकता हूँ कि इस युवक का मूल निवासियों के प्रति जो स्नेह था, उसने जीवन के अन्य क्षेत्रों में उस उम्र के युवकों के विपरीत लिंग के प्रति स्नेह का स्थान ले लिया।” दुर्भाग्य से फिलिप मास्टर्स एक शर्मीला और कुछ हद तक असभ्य युवक था, जिसे इस क्षेत्र में कभी कोई सफलता नहीं मिली थी। जब वह अपनी विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी में व्यस्त नहीं होता था, तो वह अपने कॉलेज के लिए हॉकी खेलता था और तीसरी पंक्ति की नाव में भाग लेता था। छुट्टियों में वह वेल्स में अपनी एक चाची के साथ रहता था और स्थानीय पर्वतारोहण क्लब के साथ पर्वतारोहण करता था। वैसे, उसके माता-पिता उसके पब्लिक स्कूल में पढ़ते समय ही अलग हो गए थे और यद्यपि वह इकलौता बच्चा था, लेकिन ऑक्सफोर्ड में छात्रवृत्ति और थोड़े से भत्ते के साथ सुरक्षित पहुँचने के बाद उन्होंने उसकी परवाह करना छोड़ दिया था। इसलिए उसके पास लड़कियों के लिए बहुत कम समय था और जिन लोगों से वह मिलता भी था, उनके सामने उसकी कोई खास छवि नहीं बन पाती थी। उसका भावनात्मक जीवन उसी हताश और अस्वस्थता से भरा था जो हमें अपने विक्टोरियन दादाओं से विरासत में मिली थी। उसकी स्थिति को जानते हुए, मैं यह सुझाव दे रहा हूँ कि नाइजीरिया के अश्वेत लोगों के साथ उसके मैत्रीपूर्ण संबंध एक तरह से उसकी गर्मजोशी और सहज स्वभाव की भरपाई थे, जो स्नेह से वंचित रहा था और अब उसे उनके सरल और दयालु स्वभाव में पा गया था।

बॉन्ड ने गंभीर वर्णन को बीच में रोकते हुए कहा, "खूबसूरत नीग्रो महिलाओं के साथ एक ही समस्या है कि उन्हें गर्भनिरोधक के बारे में कुछ नहीं पता होता। मुझे उम्मीद है कि वह इस तरह की मुसीबत से दूर रहने में कामयाब रहा होगा।"

गवर्नर ने अपना हाथ उठाया। उनकी आवाज में बॉन्ड के सरल स्वभाव के प्रति अरुचि का भाव था। "नहीं, नहीं।"

आप मुझे गलत समझ रहे हैं। मैं यौन संबंध की बात नहीं कर रहा हूँ। इस युवक के मन में कभी किसी अश्वेत लड़की के साथ संबंध बनाने का ख्याल भी नहीं आया होगा। वास्तव में, वह यौन मामलों में बुरी तरह अनभिज्ञ था। इंग्लैंड के युवाओं में आज भी यह कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन उन दिनों यह बहुत आम थी, और जैसा कि आप सहमत होंगे, इसी वजह से कई - बहुत सारी - असफल शादियाँ और अन्य दुखद घटनाएँ हुईं। बॉन्ड ने सिर हिलाया। "नहीं। मैं इस युवक के बारे में विस्तार से इसलिए बता रहा हूँ ताकि आपको यह समझ आ सके कि आगे जो होने वाला था, वह एक निराश, भोले-भाले युवक पर पड़ा, जिसका दिल और शरीर तो गर्म था, लेकिन जागृत नहीं था, और सामाजिक रूप से इतना अनाड़ी था कि उसने अपने ही दायरे में रहने के बजाय अश्वेतों के बीच संगति और स्नेह की तलाश की। संक्षेप में, वह एक संवेदनशील, समाज से अलग-थलग व्यक्ति था, शारीरिक रूप से आकर्षक नहीं था, लेकिन अन्य सभी मामलों में स्वस्थ, सक्षम और एक योग्य नागरिक था।"

बॉन्ड ने अपनी ब्रांडी का एक घूंट लिया और अपने पैर फैला लिए। उसे कहानी में मज़ा आ रहा था। गवर्नर इसे एक बुज़ुर्ग शैली में सुना रहे थे, जिससे कहानी में सच्चाई का एहसास हो रहा था।

गवर्नर ने आगे कहा: “नाइजीरिया में यंग मास्टर्स की सेवा पहली लेबर सरकार के समय हुई थी। आपको याद होगा कि उन्होंने सबसे पहले विदेश सेवाओं में सुधार का काम शुरू किया था। नाइजीरिया को एक नया गवर्नर मिला, जिसके पास स्थानीय समस्या पर प्रगतिशील विचार थे। वह यह देखकर आश्चर्यचकित और प्रसन्न हुआ कि उसके स्टाफ का एक कनिष्ठ सदस्य अपने सीमित दायरे में ही गवर्नर के विचारों को व्यवहार में ला रहा था। उसने फिलिप मास्टर्स को प्रोत्साहित किया, उसे उसके पद से ऊपर के कर्तव्य सौंपे, और समय आने पर, जब मास्टर्स का तबादला होने वाला था, तो उसने इतनी शानदार रिपोर्ट लिखी कि मास्टर्स को एक पद ऊपर पदोन्नत कर दिया गया और उन्हें बरमूडा में सरकार के सहायक सचिव के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया।”

गवर्नर ने सिगार के धुएं के बीच से बॉन्ड की ओर देखा। उन्होंने क्षमा मांगते हुए कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप इन सब बातों से ऊब नहीं रहे होंगे। मैं मुद्दे पर आने में देर नहीं लगाऊंगा।"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

मुझे वाकई बहुत दिलचस्पी है। मुझे लगता है मेरे पास उस आदमी की तस्वीर है। आप उसे अच्छी तरह जानते होंगे।

राज्यपाल हिचकिचाया। उन्होंने कहा: “बरमूडा में मुझे उन्हें और बेहतर तरीके से जानने का मौका

मिला। मैं उनसे वरिष्ठ था और वे सीधे मेरे अधीन काम करते थे। हालांकि, अभी तक हम पूरी तरह से बरमूडा नहीं पहुंचे हैं। अफ्रीका के लिए हवाई सेवाओं की शुरुआत ही हुई थी और किसी कारणवश फिलिप मास्टर्स ने लंदन वापस घर जाने के लिए हवाई जहाज से जाने का फैसला किया, ताकि उन्हें फ्रीटाउन से जहाज से जाने की तुलना में लंबी छुट्टी मिल सके। वे ट्रेन से नैरोबी गए और इंपीरियल एयरवेज की साप्ताहिक उड़ान पकड़ी - जो बाद में BOAC की पूर्ववर्ती कंपनी बन गई। उन्होंने इससे पहले कभी हवाई यात्रा नहीं की थी और उड़ान भरने के बाद वे उत्सुक तो थे, लेकिन थोड़ा घबराए हुए भी थे। एयर होस्टेस, जो उन्हें बेहद खूबसूरत लगी, ने उन्हें चूसने के लिए एक मिठाई दी और सीट बेल्ट बांधना सिखाया। जब विमान स्थिर हो गया और उन्हें लगा कि हवाई यात्रा उनकी अपेक्षा से कहीं अधिक शांतिपूर्ण है, तो एयर होस्टेस लगभग खाली विमान में वापस आई। उसने मुस्कुराते हुए उनसे कहा, 'अब आप बेल्ट खोल सकते हैं।' जब मास्टर्स बकल खोलने में हिचकिचाए, तो वह झुकीं और उनके लिए बेल्ट खोल दी। यह एक छोटा सा आत्मीय भाव था।"

मास्टर्स अपने जीवन में कभी भी अपनी उम्र की किसी महिला के इतने करीब नहीं आए थे। वे शर्म से लाल हो गए और एक अजीब सी उलझन महसूस करने लगे। उन्होंने महिला को धन्यवाद दिया। उनकी शर्मिंदगी देखकर महिला ने शरारती मुस्कान के साथ सामने वाली खाली सीट की भुजा पर बैठते हुए उनसे पूछा कि वे कहाँ से आए हैं और कहाँ जा रहे हैं।

उसने उसे बताया। बदले में, उसने उससे विमान के बारे में पूछा, कि वे कितनी तेज़ी से उड़ रहे हैं, कहाँ रुकेंगे, इत्यादि। उसे उससे बात करना बहुत सहज लगा और वह देखने में लगभग चकाचौंध कर देने वाली सुंदर थी। वह उसके सहज व्यवहार और अफ्रीका के बारे में उसकी बातों में उसकी स्पष्ट रुचि देखकर आश्चर्यचकित था। ऐसा लग रहा था जैसे वह सोचती हो कि वह उससे कहीं अधिक रोमांचक और ग्लैमरस जीवन जीता है, जितना कि वह खुद को मानता था। उसने उसे महत्वपूर्ण महसूस कराया। जब वह दो एयर होस्टेस को दोपहर का भोजन तैयार करने में मदद करने के लिए चली गई, तो वह बैठकर उसके बारे में सोचने लगा और अपने विचारों में खो गया। जब उसने पढ़ने की कोशिश की तो वह पृष्ठ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सका। उसे उसकी एक झलक पाने के लिए विमान में ऊपर की ओर देखना पड़ा। एक बार उसने उसकी नज़रें पकड़ीं और उसे एक रहस्यमयी मुस्कान दी। मानो वह कह रही हो, "हम विमान में इकलौते युवा हैं। हम एक-दूसरे को समझते हैं।"

हम दोनों की रुचियां एक जैसी ही हैं।"

फिलिप मास्टर्स खिड़की से बाहर देख रहे थे, नीचे सफेद बादलों के सागर में उन्हें वह दिखाई दी। उन्होंने कल्पना में उसे बारीकी से देखा, उसकी पूर्णता पर आश्चर्यचकित हुए। वह छोटी और सुडौल थीं, दूधिया-गुलाबी रंगत वाली और सुनहरे बाल एक सुंदर जूड़े में बंधे हुए थे। (उन्हें जूड़ा विशेष रूप से पसंद था। इससे पता चलता था कि वह

उसके होंठ चेरी जैसे लाल और मुस्कुराते हुए थे, और उसकी नीली आँखें शरारती मस्ती से चमक रही थीं। वेल्स को जानते हुए, उसने अनुमान लगाया कि उसमें वेल्श खून है, और यह उसके नाम, रोडा ल्यूवेलिन से पुष्ट हो गया, जो दोपहर के भोजन से पहले हाथ धोने जाते समय उसे शौचालय के दरवाजे के बगल में पत्रिका रैक के ऊपर क्रू लिस्ट के नीचे छपा हुआ मिला। वह उसके बारे में गहराई से सोचने लगा। वह अब लगभग दो दिनों तक उसके पास रहेगी, लेकिन वह

उससे दोबारा कैसे मिल पाएगा? उसके सैकड़ों प्रशंसक होंगे। हो सकता है वह शादीशुदा भी हो। क्या वह हर समय उड़ान भरती है? यात्राओं के बीच उसे कितने दिन की छुट्टी मिलती है? अगर वह उसे रात के खाने और थिएटर के लिए पूछे तो क्या वह उस पर हँसेगी? क्या वह विमान के कप्तान से शिकायत भी कर सकती है कि कोई यात्री बदतमीजी कर रहा है? मास्टर्स के मन में अचानक यह ख्याल आया कि उसे अदन में विमान से उतार दिया जाएगा, औपनिवेशिक कार्यालय में शिकायत की जाएगी, और उसका करियर बर्बाद हो जाएगा।

दोपहर का भोजन आया और तसल्ली मिली। जब उसने छोटी सी ट्रे उसके घुटनों पर रखी, तो उसके बाल उसके गाल को छू गए। मास्टर्स को लगा जैसे उसे किसी जीवित बिजली के तार ने छू लिया हो। उसने उसे बताया कि जटिल छोटे सेलोफेन पैकेटों को कैसे खोलना है, सलाद ड्रेसिंग से प्लास्टिक का ढक्कन कैसे हटाना है। उसने उसे बताया कि मिठाई खास तौर पर स्वादिष्ट थी - एक लज़ीज़ लेयर केक। संक्षेप में, उसने उसका खूब ख्याल रखा, और मास्टर्स को याद नहीं था कि ऐसा पहले कभी हुआ था, यहाँ तक कि जब उसकी माँ बचपन में उसकी देखभाल करती थी तब भी नहीं।

यात्रा के अंत में, जब पसीने से तरबतर मास्टर्स ने हिम्मत जुटाकर उसे रात के खाने पर बुलाया, तो उसकी सहज सहमति देखकर लगभग हैरानी ही हुई। एक महीने बाद उसने इंपीरियल एयरवेज से इस्तीफा दे दिया और उनकी शादी हो गई। उसके एक महीने बाद, मास्टर्स की छुट्टी समाप्त हो गई और वे बरमूडा के लिए जहाज पर सवार हो गए।

बॉन्ड ने कहा: “मुझे सबसे बुरे की आशंका है। उसने उससे शादी इसलिए की क्योंकि उसका जीवन रोमांचक और ‘शानदार’ लगता था। उसे गवर्नमेंट हाउस में चाय पार्टियों की शान बनने का विचार अच्छा लगता था। मुझे लगता है कि मास्टर्स को उसकी हत्या करनी ही पड़ी।” (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

क्या यह अंत है?

“नहीं,” गवर्नर ने नरमी से कहा। “लेकिन मुझे लगता है कि आप उसके उससे शादी करने के कारण के बारे में सही कह रहे हैं, शायद हवाई यात्रा की भागदौड़ और खतरों से तंग आकर। हो सकता है कि वह सचमुच इसमें सफल होना चाहती हो, और निश्चित रूप से जब युवा जोड़ा हैमिल्टन के बाहरी इलाके में अपने बंगले में पहुंचा और बस गया, तो हम सभी उसकी जीवंतता, उसके सुंदर चेहरे और जिस तरह से वह सबके साथ विनम्रता से पेश आती थी, उससे बहुत प्रभावित हुए थे।”

और, ज़ाहिर है, मास्टर्स पूरी तरह बदल चुका था। उसकी ज़िंदगी किसी परीकथा जैसी हो गई थी। पीछे मुड़कर देखें तो, उसे खुद को संवारने की कोशिश करते देखना लगभग दयनीय लगता था ताकि वह उसके अनुरूप दिख सके। वह अपने कपड़ों का खास ख्याल रखता था, बालों में चमकदार ब्रिलिएंटाइन लगाता था और यहाँ तक कि फौजी स्टाइल की मूंछें भी बढ़ा ली थीं, शायद इसलिए क्योंकि उसे लगता था कि यह शानदार लगती हैं। दिन के अंत में, वह जल्दी से बंगले पर लौट आता था, और हमेशा रोडा के बारे में ही बातें करता रहता था, और पूछता था कि "आपको क्या लगता है कि लेडी बरफोर्ड - जो गवर्नर की पत्नी थीं - रोडा को दोपहर के भोजन पर कब बुलाएंगी?"

“लेकिन उन्होंने खूब मेहनत की और सभी को वो युवा जोड़ा पसंद आया, और लगभग छह महीने तक सब कुछ बहुत अच्छा चलता रहा। फिर, और अब मैं सिर्फ अनुमान लगा रही हूँ, कभी-कभार कुछ ऐसी बातें होने लगीं जो उस खुशहाल छोटे बंगले में तेजाब की तरह फैल गईं। आप कल्पना कर सकते हैं कि किस तरह की बातें होती होंगी: ‘औपनिवेशिक सचिव की पत्नी मुझे कभी अपने साथ खरीदारी के लिए क्यों नहीं ले जाती? हमें अगली कॉकटेल पार्टी देने के लिए कब तक इंतजार करना पड़ेगा? आप जानते हैं कि हम बच्चा पैदा करने का खर्च नहीं उठा सकते। आपकी पदोन्नति कब होने वाली है? यहाँ सारा दिन कुछ न करने से बहुत नीरस लगता है। आज रात का खाना आपको ही बनाना होगा। मेरा बिल्कुल मन नहीं कर रहा। आप तो खूब मजे कर रहे हैं। आपके लिए सब ठीक है...’ और इसी तरह की बातें चलती रहीं। और ज़ाहिर है, लाड़-प्यार जल्दी ही खत्म हो गया। अब मास्टर्स ही थे, और ज़ाहिर है, उन्हें यह करना बहुत अच्छा लगता था, जो काम पर जाने से पहले एयर होस्टेस को बिस्तर पर नाश्ता लाते थे। मास्टर्स ही थे जो शाम को घर लौटने पर सिगरेट की राख और चॉकलेट मिलने पर घर की सफाई करते थे। हर तरफ कागज़ बिखरे पड़े थे। मास्टर्स को सिगरेट और कभी-कभार शराब पीना छोड़ना पड़ा ताकि वह रोडा के लिए नए कपड़े खरीद सके और उसे दूसरी पत्नियों के बराबर लाड़-प्यार दे सके। कम से कम मुझे तो सचिवालय में मास्टर्स को अच्छी तरह जानने के कारण यह सब दिखाई देता था। उनकी चिंता से भरी भौंहें, दफ्तर के समय में कभी-कभार रहस्यमयी और ज़रूरत से ज़्यादा फिक्र करने वाली फोन कॉल, दिन के अंत में दस मिनट चुराकर रोडा को सिनेमा ले जाना, और ज़ाहिर है, कभी-कभार शादी के बारे में मज़ाकिया सवाल: दूसरी पत्नियां दिन भर क्या करती हैं? क्या ज़्यादातर महिलाओं को यहां गर्मी लगती है? मुझे लगता है महिलाएं (उन्होंने लगभग 'भगवान उनका भला करे' जोड़ दिया) पुरुषों की तुलना में बहुत जल्दी परेशान हो जाती हैं। और इसी तरह के सवाल। परेशानी, या कम से कम ज़्यादातर परेशानी, यह थी कि मास्टर्स उन पर पूरी तरह फिदा थे। वह उनकी सूरज और चांद थीं और अगर वह दुखी या बेचैन होतीं तो यह सब उनकी गलती होती। वह उन्हें व्यस्त रखने और खुश करने के लिए बेताब होकर कुछ न कुछ ढूंढते रहते थे, और आखिरकार, उन्होंने - या यूं कहें कि उन्होंने - गोल्फ को चुना। बरमूडा में गोल्फ का बहुत क्रेज है। यहाँ कई बेहतरीन गोल्फ कोर्स हैं, जिनमें प्रसिद्ध मिड-ओशन क्लब भी शामिल है, जहाँ सभी प्रतिष्ठित खिलाड़ी खेलते हैं और मैच के बाद गपशप और ड्रिंक्स के लिए क्लब में इकट्ठा होते हैं। यह बिल्कुल वही था जो वह चाहती थी - एक शानदार पेशा और उच्च समाज।

पता नहीं मास्टर्स ने उसके लिए क्लब, सबक और बाकी सब कुछ खरीदने के लिए पैसे कैसे बचाए, लेकिन किसी तरह उसने यह कर दिखाया और यह एक ज़बरदस्त सफलता साबित हुई। वह मिड-ओशन में पूरा दिन बिताने लगी। उसने अपने सबक पर खूब मेहनत की, हैंडीकैप हासिल किया और छोटी-छोटी प्रतियोगिताओं और मासिक पदकों के ज़रिए लोगों से मिली, और छह महीनों में वह न केवल एक सम्मानजनक खेल खेलने लगी बल्कि पुरुष सदस्यों की चहेती भी बन गई। मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। मुझे याद है कि मैं उसे वहाँ समय-समय पर देखता था, एक आकर्षक, धूप से झुलसी हुई छोटी सी आकृति, सबसे छोटे शॉर्ट्स में, हरे रंग की किनारी वाली सफेद आईशैडो लगाए, और एक सधी हुई स्विंग जो उसकी आकृति को और भी निखारती थी, और मैं आपको बता सकता हूँ,” गवर्नर ने थोड़ी देर के लिए मुस्कुराते हुए कहा, “वह गोल्फ कोर्स पर मैंने अब तक देखी सबसे खूबसूरत चीज थी। बेशक, अगला कदम जल्द ही उठाया गया। एक मिक्स्ड-फोरसम प्रतियोगिता थी। उसे सबसे बड़े टैटर्सॉल लड़के के साथ जोड़ा गया - वे हैमिल्टन के प्रमुख व्यापारी हैं और बरमूडा समाज में लगभग सत्ताधारी गुट हैं। वह एक शरारती नौजवान था -

बेहद आकर्षक, बेहतरीन तैराक और गोल्फ का माहिर खिलाड़ी, जिसके पास एक खुली एमजी कार, एक स्पीडबोट और बाकी सारी सुख-सुविधाएं थीं। आप जानते ही हैं ऐसे लोगों को। उसे हर मनचाही लड़की मिल जाती थी, और अगर वो उसके साथ जल्दी से संबंध नहीं बनाती, तो उन्हें एमजी या क्रिसक्राफ्ट में घूमने या स्थानीय नाइट क्लबों में शाम बिताने का मौका नहीं मिलता था।

फाइनल में कड़ी टक्कर के बाद इस जोड़ी ने प्रतियोगिता जीत ली और फिलिप मास्टर्स अठारहवें ग्रीन के चारों ओर मौजूद फैशनेबल भीड़ में उनका हौसला बढ़ाने के लिए मौजूद थे। यह शायद उनके जीवन का आखिरी मौका था जब उन्होंने इतने लंबे समय तक, या शायद पूरी जिंदगी के लिए, किसी का उत्साह बढ़ाया। लगभग तुरंत ही वह युवा टैटर्सॉल के साथ 'रिलेशनशिप' में आ गईं, और एक बार शुरू होने के बाद... (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

सब कुछ हवा की तरह उड़ गया। और यकीन मानिए, मिस्टर बॉन्ड," गवर्नर ने मुट्ठी बंद की और धीरे से ड्रिंक्स टेबल के किनारे पर पटकी, "यह देखना बहुत भयानक था। उसने इस बात को छिपाने या मामले को कम करने की ज़रा भी कोशिश नहीं की। उसने बस युवा टैटर्सॉल को उठाया और उसके साथ मास्टर्स के चेहरे पर घूंसे मारे, और मारती ही रही। वह रात के किसी भी समय घर आ जाती थी - उसने ज़िद की थी कि मास्टर्स को दूसरे कमरे में चले जाना चाहिए, साथ सोने के लिए बहुत गर्मी होने का बहाना बनाकर - और अगर वह कभी घर साफ करती या उसके लिए खाना बनाती भी थी, तो वह बस कामचलाऊ और दिखावे के लिए होता था। ज़ाहिर है, एक महीने में, यह सारा मामला सार्वजनिक हो गया और बेचारे मास्टर्स के चेहरे पर कॉलोनी में अब तक के सबसे बड़े सींग लगे हुए थे। लेडी बरफोर्ड ने आखिरकार दखल दिया और रोडा मास्टर्स को खूब खरी-खोटी सुनाई - कहा कि वह उनके पति का करियर बर्बाद कर रही है वगैरह। लेकिन दिक्कत यह थी कि लेडी बरफोर्ड को मास्टर्स एक काफी सुस्त कुत्ता लगा, और शायद खुद मास्टर्स ने भी जवानी में एक-दो शरारतें की होंगी।

वह अब भी एक खूबसूरत महिला थी जिसकी आँखों में चमक थी - शायद वह लड़की के प्रति कुछ ज़्यादा ही नरम थी। बेशक, जैसा कि मास्टर्स ने मुझे बाद में बताया, वही नीरस सिलसिला दोहराया।

विरोध, कड़वा झगड़ा, भयंकर क्रोध, हिंसा (उसने मुझे बताया कि एक रात उसने लगभग उसका गला घोंट दिया था) और अंत में, निर्मम अलगाव और उदास दुख।" गवर्नर रुका। "मुझे नहीं पता कि आपने कभी किसी का दिल टूटते देखा है, मिस्टर बॉन्ड, धीरे-धीरे और जानबूझकर टूटते हुए। खैर, मैंने फिलिप मास्टर्स के साथ यही होते देखा, और यह देखना बहुत भयानक था। वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसके चेहरे पर स्वर्ग की झलक थी, और बरमूडा पहुंचने के एक साल के भीतर ही उसके चेहरे पर नरक के निशान थे। बेशक मैंने अपनी पूरी कोशिश की, हम सभी ने किसी न किसी तरह से कोशिश की, लेकिन एक बार जब यह सब हो गया, मिड-ओशन के उस अठारहवें ग्रीन पर, तो वास्तव में बिखरे हुए टुकड़ों को समेटने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं किया जा सकता था। लेकिन मास्टर्स एक घायल कुत्ते की तरह था। वह बस हमसे दूर एक कोने में चला जाता और जब कोई उसके पास आने की कोशिश करता तो गुर्राता। मैंने तो उसे एक-दो पत्र भी लिखे। बाद में उसने मुझे बताया कि उसने उन्हें बिना पढ़े ही फाड़ दिया था। एक दिन,

हममें से कुछ लोग इकट्ठा हुए और उसे मेरे बंगले में बैचलर पार्टी के लिए बुलाया। हमने उसे खूब शराब पिलाने की कोशिश की। हमने उसे खूब शराब पिलाई। फिर अचानक बाथरूम से एक ज़ोरदार आवाज़ आई। मास्टर्स ने मेरे रेज़र से अपनी कलाई काटने की कोशिश की थी। इससे हम सब हिल गए और मुझे इस पूरे मामले के बारे में गवर्नर से मिलने भेजा गया। गवर्नर को तो पता ही था, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें दखल नहीं देना पड़ेगा। अब सवाल यह था कि क्या मास्टर्स सेना में टिक पाएगा। उसका काम पूरी तरह बर्बाद हो चुका था। उसकी पत्नी एक सार्वजनिक बदनामी का कारण बन चुकी थी। वह पूरी तरह टूट चुका था। क्या हम उसके बिखरे हुए टुकड़ों को फिर से जोड़ पाएंगे?

गवर्नर एक नेक इंसान थे। एक बार जब उन पर कार्रवाई करने का दबाव बन गया, तो उन्होंने व्हाइटहॉल को भेजी जाने वाली उस लगभग तय रिपोर्ट को टालने का आखिरी प्रयास करने का ठान लिया, जो अंततः मास्टर्स की बची-खुची साख को भी खत्म कर देती। और किस्मत ने भी उनका साथ दिया। गवर्नर से मेरी मुलाकात के ठीक अगले दिन, औपनिवेशिक कार्यालय से एक संदेश आया कि वाशिंगटन में अपतटीय मछली पकड़ने के अधिकारों को तय करने के लिए एक बैठक होनी है, और बरमूडा और बहामास को भी अपनी सरकारों के प्रतिनिधि भेजने के लिए आमंत्रित किया गया है। गवर्नर ने मास्टर्स को बुलवाया, उनसे एक डच चाचा की तरह बात की, उन्हें बताया कि उन्हें वाशिंगटन भेजा जा रहा है, और बेहतर होगा कि वे अगले छह महीनों में अपने घरेलू मामलों को किसी न किसी तरह निपटा लें, और उन्हें रवाना कर दिया। मास्टर्स एक हफ्ते में रवाना हो गए और वाशिंगटन में पांच महीने तक मछली पकड़ने के बारे में बातें करते रहे, और हम सबने राहत की सांस ली और जब भी मौका मिलता, रोड्डा मास्टर्स से किनारा कर लेते थे।

गवर्नर ने बोलना बंद कर दिया और बड़े, जगमगाते ड्राइंग रूम में सन्नाटा छा गया। उन्होंने एक रुमाल निकाला और उससे अपना चेहरा पोंछा। पुरानी यादों ने उन्हें भावुक कर दिया था और उनका चेहरा लाल हो गया था, फिर भी उनकी आँखें चमक रही थीं। वे उठे और बॉन्ड के लिए व्हिस्की और सोडा का एक गिलास डाला, और एक गिलास अपने लिए भी।

बॉन्ड ने कहा: “क्या गड़बड़ है। मुझे लगता है कि ऐसा कुछ होना ही था, लेकिन मास्टर्स के लिए यह बदकिस्मती थी कि यह इतनी जल्दी हो गया। वह ज़रूर एक बेरहम औरत रही होगी। क्या उसने अपने किए पर पछतावा ज़ाहिर किया?”

राज्यपाल ने एक नई सिगार जला ली थी। उन्होंने जलती हुई सिगार की नोक को देखा और उस पर फूँक मारी। उन्होंने कहा:

“अरे नहीं। वह बहुत मज़े कर रही थी। शायद उसे पता था कि यह हमेशा के लिए नहीं रहेगा, लेकिन यही तो उसका सपना था - महिलाओं की पत्रिकाओं की पाठक यही सपना देखती हैं, और वह इस तरह की मानसिकता की एक आम मिसाल थी। उसके पास सब कुछ था - द्वीप पर सबसे बढ़िया मछली, ताड़ के पेड़ों के नीचे रेत पर प्यार, शहर और मध्य महासागर में मस्ती भरे पल, कार और स्पीडबोट में तेज़ ड्राइव - सब कुछ।” (यह सब ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया है, http://www.processtext.com/abclit.html)

सस्ते रोमांस के दिखावे। और सहारा के तौर पर, एक गुलाम जैसा पति जो हमेशा के लिए दूर रहता है, और एक घर जहाँ वह नहा सके, कपड़े बदल सके और थोड़ी नींद ले सके। और वह जानती थी कि वह फिलिप मास्टर्स को वापस पा सकती है। वह इतना दयनीय था। कोई मुश्किल नहीं होगी। और फिर वह सबके पास जाकर माफी मांग सकती थी, अपना आकर्षण फिर से दिखा सकती थी और सब उसे माफ कर देते। सब ठीक हो जाएगा।

अगर सब ठीक नहीं था, तो फिलिप मास्टर्स के अलावा दुनिया में और भी बहुत सारे मर्द थे - और वो भी ज़्यादा आकर्षक। अरे, गोल्फ क्लब में तो सारे मर्द ही देख लो! वो पल भर में किसी को भी चुन सकती थी। नहीं, ज़िंदगी अच्छी थी, और अगर कोई थोड़ी शरारत कर भी रही थी तो आखिर बहुत से लोग ऐसे ही तो करते हैं। देखो हॉलीवुड में फिल्म स्टार्स कैसे रहते हैं।

खैर, जल्द ही उसकी परीक्षा हुई। टैटर्सॉल उससे थोड़ा ऊब गया था और गवर्नर की पत्नी की वजह से टैटर्सॉल के माता-पिता खूब हंगामा कर रहे थे। इससे टैटर्सॉल को बिना ज्यादा हंगामा किए इस सब से निकलने का अच्छा बहाना मिल गया। और गर्मी का मौसम था और द्वीप खूबसूरत अमेरिकी लड़कियों से भरा हुआ था।

अब कुछ नए लोगों की ज़रूरत थी। इसलिए उसने रोडा मास्टर्स को छोड़ दिया। बस यूं ही। उसने उससे कहा कि उनका रिश्ता खत्म हो गया है। उसके माता-पिता ने ज़ोर दिया था, वरना वे उसका भत्ता बंद कर देंगे। फिलिप मास्टर्स के वाशिंगटन से लौटने में दो हफ्ते बाकी थे, और मैं कहूंगी कि उसने इसे अच्छे से स्वीकार कर लिया। वह मज़बूत थी और जानती थी कि कभी न कभी तो ऐसा होना ही था। उसने कुछ नहीं कहा। वैसे भी कहने को कोई था ही नहीं। वह बस गई और लेडी बरफोर्ड से माफी मांगी और कहा कि अब वह फिलिप मास्टर्स की अच्छी पत्नी बनेगी। उसने घर की सफाई शुरू की और सुलह के लिए सब कुछ ठीक-ठाक कर दिया। मिड-ओशन में उसके पुराने दोस्तों के रवैये से उसे इस सुलह की ज़रूरत का एहसास हो गया था। वह अचानक वहां बुरी खबर बन गई थी। आप जानते हैं कि ऐसी बातें कैसे हो सकती हैं, यहां तक कि उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के किसी कंट्री क्लब जैसी खुली जगह में भी। अब न केवल गवर्नमेंट हाउस के लोग बल्कि हैमिल्टन के व्यापारी गुट भी उससे नाराज़ थे।

वह अचानक एक बेकार, इस्तेमाल की हुई और फेंकी हुई चीज़ बन गई। उसने वही चुलबुली और नखरीली लड़की बनने की कोशिश की, लेकिन अब यह काम नहीं कर रहा था। उसे एक-दो बार बुरी तरह से ठुकराया गया और उसने जाना बंद कर दिया। अब उसके लिए एक सुरक्षित ठिकाना ढूंढना और धीरे-धीरे फिर से ऊपर उठना बेहद ज़रूरी था। वह घर पर ही रही और पूरी लगन से उस नाटक का बार-बार अभ्यास करने लगी जो वह करने वाली थी - आंसू बहाना, एयर होस्टेस की तरह दुलार करना, लंबे-लंबे, सच्चे बहाने और स्पष्टीकरण देना, और डबल बेड पर सोना।

और फिर फिलिप मास्टर्स घर लौट आए।

राज्यपाल रुका और बॉन्ड की ओर चिंतनशील दृष्टि से देखा। उसने कहा: "तुम विवाहित नहीं हो, लेकिन मुझे लगता है कि एक पुरुष और एक स्त्री के बीच सभी रिश्तों में यही बात लागू होती है। जब तक दोनों व्यक्तियों के बीच किसी प्रकार की बुनियादी मानवता मौजूद रहती है, तब तक ये रिश्ते किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकते हैं। जब सारी दयालुता समाप्त हो जाती है, जब एक व्यक्ति स्पष्ट रूप से और ईमानदारी से इस बात की परवाह नहीं करता कि दूसरा जीवित है

या मृत, तब यह रिश्ता व्यर्थ हो जाता है। अहंकार पर वह विशेष आहत - इससे भी बदतर, आत्मरक्षा की प्रवृत्ति पर आहत - कभी क्षमा नहीं की जा सकती। मैंने सैकड़ों विवाहों में यह देखा है। मैंने खुलेआम बेवफाई को सुलझाते हुए देखा है, मैंने अपराधों और यहाँ तक कि हत्या को भी दूसरे पक्ष द्वारा क्षमा करते हुए देखा है, दिवालियापन और अन्य सभी प्रकार के सामाजिक अपराधों की तो बात ही छोड़ दें। लाइलाज बीमारी, अंधापन, आपदा - इन सभी पर काबू पाया जा सकता है। लेकिन किसी एक साथी में सामान्य मानवता की मृत्यु कभी नहीं। मैंने इस बारे में सोचा है और मानवीय संबंधों के इस बुनियादी कारक के लिए मैंने एक भव्य नाम दिया है। मैंने इसे 'सांत्वना की मात्रा का नियम' कहा है।"

बॉन्ड ने कहा: "इसके लिए यह एक शानदार नाम है। यह वाकई बहुत प्रभावशाली है। और मैं आपकी बात समझ गया। मुझे कहना चाहिए कि आप बिल्कुल सही हैं। सांत्वना की मात्रा - आराम की मात्रा। हाँ, मुझे लगता है कि आप कह सकते हैं कि अंततः सभी प्रेम और मित्रता इसी पर आधारित होती है। मनुष्य बहुत असुरक्षित होते हैं।"

जब दूसरा व्यक्ति न केवल आपको असुरक्षित महसूस कराता है, बल्कि वास्तव में आपको नष्ट करना चाहता है, तो स्पष्ट रूप से यह अंत है। सांत्वना का स्तर शून्य हो जाता है। आपको खुद को बचाने के लिए दूर जाना होगा। क्या मास्टर्स ने यह देखा था?" गवर्नर ने प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। उन्होंने कहा: "रोडा मास्टर्स को तब ही चेतावनी मिल जानी चाहिए थी जब उनके पति बंगले के दरवाजे से अंदर आए थे। यह उतना महत्वपूर्ण नहीं था जितना उन्होंने सतह पर देखा - हालाँकि मूंछें गायब थीं और मास्टर्स के बाल एक बार फिर उनकी पहली मुलाकात की तरह बिखरे हुए थे - यह उनकी आँखें, मुँह और ठोड़ी की बनावट थी। रोडा मास्टर्स ने अपनी सबसे सादी पोशाक पहनी थी। उन्होंने अपना अधिकांश मेकअप हटा दिया था और खुद को एक ऐसी कुर्सी पर बैठाया था जहाँ से आने वाली रोशनी उन तक पहुँच रही थी। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

खिड़की से उसका चेहरा आधा छाया में था और उसकी गोद में रखी किताब के पन्ने रोशन हो रहे थे। उसने तय कर लिया था कि जब वह दरवाजे से अंदर आएगा, तो वह विनम्रता से, दबे स्वर में, अपनी किताब से नज़रें उठाकर उसके बोलने का इंतज़ार करेगी। फिर वह उठकर चुपचाप उसके पास आएगी और सिर झुकाकर उसके सामने खड़ी हो जाएगी। वह उसे सब कुछ बताएगी, आंसू बहाएगी, वह उसे अपनी बाहों में भर लेगा और वह बार-बार वादे करेगी। उसने इस दृश्य का कई बार अभ्यास किया था, जब तक कि वह संतुष्ट नहीं हो गई।

उसने अपनी किताब से नज़रें उठाकर देखा। मास्टर्स ने चुपचाप अपना सूटकेस नीचे रखा और धीरे-धीरे मेंटलपीस की ओर चलकर उसे घूरने लगा। उसकी आँखें ठंडी, भावहीन और उदासीन थीं। उसने अपनी जेब में हाथ डाला और एक कागज़ निकाला। उसने एक मकान एजेंट की तरह बेपरवाह लहजे में कहा: 'यह घर का नक्शा है। मैंने घर को दो हिस्सों में बाँट दिया है। आपके कमरे रसोईघर और आपका शयनकक्ष हैं। मेरे कमरे यह कमरा और अतिरिक्त शयनकक्ष हैं। जब मैं बाथरूम में न रहूँ, तब आप उसका इस्तेमाल कर सकती हैं।' वह झुका और कागज़ को उसकी किताब के खुले पन्नों पर रख दिया। 'मेरे कमरों में आपको कभी नहीं आना है, सिवाय तब जब हमारे घर में मेहमान हों।' रोडा मास्टर्स बोलने के लिए मुँह खोलने ही वाली थी कि...

उसने अपना हाथ ऊपर उठाया। "यह आखिरी बार है जब मैं तुमसे अकेले में बात कर रहा हूँ।

अगर तुम मुझसे बात करोगी, तो मैं जवाब नहीं दूँगा। अगर तुम मुझसे संपर्क करना चाहो, तो बाथरूम में एक नोट छोड़ सकती हो। मैं उम्मीद करता हूँ कि मेरा खाना समय पर तैयार करके डाइनिंग रूम में रख दिया जाएगा, जिसका इस्तेमाल तुम मेरे खाने के बाद कर सकती हो। मैं तुम्हें घर के खर्चों के लिए हर महीने बीस पाउंड दूँगा, और यह रकम हर महीने की पहली तारीख को मेरे वकीलों द्वारा तुम्हें भेजी जाएगी। मेरे वकील तलाक के कागजात तैयार कर रहे हैं। मैं तुम्हें तलाक दे रहा हूँ, और तुम इसका विरोध नहीं कर सकती क्योंकि तुम कर ही नहीं सकती। एक निजी जासूस ने तुम्हारे खिलाफ पूरे सबूत जुटा लिए हैं। यह कार्यवाही आज से एक साल बाद होगी, जब बरमूडा में मेरा समय पूरा हो जाएगा। इस बीच, सार्वजनिक रूप से हम एक सामान्य विवाहित जोड़े की तरह व्यवहार करेंगे।"

मास्टर्स ने अपने हाथ जेब में डाले और विनम्रता से उसकी ओर देखा। तब तक उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे। वह डरी हुई लग रही थी - मानो किसी ने उसे मारा हो। मास्टर्स ने उदासीनता से कहा: 'क्या आप कुछ और जानना चाहती हैं? यदि नहीं, तो बेहतर होगा कि आप अपना सामान यहाँ से समेटकर रसोई में चली जाएँ।' उसने अपनी घड़ी देखी। 'मैं हर शाम आठ बजे खाना चाहता हूँ। अभी साढ़े सात बज रहे हैं।'

गवर्नर थोड़ी देर रुके और अपनी व्हिस्की की एक घूंट ली। उन्होंने कहा: "मैंने यह सब मास्टर्स द्वारा बताई गई थोड़ी-सी बातों और लेडी बरफोर्ड को रोडा मास्टर्स द्वारा दी गई विस्तृत जानकारी से इकट्ठा किया है। जाहिर है, रोडा मास्टर्स ने उन्हें मनाने के लिए हर संभव कोशिश की - तर्क-वितर्क, विनती, हिस्टीरिया। लेकिन उन पर कोई असर नहीं हुआ। वह उन तक पहुंच ही नहीं पाईं। ऐसा लगा जैसे वह कहीं चले गए हों और इस असाधारण मुलाकात में अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए किसी और को घर भेज दिया हो। और अंत में उन्हें मानना ही पड़ा। उनके पास पैसे नहीं थे। इंग्लैंड जाने का किराया देना उनके लिए नामुमकिन था। बिस्तर और भोजन पाने के लिए उन्हें वही करना पड़ा जो उन्होंने उनसे कहा था। और ऐसा ही हुआ। एक साल तक वे इसी तरह रहे, सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के प्रति विनम्र, लेकिन अकेले में बिल्कुल चुप और अलग-थलग। बेशक, हम सभी इस बदलाव से हैरान थे। दोनों में से किसी ने भी इस व्यवस्था के बारे में किसी को नहीं बताया। उन्हें ऐसा करने में शर्म आती और मास्टर्स को भी ऐसा करने का कोई कारण नहीं था। वह हमें पहले से थोड़ा अधिक अंतर्मुखी लग रहे थे, लेकिन उनका काम उत्कृष्ट था और सभी ने राहत की सांस ली और इस बात पर सहमत हुए कि किसी चमत्कार से ही यह विवाह संभव हो पाया। बच गए। दोनों को इस बात से बहुत प्रशंसा मिली और सब कुछ माफ कर दिया गया और भुला दिया गया, जिसके बाद वे एक लोकप्रिय जोड़ी बन गए।

"एक साल बीत गया और मास्टर्स के जाने का समय आ गया। उन्होंने घोषणा की कि रोडा घर का काम-काज निपटाने के लिए वहीं रुकेंगी, और विदाई पार्टियों का रिवाज़ पूरा हुआ। हमें थोड़ा आश्चर्य हुआ कि वह उन्हें जहाज़ तक छोड़ने नहीं आईं, लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। बस, कुछ हफ़्तों बाद इंग्लैंड से तलाक के मामले की खबरें लीक होने लगीं। फिर रोडा मास्टर्स गवर्नमेंट हाउस पहुंचीं और लेडी बरफोर्ड के साथ एक लंबा इंटरव्यू दिया, और धीरे-धीरे पूरी कहानी, जिसमें उसका बेहद भयानक अगला अध्याय भी शामिल था, सामने आ गई।"

गवर्नर ने अपनी व्हिस्की का आखिरी घूंट पी लिया। गिलास को धीरे से नीचे रखते ही बर्फ से हल्की सी खड़खड़ाहट की आवाज़ आई। उन्होंने कहा: "जाहिर है, मास्टर्स के जाने से एक दिन

पहले उन्हें बाथरूम में अपनी पत्नी का एक नोट मिला था। उसमें लिखा था कि हमेशा के लिए जाने से पहले उन्हें उनसे आखिरी बार मिलना ही है। पहले भी इस तरह के नोट मिले थे और मास्टर्स हमेशा उन्हें फाड़कर उनके टुकड़े ऊपर वाली शेल्फ पर रख देते थे। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

बेसिन। इस बार उसने एक नोट लिखकर उसे उसी शाम छह बजे बैठक में मिलने का समय दिया। समय आने पर रोडा मास्टर्स रसोई से विनम्रतापूर्वक अंदर आई। उसने बहुत पहले ही भावुक होने या उसकी दया की भीख मांगने का प्रयास करना छोड़ दिया था। अब वह चुपचाप खड़ी रही और बोली कि उसके पास उस महीने के खर्च में से केवल दस पाउंड बचे हैं और दुनिया में कुछ भी नहीं। जब वह चला जाएगा तो वह बेसहारा हो जाएगी।

"'तुम्हारे पास वो गहने हैं जो मैंने तुम्हें दिए थे, और वो फर का लबादा भी।'"

"अगर मुझे इनके लिए पचास पाउंड भी मिल जाएं तो मैं खुद को भाग्यशाली समझूंगा।"

"'तुम्हें कुछ काम ढूंढना पड़ेगा।'"

"कुछ ढूंढने में समय लगेगा। मुझे कहीं तो रहना ही होगा। मुझे दो सप्ताह में घर छोड़ना होगा।"

क्या तुम मुझे कुछ भी नहीं दोगे? मैं भूखा मर जाऊंगा।

मास्टर्स ने उसे भावहीनता से देखा। "तुम सुंदर हो। तुम्हें कभी भूखा नहीं रहना पड़ेगा।"

"'फिलिप, तुम्हें मेरी मदद करनी ही होगी। करनी ही होगी। मुझे गवर्नमेंट हाउस में भीख मांगते देखना तुम्हारे करियर के लिए अच्छा नहीं होगा।'"

"घर में कुछ मामूली चीज़ों के अलावा उनका कुछ भी नहीं था। उन्होंने इसे फर्नीचर सहित लिया था। मालिक एक हफ़्ते पहले आया था और सामान की सूची पर सहमति दे दी थी। वहाँ केवल उनकी कार, एक मॉरिस जिसे मास्टर्स ने सेकंड हैंड खरीदा था, और एक रेडियोग्रामोफोन बचा था जिसे उन्होंने अपनी पत्नी को गोल्फ़ खेलने से पहले व्यस्त रखने के लिए अंतिम उपाय के रूप में खरीदा था।"

फिलिप मास्टर्स ने उसे आखिरी बार देखा। अब वह उसे फिर कभी नहीं देख पाएगा। उसने कहा: 'ठीक है। तुम कार और रेडियोग्राम रख लो। बस इतना ही। मुझे सामान पैक करना है। अलविदा।' और वह दरवाजे से बाहर निकलकर अपने कमरे में चला गया।

गवर्नर ने बॉन्ड की ओर देखा। "कम से कम एक आखिरी छोटा सा इशारा तो कर ही दीजिए। ठीक है?" गवर्नर ने गंभीर मुस्कान के साथ जवाब दिया। जब वह चला गया और रोडा मास्टर्स अकेली रह गई, तो उसने कार, अपनी सगाई की अंगूठी, कुछ गहने और लोमड़ी की खाल का दुपट्टा लिया और हैमिल्टन जाकर गिरवी रखने वालों के चक्कर लगाए। अंत में उसे गहनों के लिए चालीस पाउंड और खाल के टुकड़े के लिए सात पाउंड मिले। फिर वह कार डीलर के पास गई, जिसकी नेमप्लेट कार के डैशबोर्ड पर थी, और मैनेजर से मिलने के लिए कहा। जब उसने पूछा कि मॉरिस के लिए वह उसे कितने पैसे देगा, तो मैनेजर को लगा कि वह उससे मजाक कर रही

है। “लेकिन, महोदया, श्री मास्टर्स ने कार किश्तों पर खरीदी थी और वह किश्तों का भुगतान करने में बहुत पीछे हैं। उन्होंने आपको जरूर बताया होगा कि हमें एक हफ्ते पहले ही उन्हें इस बारे में वकील का पत्र भेजना पड़ा था। हमने सुना था कि वह जा रहे हैं। उन्होंने जवाब में लिखा था कि आप आवश्यक व्यवस्था करने के लिए आ रही हैं। मुझे देखने दीजिए” - उन्होंने एक फाइल उठाई और उसके पन्ने पलटे। “जी हां, कार पर ठीक दो सौ पाउंड बकाया हैं।”

“खैर, ज़ाहिर है, रोडा मास्टर्स फूट-फूट कर रोने लगीं और आखिरकार मैनेजर कार वापस लेने के लिए राज़ी हो गया, हालाँकि तब तक उसकी कीमत दो सौ पाउंड से भी कम हो चुकी थी। लेकिन उसने ज़ोर देकर कहा कि वह कार वहीं, उसी वक्त, पेट्रोल से भरी हुई, उसके पास छोड़ दे। रोडा मास्टर्स ने यह बात मान ली और मुक़दमा न होने पर शुक्रगुज़ार हुईं। वह गैराज से बाहर निकलीं और गर्म सड़क पर चल पड़ीं। उन्हें पहले से ही पता था कि रेडियो की दुकान पर पहुँचकर उन्हें क्या मिलेगा। और उनका अंदाज़ा सही निकला। वही कहानी दोहराई गई, बस इस बार उन्हें रेडियोग्राम वापस लेने के लिए उस आदमी को मनाने के लिए दस पाउंड देने पड़े। उन्हें बंगले से पैदल दूरी तक लिफ्ट मिली और वह बिस्तर पर गिर पड़ीं और पूरे दिन रोती रहीं। वह पहले ही बहुत दुखी थीं। अब फिलिप मास्टर्स ने उन्हें तब और चोट पहुँचाई जब वह पहले से ही गिरी हुई थीं।”

राज्यपाल कुछ देर रुके। “सचमुच, यह बहुत ही असाधारण है। मास्टर्स जैसा दयालु, संवेदनशील व्यक्ति, भला कौन ऐसा नहीं करेगा?” (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

सामान्यतः तो इससे एक मक्खी को भी चोट पहुँचती है। और यहाँ वह मेरे पूरे अनुभव में सबसे क्रूर कृत्यों में से एक कर रहा था। यह मेरे नियम का ही क्रियान्वयन था।” गवर्नर ने हल्की सी मुस्कान के साथ कहा, “उसके पाप चाहे जो भी हों, अगर उसने उसे थोड़ी सी भी सांत्वना दी होती तो वह उसके साथ ऐसा व्यवहार कभी नहीं करता। असल में, उसने उसके भीतर एक पाशविक क्रूरता जगा दी थी - एक ऐसी क्रूरता जो शायद हम सभी के भीतर गहराई से छिपी होती है और जिसे केवल हमारे अस्तित्व पर खतरा ही सतह पर ला सकता है। मास्टर्स उस लड़की को पीड़ा देना चाहता था, उतनी नहीं जितनी उसने खुद झेली थी क्योंकि यह असंभव था, लेकिन जितनी वह संभव कर सकता था। और मोटर कार और रेडियोग्रामोफोन के साथ वह झूठा इशारा एक शातिर चालाकी भरा विलंबित कार्य था ताकि उसे याद दिलाया जा सके, यहाँ तक कि उसके चले जाने के बाद भी, कि वह उससे कितनी नफरत करता है, वह उसे कितना दुख पहुँचाना चाहता है।”

बॉन्ड ने कहा: “यह एक बेहद दर्दनाक अनुभव रहा होगा। यह देखकर आश्चर्य होता है कि लोग एक-दूसरे को कितना दुख पहुंचा सकते हैं। मुझे उस लड़की के लिए बहुत दुख हो रहा है। आखिर उसके साथ क्या हुआ - और उसके साथ भी, क्या हुआ?”

गवर्नर उठे और अपनी घड़ी देखी। “हे भगवान, लगभग आधी रात हो गई है। और मैं भी आप लोगों की तरह ही कर्मचारियों को जगाए रखा है,” वे मुस्कुराए। वे चिमनी के पास गए और घंटी बजाई। एक नीग्रो बटलर प्रकट हुआ। गवर्नर ने उसे जगाए रखने के लिए माफी मांगी और उसे ताला लगाने और बत्ती बंद करने को कहा। बॉन्ड खड़ा हो गया। गवर्नर उसकी ओर मुड़े। “चलो, मैं तुम्हें बाकी की कहानी बताता हूँ। मैं तुम्हारे साथ बगीचे में चलूँगा और देखूँगा कि संतरी तुम्हें

बाहर जाने दे।"

वे धीरे-धीरे लंबे कमरों से गुज़रे और चौड़ी सीढ़ियों से उतरकर बगीचे में पहुँचे। वह एक खूबसूरत रात थी, जब पतले ऊँचे बादलों के बीच से पूर्णिमा का चाँद तेज़ी से उनके सिर के ऊपर चमक रहा था।

गवर्नर ने कहा: "मास्टर्स ने सेवा में अपना करियर जारी रखा, लेकिन किसी तरह वह अपनी अच्छी शुरुआत के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाए। बरमूडा की घटना के बाद, मानो उनका व्यक्तित्व बिगड़ गया। उस अनुभव ने उनके भीतर का एक हिस्सा नष्ट कर दिया था। वह अंदर से पूरी तरह टूट चुके थे। इसमें ज़्यादातर उनकी पत्नी की गलती थी, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने उनके साथ जो किया, वह उनके मन में बसा रहा और शायद उन्हें सताता रहा। वह अपने काम में तो कुशल थे, लेकिन किसी तरह उन्होंने मानवीय भावना खो दी थी और धीरे-धीरे उनका व्यक्तित्व मुरझा गया। ज़ाहिर है, उन्होंने दोबारा शादी नहीं की और अंत में उन्हें मूंगफली योजना में लगा दिया गया। जब वह योजना भी विफल रही, तो वे सेवानिवृत्त होकर नाइजीरिया चले गए - उन लोगों के पास वापस, जिन्होंने दुनिया में उनके प्रति दया दिखाई थी - जहाँ से सब कुछ शुरू हुआ था। यह वाकई दुखद है, जब मुझे याद आता है कि जब हम जवान थे तब वह कैसे थे।"

और वो लड़की?

"ओह, उसका समय बहुत बुरा बीता। हमने उसके लिए चंदा इकट्ठा किया और उसने कई छोटी-मोटी नौकरियाँ कीं जो लगभग दान के समान थीं। उसने एयर होस्टेस बनने की कोशिश की, लेकिन इंपीरियल एयरवेज के साथ अनुबंध तोड़ने के कारण वह इस पद के लिए दावेदार नहीं रही। उन दिनों इतनी एयरलाइनें नहीं थीं और जो कुछ एयर होस्टेस की नौकरियाँ उपलब्ध थीं, उनके लिए आवेदकों की कोई कमी नहीं थी। उसी साल बाद में बरफोर्ड परिवार का तबादला जमैका हो गया और इससे उसका मुख्य सहारा छिन गया।"

जैसा मैंने कहा। लेडी बरफोर्ड के मन में उसके लिए हमेशा से एक खास जगह थी। रोडा मास्टर्स लगभग कंगाल थी।

वह अब भी खूबसूरत थी और कई पुरुषों ने कुछ समय के लिए उसके साथ संबंध बनाए थे; लेकिन बरमूडा जैसी छोटी जगह में आप ज्यादा समय तक एक के बाद एक संबंध नहीं बना सकते, और वह वेश्या बनने और पुलिस के चक्कर में पड़ने के कगार पर थी, तभी ईश्वर की कृपा फिर से हुई और उसने फैसला किया कि उसे काफी सजा मिल चुकी है। लेडी बरफोर्ड का एक पत्र आया जिसमें जमैका जाने का किराया था और लिखा था कि उन्होंने किंग्स्टन के बेहतरीन होटलों में से एक, ब्लू हिल्स होटल में रिसेप्शनिस्ट की नौकरी दिलवा दी है। तो वह चली गई, और मुझे लगता है - तब तक मेरा तबादला रोडेशिया हो चुका था - कि बरमूडा ने उसे जाते हुए देखकर बहुत राहत महसूस की होगी।

गवर्नर और बॉन्ड गवर्नमेंट हाउस के मैदान के चौड़े प्रवेश द्वार पर आ चुके थे।

उनके परे, चाँदनी में सफेद, काले और गुलाबी रंगों से जगमगाता हुआ, संकरी गलियों और सुंदर तख्तों से बने घरों का समूह दिखाई दे रहा था, जिनके छज्जे और बालकनियाँ नासाऊ की पहचान

हैं। एक ज़ोरदार खड़खड़ाहट के साथ संतरी सावधान की मुद्रा में आया और उसने सलामी दी। गवर्नर ने हाथ उठाया: "ठीक है। आराम से खड़े हो जाओ।" घड़ी की कल से चलने वाला संतरी फिर से थोड़ी देर के लिए चालू हुआ और सन्नाटा छा गया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

राज्यपाल ने कहा: “और कहानी यहीं खत्म होती है, सिवाय भाग्य के एक आखिरी विचित्र मोड़ के। एक दिन एक कनाडाई करोड़पति ब्लू हिल्स होटल में आया और सर्दियों भर वहीं रुका। समय बीतने पर वह रोडा मास्टर्स को कनाडा वापस ले गया और उससे शादी कर ली। तब से वह सुखमय जीवन जी रही है।”

हे भगवान! यह तो किस्मत का ही साथ था। वह इसके लायक बिल्कुल नहीं था।

“मुझे नहीं लगता। कुछ कहा नहीं जा सकता। ज़िंदगी बड़ी पेचीदा है। शायद, मास्टर्स को पहुँचाए गए सारे नुकसान के लिए, किस्मत ने तय किया कि उसे काफ़ी हिसाब चुका दिया गया है। शायद मास्टर्स के माता-पिता ही असली दोषी थे। उन्होंने ही मास्टर्स को दुर्घटनाओं का शिकार बनाया था। आख़िरकार, वह उस भावनात्मक उथल-पुथल में फँस गया जो उसके लिए स्वाभाविक थी और जिसके लिए उन्होंने उसे तैयार किया था। किस्मत ने रोडा को अपना हथियार बनाया था। अब किस्मत ने उसे उसकी सेवाओं का प्रतिफल दिया। इन बातों का अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। खैर, उसने अपने कनाडाई साथी को बहुत खुश कर दिया। मुझे लगा कि आज रात वे दोनों खुश थे।”

बॉन्ड हँस पड़ा। अचानक उसके अपने जीवन का हिंसक नाटकीय घटनाक्रम उसे खोखला लगने लगा। कास्त्रो विद्रोहियों का मामला और जली हुई नौकाएँ किसी सस्ते अखबार की कॉमिक स्ट्रिप जैसी लग रही थीं। वह एक नीरस डिनर पार्टी में एक नीरस महिला के बगल में बैठा था और एक आकस्मिक टिप्पणी ने उसके लिए वास्तविक हिंसा की दुनिया खोल दी - उस 'कॉमेडी ह्यूमेन' की दुनिया, जहाँ मानवीय भावनाएँ कच्ची और वास्तविक होती हैं, जहाँ भाग्य सरकारों द्वारा रची गई किसी भी गुप्त साजिश से कहीं अधिक प्रामाणिक खेल खेलता है।

बॉन्ड ने गवर्नर की ओर मुँह करके हाथ बढ़ाया। उन्होंने कहा, “कहानी के लिए धन्यवाद। और मैं आपसे माफी मांगता हूँ। मुझे श्रीमती हार्वे मिलर बहुत उबाऊ लगीं। आपकी वजह से मैं उन्हें कभी नहीं भूलूंगा। मुझे लोगों पर अधिक ध्यान देना चाहिए। आपने मुझे एक सबक सिखाया है।”

उन्होंने हाथ मिलाया। गवर्नर मुस्कुराए। “मुझे खुशी है कि आपको कहानी में दिलचस्पी हुई। मुझे डर था कि आप बोर हो जाएंगे। आपका जीवन बहुत रोमांचक है। सच कहूं तो, मुझे समझ नहीं आ रहा था कि रात के खाने के बाद हम किस बारे में बात करें। औपनिवेशिक सेवा में जीवन बहुत नीरस होता है।”

उन्होंने शुभ रात्रि कहा। बॉन्ड शांत सड़क पर बंदरगाह और ब्रिटिश कॉलोनियल होटल की ओर चल पड़ा। वह सुबह मियामी में तटरक्षक बल और एफबीआई के साथ होने वाली अपनी बैठक के बारे में सोचने लगा। यह संभावना, जिसमें पहले उसकी रुचि थी, बल्कि उत्साह भी था, अब

नीरसता और निरर्थकता से भरी हुई थी।

जोखिम

“इस पिजनिस में बहुत जोखिम है।”

घनी भूरी मूंछों के बीच से शब्द धीमी आवाज़ में निकले। कठोर काली आँखें धीरे-धीरे बॉन्ड के चेहरे पर घूमीं और फिर बॉन्ड के हाथों पर टिक गईं, जो बड़ी सावधानी से एक माचिस की तीली को फाड़ रहे थे जिस पर 'अल्बेर्गो कोलंबो, डी'ओरो' लिखा था।

जेम्स बॉन्ड को जांच का एहसास हुआ। दो घंटे पहले एक्सेल्सियर बार में तय मुलाकात के दौरान उस आदमी से मिलने के बाद से ही उसकी छुप-छुप कर जांच चल रही थी। बॉन्ड को बताया गया था कि वह घनी मूंछों वाले एक आदमी को ढूंढे जो अकेले बैठकर एलेक्जेंड्रा पी रहा होगा। बॉन्ड को इस गुप्त पहचान के संकेत से हंसी आ रही थी। मलाईदार, स्त्री जैसा पेय, फोल्डेड ड्रिंक से कहीं ज्यादा चालाक था।

अखबार, बटनहोल में लगा फूल, पीले दस्ताने जो एजेंटों के बीच पुराने, बेढंगे कॉल-साइन थे। इसकी एक और बड़ी खूबी यह थी कि यह अपने मालिक के बिना भी अकेले काम कर सकता था। और क्रिस्टैटोस ने एक छोटे से परीक्षण से शुरुआत की। जब बॉन्ड बार में आया और चारों ओर देखा, तो कमरे में शायद बीस लोग थे। उनमें से किसी की भी मूंछें नहीं थीं। लेकिन उस ऊंचे, शांत कमरे के एक कोने में, जैतून और काजू से भरी एक-एक प्लेट के बगल में रखी मेज पर, क्रीम और वोदका का एक लंबा गिलास रखा था। बॉन्ड सीधे मेज के पास गया, एक कुर्सी खींची और बैठ गया।

वेटर आया। “शुभ संध्या महोदय। श्री क्रिस्टैटोस फोन पर हैं।”

बॉन्ड ने सिर हिलाया। "एक नेग्रोनी। गॉर्डन के साथ, कृपया।"

वेटर वापस बार की ओर चला गया। “नेग्रोनी। ऊनो। गॉर्डन्स।”

“मुझे बहुत अफ़सोस है।” उस बड़े, बालों वाले हाथ ने छोटी सी कुर्सी को ऐसे उठाया जैसे वह माचिस की डिब्बी जितनी हल्की हो और उसे अपने भारी कूल्हों के नीचे सरका दिया। “मुझे अल्फ्रेडो से बात करनी थी।”

हाथ नहीं मिलाया गया था। ये पुराने परिचित थे। शायद एक ही पेशे में काम करते थे।

आयात-निर्यात जैसा कुछ। छोटा वाला अमेरिकी लग रहा था। नहीं। उन कपड़ों के साथ तो नहीं।

अंग्रेज़ी।

बॉन्ड ने तेज़ सर्व का जवाब दिया। "उसका छोटा बेटा कैसा है?"

सिग्नोर क्रिस्टैटोस की काली आँखें सिकुड़ गईं। हाँ, उन्होंने कहा था कि यह आदमी एक पेशेवर है। उन्होंने अपने हाथ फैलाए। "लगभग वैसा ही। आप क्या उम्मीद कर सकते हैं?"

पोलियो एक भयानक बीमारी है।

नेग्रोनी आ गई। दोनों आदमी आराम से बैठ गए, दोनों को इस बात की तसल्ली थी कि उन्हें अपने बराबर के आदमी से मिलने का मौका मिला है। 'द गेम' में ऐसा कम ही होता था। कई बार तो इस तरह के किसी संयुक्त मिशन पर जाने से पहले ही नतीजे को लेकर भरोसा खत्म हो जाता था। बॉन्ड की कल्पना में तो अक्सर ऐसी मुलाकातों में हल्की सी जलने की गंध आती थी। वह जानता था कि यह इस बात का संकेत है कि उसकी आड़ में आग लगनी शुरू हो गई है। कुछ देर बाद सुलगता हुआ कपड़ा आग की लपटों में बदल जाएगा और वह जलकर राख हो जाएगा। फिर खेल खत्म हो जाएगा और उसे तय करना होगा कि पीछे हट जाए या इंतजार करे और किसी की गोली खा ले। लेकिन इस मुलाकात में कोई झिझक नहीं थी।

उसी शाम, पियाज़ा डि स्पेन के पास स्थित कोलम्बा डी'ओरो नामक छोटे से रेस्तरां में, बॉन्ड यह देखकर हैरान रह गया कि वह अभी भी निगरानी में है। क्रिस्टैटोस अभी भी उस पर नज़र रख रहा था और सोच रहा था कि क्या उस पर भरोसा किया जा सकता है। जोखिम भरे कारोबार के बारे में यह टिप्पणी क्रिस्टैटोस की ओर से अब तक की सबसे करीबी स्वीकारोक्ति थी कि उन दोनों के बीच कोई व्यापारिक संबंध है। बॉन्ड को हौसला मिला। उसने वास्तव में क्रिस्टैटोस पर भरोसा नहीं किया था। लेकिन निश्चित रूप से ये सभी सावधानियां केवल यही संकेत दे सकती थीं कि एम का अनुमान सही निकला - कि क्रिस्टैटोस को कुछ बड़ा पता है।

बॉन्ड ने माचिस की आखिरी तीली ऐशट्रे में गिरा दी। उसने धीरे से कहा, “मुझे सिखाया गया था कि कोई भी व्यवसाय जो दस प्रतिशत से अधिक भुगतान करता है या रात नौ बजे के बाद किया जाता है, वह जोखिम भरा व्यवसाय है। जिस व्यवसाय ने हमें एक साथ लाया है, वह एक हजार प्रतिशत तक भुगतान करता है और लगभग पूरी तरह से रात में ही किया जाता है। दोनों ही मामलों में यह स्पष्ट रूप से जोखिम भरा व्यवसाय है।” बॉन्ड ने अपनी आवाज़ धीमी कर ली।

"धन उपलब्ध है। डॉलर, स्विस फ्रैंक, वेनेजुएला बोलिवर - जो भी सुविधाजनक हो।"

“यह जानकर मुझे खुशी हुई। मेरे पास पहले से ही बहुत सारे लीरा हैं।” सिग्नोर क्रिस्टैटोस ने मेनू का पन्ना उठाया। “लेकिन चलिए कुछ खा लेते हैं। खाली पेट किसी महत्वपूर्ण भोजन का निर्णय नहीं लेना चाहिए।”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

एक सप्ताह पहले एम ने बॉन्ड को बुलवाया था। एम का मिजाज खराब था। "क्या कोई खबर है, बॉन्ड?"

“सिर्फ कागजी कार्रवाई है, महोदय।”

“तुम्हारा मतलब क्या है, सिर्फ कागजी काम?” एम ने अपना पाइप भरकर अपने इन-ट्रे की ओर झटकाते हुए कहा। “किसके पास कागजी काम नहीं होता?”

"मेरा मतलब किसी सक्रिय गतिविधि से नहीं था, महोदय।"

“ठीक है, कहो।” एम ने टेप से बंधी गहरे लाल रंग की फाइलों का एक बंडल उठाया और उन्हें इतनी तेज़ी से डेस्क पर सरकाया कि बॉन्ड को उन्हें पकड़ना पड़ा। “और ये कुछ और कागज़ात हैं। ज़्यादातर स्कॉटलैंड यार्ड के हैं - उनके नारकोटिक्स विभाग के। गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के ढेर सारे दस्तावेज़, और जिनेवा में अंतर्राष्ट्रीय अफीम नियंत्रण विभाग की कुछ मोटी-मोटी रिपोर्टें। इन्हें ले जाओ और पढ़ लो। आज का दिन और आज रात का ज़्यादातर समय तुम्हारे काम आएगा। कल तुम रोम के लिए उड़ान भरोगे और बड़े अपराधियों को पकड़ोगे। समझ आया?”

बॉन्ड ने कहा कि ऐसा ही था। एम के स्वभाव के बारे में भी बताया गया। उन्हें सबसे ज़्यादा गुस्सा तब आता था जब उन्हें अपने कर्मचारियों को उनके प्राथमिक कर्तव्य से हटाना पड़ता था। उनका कर्तव्य जासूसी था, और ज़रूरत पड़ने पर तोड़फोड़ और विध्वंस भी। इसके अलावा कुछ भी करना सेवा और गुप्त निधियों का दुरुपयोग था, जो कि, भगवान जाने, बहुत ही कम थीं।

“कोई सवाल?” एम का जबड़ा किसी जहाज के अगले हिस्से की तरह बाहर निकला हुआ था। मानो उसका जबड़ा बॉन्ड को यह कह रहा हो कि फाइलें उठाओ और ऑफिस से निकल जाओ, ताकि एम किसी ज़रूरी काम पर ध्यान दे सके।

बॉन्ड जानता था कि इस सब का एक हिस्सा - भले ही छोटा सा हिस्सा - एक नाटक था। एम के मन में कुछ खास शंकाएं थीं।

वे सेना में मशहूर थे, और एम यह बात अच्छी तरह जानता था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि वह उन्हें चुप रहने देता। सेना के दुरुपयोग और मनगढ़ंत जानकारी से अलग सच्ची जानकारी की खोज जैसी कुछ कट्टर प्रवृत्तियाँ थीं, और कुछ कर्मठ प्रवृत्तियाँ थीं। इनमें दाढ़ी वाले या दो भाषाएँ जानने वाले लोगों को नौकरी पर न रखना, कैबिनेट सदस्यों से पारिवारिक संबंधों के ज़रिए उन पर दबाव डालने की कोशिश करने वालों को तुरंत बर्खास्त कर देना, बहुत सजे-धजे पुरुषों या महिलाओं पर अविश्वास करना, और ड्यूटी के बाहर उन्हें 'सर' कहकर पुकारने वालों पर अविश्वास करना, और स्कॉटिश लोगों पर ज़रूरत से ज़्यादा भरोसा करना जैसी कुछ खास आदतें शामिल थीं। लेकिन विडंबना यह थी कि एम अपनी इन सनक के प्रति सचेत था, ठीक वैसे ही जैसे बॉन्ड, चर्चिल या मोंटगोमरी अपनी सनक के प्रति सचेत थे। उसे कभी इस बात से कोई आपत्ति नहीं थी कि उसका दिखावा, जो आंशिक रूप से दिखावा ही था, पकड़ा जाए।

इसके अलावा, वह बॉन्ड को उचित जानकारी दिए बिना किसी भी कार्य पर भेजने के बारे में कभी सोच भी नहीं सकता था।

बॉन्ड को यह सब पता था। उसने नरमी से कहा: "दो बातें, महोदय। हम इस मामले को क्यों उठा रहे हैं, और स्टेशन I के पास इसमें शामिल लोगों के बारे में कोई सुराग है या नहीं?"

एम ने बॉन्ड को गुस्से भरी नज़रों से देखा। उसने अपनी कुर्सी को एक तरफ घुमाया ताकि वह चौड़ी खिड़की से अक्टूबर के ऊंचे, तेज़ी से भागते बादलों को देख सके। उसने अपना पाइप उठाया, ज़ोर से फूंका, और फिर, मानो इस क्रिया से अंदर का थोड़ा सा धुआं निकल गया हो, उसे धीरे से मेज पर वापस रख दिया।

जब उन्होंने बात की, तो उनकी आवाज़ में धैर्य और समझदारी थी। “जैसा कि आप समझ सकते हैं, 007, मैं नहीं चाहता कि हमारी सेवा इस ड्रग्स के धंधे में शामिल हो। इस साल की शुरुआत में मुझे आपको दो हफ़्ते के लिए अन्य कर्तव्यों से हटाना पड़ा ताकि आप मेक्सिको जाकर उस मैक्सिकन ड्रग उत्पादक का पीछा कर सकें। आप बाल-बाल बचे। मैंने आपको स्पेशल ब्रांच के लिए एक एहसान के तौर पर भेजा था। जब उन्होंने आपसे इस इतालवी गिरोह से निपटने के लिए दोबारा कहा, तो मैंने मना कर दिया। रॉनी वैलेंस मेरी पीठ पीछे गृह मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय गए। मंत्रियों ने मुझ पर दबाव डाला। मैंने कहा कि आपकी यहाँ ज़रूरत है और मेरे पास कोई और नहीं है जिसे मैं भेज सकूँ। फिर दोनों मंत्री प्रधानमंत्री के पास गए।” एम थोड़ी देर रुके। “और बस बात वहीं खत्म हो गई। मुझे कहना होगा कि प्रधानमंत्री बहुत समझाने वाले थे।”

यह तर्क दिया गया कि हेरोइन, जिस मात्रा में आ रही है, वह मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न का एक साधन है। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा उत्पन्न, http://www.processtext.com/abclit.html)

युद्ध - यह किसी देश की ताकत को कमजोर कर देता है। उन्होंने कहा कि अगर यह पता चले कि यह सिर्फ कुछ इटालियन लोगों का गिरोह नहीं है जो बड़ा पैसा कमाना चाहते हैं, बल्कि इसके पीछे पैसा नहीं बल्कि तोड़फोड़ की साजिश है, तो उन्हें हैरानी नहीं होगी। एम ने कड़वी मुस्कान के साथ कहा, "मुझे लगता है कि रॉनी वैलेंस ने यह तर्क गढ़ा है। जाहिर है, उनके नशीले पदार्थों के विभाग को इस तस्करी से निपटने में बहुत मुश्किल हो रही है - वे इसे किशोरों पर हावी होने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं, जैसा कि अमेरिका में हो रहा है। लगता है कि डांस हॉल और मनोरंजन आर्केड विक्रेताओं से भरे पड़े हैं। वैलेंस की घोस्ट स्क्वाड ने एक बिचौलिए तक पहुंचने में कामयाबी हासिल कर ली है, और इसमें कोई शक नहीं है कि यह सब इटली से आ रहा है, इतालवी पर्यटकों की कारों में छिपाकर। वैलेंस ने इतालवी पुलिस और इंटरपोल के जरिए जो कुछ कर सकता था, किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। वे पाइपलाइन में काफी अंदर तक जाते हैं, कुछ छोटे-मोटे लोगों को गिरफ्तार करते हैं, और फिर, जब वे केंद्र के करीब पहुंचते दिखते हैं, तो उन्हें कोई सुराग नहीं मिलता। वितरकों का अंदरूनी गिरोह या तो बहुत डरा हुआ है या बहुत ज्यादा पैसे ले रहा है।"

बॉन्ड ने बात काटते हुए कहा, "शायद कहीं सुरक्षा का इंतजाम हो, महोदय। मोंटेसी का मामला कुछ खास अच्छा नहीं लग रहा था।"

एम ने अधीरता से कंधे उचकाए। "शायद, शायद। और आपको उस पर भी ध्यान देना होगा, लेकिन मेरा मानना है कि मोंटेसी मामले के परिणामस्वरूप काफी व्यापक सफाई अभियान चलाया गया था। खैर, जब प्रधानमंत्री ने मुझे इस पर काम शुरू करने का आदेश दिया, तो मुझे वाशिंगटन से बात करने का ख्याल आया। सीआईए ने बहुत मदद की। आपको पता है कि नारकोटिक्स ब्यूरो की एक टीम इटली में है। युद्ध के समय से ही। उनका सीआईए से कोई लेना-देना नहीं है।"

और वो भी अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा संचालित। अमेरिकी वित्त विभाग एक तथाकथित गुप्त सेवा को नियंत्रित करता है जो मादक पदार्थों की तस्करी और नकली मुद्रा के कारोबार पर नज़र रखती है। वाकई अजीब व्यवस्था है। अक्सर सोचता हूँ कि एफबीआई इसके बारे में क्या सोचती होगी। खैर,” एम ने धीरे से अपनी कुर्सी खिड़की से दूर घुमा ली।

उसने अपने हाथ सिर के पीछे बांध लिए और पीछे झुककर डेस्क के उस पार बॉन्ड की ओर देखने लगा। “बात यह है कि सीआईए का रोम स्टेशन इस छोटी सी नारकोटिक्स टीम के साथ काफी करीब से काम करता है। उन्हें ऐसा करना ही पड़ता है, ताकि आपसी तालमेल न बैठे और इसी तरह की अन्य समस्याएं न हों। और सीआईए - दरअसल, खुद एलन डुलेस ने - मुझे ब्यूरो द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले शीर्ष नारकोटिक्स एजेंट का नाम बताया। जाहिर है, वह एक हमशक्ल है। कवर के तौर पर थोड़ी-बहुत तस्करी करता है। उसका नाम क्रिस्टैटोस है। डुलेस ने कहा कि बेशक वह अपने लोगों को किसी भी तरह से शामिल नहीं कर सकता और उसे पूरा यकीन था कि ट्रेजरी डिपार्टमेंट को यह पसंद नहीं आएगा कि उनका रोम ब्यूरो हमारे साथ इतनी करीबी से काम करे। लेकिन उसने कहा कि अगर मैं चाहूँ तो वह क्रिस्टैटोस को बता देगा कि हमारा एक, मतलब, सबसे अच्छा आदमी उससे व्यापार के लिए संपर्क करना चाहता है। मैंने कहा कि मुझे इसकी बहुत सराहना होगी, और कल मुझे खबर मिली कि मुलाकात परसों तय हो गई है।” एम ने बॉन्ड के सामने रखी फाइलों की ओर इशारा किया।

आपको सारी जानकारी वहीं मिल जाएगी।

कमरे में कुछ देर सन्नाटा छा गया। बॉन्ड सोच रहा था कि यह सारा मामला अप्रिय, शायद खतरनाक और निश्चित रूप से घिनौना लग रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बॉन्ड खड़ा हुआ और फाइलें उठाईं। "ठीक है महोदय। लगता है पैसा मिल गया। यातायात रोकने के लिए हमें कितना भुगतान करना होगा?"

एम ने अपनी कुर्सी आगे की ओर झुका दी। उसने अपने हाथ मेज पर अगल-बगल सपाट रख दिए। उसने रूखेपन से कहा: “एक लाख पाउंड। किसी भी मुद्रा में। यह प्रधानमंत्री का आंकड़ा है। लेकिन मैं नहीं चाहता कि आपको चोट लगे।”

दूसरों की मुसीबतों को सुलझाने की कोशिश तो बिलकुल नहीं करनी चाहिए। अगर कोई बड़ी मुसीबत आ जाए तो एक लाख तक का नुकसान हो सकता है। ड्रग्स का धंधा सबसे बड़ा और संगठित अपराध गिरोह है।” एम ने अपनी इन-बास्केट में हाथ डाला और संकेतों की एक फाइल निकाली। बिना ऊपर देखे उसने कहा: “अपना ख्याल रखना।”

सिग्नोर क्रिस्टैटोस ने मेनू उठाया। उन्होंने कहा: “मैं सीधे-सीधे बात करता हूँ, मिस्टर बॉन्ड। कितना लगेगा?”

"सौ प्रतिशत परिणाम के लिए पचास हजार पाउंड।"

क्रिस्टैटोस ने उदासीनता से कहा: “हाँ। ये महत्वपूर्ण धनराशि हैं। मैं प्रोसियुट्टो हैम के साथ खरबूजा और चॉकलेट आइसक्रीम खाऊँगा। मैं रात में ज्यादा नहीं खाता। इन लोगों के पास अपनी खुद की चियांटी वाइन है। मैं इसकी सराहना करता हूँ।”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

वेटर आया और इतालवी भाषा में तेज़ी से बातचीत शुरू हो गई। बॉन्ड ने टैगलीटेली वर्डी के साथ जेनोइज़ सॉस का ऑर्डर दिया, जिसके बारे में क्रिस्टैटोस ने कहा कि यह तुलसी, लहसुन और

देवदार के शंकुओं से बना एक अविश्वसनीय व्यंजन है।

वेटर के जाने के बाद, क्रिस्टैटोस चुपचाप लकड़ी की टूथपिक चबाता रहा। उसका चेहरा धीरे-धीरे उदास और गंभीर होता गया, मानो उसे किसी बुरे मौसम की याद आ गई हो। उसकी काली, कठोर आँखें, जो बॉन्ड को छोड़कर रेस्टोरेंट में हर चीज़ पर बेचैनी से टिकी हुई थीं, चमक उठीं। बॉन्ड समझ गया कि क्रिस्टैटोस सोच रहा है कि किसी को धोखा दे या नहीं। बॉन्ड ने उसे हिम्मत देते हुए कहा: "कुछ परिस्थितियों में, शायद और भी कुछ हो सकता है।"

क्रिस्टैटोस ने मानो मन बना लिया था। उसने कहा, "तो?" उसने अपनी कुर्सी पीछे धकेली और उठ खड़ा हुआ। "माफ़ कीजिएगा। मुझे शौचालय जाना है।" वह मुड़ा और तेज़ी से रेस्तरां के पिछले हिस्से की ओर चल पड़ा।

बॉन्ड को अचानक भूख और प्यास लगने लगी। उसने एक बड़ा गिलास चियांटी वाइन निकाला और उसका आधा हिस्सा पी गया।

उसने एक ब्रेड तोड़ी और खाने लगा, हर निवाले पर गहरे पीले रंग का मक्खन लगाकर। वह सोच रहा था कि ब्रेड और मक्खन सिर्फ फ्रांस और इटली में ही इतने स्वादिष्ट क्यों होते हैं। उसके दिमाग में और कुछ नहीं था। बस इंतज़ार करना था। उसे क्रिस्टैटोस पर पूरा भरोसा था। वह एक बड़ा, मजबूत आदमी था जिस पर अमेरिकी भरोसा करते थे। शायद वह कोई निर्णायक फोन कॉल कर रहा होगा। बॉन्ड का मूड अच्छा था। उसने शीशे की खिड़की से आने-जाने वालों को देखा। पार्टी का एक अखबार बेचने वाला एक आदमी साइकिल पर जा रहा था। साइकिल के हैंडल के आगे टोकरी में एक झंडा लहरा रहा था। सफेद रंग पर लाल रंग में लिखा था: प्रगति? - हाँ! - साहसिक? - नहीं! बॉन्ड मुस्कुराया। यही सच था। बाकी असाइनमेंट के लिए भी यही सच रहे।

चौक के दूसरी तरफ, एक सादे से कमरे में, कैश काउंटर के पास कोने वाली मेज पर, मोटे सुनहरे बालों वाली, नाटकीय होंठों वाली लड़की ने, प्लेट से चिपके हुए स्पेगेटी के मोटे टुकड़े से सजे हुए हंसमुख और खुशमिजाज आदमी से कहा: “उसकी मुस्कान थोड़ी क्रूर है। लेकिन वह बहुत सुंदर है। जासूस आमतौर पर इतने सुंदर नहीं होते। क्या आपको यकीन है कि आप सही कह रहे हैं, मेरे प्यारे?”

उस आदमी के दांतों ने रस्सी को काट दिया। उसने टमाटर की चटनी से सने नैपकिन से अपना मुंह पोंछा, ज़ोर से डकार ली और बोला: "इन मामलों में सैंटोस कभी गलत नहीं होता। उसे जासूसों की भनक लग जाती है।"

इसीलिए मैंने उसे उस कमीने क्रिस्टैटोस का स्थायी जासूस चुना है। और भला एक जासूस के अलावा कौन उस सूअर के साथ शाम बिताने की सोचेगा? लेकिन हम इसका ध्यान रखेंगे।” उस आदमी ने अपनी जेब से वो सस्ता टिन का स्नैपर निकाला जो कभी-कभी मेले की रातों में कागज़ की टोपी और सीटी के साथ दिया जाता है। उससे एक तेज़ क्लिक की आवाज़ आई। कमरे के दूसरी तरफ बैठा मैनेजर अपना काम रोककर दौड़ता हुआ आया।

"हाँ मास्टर।"

उस आदमी ने इशारा किया। मेट्रे डी'होटल पास गया और फुसफुसाकर दिए गए निर्देशों को सुना। उसने संक्षेप में सिर हिलाया, रसोई के पास 'उफिसियो' लिखे दरवाजे की ओर बढ़ा और अंदर जाकर दरवाजा बंद कर लिया।

चरण दर चरण, सूक्ष्म चालों की एक श्रृंखला में, एक ऐसी प्रक्रिया जिसे लंबे समय से परिपूर्ण किया जा चुका था, सुचारू रूप से लागू की गई। कैश काउंटर के पास खड़ा व्यक्ति अपनी स्पेगेटी चबा रहा था और ऑपरेशन के प्रत्येक चरण को बारीकी से देख रहा था मानो वह शतरंज का कोई तेज़ खेल खेल रहा हो।

मैनेजर ऑफिस के दरवाजे से बाहर आया, जल्दी से रेस्टोरेंट के उस पार गया और अपने सहायक से ज़ोर से बोला: “चार लोगों के लिए एक अतिरिक्त टेबल। तुरंत।” सहायक ने उसे सीधे देखा और सिर हिलाया। वह मैनेजर के पीछे-पीछे बॉन्ड की टेबल से सटी जगह पर गया, और अपनी उंगलियां चटकाते हुए बोला (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

सहायकों ने एक मेज से एक कुर्सी, दूसरी मेज से एक कुर्सी और झुककर माफी मांगते हुए बॉन्ड की मेज से अतिरिक्त कुर्सी उधार ली। चौथी कुर्सी को UFFICIO लिखे दरवाजे की तरफ से मेट्रे डी'होटल ला रहे थे। उन्होंने उसे बाकी कुर्सियों के साथ सीधा रखा, बीच में एक मेज नीचे की गई और गिलास व कटलरी कुशलता से सजाई गई। मेट्रे डी'होटल ने भौंहें चढ़ाईं। "लेकिन आपने चार लोगों के लिए मेज लगाई है। मैंने तीन कहा था - तीन लोगों के लिए।" उन्होंने लापरवाही से वह कुर्सी उठाई जो वे खुद मेज पर लाए थे और उसे बॉन्ड की मेज पर रख दिया। उन्होंने हाथ हिलाकर अपने सहायकों को जाने का इशारा किया और सभी अपने-अपने काम में लग गए।

रेस्तरां में हुई मामूली हलचल में लगभग एक मिनट का समय लगा। तीन सीधे-सादे इतालवी लोग रेस्तरां में दाखिल हुए। रेस्तरां के मैनेजर ने व्यक्तिगत रूप से उनका अभिवादन किया और उन्हें नई मेज पर बैठने का इशारा किया, और इस तरह प्रक्रिया पूरी हो गई।

बॉन्ड को इसका ज़रा भी एहसास नहीं हुआ था। क्रिस्टैटोस अपने किसी काम से वापस लौटे, उनका खाना आ गया और वे खाने में जुट गए।

खाना खाते समय वे बेमतलब की बातें कर रहे थे - इटली में चुनाव की संभावनाओं, नई अल्फ़ा रोमियो कार, इतालवी जूतों की अंग्रेज़ी जूतों से तुलना। क्रिस्टैटोस बड़ी अच्छी बातें करता था। ऐसा लगता था मानो उसे हर बात की अंदरूनी जानकारी हो।

उन्होंने इतनी सहजता से जानकारी दी कि वह झूठ नहीं लग रहा था। उनकी अंग्रेज़ी बोली में कभी-कभार दूसरी भाषाओं के मुहावरे भी शामिल थे। इससे एक जीवंत मिश्रण बन गया। बॉन्ड को दिलचस्पी भी थी और मज़ा भी आ रहा था। क्रिस्टैटोस एक कड़ा अंदरूनी सूत्र था - एक काम का आदमी। बॉन्ड को इस बात पर आश्चर्य नहीं हुआ कि अमेरिकी खुफिया विभाग के लोग उन्हें उपयोगी मानते थे।

कॉफ़ी आई, क्रिस्टैटोस ने एक पतली काली सिगार जलाई और बात करते-करते थक गया, सिगार उसके पतले सीधे होठों के बीच ऊपर-नीचे हिल रही थी। उसने अपने दोनों हाथ सामने

मेज़ पर सीधे रख दिए। उसने उनके बीच बिछे मेज़पोश की ओर देखा और धीरे से कहा: “यह पिज़्निस। मैं तुम्हारे साथ खेलूँगा। अब तक मैंने सिर्फ़ अमेरिकियों के साथ खेला है। मैंने उन्हें वह नहीं बताया जो मैं तुम्हें बताने वाला हूँ। ऐसी कोई ज़रूरत नहीं थी। यह मशीन अमेरिका के साथ काम नहीं करती। ये चीज़ें कड़ाई से नियंत्रित हैं। यह मशीन सिर्फ़ इंग्लैंड के साथ काम करती है। ठीक है? समझे?”

“मैं समझता हूँ। हर किसी का अपना क्षेत्र होता है। इन मामलों में यही आम बात है।”

“बिल्कुल सही। अब, इससे पहले कि मैं आपको जानकारी दूं, अच्छे विज्ञापनों की तरह हम शर्तें तय कर लेते हैं। ठीक है?”

"बिल्कुल।"

सिग्नोर क्रिस्टैटोस ने मेज़पोश को और करीब से देखा। “मुझे कल दोपहर तक छोटे आकार के कागज़ों में दस हज़ार अमेरिकी डॉलर चाहिए। जब आप मशीन को नष्ट कर देंगे, तो मुझे बीस हज़ार और चाहिए।” सिग्नोर क्रिस्टैटोस ने एक पल के लिए अपनी आँखें ऊपर उठाईं और बॉन्ड के चेहरे को देखा। “मैं लालची नहीं हूँ। मैं आपके सारे पैसे नहीं ले रहा हूँ, है ना?”

"कीमत संतोषजनक है।"

“अच्छा। दूसरा कार्यकाल। ये जानकारी कहाँ से मिलती है, ये कहना मुश्किल है। भले ही आप हार जाएँ।”

"काफी उचित।"

“तीसरा कार्यकाल। इस मशीन का मुखिया एक बुरा आदमी है।” सिग्नोर क्रिस्टैटोस रुका और ऊपर देखा। उसकी काली आँखों में लाल चमक थी। सिगार से उसके सूखे होंठ हटे और उसने शब्द कहे, “उसे मार डाला जाना है।”

बॉन्ड पीछे हट गया। उसने दूसरे आदमी को हैरानी से देखा जो अब मेज पर थोड़ा आगे की ओर झुका हुआ था। (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

प्रतीक्षा। तो अब पहिए के भीतर पहिए भी दिख गए थे! यह किसी प्रकार का निजी प्रतिशोध था।

क्रिस्टैटोस एक बंदूकधारी का इंतजाम करना चाहता था। और वह बंदूकधारी को पैसे नहीं दे रहा था, बंदूकधारी उसे दुश्मन को खत्म करने के विशेषाधिकार के लिए पैसे दे रहा था। बढ़िया! इस बार दलाल ज़रूर कोई बड़ा काम कर रहा था - अपने निजी कामों को निपटाने के लिए सीक्रेट सर्विस का इस्तेमाल कर रहा था। बॉन्ड ने धीरे से कहा: "क्यों?"

सिग्नोर क्रिस्टेटोस ने उदासीनता से कहा: "सवाल पूछने से झूठ नहीं पकड़ा जा सकता।"

बॉन्ड ने अपनी कॉफ़ी पी ली। बड़े गिरोहों के अपराध की यही आम कहानी थी। आप कभी भी हिमशैल के ऊपरी हिस्से से ज़्यादा कुछ नहीं देख पाते। लेकिन इससे उसे क्या फ़र्क पड़ता था?

उसे एक खास काम सौंपा गया था। अगर उसकी सफलता से दूसरों को फ़ायदा होता, तो किसी को, खासकर एम को, कोई परवाह नहीं होती। बॉन्ड को इस तंत्र को नष्ट करने का आदेश दिया गया था। अगर यह अनाम व्यक्ति ही वह तंत्र था, तो वह महज़ उस व्यक्ति को नष्ट करने के आदेशों का पालन कर रहा होगा। बॉन्ड ने कहा: “मैं इसका वादा नहीं कर सकता। आपको यह देखना होगा। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि अगर वह व्यक्ति मुझे नष्ट करने की कोशिश करता है, तो मैं उसे नष्ट कर दूँगा।”

सिग्नोर क्रिस्टैटोस ने टूथपिक होल्डर से एक टूथपिक निकाली, उस पर से कागज हटाया और अपने नाखूनों को साफ करने लगे। एक हाथ साफ करने के बाद उन्होंने ऊपर देखा। उन्होंने कहा: "मैं अनिश्चितताओं पर अक्सर दांव नहीं लगाता।"

इस बार मैं ऐसा करूँगा क्योंकि मुझे पैसे आप दे रहे हैं, मैं आपको नहीं। ठीक है? तो अब मैं आपको जानकारी दे देता हूँ। उसके बाद आप अकेले रह जाएँगे। कल रात मैं कराची के लिए उड़ान भरूँगा। वहाँ मेरा एक ज़रूरी काम है। मैं आपको सिर्फ़ जानकारी दे सकता हूँ। उसके बाद आप गेंद लेकर भाग जाना और -” उसने गंदी टूथपिक मेज पर फेंक दी - “जो होगा देखा जाएगा।”

"ठीक है।"

सिग्नोर क्रिस्टैटोस अपनी कुर्सी बॉन्ड के पास खिसकाकर बैठ गए। वे धीमी और तेज़ी से बोलने लगे। उन्होंने अपनी कहानी को पुख्ता करने के लिए नमूना तारीखें और नाम दिए। वे किसी भी तथ्य को बताने में ज़रा भी नहीं हिचकिचाए और न ही उन्होंने अनावश्यक विवरणों पर समय बर्बाद किया। यह एक संक्षिप्त और सारगर्भित कहानी थी। देश में दो हज़ार अमेरिकी गैंगस्टर थे - इतालवी-अमेरिकी जिन्हें अमेरिका से दोषी ठहराकर निष्कासित कर दिया गया था। ये लोग बुरी हालत में थे। पुलिस की सबसे काली सूचियों में उनका नाम था और उनके आपराधिक रिकॉर्ड के कारण उनके अपने लोग भी उन्हें काम देने से कतराते थे। उनमें से सौ सबसे खूंखार लोगों ने अपने पैसे इकट्ठा किए और इस कुलीन वर्ग के छोटे-छोटे समूह बेरूत, इस्तांबुल, टैंजियर और मकाओ चले गए - जो दुनिया के सबसे बड़े तस्करी केंद्र थे। एक और बड़ा हिस्सा संदेशवाहक के रूप में काम करता था, और सरगनाओं ने अपने नियुक्तियों के माध्यम से मिलान में एक छोटा और प्रतिष्ठित दवा व्यवसाय हासिल कर लिया था। इस केंद्र में ये बाहरी समूह अफीम और उसके उत्पादों की तस्करी करते थे। वे भूमध्य सागर के पार छोटी नावों का इस्तेमाल करते थे, एक इतालवी चार्टर एयरलाइन के कर्मचारियों के एक समूह का और आपूर्ति के नियमित साप्ताहिक स्रोत के रूप में ओरिएंट एक्सप्रेस के उस डिब्बे का, जिसमें इस्तांबुल में रिश्वतखोर ट्रेन सफाईकर्मियों द्वारा नकली गद्दी के पूरे हिस्से लगाए जाते थे। मिलान की कंपनी - फार्मासिया कोलम्बा एसए - एक क्लियरिंग-हाउस और कच्चे अफीम को हेरोइन में बदलने के लिए एक सुविधाजनक केंद्र के रूप में काम करती थी। फिर वहां से कूरियर, विभिन्न कंपनियों की साधारण कारों का उपयोग करके, इंग्लैंड में बिचौलियों तक माल पहुंचाते थे।

बॉन्ड ने बात काटते हुए कहा, “हमारे सीमा शुल्क विभाग इस तरह की तस्करी को पहचानने में काफी माहिर है। कार में ऐसी बहुत कम जगहें होती हैं जिनके बारे में उन्हें पता न हो। ये लोग सामान कहाँ ले जाते हैं?”

"हमेशा स्पेयर व्हील में रखें। एक स्पेयर व्हील में बीस हजार पाउंड मूल्य की हेरोइन ले जाई जा सकती है।"

"क्या वे कभी पकड़े नहीं जाते - चाहे वे सामान मिलान में ला रहे हों या ले जा रहे हों?"

“बिल्कुल। कई बार। लेकिन ये लोग अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं। और ये बहुत सख्त हैं। ये कभी बोलते नहीं। अगर इन्हें दोषी पाया जाता है, तो जेल में बिताए हर साल के लिए इन्हें दस हजार डॉलर मिलते हैं। अगर इनके परिवार हैं, तो उनकी देखभाल की जाती है। और जब सब कुछ ठीक चलता है, तो ये अच्छा पैसा कमाते हैं। यह एक सहकारी संस्था है। हर आदमी को सकल आय का अपना हिस्सा मिलता है। केवल मुखिया को ही विशेष हिस्सा मिलता है।”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

“ठीक है। तो, यह आदमी कौन है?”

सिग्नोर क्रिस्टैटोस ने अपने मुंह में रखी सिगार पर हाथ रखा। उन्होंने हाथ वहीं रखा और उसके पीछे से धीमी आवाज़ में बोले, “एक आदमी है जिसे लोग ‘द डोव’ कहते हैं, एनरिको कोलंबो। इस रेस्टोरेंट का मालिक है। इसीलिए मैं आपको यहाँ लाया हूँ ताकि आप उसे देख सकें। वह मोटा आदमी है जो एक गोरी औरत के साथ बैठा है। कासा के पास वाली मेज पर। वह वियना से है। उसका नाम लिस्ल बॉम है। एक अय्याश वेश्या।”

बॉन्ड ने सोचते हुए कहा: "क्या वह वही है?" उसे देखने की ज़रूरत नहीं थी। मेज पर बैठते ही उसने उस लड़की को देख लिया था। रेस्तरां में मौजूद हर आदमी ने उसे देखा होगा। उसके चेहरे पर वो चंचल, साहसी और बेबाक भाव थे जो वियनावासियों में अक्सर देखने को मिलते हैं। उसमें एक ऐसी जीवंतता और आकर्षण था जो कमरे के उस कोने को रोशन कर देता था। उसके बाल सुनहरे रंग के थे, एक चंचल सी नाक, एक चौड़ा हँसता हुआ मुँह और गले में एक काला रिबन बंधा था। जेम्स बॉन्ड जानता था कि शाम भर उसकी नज़रें बीच-बीच में उस पर टिकी हुई थीं। उसका साथी उसे बिल्कुल वैसा ही अमीर, खुशमिजाज और मौज-मस्ती करने वाला आदमी लग रहा था जिसे वह कुछ समय के लिए अपना प्रेमी बनाना पसंद करती। वह उसे अच्छा समय देगा। वह उदार होगा।

दोनों तरफ से किसी को कोई पछतावा नहीं होगा। कुल मिलाकर, बॉन्ड उसे थोड़ा-बहुत पसंद करता था। उसे हंसमुख, खुले दिल वाले और जीवन के प्रति उत्साही लोग अच्छे लगते थे। चूंकि बॉन्ड उस लड़की को पा नहीं सकता था, इसलिए कम से कम यह राहत की बात थी कि वह अच्छे हाथों में थी। लेकिन अब? बॉन्ड ने कमरे में नज़र घुमाई। वह जोड़ा किसी बात पर हंस रहा था। आदमी ने उसके गाल पर थपथपाया और उठकर UFFICIO लिखे दरवाजे की ओर चला गया।

और अंदर जाकर उसने दरवाजा बंद कर दिया। तो यही वो आदमी था जिसने इंग्लैंड तक जाने वाली विशाल पाइपलाइन बिछाई थी। वही आदमी जिस पर एम ने एक लाख पाउंड का इनाम रखा था। वही आदमी जिसे क्रिस्टैटोस बॉन्ड से मरवाना चाहता था।

खैर, उसे अपना काम शुरू कर देना चाहिए। बॉन्ड ने कमरे के दूसरी ओर बैठी लड़की को घूरकर देखा। जब उसने सिर उठाकर उसकी ओर देखा, तो उसने मुस्कुरा दिया। उसकी नज़रें बॉन्ड से हटकर दूसरी ओर चली गईं, लेकिन उसके होठों पर हल्की सी मुस्कान थी, मानो वह खुद के लिए ही मुस्कुरा रही हो। जब उसने सिगरेट निकालकर जलाई और धुआं छत की ओर उड़ाया, तो उसके गले और चेहरे का वो भाव बॉन्ड समझ गया कि वह उसी के लिए था।

सिनेमा के बाद ग्राहकों के आने का समय नज़दीक आ रहा था। होटल का प्रबंधक खाली मेज़ों को हटाने और नए मेज़ें लगाने का काम देख रहा था। वहाँ हमेशा की तरह चहल-पहल थी, कुर्सियों पर नैपकिन पटकने की आवाज़ें आ रही थीं और गिलास व कटलरी रखने की खनक सुनाई दे रही थी। बॉन्ड ने धुंधले ढंग से देखा कि उसकी मेज़ पर रखी एक अतिरिक्त कुर्सी को पास की छह लोगों की मेज़ लगाने में मदद के लिए ले जाया जा रहा है। उसने क्रिस्टैटोस से कुछ खास सवाल पूछने शुरू किए - एनरिको कोलंबो की निजी आदतें, वह कहाँ रहता है, मिलान में उसकी कंपनी का पता, उसके अन्य व्यावसायिक हित क्या हैं। उसने ध्यान नहीं दिया कि वह अतिरिक्त कुर्सी एक नई मेज़ से दूसरी मेज़ पर, फिर तीसरी पर, और अंत में UFFICIO लिखे दरवाज़े से अंदर चली गई। उसे ध्यान देने का कोई कारण भी नहीं था।

जब कुर्सी उनके दफ्तर में लाई गई, तो एनरिको कोलंबो ने मेट्रे डी'होटल को हाथ हिलाकर विदा किया और दरवाजा बंद कर लिया। फिर वे कुर्सी के पास गए और उसका कुशन उठाकर अपनी मेज पर रख दिया। उन्होंने कुशन की एक तरफ की ज़िप खोली और उसमें से एक ग्रुंडिग टेप रिकॉर्डर निकाला, मशीन बंद की, टेप को पीछे किया, रिकॉर्डर से टेप निकाला और प्लेबैक पर लगाकर गति और वॉल्यूम समायोजित किया। फिर वे अपनी मेज पर बैठ गए, सिगरेट जलाई और सुनने लगे, बीच-बीच में कुछ और समायोजन करते और बीच-बीच में कुछ अंश दोहराते रहे। अंत में, जब बॉन्ड की पतली आवाज़ में "वह है, है ना?" सुनाई दिया और रेस्तरां से आती हल्की आवाज़ों के बीच एक लंबा सन्नाटा छा गया, तो एनरिको कोलंबो ने मशीन बंद कर दी और उसे देखते रहे। वे पूरे एक मिनट तक उसे देखते रहे। उनके चेहरे पर अपने विचारों में लीन एकाग्रता के अलावा कुछ भी नहीं दिख रहा था। फिर उन्होंने मशीन से नज़रें हटाईं और कहीं खो गए और धीरे से, लेकिन ज़ोर से कहा: "सन-ए-बीच।" वह धीरे-धीरे उठा और दरवाजे पर जाकर उसे खोला। उसने एक बार फिर ग्रुंडिग की ओर देखा, ज़ोर देकर फिर से "सन-ए-बीच" कहा और बाहर निकलकर अपनी मेज पर वापस चला गया।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

एनरिको कोलंबो ने लड़की से तेज़ी से और जल्दबाज़ी में बात की। लड़की ने सिर हिलाया और कमरे में बॉन्ड की ओर देखा। बॉन्ड और क्रिस्टैटोस मेज़ से उठ रहे थे। लड़की ने कोलंबो से धीमी, गुस्से भरी आवाज़ में कहा, “तुम एक घिनौने आदमी हो। सबने यही कहा था और मुझे तुम्हारे बारे में चेतावनी दी थी। वे सही थे। सिर्फ़ इसलिए कि तुमने मुझे अपने घटिया रेस्टोरेंट में खाना खिलाया, तुम्हें लगता है कि तुम्हें अपने गंदे प्रस्तावों से मेरा अपमान करने का अधिकार है?” - लड़की की आवाज़ तेज़ हो गई थी। अब उसने अपना हैंडबैग उठाया और खड़ी हो गई। वह मेज़ के ठीक बगल में, बॉन्ड के बाहर निकलने के रास्ते में खड़ी हो गई।

एनरिको कोलंबो का चेहरा गुस्से से काला पड़ गया था। अब वह भी खड़ा हो गया था। "तुम

कमीने ऑस्ट्रियाई कमीने—"

“मेरे देश का अपमान करने की हिम्मत मत करना, ऐ इटैलियन मेंढक!” उसने आधा भरा हुआ शराब का गिलास उठाया और उसे ठीक उस आदमी के चेहरे पर फेंक दिया। जब वह उसकी ओर बढ़ा, तो उसके लिए पीछे हटना आसान हो गया और वह बॉन्ड से जा टकराई, जो क्रिस्टैटोस के साथ विनम्रता से आगे बढ़ने का इंतज़ार कर रहा था। एनरिको कोलंबो हांफते हुए, नैपकिन से अपना चेहरा पोंछ रहा था। उसने गुस्से से लड़की से कहा: “फिर कभी मेरे रेस्टोरेंट में अपना चेहरा मत दिखाना।” उसने उनके बीच ज़मीन पर थूकने का इशारा किया, मुड़ा और UFFICIO लिखे दरवाजे से बाहर निकल गया।

होटल मैनेजर जल्दी में था। रेस्टोरेंट में सभी ने खाना बंद कर दिया था। बॉन्ड ने लड़की की कोहनी पकड़ी और पूछा, "क्या मैं आपको टैक्सी ढूंढने में मदद कर सकता हूँ?"

उसने झट से खुद को छुड़ाया। गुस्से में बोली, "सारे मर्द सूअर हैं।" उसे अपनी तहज़ीब याद आई। उसने कड़े स्वर में कहा, "आप बहुत दयालु हैं।" वह घमंड से दरवाज़े की ओर बढ़ी और उसके पीछे-पीछे वे आदमी भी चल पड़े।

रेस्तरां में चहल-पहल मच गई और चाकू-कांटों की खनक फिर से सुनाई देने लगी। सभी इस दृश्य से प्रसन्न थे। गंभीर मुद्रा में दिख रहे मेट्रे डी'होटल ने दरवाजा खोलकर बॉन्ड से कहा, "महाशय, मुझे क्षमा करें। और आपकी सहायता के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।" एक टैक्सी धीमी हुई। उन्होंने टैक्सी को फुटपाथ पर रुकने का इशारा किया और दरवाजा खोलकर खड़े रहे।

लड़की अंदर चली गई। बॉन्ड दृढ़ता से उसके पीछे गया और दरवाज़ा बंद कर दिया। उसने खिड़की से क्रिस्टैटोस से कहा, "मैं तुम्हें सुबह फ़ोन करूँगा। ठीक है?" आदमी के जवाब का इंतज़ार किए बिना वह वापस अपनी सीट पर बैठ गया। लड़की सबसे दूर कोने में चली गई थी। बॉन्ड ने कहा, "मैं उसे कहाँ बताऊँ?"

“होटल एम्बेसडोरी।”

वे थोड़ी दूर तक चुपचाप गाड़ी चलाते रहे। बॉन्ड ने कहा: "क्या आप पहले कहीं ड्रिंक के लिए जाना चाहेंगे?"

“नहीं, धन्यवाद।” वह हिचकिचाई। “आप बहुत दयालु हैं, लेकिन आज रात मैं थकी हुई हूँ।”

"शायद किसी और रात।"

"शायद, लेकिन मैं कल वेनिस जा रहा हूँ।"

मैं भी वहाँ रहूँगा। क्या आप कल रात मेरे साथ खाना खाएँगे?

लड़की मुस्कुराई। उसने कहा: “मुझे लगा था कि अंग्रेज शर्मीले होते हैं। आप अंग्रेज हैं, है ना?”

आपका नाम क्या है? आप क्या काम करते हैं?

“जी हां, मैं अंग्रेज हूं - मेरा नाम बॉन्ड है - जेम्स बॉन्ड। मैं किताबें लिखता हूं - रोमांचक कहानियां। मैं अभी ड्रग्स तस्करी पर एक कहानी लिख रहा हूं। इसकी कहानी रोम और वेनिस में घटित होती है। दिक्कत यह है कि मुझे इस धंधे के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मैं इसके बारे में कहानियां इकट्ठा कर रहा हूं। क्या आपको कोई कहानियां पता हैं?”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

“तो इसीलिए आप उस क्रिस्टैटोस के साथ खाना खा रहे थे। मैं उसे जानता हूँ। उसकी बदनामी है। नहीं।”

मुझे कोई कहानियां नहीं पता। मुझे सिर्फ वही पता है जो सबको पता है।

बॉन्ड ने उत्साहपूर्वक कहा: “लेकिन मुझे ठीक यही चाहिए। जब मैंने ‘कहानियाँ’ कहा, तो मेरा मतलब काल्पनिक कहानियों से नहीं था। मेरा मतलब उस तरह की उच्च स्तरीय गपशप से था जो शायद सच्चाई के काफी करीब हो। इस तरह की चीजें एक लेखक के लिए हीरे के बराबर होती हैं।”

वह हंस पड़ी। "तुम्हारा मतलब है... हीरे?"

बॉन्ड ने कहा: “खैर, मैं लेखक के तौर पर इतना तो नहीं कमाता, लेकिन मैंने इस कहानी पर फिल्म बनाने का विकल्प बेच दिया है, और अगर मैं इसे काफी हद तक प्रामाणिक बना पाया तो मुझे पूरा यकीन है कि वे फिल्म खरीद लेंगे।” उसने हाथ बढ़ाकर उसकी गोद में रखे उसके हाथ पर अपना हाथ रख दिया। उसने अपना हाथ नहीं हटाया। “हाँ, हीरे। वैन क्लीफ का एक हीरे का क्लिप। क्या सौदा पक्का?”

अब उसने अपना हाथ हटा लिया। वे राजदूत कार्यालय पहुँच रहे थे। उसने बगल वाली सीट से अपना बैग उठाया। वह सीट पर घूमकर उसकी ओर मुँह करके बैठ गई। आयुक्त ने दरवाजा खोला और सड़क की रोशनी से उसकी आँखें चमक उठीं। उसने गंभीरता से उसके चेहरे को देखा। उसने कहा: “सभी पुरुष सूअर होते हैं, लेकिन कुछ दूसरों से कम सूअर होते हैं। ठीक है। मैं आपसे मिलूंगी। लेकिन रात के खाने पर नहीं।”

मैं आपको जो बताऊंगी, वह सार्वजनिक स्थानों के लिए नहीं है। मैं हर दोपहर लिडो में नहाती हूँ। लेकिन फैशनेबल बीच पर नहीं। मैं बागनी अल्बेरोनी में नहाती हूँ, जहाँ अंग्रेज कवि बायरन अपने घोड़े पर सवारी किया करते थे। यह प्रायद्वीप के बिल्कुल सिरे पर है। वैपोरेटो आपको वहाँ ले जाएगा। आप मुझे परसों दोपहर तीन बजे वहाँ पाएंगे। मैं सर्दियों से पहले आखिरी बार धूप सेंक रही होंगी। रेत के टीलों के बीच। आपको एक हल्के पीले रंग का छाता दिखाई देगा। उसके नीचे मैं ही मिलूंगी।” वह मुस्कुराई। “छाते पर दस्तक देना और फ्रॉइलिन लिस्ल बॉम के बारे में पूछना।”

वह टैक्सी से बाहर निकली। बॉन्ड उसके पीछे-पीछे आया। उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया। "मेरी मदद करने के लिए धन्यवाद।"

शुभ रात्रि।"

बॉन्ड ने कहा: “ठीक है, तीन बजे। मैं वहाँ पहुँच जाऊँगा। शुभ रात्रि।”

वह मुड़ी और होटल की घुमावदार सीढ़ियों पर चढ़ गई। बॉन्ड ने उसे ध्यान से देखा, फिर मुड़कर टैक्सी में वापस बैठ गया और ड्राइवर को उसे नेशनेल ले जाने के लिए कहा। वह आराम से बैठ गया और खिड़की से गुजरते हुए नियॉन साइनबोर्ड को देखने लगा। टैक्सी समेत सब कुछ बहुत तेज़ी से चल रहा था। एकमात्र चीज़ जिस पर उसका नियंत्रण था, वह टैक्सी ही थी। वह आगे झुका और ड्राइवर से धीरे चलाने को कहा।

रोम से वेनिस जाने वाली सबसे अच्छी ट्रेन लगुना एक्सप्रेस है, जो हर दिन दोपहर में चलती है। बॉन्ड, जिसकी सुबह का ज़्यादातर समय स्टेशन I के स्क्रैम्बलर में अपने लंदन मुख्यालय के साथ मुश्किल बातचीत में बीता, बड़ी मुश्किल से इस ट्रेन को पकड़ पाया। लगुना एक शानदार, सुव्यवस्थित ट्रेन है जो देखने और सुनने में जितनी आलीशान लगती है, असल में उतनी नहीं है। इसकी सीटें छोटे कद के इटालियन लोगों के लिए बनी हैं और रेस्टोरेंट के कर्मचारियों को वही बीमारी है जो दुनिया भर की बड़ी ट्रेनों में उनके साथियों को सताती है - आधुनिक यात्री और खासकर विदेशियों के प्रति सच्ची नफ़रत। बॉन्ड को पीछे के एल्युमिनियम कोच में धुरी के ऊपर एक गलियारा सीट मिली थी। अगर खिड़की के बाहर आसमान से बारिश भी हो रही होती, तो भी उसे कोई फ़र्क नहीं पड़ता।

उसने अपनी निगाहें ट्रेन के अंदर ही रखीं, एक झटकती हुई किताब पढ़ी, मेज़पोश पर चियान्टी गिरा दी और अपने लंबे, दर्द भरे पैरों को हिलाते हुए इतालवी नौसेना को कोसने लगा।

लेकिन अंत में मेस्त्रे और अठारहवीं सदी की जलरंग पट्टी के पार वेनिस की ओर जाती हुई सीधी रेल पटरी दिखाई दी। फिर उस अटूट सौंदर्य का अचूक एहसास हुआ जो कभी धोखा नहीं देता और धीमी गति से आगे बढ़ती हुई यात्रा। (एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा निर्मित, http://www.processtext.com/abclit.html)

ग्रैंड कैनाल से होते हुए खून जैसे लाल सूर्यास्त की ओर बढ़ते हुए, और ग्रिट्टी पैलेस के उस चरम आनंद की ओर - जैसा कि प्रतीत होता था - बॉन्ड ने पहली मंजिल पर सबसे अच्छा डबल कमरा बुक करवाया होगा।

उस शाम, वैलोम्ब्रोसा में पत्तों की तरह हज़ार-लीरा के नोट बिखेरते हुए, जेम्स बॉन्ड ने हैरीज़ बार, फ्लोरियन बार और अंत में शानदार क्वाड्री होटल के ऊपरी तल पर जाकर, हर किसी को यह साबित करने की कोशिश की कि वह वही है जो वह उस लड़की के सामने दिखना चाहता था - एक समृद्ध लेखक जो ऐशो-आराम की ज़िंदगी जीता है। फिर, वेनिस में पहली रात के क्षणिक उत्साह में, चाहे आगंतुक का उद्देश्य कितना भी ऊँचा और गंभीर क्यों न हो, जेम्स बॉन्ड ग्रिट्टी होटल लौट आया और आठ घंटे बिना सपने देखे सो गया।

वेनिस घूमने के लिए मई और अक्टूबर सबसे अच्छे महीने होते हैं। धूप सुहावनी होती है और रातें ठंडी। जगमगाता नज़ारा आँखों को सुकून देता है और हवा में एक ताज़गी होती है जो गर्मियों में पैरों के लिए असहनीय लगने वाली पत्थर, टेराज़ा और संगमरमर की लंबी-लंबी सड़कों पर चलने

के दर्द को कम करने में मदद करती है। और भीड़ भी कम होती है। हालाँकि वेनिस दुनिया का एकमात्र ऐसा शहर है जो एक लाख पर्यटकों को उतनी ही आसानी से समा सकता है जितनी आसानी से हज़ार पर्यटकों को - उन्हें अपनी गलियों में छिपाकर, चौकों पर भीड़-भाड़ वाले दृश्यों के लिए इस्तेमाल करके, और उन्हें वेपोरेटी (पारंपरिक वेनिस की बसें) में ठूंसकर - फिर भी वेनिस को कम से कम पैकेज्ड टूर और लेदरहोजेन (पारंपरिक वेनिस पैंट) के साथ देखना बेहतर है।

बॉन्ड ने अगली सुबह गलियों में घूमते हुए बिताई, इस उम्मीद में कि शायद उसे कोई पीछा करने वाला मिल जाए। उसने कुछ चर्चों का दौरा किया - उनके अंदरूनी हिस्सों की प्रशंसा करने के लिए नहीं, बल्कि यह पता लगाने के लिए कि क्या कोई उसके पीछे मुख्य द्वार से अंदर आया था, इससे पहले कि वह बगल के दरवाजे से बाहर निकल जाए। कोई उसका पीछा नहीं कर रहा था। बॉन्ड फ्लोरियन के यहाँ गया और एक अमेरिकानो पी और कुछ फ्रांसीसी संस्कृति के घमंडी लोगों को सेंट मार्क स्क्वायर के अग्रभाग की असंतुलन पर चर्चा करते हुए सुना। अचानक, उसने एक पोस्टकार्ड खरीदा और उसे अपने सचिव को भेज दिया, जो एक बार जॉर्जियन ग्रुप के साथ इटली गया था और बॉन्ड को यह बात कभी भूलने नहीं दी थी। उसने लिखा: “वेनिस अद्भुत है। अभी तक रेलवे स्टेशन और स्टॉक एक्सचेंज का निरीक्षण कर लिया है। बहुत ही सौंदर्यपूर्ण। आज दोपहर नगर निगम जल संयंत्र जा रहा हूँ और फिर स्काला सिनेमा में ब्रिगिट बार्डोट की एक पुरानी फिल्म देखूंगा। क्या आपको ‘ओ सोले मियो’ नाम का एक शानदार गाना पता है? यह यहाँ की हर चीज़ की तरह बहुत रोमांटिक है। जेबी।”

अपनी प्रेरणा से प्रसन्न होकर बॉन्ड ने जल्दी दोपहर का भोजन किया और अपने होटल लौट गया। उसने अपने कमरे का दरवाजा बंद किया, अपना कोट उतारा और वाल्थर पीपीके पिस्तौल पर हाथ फेरा। उसने तिजोरी खोली और एक-दो बार जल्दी से पिस्तौल निकालने का अभ्यास किया और फिर उसे होल्स्टर में रख दिया। अब जाने का समय हो गया था। वह लैंडिंग स्टेज पर गया और बारह बजकर चालीस मिनट पर चलने वाली वेपोरेटो (छोटी नाव) में सवार होकर अल्बेरोनी के लिए रवाना हो गया, जहाँ वह पानी के शांत लैगून के पार आँखों से ओझल हो गया। फिर वह नाव के अगले हिस्से में एक सीट पर बैठ गया और सोचने लगा कि उसके साथ आगे क्या होगा।

लिडो प्रायद्वीप के वेनिस की ओर स्थित अल्बेरोनी घाट से, एड्रियाटिक सागर के सामने स्थित बागनी अल्बेरोनी तक पहुँचने के लिए धूल भरी ज़मीन के संकरे हिस्से को पार करते हुए आधा मील पैदल चलना पड़ता है। यह प्रसिद्ध प्रायद्वीप का सिरा एक विचित्र रूप से सुनसान दुनिया जैसा है। ज़मीन के इस पतले संकरे हिस्से से एक मील नीचे, आलीशान रियल एस्टेट विकास कुछ टूटे-फूटे प्लास्टर वाले विलाओं और दिवालिया हो चुकी आवास परियोजनाओं में सिमट गया है, और यहाँ अल्बेरोनी का छोटा सा मछली पकड़ने वाला गाँव, छात्रों के लिए एक सैनिटोरियम, इतालवी नौसेना का एक परित्यक्त प्रायोगिक स्टेशन और पिछले युद्ध के कुछ विशाल, खरपतवारों से ढके तोपखाने के ठिकाने के अलावा कुछ भी नहीं है। ज़मीन के इस पतले हिस्से के बीचोंबीच स्थित निर्जन भूमि में गोल्फ डू लिडो है, जिसके भूरे रंग के लहरदार फेयरवे प्राचीन किलेबंदी के खंडहरों के चारों ओर घूमते हैं। बहुत कम लोग गोल्फ खेलने के लिए वेनिस आते हैं, और लिडो के भव्य होटलों के कारण यह परियोजना अपने दिखावे के लिए जीवित है। गोल्फ कोर्स के चारों ओर एक ऊँची तार की बाड़ लगी है, जो कुछ-कुछ अंतरालों पर टंगी है, मानो

किसी अत्यंत मूल्यवान या गुप्त वस्तु की रक्षा कर रही हो, जिस पर धमकी भरे वियततातो और निषेध के संकेत लगे हैं। इस तार से घिरे क्षेत्र के आसपास की झाड़ियों और रेतीली पहाड़ियों से बारूदी सुरंगें भी नहीं हटाई गई हैं, और जंग लगे कांटेदार तारों के बीच "माइनस, पेरिकोलो" के संकेत लगे हैं।

एक खुरदुरे ढंग से उकेरी गई खोपड़ी और हड्डियों के निशान के नीचे 'डी मोर्टे' लिखा है। पूरा इलाका विचित्र और उदास है, और यहाँ से एक घंटे से भी कम दूरी पर स्थित वेनिस के रंगीन कार्निवल जगत से बिलकुल विपरीत है। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

झीलें।

प्रायद्वीप के उस पार आधा मील चलकर बीच तक पहुँचते-पहुँचते बॉन्ड को हल्का पसीना आ रहा था। धूल भरी सड़क के किनारे लगे आखिरी बबूल के पेड़ के नीचे वह थोड़ी देर रुका ताकि ठंडक पा सके और आसपास का नज़ारा समझ सके। उसके सामने एक जर्जर लकड़ी का मेहराब था, जिसके बीचोंबीच फीके नीले रंग से 'बागनी अलबेरोनी' लिखा था। उसके आगे उतनी ही जर्जर लकड़ी की झोपड़ियों की कतारें थीं, फिर सौ गज तक रेत फैली थी और फिर समुद्र का शांत नीला पानी। वहाँ कोई नहाने वाला नहीं था और जगह बंद लग रही थी, लेकिन जब वह मेहराब से अंदर गया तो उसे रेडियो पर नेपोलिटन संगीत की हल्की आवाज़ सुनाई दी। यह आवाज़ एक जर्जर झोपड़ी से आ रही थी जिस पर कोका-कोला और कई इतालवी शीतल पेय के विज्ञापन लगे थे। उसकी दीवारों के सहारे कुर्सियाँ रखी थीं और वहाँ दो पैडलो (छोटी नाव) और एक बच्चे का आधा फुलाया हुआ समुद्री घोड़ा था। पूरी जगह इतनी जर्जर लग रही थी कि बॉन्ड सोच भी नहीं सकता था कि गर्मियों के चरम मौसम में भी यहाँ कारोबार चलता होगा। वह संकरी लकड़ी की पट्टियों से उतरकर नरम, तपती रेत पर कदम रखा और झोपड़ियों के पीछे से होते हुए समुद्र तट पर पहुँच गया। वह समुद्र के किनारे तक चला गया। बाईं ओर, शरद ऋतु की गर्मी की धुंध में गायब होने तक, चौड़ी खाली रेत लिडो की ओर हल्के से घुमावदार आकार में फैली हुई थी। दाईं ओर आधा मील लंबा समुद्र तट था जो प्रायद्वीप के सिरे पर बनी समुद्री दीवार पर समाप्त होता था। समुद्री दीवार उंगली की तरह शांत, दर्पण जैसे समुद्र में फैली हुई थी, और इसके शीर्ष पर कुछ-कुछ दूरी पर ऑक्टोपस मछुआरों के कमज़ोर डेरिक लगे हुए थे। समुद्र तट के पीछे रेत के टीले और गोल्फ कोर्स के चारों ओर लगी तार की बाड़ का एक हिस्सा था। रेत के टीलों के किनारे पर, लगभग पाँच सौ गज की दूरी पर, चमकीले पीले रंग का एक धब्बा दिखाई दे रहा था।

बॉन्ड ज्वार रेखा के साथ-साथ उसकी ओर चल पड़ा।

“अहम।”

उसके हाथ बिकिनी के ऊपरी हिस्से तक पहुँचे और उसे ऊपर खींच लिया। बॉन्ड उसकी नज़र के सामने आ गया और नीचे देखने लगा। छाते की तेज़ छाया ने केवल उसका चेहरा ढका हुआ था। उसका बाकी शरीर - काले रंग की बिकिनी में झुलसा हुआ मलाई जैसा शरीर, काले और सफेद धारीदार तौलिये पर - सूरज की रोशनी में पड़ा हुआ था।

उसने आधी बंद पलकों से उसकी ओर देखा। "तुम पाँच मिनट पहले आ गए हो और मैंने तुम्हें

दरवाजा खटखटाने के लिए कहा था।"

बॉन्ड बड़ी छतरी की छाँव में उसके पास बैठ गया। उसने एक रुमाल निकाला और अपना चेहरा पोंछा। “इस पूरे रेगिस्तान में इकलौता ताड़ का पेड़ तो तुम्हारा ही है। मुझे जितनी जल्दी हो सके उसके नीचे जाना पड़ा। यह मुलाकात के लिए बिल्कुल ही खतरनाक जगह है।”

वह हंस पड़ी। "मैं ग्रेटा गार्बो जैसी हूं। मुझे अकेले रहना पसंद है।"

क्या हम अकेले हैं?

उसने अपनी आँखें चौड़ी कर लीं। "क्यों नहीं? आपको क्या लगता है कि मैं अपने साथ कोई साथी लाई हूँ?"

“क्योंकि तुम सोचते हो कि सभी पुरुष सूअर हैं...”

“अरे, लेकिन तुम तो बड़े सज्जन हो,” वह खिलखिलाकर हंस पड़ी। “एक मालिक जैसे सज्जन। और वैसे भी, इस तरह की बातों के लिए बहुत गर्मी है। और बहुत सारी रेत भी है। और वैसे भी, यह एक व्यावसायिक बैठक है, है ना? मैं तुम्हें ड्रग्स के बारे में कहानियां सुनाती हूं और तुम मुझे हीरे की क्लिप देते हो। वैन क्लीफ की। या तुमने अपना मन बदल लिया है?”

“नहीं। बात यही है। हम शुरुआत कहाँ से करें?”

“सवाल पूछो। तुम क्या जानना चाहते हो?” वह उठ बैठी और अपने घुटनों को बाहों के बीच समेट लिया। उसकी आँखों से शरारत गायब हो गई थी और अब वे चौकस, और शायद थोड़ी सतर्क भी थीं।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड ने बदलाव को भांप लिया। उसने सहज भाव से, उसकी ओर देखते हुए कहा: “लोग कहते हैं कि तुम्हारा दोस्त कोलंबो इस धंधे में बड़ा नाम है। मुझे उसके बारे में बताओ। वह मेरी किताब के लिए एक अच्छा किरदार बन सकता है - भेस बदलकर, बेशक। लेकिन मुझे तो विस्तृत जानकारी चाहिए। वह कैसे काम करता है, वगैरह? ये सब बातें तो एक लेखक खुद से नहीं गढ़ सकता।”

उसने अपनी आँखें ढँक लीं। उसने कहा, “अगर एनरिको को पता चला कि मैंने उसके कोई भी राज़ किसी को बता दिए हैं, तो वह बहुत गुस्सा होगा। मुझे नहीं पता कि वह मेरे साथ क्या करेगा।”

उसे कभी पता नहीं चलेगा।

उसने गंभीरता से उसकी ओर देखा। “प्रिय श्री बॉन्ड, ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो वह नहीं जानता। और वह अनुमान के आधार पर कार्रवाई करने में भी पूरी तरह सक्षम है। मुझे आश्चर्य नहीं होगा।” - बॉन्ड ने उसकी घड़ी पर एक त्वरित नज़र को पकड़ लिया।

“अगर उसके मन में मुझे यहाँ तक पीछा करवाने का ख्याल आया होता, तो वह बहुत ही शंकालु आदमी है।” उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और उसकी आस्तीन को छुआ। अब वह घबराई हुई लग रही थी। उसने जल्दी से कहा, “मुझे लगता है कि अब आपको चले जाना चाहिए। यह बहुत बड़ी गलती हो गई है।”

बॉन्ड ने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। साढ़े तीन बज रहे थे। उसने अपना सिर घुमाया ताकि वह छाते के पीछे से होते हुए समुद्र तट पर देख सके। स्नान की झोपड़ियों के पास, जिनकी आकृतियाँ गर्मी की धुंध में हल्की-हल्की हिल रही थीं, गहरे रंग के कपड़े पहने तीन आदमी थे। वे समुद्र तट पर तेज़ी से चल रहे थे, उनके कदम ऐसे तालमेल में थे मानो वे एक दस्ता हों।

बॉन्ड उठ खड़ा हुआ। उसने झुके हुए सिर की ओर देखा। उसने रूखे स्वर में कहा, “मैं समझ गया। बस कोलंबो को बता देना कि अब से मैं उसकी जीवन कहानी लिख रहा हूँ। और मैं एक बहुत ही दृढ़ लेखक हूँ। अलविदा।” बॉन्ड प्रायद्वीप के सिरे की ओर रेत पर दौड़ने लगा। वहाँ से वह दूसरे किनारे से वापस गाँव और लोगों की सुरक्षा में लौट सकता था।

समुद्र तट पर तीनों आदमी तेज़ी से दौड़ने लगे, उनकी कोहनी और टांगें एक-दूसरे के साथ ताल मिला रही थीं, मानो वे लंबी दूरी के धावक हों और अभ्यास के लिए निकले हों। जब वे लड़की के पास से गुज़रे, तो उनमें से एक ने हाथ उठाया। लड़की ने भी जवाब में अपना हाथ उठाया और फिर रेत पर लेट गई और करवट बदल ली - शायद इसलिए कि उसकी पीठ को भी धूप लग जाए, या शायद इसलिए कि वह उन आदमियों को देखना नहीं चाहती थी।

बॉन्ड दौड़ते हुए अपनी टाई उतारकर जेब में रख ली। बहुत गर्मी थी और उसे खूब पसीना आ रहा था। लेकिन उन तीनों आदमियों का भी यही हाल था। सवाल यह था कि कौन बेहतर प्रशिक्षित था। प्रायद्वीप के सिरे पर पहुँचकर बॉन्ड समुद्री दीवार पर चढ़ गया और पीछे मुड़कर देखा। वे आदमी अभी ज़्यादा आगे नहीं बढ़े थे, लेकिन अब उनमें से दो गोल्फ कोर्स की सीमा के किनारे से निकलने के लिए फैल रहे थे। खोपड़ी और हड्डियों वाले खतरे के संकेतों की उन्हें कोई परवाह नहीं थी। बॉन्ड चौड़ी समुद्री दीवार पर तेज़ी से दौड़ते हुए कोणों और दूरियों का अंदाज़ा लगा रहा था। वे दोनों आदमी त्रिभुज के आधार को काट रहे थे। यह बहुत करीबी मुकाबला होने वाला था।

बॉन्ड की कमीज़ पहले ही पूरी तरह भीग चुकी थी और उसके पैरों में दर्द होने लगा था। वह शायद एक मील दौड़ चुका था। सुरक्षा तक कितनी दूर और जाना था? समुद्री दीवार के किनारे-किनारे थोड़ी-थोड़ी दूरी पर पुरानी तोपों के ढांचे कंक्रीट में धंसे हुए थे। ये एड्रियाटिक सागर में जाने से पहले लैगून की सुरक्षा में शरण लेने वाले मछली पकड़ने वाले बेड़ों के लिए लंगर डालने के खंभे थे। बॉन्ड ने उनमें से दो के बीच अपने कदम गिने। पचास गज। दीवार के अंत तक - गाँव के पहले घरों तक - कितने काले उभार बचे हैं? बॉन्ड ने तीस तक गिना, इससे पहले कि वह रेखा गर्मी की धुंध में गायब हो गई। शायद एक और मील बाकी था। क्या वह यह कर पाएगा, और इतनी तेज़ी से कि दोनों तरफ से हमला करने वालों को हरा सके? बॉन्ड की साँस गले में अटकने लगी थी। अब तो उसका सूट भी पसीने से भीग चुका था और उसकी पतलून का कपड़ा उसके पैरों को रगड़ रहा था। उसके पीछे, तीन सौ गज पीछे, एक पीछा करने वाला था। उसके दाहिनी ओर, रेत के टीलों के बीच से बचते हुए और तेज़ी से उसकी ओर बढ़ते हुए, बाकी दो थे। उसके बाईं ओर बीस फुट की पत्थर की बनी एक ढलान थी जो एड्रियाटिक सागर में बहती हरी लहरों की ओर जाती थी।

बॉन्ड धीमी गति से चलने और सांस बचाकर तीनों आदमियों से गोलीबारी करने की योजना बना रहा था, तभी अचानक दो घटनाएँ घटीं। सबसे पहले उसने धुंध में आगे एक समूह को देखा।

भाला-मछली पकड़ने वाले मछुआरे। उनमें से लगभग आधा दर्जन थे, कुछ पानी में और कुछ समुद्री दीवार पर धूप सेंक रहे थे। तभी, रेत के टीलों से एक ज़ोरदार धमाके की गड़गड़ाहट सुनाई दी। मिट्टी, झाड़ियाँ और शायद किसी आदमी के टुकड़े हवा में उछल पड़े, और एक छोटी सी शॉक-वेव बॉन्ड को लगी। बॉन्ड धीमा हो गया। टीलों में खड़ा दूसरा आदमी रुक गया था। वह एकदम स्थिर खड़ा था। उसका मुँह खुला था और उससे डर के मारे कुछ बड़बड़ाहट निकली। अचानक वह अपने हाथों को सिर के चारों ओर लपेटकर ज़मीन पर गिर पड़ा। बॉन्ड संकेत समझ गया था। जब तक कोई आकर उसे वहाँ से नहीं ले जाता, वह हिलेगा नहीं। बॉन्ड का दिल खुश हो गया। अब उसे मछुआरों तक पहुँचने के लिए केवल लगभग दो सौ गज की दूरी तय करनी थी। वे पहले से ही एक समूह में इकट्ठा हो रहे थे, उसकी ओर देख रहे थे। बॉन्ड ने इतालवी के कुछ शब्द याद किए और उनका अभ्यास किया। “मी इंग्लेस। प्रेगो, डोवे इल कारबिनिएरी।” बॉन्ड ने अपने कंधे के ऊपर से देखा। अजीब बात है, लेकिन भाला-मछली पकड़ने वालों के सामने होने के बावजूद, वह आदमी अभी भी आगे बढ़ रहा था। वह आगे बढ़ चुका था और लगभग सौ गज पीछे था। उसके हाथ में बंदूक थी। अब, आगे, मछुआरे बॉन्ड के रास्ते में फैल गए थे। उनके पास भाले वाली बंदूकें तैयार थीं। बीच में एक बड़ा आदमी था जिसके पेट के नीचे एक छोटी सी लाल स्विमसूट लटक रही थी। उसके सिर पर एक हरा मुखौटा लगा हुआ था। वह अपने नीले स्विमसूट को बाहर की ओर करके और बाहें कमर पर रखकर खड़ा था। वह रंगीन फिल्म में टॉड हॉल के मिस्टर टॉड जैसा दिख रहा था। बॉन्ड का मज़ाकिया विचार उसके मन में ही अटक गया। हाँफते हुए, वह धीरे-धीरे चलने लगा। पसीने से तर हाथ ने अपने आप ही कोट के नीचे बंदूक ढूंढी और उसे बाहर निकाल लिया। भाले लिए हुए इस घेरे के बीच में खड़ा आदमी एनरिको कोलंबो था।

कोलंबो ने उसे पास आते देखा। जब वह बीस गज दूर था, कोलंबो ने धीरे से कहा: “अपना खिलौना दूर रखिए, मिस्टर बॉन्ड, सीक्रेट सर्विस। ये CO2 हार्पून बंदूकें हैं। और यहीं रुकिए। वरना आप मांटेग्ना के सेंट सेबेस्टियन की नकल बन जाएंगे।” वह अपने दाहिनी ओर खड़े व्यक्ति की ओर मुड़ा। उसने अंग्रेज़ी में कहा, “पिछले हफ्ते वह अल्बानियाई कितने रेंज पर था?”

“बीस गज, मालिक। और भाला आर-पार हो गया। लेकिन वह मोटा आदमी था - शायद मुझसे दुगुना मोटा।”

बॉन्ड रुक गया। लोहे के खंभों में से एक उसके बगल में था। वह बैठ गया और बंदूक को अपने घुटने पर टिका लिया। बंदूक कोलंबो के विशाल पेट के बीचोंबीच निशाना साधे हुए थी। उसने कहा: "मुझमें पाँच भाले भी तुम्हारे एक गोले को नहीं रोक पाएंगे, कोलंबो।"

कोलंबो मुस्कुराया और सिर हिलाया, और जो व्यक्ति धीरे-धीरे बॉन्ड के पीछे आ रहा था, उसने अपनी लूगर पिस्तौल के बट से उसकी खोपड़ी के निचले हिस्से पर एक बार जोर से प्रहार किया।

सिर पर चोट लगने के बाद जब होश आता है तो पहली प्रतिक्रिया उल्टी आना होती है। अपनी इस दयनीय हालत में भी बॉन्ड को दो बातें महसूस हो रही थीं - वह समुद्र में एक जहाज पर था, और कोई, एक आदमी, ठंडे गीले तौलिए से उसका माथा पोंछ रहा था और टूटी-फूटी अंग्रेजी में हौसला बढ़ा रहा था। "सब ठीक है, दोस्त।"

उसे आराम से रहने दो। उसे आराम से रहने दो।

बॉन्ड थकावट से चूर होकर अपने पलंग पर लेट गया। यह एक आरामदायक छोटा केबिन था, जिसमें महिलाओं जैसी खुशबू थी और सुंदर पर्दे और रंग थे। फटी हुई बनियान और पतलून पहने एक नाविक - बॉन्ड को लगा कि वह उसे भाला-मछली पकड़ने वालों में से एक के रूप में पहचानता है - उसके ऊपर झुका हुआ था। बॉन्ड के आँखें खोलने पर वह मुस्कुराया। "अब बेहतर है, है ना?"

सुबिटो, ठीक है।" उसने सहानुभूति जताते हुए अपनी गर्दन के पीछे हाथ फेरा।

"थोड़ी देर के लिए दर्द होता है। जल्द ही यह सिर्फ एक काला धब्बा रह जाएगा। बालों के नीचे। लड़कियों को कुछ भी दिखाई नहीं देगा।"

बॉन्ड ने मंद मुस्कान के साथ सिर हिलाया। सिर हिलाने के दर्द से उसने अपनी आँखें सिकोड़ लीं। जब उसने आँखें खोलीं तो नाविक ने चेतावनी भरे लहजे में सिर हिलाया। उसने अपनी कलाई घड़ी बॉन्ड की आँखों के पास लाकर दिखाई। उसमें सात बज रहे थे। उसने अपनी छोटी उंगली से नौ के अंक की ओर इशारा करते हुए पूछा, "क्या आप पैड्रोने के साथ खाना खा सकते हैं?"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड ने कहा: "जी।"

उस आदमी ने अपना हाथ अपने गाल पर रखा और अपना सिर एक तरफ झुका लिया। "डॉरमायर।"

बॉन्ड ने फिर से "सी" कहा और नाविक केबिन से बाहर चला गया और दरवाजा बंद कर दिया, लेकिन उसे लॉक नहीं किया।

बॉन्ड धीरे से चारपाई से उठा और वॉशबेसिन के पास जाकर खुद को साफ करने लगा। दराजों वाली अलमारी के ऊपर उसके निजी सामानों का करीने से ढेर लगा हुआ था। उसकी बंदूक को छोड़कर बाकी सब कुछ वहीं था।

बॉन्ड ने उन चीजों को अपनी जेबों में रखा और फिर से चारपाई पर बैठ गया और सिगरेट पीते हुए सोचने लगा।

उसके विचार पूरी तरह अस्पष्ट थे। उसे धोखा दिया जा रहा था, या यूँ कहें कि नाव से घुमाया जा रहा था, लेकिन नाविक के व्यवहार से ऐसा नहीं लग रहा था कि उसे दुश्मन समझा जा रहा है। फिर भी, उसे बंदी बनाने में बहुत मशक्कत की गई थी और इस प्रक्रिया में कोलंबो का एक आदमी अनजाने में मर भी गया था। ऐसा नहीं लग रहा था कि मामला सिर्फ उसे मारने का था। शायद यह नरम व्यवहार उससे समझौता करने की तैयारी थी। समझौता क्या था - और विकल्प क्या था?

नौ बजे वही नाविक बॉन्ड को लेने आया और उसे एक छोटे से गलियारे से होते हुए एक छोटे, अस्त-व्यस्त से सैलून में ले गया और वहीं छोड़ दिया। कमरे के बीच में एक मेज और दो कुर्सियाँ थीं, और मेज के बगल में खाने-पीने की चीजों से लदी एक निकल-प्लेटेड ट्रॉली थी। बॉन्ड ने सैलून के आखिरी छोर पर बने हैचवे को खोलने की कोशिश की। वह बंद था। उसने एक पोर्टहोल खोला और बाहर देखा। इतनी रोशनी थी कि जहाज लगभग दो सौ टन का लग रहा था और शायद कभी एक बड़ा मछली पकड़ने वाला जहाज रहा होगा। इंजन की आवाज किसी सिंगल डीजल इंजन जैसी थी और वे पाल लेकर चल रहे थे। बॉन्ड ने जहाज की गति छह या सात नॉट होने का अनुमान लगाया। अंधेरे क्षितिज पर पीले रंग की रोशनी का एक छोटा सा समूह दिखाई दे रहा था। ऐसा लग रहा था कि वे एड्रियाटिक तट के किनारे-किनारे जा रहे थे।

दरवाजे का बोल्ट खड़खड़ाहट के साथ वापस खुल गया। बॉन्ड ने अपना सिर अंदर खींच लिया। कोलंबो सीढ़ियों से नीचे आया। उसने स्वेटशर्ट, डंगरी और घिसी हुई चप्पलें पहन रखी थीं। उसकी आँखों में एक शरारती, चंचल चमक थी।

वह एक कुर्सी पर बैठ गया और दूसरी कुर्सी की ओर इशारा करते हुए बोला, "आओ, मेरे दोस्त। खाना-पीना और खूब सारी बातें।"

अब हम बचकाने बच्चों की तरह बर्ताव करना बंद करेंगे और बड़ों की तरह व्यवहार करेंगे। ठीक है? आप क्या लेंगे - जिन, व्हिस्की, शैम्पेन? और यह बोलोग्ना का सबसे बढ़िया सॉसेज है। मेरे अपने बागान के जैतून। ब्रेड, मक्खन, प्रोवेलोन (यानी स्मोक्ड चीज़) और ताज़े अंजीर। देहाती खाना, लेकिन स्वादिष्ट। आइए। इतनी दौड़-भाग से आपको भूख लग गई होगी।

उनकी हंसी संक्रामक थी। बॉन्ड ने अपने लिए एक कड़क व्हिस्की और सोडा डाला और बैठ गए। उन्होंने कहा: “इतनी सारी परेशानी उठाने की क्या ज़रूरत थी? हम इन सब ड्रामेबाज़ी के बिना भी मिल सकते थे। वैसे भी, आपने अपने लिए बहुत बड़ी मुसीबत खड़ी कर ली है। मैंने अपने बॉस को चेतावनी दी थी कि ऐसा कुछ हो सकता है - जिस तरह से उस लड़की ने आपके रेस्टोरेंट में मुझे उठाया, वह शब्दों से परे बचकाना था। मैंने कहा था कि मैं खुद इस जाल में फँसकर देखूँगा कि आखिर होता क्या है। अगर मैं कल दोपहर तक इससे बाहर नहीं निकला, तो इंटरपोल और इतालवी पुलिस ईंटों के ढेर की तरह आप पर टूट पड़ेगी।”

कोलंबो असमंजस में दिख रहा था। उसने कहा, “अगर तुम जाल में फंसने को तैयार थे, तो आज दोपहर मेरे आदमियों से भागने की कोशिश क्यों की? मैंने उन्हें तुम्हें लाने और अपने जहाज पर ले जाने के लिए भेजा था, और तब सब कुछ कहीं अधिक सौहार्दपूर्ण होता। अब मैंने एक अच्छे आदमी को खो दिया है और तुम्हारी खोपड़ी आसानी से टूट सकती थी।”

मुझे समझ नहीं आ रहा है।"

मुझे उन तीनों आदमियों का चेहरा ठीक नहीं लगा। मैं हत्यारों को देखते ही पहचान लेता हूँ। मुझे लगा कि तुम कुछ बेवकूफी भरा काम करने की सोच रहे होगे। तुम्हें उस लड़की का इस्तेमाल करना चाहिए था। उन आदमियों की कोई ज़रूरत नहीं थी।

कोलंबो ने सिर हिलाया। “लिसल तुम्हारे बारे में और जानना चाहती थी, बस इतना ही। अब वो

भी मुझसे उतनी ही नाराज़ होगी जितनी तुम हो। ज़िंदगी बहुत मुश्किल है। मुझे सबके साथ दोस्ती करना अच्छा लगता है, और आज दोपहर में ही मैंने दो दुश्मन बना लिए। बहुत बुरा हुआ।" कोलंबो सचमुच खुद पर तरस खा रहा था। उसने सॉसेज का एक मोटा टुकड़ा काटा, बेसब्री से अपने दांतों से उसका छिलका उतारा और खाने लगा। उसका मुंह खुला ही था।

पेट भरा होने के बावजूद उसने एक गिलास शैम्पेन लिया और उससे सॉसेज निगल लिया। उसने बॉन्ड की ओर तिरस्कार भरी नज़रों से देखते हुए सिर हिलाया और कहा, "हमेशा की तरह, जब मैं चिंतित होता हूँ तो मुझे खाना पड़ता है। लेकिन चिंता में खाया हुआ खाना पचता नहीं है। और अब तुमने मुझे और चिंतित कर दिया है। तुम कहते हो कि हम मिल सकते थे और बात कर सकते थे - कि मुझे यह सब परेशानी उठाने की ज़रूरत नहीं थी।" उसने बेबसी से हाथ फैला दिए। "मुझे कैसे पता चलता? ऐसा कहकर तुमने मारियो का खून मेरे हाथों पर लगा दिया। मैंने उसे उस जगह से शॉर्टकट लेने के लिए नहीं कहा था।" कोलंबो ने मेज पर मुक्का मारा। अब वह गुस्से से बॉन्ड पर चिल्लाया। "मैं यह नहीं मानता कि यह सब मेरी गलती थी। यह तुम्हारी गलती थी। सिर्फ तुम्हारी। तुम मुझे मारने के लिए तैयार हो गए थे। कोई अपने हत्यारे से दोस्ताना मुलाकात कैसे कर सकता है? है ना? बस मुझे बता दो।" कोलंबो ने गुस्से से भरी आँखों से ब्रेड का एक लंबा टुकड़ा उठाया और उसे अपने मुँह में ठूँस लिया।

"आप क्या बकवास बात कर रहे हैं?"

कोलंबो ने ब्रेड के बचे हुए टुकड़े मेज पर फेंक दिए और खड़ा हो गया, बॉन्ड की आंखों में आंखें गड़ाए हुए।

वह बगल की ओर बढ़ा, अभी भी बॉन्ड को टकटकी लगाए हुए, दराजों की एक अलमारी की ओर गया, सबसे ऊपर वाले दराज के हैंडल को टटोला, उसे खोला, टटोला और उसमें से वह चीज निकाली जिसे बॉन्ड ने टेप-रिकॉर्डर प्लेबैक मशीन के रूप में पहचान लिया।

बॉन्ड को अभी भी संदेह भरी निगाहों से देखते हुए, वह मशीन को मेज के पास ले आया। वह बैठ गया और एक स्विच दबाया।

जब बॉन्ड ने वह आवाज़ सुनी तो उसने व्हिस्की का गिलास उठाया और उसमें देखा। पतली सी आवाज़ ने कहा:

"बिल्कुल सही। अब, इससे पहले कि मैं आपको जानकारी दूं, अच्छे विज्ञापनों की तरह हम शर्तें तय कर लेते हैं। ठीक है?" आवाज़ आगे बोली: "दस हज़ार अमेरिकी डॉलर... पता नहीं आपको ये जानकारी कहां से मिली। चाहे आप हार ही क्यों न जाएं... इस मशीन का मुखिया एक बुरा आदमी है। उसे मार डालना है।"

बॉन्ड रेस्तरां के शोर में अपनी आवाज़ सुनाई देने का इंतज़ार कर रहा था। पिछली शर्त के बारे में सोचते हुए उसने काफी देर तक चुप्पी साधे रखी। उसने आखिर क्या कहा था? मशीन से उसकी आवाज़ निकली और जवाब दिया, "मैं इसका वादा नहीं कर सकता। आपको इसे देखना होगा। मैं बस इतना कह सकता हूँ कि अगर वह आदमी मुझे बर्बाद करने की कोशिश करेगा, तो मैं उसे बर्बाद कर दूँगा।"

कोलंबो ने मशीन बंद कर दी। बॉन्ड ने अपनी व्हिस्की गटक ली। अब वह कोलंबो की ओर देख सकता था। उसने बचाव करते हुए कहा, "इससे मैं हत्यारा नहीं बन जाता।"

कोलंबो ने उदास निगाहों से उसकी ओर देखा। “मेरे लिए तो यह मायने रखता है। एक अंग्रेज से यह पदक मिलना। मैंने युद्ध के दौरान अंग्रेजों के लिए काम किया था। प्रतिरोध आंदोलन में। मेरे पास राजा का पदक है।” उसने अपनी जेब में हाथ डाला और लाल, सफेद और नीली धारीदार रिबन वाला चांदी का स्वतंत्रता पदक मेज पर फेंक दिया। “देखा?”

बॉन्ड ने दृढ़ता से कोलंबो की आँखों में देखते हुए कहा: “और उस टेप में बाकी जो कुछ है? तुमने बहुत पहले ही अंग्रेजों के लिए काम करना छोड़ दिया था। अब तुम पैसे के लिए उनके खिलाफ काम करते हो।”

कोलंबो ने गुस्से में गुर्राया। उसने अपनी तर्जनी उंगली से मशीन को छुआ। उसने भावहीनता से कहा, "मैंने सब सुन लिया है। यह सब झूठ है।" उसने मेज पर इतनी जोर से मुट्ठी पटकी कि गिलास उछल पड़े। वह गुस्से से चिल्लाया, "यह झूठ है, झूठ है।"

“उसका हर एक शब्द।” वह उछलकर खड़ा हो गया। उसकी कुर्सी उसके पीछे गिर पड़ी। उसने धीरे से झुककर उसे उठाया। उसने व्हिस्की की बोतल उठाई और घूमकर बॉन्ड के गिलास में चार उँगली व्हिस्की डाली। वह वापस अपनी कुर्सी पर बैठ गया और शैम्पेन की बोतल अपने सामने मेज पर रख दी। अब उसका चेहरा शांत और गंभीर था। उसने धीरे से कहा: “यह सब झूठ नहीं है। उस कमीने ने जो तुमसे कहा, उसमें थोड़ी सच्चाई है। इसीलिए मैंने तुमसे बहस न करने का फैसला किया। तुम शायद मेरी बात पर विश्वास न करते। तुम पुलिस को बुला लेते। मेरे और मेरे साथियों के लिए बहुत मुसीबत खड़ी हो जाती। भले ही तुम्हें या किसी और को मुझे मारने का कोई कारण न मिलता, फिर भी बदनामी और बर्बादी होती। इसके बजाय मैंने तुम्हें सच्चाई दिखाने का फैसला किया - वह सच्चाई जिसे जानने के लिए तुम्हें इटली भेजा गया था। कुछ ही घंटों में, कल सुबह, तुम्हारा मिशन पूरा हो जाएगा।” कोलंबो ने उंगलियां चटकाईं। “प्रेस्टो - बस ऐसे ही।”

बॉन्ड ने कहा: "क्रिस्टैटोस की कहानी का कौन सा हिस्सा झूठ नहीं है?"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

कोलंबो की निगाहें बॉन्ड की चालाकी भरी नज़रों में गड़ी हुई थीं। अंत में उसने कहा: “मेरे दोस्त, मैं एक तस्कर हूँ। यह बात सच है। मैं शायद भूमध्य सागर का सबसे सफल तस्कर हूँ। इटली में बिकने वाली आधी अमेरिकी सिगरेटें मैं टैंजियर से लाता हूँ। सोना? मैं काले धन के बाज़ार का इकलौता आपूर्तिकर्ता हूँ।”

हीरे? बेरूत में मेरा अपना एक आपूर्तिकर्ता है, जिसका सिएरा लियोन और दक्षिण अफ्रीका से सीधा संपर्क है। पुराने समय में, जब ये चीजें दुर्लभ थीं, मैं ऑरियोमाइसिन, पेनिसिलिन और ऐसी ही अन्य दवाइयों का भी कारोबार करता था।

अमेरिकी सैन्य अड्डों के अस्पतालों में रिश्वतखोरी होती थी। और भी बहुत कुछ हुआ है - यहाँ तक कि नेपल्स के घरों के लिए सीरिया और फारस से खूबसूरत लड़कियाँ भी लाई गई हैं। मैंने भागे

हुए कैदियों को भी तस्करी करके बाहर निकाला है। लेकिन," कोलंबो ने गुस्से में मेज पर मुट्ठी पटकी, "नशीली दवाएँ, हेरोइन, अफीम, भांग - नहीं! कभी नहीं! मैं इन चीजों से कोई वास्ता नहीं रखूँगा। ये चीजें बुरी हैं। बाकी चीजों में कोई पाप नहीं है।" कोलंबो ने अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाया। "मेरे दोस्त, मैं अपनी माँ की कसम खाकर तुमसे ये कहता हूँ।"

बॉन्ड को अब उम्मीद की किरण नज़र आने लगी थी। वह कोलंबो पर विश्वास करने को तैयार था। उसे इस लालची, उद्दंड समुद्री डाकू के लिए एक अजीब सी पसंद भी महसूस होने लगी थी, जिसे क्रिस्टैटोस ने लगभग रंगे हाथों पकड़ लिया था। बॉन्ड ने कहा: "लेकिन क्रिस्टैटोस ने तुम पर उंगली क्यों उठाई? उसे इससे क्या फायदा होगा?"

कोलंबो ने धीरे से अपनी नाक के सामने उंगली हिलाई। उसने कहा: "मेरे दोस्त, क्रिस्टैटोस तो क्रिस्टैटोस ही है। वह एक ऐसा दोहरा खेल खेल रहा है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसे जारी रखने के लिए - अमेरिकी खुफिया विभाग और उनके नारकोटिक्स विभाग का संरक्षण बनाए रखने के लिए - उसे समय-समय पर उन्हें एक शिकार देना पड़ता है - बड़े खेल के हाशिये पर मौजूद कोई छोटा-मोटा आदमी। लेकिन इस अंग्रेज़ों की समस्या अलग है। यह एक बहुत बड़ा तस्करी का धंधा है। इसे बचाने के लिए एक बड़े शिकार की ज़रूरत थी। मुझे चुना गया - क्रिस्टैटोस द्वारा, या उसके मालिकों द्वारा।"

और यह सच है कि अगर आपने अपनी जांच में पूरी तत्परता दिखाई होती और जानकारी खरीदने के लिए पर्याप्त धन खर्च किया होता, तो शायद आपको मेरे अभियानों की कहानी पता चल जाती। लेकिन मेरी ओर आने वाला हर सुराग आपको सच्चाई से और दूर ले जाता। अंत में, क्योंकि मैं आपकी सेवा को कम नहीं आंकता, मैं जेल चला जाता। लेकिन जिस बड़े लोमड़ी का आप पीछा कर रहे हैं, वह दूर से शिकार के खत्म होने की आवाज सुनकर बस हंस रहा होता।

"क्रिस्टैटोस तुम्हें क्यों मरवाना चाहता था?"

कोलंबो चालाक लग रहा था। "मेरे दोस्त, मुझे बहुत कुछ पता है। तस्करों के गिरोह में, कभी-कभी हमें एक-दूसरे के धंधे की जानकारी मिल जाती है। कुछ समय पहले, इसी जहाज में, अल्बानिया की एक छोटी गनबोट से मेरी झड़प हुई थी। एक भाग्यशाली गोली से उनके ईंधन में आग लग गई। केवल एक ही व्यक्ति बचा। उसे बात करने के लिए राजी किया गया। मैंने बहुत कुछ सीखा, लेकिन मूर्खता से मैंने बारूदी सुरंगों के बीच जोखिम उठाया और उसे तिराना के उत्तर में तट पर उतार दिया। यह एक गलती थी। तब से यह कमीना क्रिस्टैटोस मेरे पीछे पड़ा है।"

सौभाग्य से," कोलंबो ने भेड़िया जैसी मुस्कान के साथ कहा, "मेरे पास एक ऐसी जानकारी है जिसके बारे में उसे पता नहीं है। और कल सुबह तड़के हम इस जानकारी के साथ मिलेंगे - एनकोना के ठीक उत्तर में स्थित एक छोटे से मछली पकड़ने वाले बंदरगाह, सांता मारिया में। और वहाँ," कोलंबो ने कठोर, क्रूर हंसी हंसते हुए कहा, "हम देखेंगे कि क्या होता है।"

बॉन्ड ने नरमी से कहा, "इसके लिए आपकी क्या कीमत है? आप कहते हैं कि मेरा मिशन कल सुबह तक पूरा हो जाएगा। कितना?"

कोलंबो ने सिर हिलाया। उसने बेपरवाही से कहा: "कुछ नहीं। बस संयोगवश हमारे हित आपस में

मिलते हैं। लेकिन मुझे आपसे यह वादा चाहिए कि जो मैंने आज शाम आपको बताया है, वह केवल आपके और मेरे बीच ही रहेगा और यदि आवश्यक हो तो लंदन में आपके प्रमुख के साथ साझा किया जाएगा। यह बात इटली तक कभी नहीं पहुंचनी चाहिए। क्या आप इस पर सहमत हैं?"

"जी हां। मैं इससे सहमत हूं।"

कोलंबो उठ खड़ा हुआ। वह दराजों वाली अलमारी के पास गया और बॉन्ड की बंदूक निकाली। उसने बंदूक बॉन्ड को सौंप दी। "तो फिर, मेरे दोस्त, इसे अपने पास रखना बेहतर होगा, क्योंकि इसकी तुम्हें ज़रूरत पड़ने वाली है। और बेहतर होगा कि तुम सो जाओ। सुबह पाँच बजे सबके लिए रम और कॉफ़ी होगी।" उसने अपनी बंदूक बॉन्ड की ओर बढ़ा दी।

बॉन्ड ने उसका हाथ थाम लिया। अचानक दोनों दोस्त बन गए। बॉन्ड को इस बात का एहसास हुआ। उसने झिझकते हुए कहा, "ठीक है, कोलंबो," और सैलून से बाहर निकलकर अपने केबिन की ओर चल दिया।

कोलंबिना जहाज पर बारह लोगों का दल था। वे युवा और मजबूत कद-काठी के थे। वे आपस में धीमी आवाज़ में बातें कर रहे थे, जबकि कोलंबो सैलून में गरमागरम कॉफी और रम के मग परोस रहा था। एक तूफानी लालटेन ही एकमात्र रोशनी थी - जहाज पर अंधेरा छा गया था - और बॉन्ड ट्रेजर आइलैंड के रोमांच और साजिश भरे माहौल को देखकर मन ही मन मुस्कुरा रहा था। कोलंबो एक-एक करके सभी के हथियारों की जाँच कर रहा था। उन सभी के पास लूगर पिस्तौलें थीं, जिन्हें वे जर्सी के नीचे पैंट के अंदर छिपाकर रखते थे, और जेब में फोल्डिंग चाकू थे। कोलंबो हर हथियार के बारे में अपनी राय दे रहा था, कुछ प्रशंसा के शब्द तो कुछ आलोचना के। बॉन्ड को लगा कि कोलंबो ने अपने लिए एक अच्छा जीवन बना लिया है - रोमांच, उत्साह और जोखिम से भरा जीवन। यह एक आपराधिक जीवन था - मुद्रा कानूनों, राज्य के तंबाकू एकाधिकार, सीमा शुल्क विभाग और पुलिस के साथ लगातार संघर्ष।

लेकिन हवा में किशोर शरारत की एक हल्की सी गंध थी जिसने किसी तरह अपराध के रंग को काले से सफेद में बदल दिया - या कम से कम धूसर में।

कोलंबो ने अपनी घड़ी देखी। उसने अपने आदमियों को उनके पदों पर लौटने का आदेश दिया। उसने लालटेन बुझा दी और भोर की सुनहरी रोशनी में बॉन्ड उसके पीछे-पीछे पुल तक गया। उसने देखा कि जहाज एक काले, चट्टानी किनारे के करीब था, जिसका वे धीमी गति से पीछा कर रहे थे। कोलंबो ने आगे की ओर इशारा किया। "उस चट्टानी टीले के पीछे बंदरगाह है। हमारे आने का किसी ने ध्यान नहीं दिया होगा। बंदरगाह में, घाट के पास, मुझे उम्मीद है कि इसी आकार का कोई जहाज एक रैंप से गोदाम में अखबार के कागज के रोल उतार रहा होगा। चट्टानी टीले के पीछे, हम पूरी गति से आगे बढ़ेंगे और उस जहाज के बगल में आकर उस पर चढ़ जाएंगे। हमें प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा।"

सिर फूटेंगे। उम्मीद है गोलीबारी नहीं होगी। जब तक वे गोली नहीं चलाएंगे, हम भी गोली नहीं चलाएंगे। लेकिन यह अल्बानियाई जहाज होगा, जिस पर अल्बानियाई बहादुरों का दल सवार होगा। अगर गोलीबारी हुई, तो तुम्हें भी हमारे साथ मिलकर गोली चलानी होगी। ये लोग तुम्हारे

और मेरे देश के दुश्मन हैं। अगर तुम मारे गए, तो मारे जाओगे।

ठीक है?"

"यह सब ठीक है।"

जैसे ही बॉन्ड ने ये शब्द कहे, इंजन-रूम के टेलीग्राफ पर एक झनझनाहट सुनाई दी और उसके पैरों के नीचे डेक कांपने लगा। दस नॉट की गति से, छोटा जहाज हेडलैंड को पार करके बंदरगाह में प्रवेश कर गया।

यह वैसा ही था जैसा कोलंबो ने कहा था। एक पत्थर के घाट के किनारे जहाज खड़ा था, उसके पाल निष्क्रिय रूप से फड़फड़ा रहे थे। जहाज के पिछले हिस्से से लकड़ी के तख्तों का एक रैंप नीचे की ओर एक जर्जर, नालीदार लोहे के गोदाम के अंधेरे प्रवेश द्वार की ओर ढलान बना रहा था, जिसके अंदर मंद बिजली की बत्तियाँ जल रही थीं। जहाज पर अखबार के रोल जैसा कुछ लदा हुआ था, और इन्हें एक-एक करके रैंप पर चढ़ाया जा रहा था, जहाँ से वे अपनी गति से गोदाम के प्रवेश द्वार से नीचे लुढ़क रहे थे।

लगभग बीस आदमी नज़र आ रहे थे। केवल अचानक हमला ही इन हालातों को पलट सकता था। अब कोलंबो का जहाज़ दूसरे जहाज़ से पचास गज दूर था, और एक-दो आदमी काम रोककर उनकी तरफ देख रहे थे। एक आदमी गोदाम की ओर भागा। उसी समय कोलंबो ने एक तीखा आदेश दिया। इंजन बंद हो गए और रिवर्स गियर में चलने लगे। पुल पर लगी एक बड़ी सर्चलाइट जल उठी और जैसे ही जहाज़ अल्बानियाई ट्रॉलर के बगल में पहुंचा, पूरा दृश्य रोशन हो गया। पहले ही ज़ोरदार संपर्क में आते ही, अल्बानियाई जहाज़ की रेलिंग के आगे और पीछे से रस्सियाँ फेंकी गईं, और कोलंबो के आदमी कोलंबो के नेतृत्व में जहाज़ के किनारे से कूद पड़े।

बॉन्ड ने अपनी योजना बना ली थी। दुश्मन के डेक पर पैर रखते ही वह सीधे जहाज के उस पार भागा, दूर वाली रेलिंग पर चढ़ा और कूद गया। जेटी तक लगभग बारह फीट की दूरी थी और वह बिल्ली की तरह हाथों और पंजों के बल उतरा और कुछ पल वहीं दुबक कर अपनी अगली चाल की योजना बनाने लगा। डेक पर गोलीबारी शुरू हो चुकी थी। एक गोली ने सर्चलाइट को बुझा दिया और अब केवल भोर की धुंधली, चमकदार रोशनी ही बची थी। एक शव, दुश्मन का, उसके सामने पत्थर पर गिर पड़ा और बेसुध पड़ा रहा। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

स्थिर। उसी समय, गोदाम के प्रवेश द्वार से एक हल्की मशीनगन चालू हुई, जो अत्यंत कुशलता से छोटी-छोटी गोलियों की बौछार कर रही थी। बॉन्ड जहाज की अंधेरी छाया में उसकी ओर दौड़ा। मशीनगन चलाने वाले ने उसे देखा और उस पर गोलियों की बौछार कर दी। गोलियां बॉन्ड के चारों ओर से निकल गईं, जहाज के लोहे के पतवार से टकराईं और रात के अंधेरे में गुम हो गईं। बॉन्ड तख्तों के ढलान वाले रैंप की आड़ में पहुंचा और पेट के बल आगे की ओर कूद गया। गोलियां उसके सिर के ऊपर लकड़ी में जा लगीं। बॉन्ड संकरी जगह में रेंगता हुआ आगे बढ़ा। जब वह जितना करीब हो सकता था, पहुंच गया, तो उसके पास तख्तों के दाईं या बाईं ओर से आड़ लेने का विकल्प था। उसके सिर के ऊपर भारी धमाकों की एक श्रृंखला और एक तेज गड़गड़ाहट सुनाई दी। कोलंबो के आदमियों में से किसी ने रस्सियां काट दी होंगी और अखबार के रोल का

पूरा ढेर रैंप से नीचे गिरा दिया होगा। अब बॉन्ड का मौका था। वह आड़ से बाहर निकला - बाईं ओर। अगर मशीनगन चलाने वाला उसका इंतजार कर रहा था, तो वह उम्मीद करेगा कि बॉन्ड दाईं ओर से गोली चलाते हुए बाहर आएगा। मशीनगन चलाने वाला वहीं गोदाम की दीवार से सटकर दुबका हुआ था। दुश्मन की बंदूक की चमकती नली के एक छोटे से चाप में घूमने से ठीक पहले, बॉन्ड ने पलक झपकते ही दो बार गोली चलाई। मृत व्यक्ति की उंगली ट्रिगर पर जकड़ी हुई थी और जैसे ही वह गिरा, उसकी बंदूक से कुछ पल के लिए चिंगारियां निकलीं और फिर वह उसके हाथ से छूटकर जमीन पर गिर पड़ी।

बॉन्ड गोदाम के दरवाजे की ओर दौड़ रहा था कि तभी उसका पैर फिसल गया और वह सिर के बल गिर पड़ा। वह कुछ पल के लिए अचेत अवस्था में पड़ा रहा, उसका चेहरा गाढ़े चिपचिपे पदार्थ से सना हुआ था। उसने बड़बड़ाया और घुटनों के बल उठकर गोदाम की दीवार से टकराए बड़े-बड़े अखबारी कागज के रोलों के ढेर के पीछे छिपने के लिए भागा। उनमें से एक रोल मशीनगन की गोलियों से फट गया था और उससे गाढ़ा चिपचिपा पदार्थ रिस रहा था। बॉन्ड ने अपने हाथों और चेहरे से जितना हो सके उतना चिपचिपा पदार्थ पोंछा। उसमें वही बासी मीठी गंध थी जो बॉन्ड ने कभी मेक्सिको में सूँघी थी। यह कच्चा अफीम था।

एक गोली गोदाम की दीवार में जा लगी, उसके सिर से कुछ ही दूरी पर। बॉन्ड ने अपने बंदूक वाले हाथ को अपनी पतलून पर आखिरी बार पोंछा और गोदाम के दरवाजे की ओर छलांग लगाई। जैसे ही वह प्रवेश द्वार के सामने आया, उसे आश्चर्य हुआ कि अंदर से उस पर गोली नहीं चलाई गई। अंदर का वातावरण शांत और ठंडा था। बत्तियाँ बुझ चुकी थीं, लेकिन बाहर उजाला हो रहा था। हल्के रंग के अखबार के रोल करीने से कतारों में रखे थे, बीच में एक रास्ता बनाने के लिए जगह छोड़ी गई थी। रास्ते के दूसरे छोर पर एक दरवाजा था। पूरी व्यवस्था उसे घूर रही थी, उसे चुनौती दे रही थी। बॉन्ड को मौत की गंध आ रही थी। वह धीरे से प्रवेश द्वार की ओर लौटा और खुले में बाहर आ गया। गोलीबारी रुक-रुक कर हो रही थी। कोलंबो तेजी से उसकी ओर दौड़ता हुआ आया, उसके पैर जमीन से सटे हुए थे जैसे मोटे आदमी दौड़ते हैं। बॉन्ड ने सख्ती से कहा: "इसी दरवाजे पर रुको। अंदर मत जाओ और न ही अपने किसी आदमी को अंदर आने दो। मैं पीछे जा रहा हूँ।" जवाब का इंतजार किए बिना वह इमारत के कोने से मुड़ा और उसके किनारे-किनारे नीचे की ओर भागा।

गोदाम लगभग पचास फीट लंबा था। बॉन्ड धीमा हुआ और दबे पांव दूर कोने की ओर बढ़ा। वह नालीदार लोहे की दीवार से सटकर खड़ा हो गया और चारों ओर एक नज़र डाली। वह तुरंत पीछे हट गया। एक आदमी पिछले दरवाजे के पास खड़ा था। उसकी नज़र किसी जासूसी छेद पर टिकी थी। उसके हाथ में एक प्लंजर था जिससे तार दरवाजे के नीचे से जा रहे थे। उसके बगल में एक कार खड़ी थी, एक काली लैंसिया ग्रांटुरिस्मो कन्वर्टिबल जिसका बोनट खुला हुआ था, जिसका इंजन धीरे-धीरे चल रहा था। वह एक धूल भरी, गड्ढों वाली सड़क पर अंदर की ओर जा रही थी।

वह व्यक्ति क्रिस्टेटोस था।

बॉन्ड घुटनों के बल बैठ गया। उसने स्थिरता के लिए अपनी बंदूक दोनों हाथों में पकड़ी, इमारत के कोने से तेज़ी से आगे बढ़ा और उस आदमी के पैरों पर एक गोली चलाई। निशाना चूक गया। जैसे ही उसने धूल को निशाने से कुछ इंच दूर उड़ते देखा, एक ज़ोरदार धमाके की आवाज़ आई

और टिन की दीवार उससे टकराई और वह हवा में उड़ गया।

बॉन्ड झट से खड़ा हुआ। गोदाम बुरी तरह से टेढ़ा-मेढ़ा हो गया था। अब वह ताश के पत्तों की तरह शोर मचाते हुए ढहने लगा। क्रिस्टैटोस कार में था। कार बीस गज दूर जा चुकी थी, पिछले पहियों के घर्षण से धूल के फव्वारे उड़ रहे थे। बॉन्ड पिस्तौल चलाने की पारंपरिक मुद्रा में खड़ा हुआ और सावधानीपूर्वक निशाना साधा। वाल्थर पिस्तौल तीन बार गर्जना करते हुए झटके से निकली। पचास गज की दूरी पर आखिरी गोली चलने पर, स्टीयरिंग व्हील पर झुका हुआ व्यक्ति पीछे की ओर झटका खा गया। हाथ स्टीयरिंग व्हील से हटकर अगल-बगल हो गए। सिर ऊपर की ओर उठा। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

कुछ पल के लिए हवा में उछला और आगे की ओर गिर पड़ा। दाहिना हाथ बाहर निकला रहा, मानो मृत व्यक्ति दाहिनी ओर मुड़ने का संकेत दे रहा हो। बॉन्ड सड़क पर दौड़ने लगा, उसे उम्मीद थी कि कार रुक जाएगी, लेकिन पहिए गड्ढों में फंसे हुए थे और मृत व्यक्ति के दाहिने पैर का वजन अभी भी एक्सीलरेटर पर था, लैंसिया चीखते हुए तीसरे गियर में आगे बढ़ती चली गई। बॉन्ड रुक गया और उसे देखता रहा। वह जले हुए मैदान को पार करते हुए समतल सड़क पर तेजी से आगे बढ़ रही थी और सफेद धूल का बादल खुशी से पीछे उड़ रहा था। बॉन्ड को किसी भी क्षण लग सकता था कि वह सड़क से उतर जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और बॉन्ड खड़ा रहा और उसे सुबह की धुंध में ओझल होते हुए देखता रहा, जो एक खूबसूरत दिन का वादा कर रही थी।

बॉन्ड ने अपनी बंदूक को सुरक्षित स्थिति में रखा और उसे अपनी पतलून की बेल्ट में छुपा लिया। मुड़कर देखा तो कोलंबो उसकी ओर आ रहा था। वह मोटा आदमी खुशी से मुस्कुरा रहा था। वह बॉन्ड के पास आया और बॉन्ड के लिए एक भयानक दृश्य प्रस्तुत करते हुए, उसने अपनी बाहें खोलीं, बॉन्ड को गले लगाया और उसके दोनों गालों पर चुंबन किया।

बॉन्ड ने कहा: "भगवान के लिए, कोलंबो।"

कोलंबो जोर से हंस पड़ा। "अरे, शांत अंग्रेज! उसे भावनाओं के अलावा किसी चीज से डर नहीं लगता। सिवाय मुझसे।"

उसने अपनी छाती पीटते हुए कहा, “मैं, एनरिको कोलंबो, इस आदमी से बहुत प्यार करता हूँ और यह कहने में मुझे कोई शर्म नहीं है। अगर तुमने मशीनगन चलाने वाले को नहीं मारा होता, तो हममें से कोई भी ज़िंदा नहीं बचता। वैसे भी, मैंने अपने दो आदमी खो दिए और बाकी घायल हैं। लेकिन सिर्फ़ आधा दर्जन अल्बानियाई ही खड़े हैं और वे गाँव में भाग गए हैं। इसमें कोई शक नहीं कि पुलिस उन्हें पकड़ लेगी। और अब तुमने उस कमीने क्रिस्टैटोस को नरक में भेज दिया है। उसका क्या शानदार अंत हुआ! जब वह छोटी सी रेसिंग-हर्से मुख्य सड़क पर पहुँचेगी तो क्या होगा? वह पहले ही ऑटोस्ट्राडा पर दाहिने मुड़ने का इशारा कर रहा है, मुझे उम्मीद है कि उसे याद रहेगा कि दाहिनी ओर गाड़ी चलानी है।” कोलंबो ने बॉन्ड के कंधे पर ज़ोर से थपथपाया। “लेकिन चलो, मेरे दोस्त। अब यहाँ से निकलने का समय आ गया है। अल्बानियाई जहाज़ में आग लगी हुई है और वह जल्द ही डूब जाएगा।”

इस छोटे से कस्बे में टेलीफोन नहीं हैं। पुलिस से हमारी अच्छी बातचीत होगी। मछुआरों को समझाने में उन्हें थोड़ा समय लगेगा। मैंने मुखिया से बात की है। यहाँ किसी को भी अल्बानियाई लोगों से कोई हमदर्दी नहीं है। लेकिन हमें आगे बढ़ना ही होगा। हवा के विपरीत दिशा में हमारा पाल बहुत सख्त है और वेनिस के इस तरफ कोई ऐसा डॉक्टर नहीं है जिस पर मैं भरोसा कर सकूँ।

टूटे-फूटे गोदाम से लपटें उठने लगी थीं और चारों ओर से मीठी सब्जियों की महक वाला धुआँ उठ रहा था। बॉन्ड और कोलंबो हवा की दिशा में आगे बढ़े। अल्बानियाई जहाज़ नीचे धंस गया था और उसके डेक पानी से भरे हुए थे। वे पानी में चलकर कोलंबिना जहाज़ पर चढ़े, जहाँ बॉन्ड को कई लोगों से हाथ मिलाना पड़ा और उनकी पीठ थपथपाई गई। उन्होंने तुरंत लंगर उठाया और बंदरगाह की रक्षा करने वाले तटबंध की ओर चल पड़े। पत्थर की झोपड़ियों के एक समूह के नीचे, समुद्र तट पर खड़ी अपनी नावों के पास मछुआरों का एक छोटा समूह खड़ा था। वे कुछ रूखे लग रहे थे, लेकिन जब कोलंबो ने हाथ हिलाकर इतालवी में कुछ कहा, तो उनमें से अधिकांश ने हाथ उठाकर विदाई दी, और उनमें से एक ने कुछ ऐसा कहा जिससे कोलंबिना के चालक दल हंस पड़े। कोलंबो ने समझाया: "लोग कहते हैं कि हम एनकोना के सिनेमाघर से भी बेहतर थे और हमें जल्द ही फिर आना चाहिए।"

बॉन्ड को अचानक लगा कि उसका उत्साह खत्म हो गया है। वह गंदा और बिना दाढ़ी बनाए हुए महसूस कर रहा था, और उसे अपने पसीने की गंध आ रही थी। वह नीचे गया और चालक दल के एक सदस्य से रेज़र और एक साफ कमीज़ उधार ली, और अपने केबिन में जाकर कपड़े उतारकर खुद को साफ किया। जब उसने अपनी बंदूक निकाली और उसे बंक पर फेंका, तो उसे बैरल से बारूद की गंध आई। इसने उसे उस धुंधली सुबह के डर, हिंसा और मौत की याद दिला दी। उसने पोर्टहोल खोला। बाहर, समुद्र नाच रहा था और रंगीन दिख रहा था, और दूर जाती हुई तटरेखा, जो पहले काली और रहस्यमयी थी, अब हरी और सुंदर थी। अचानक रसोई से तले हुए बेकन की मनमोहक खुशबू आई। बॉन्ड ने अचानक पोर्टहोल बंद किया, कपड़े पहने और सैलून की ओर चल दिया।

रम से लथपथ गर्म मीठी कॉफी के साथ तले हुए अंडे और बेकन के ढेर के ऊपर, कोलंबो ने हर छोटी-बड़ी बात का बखूबी ध्यान रखा।

“यह हमने कर दिखाया है, मेरे दोस्त,” उसने टोस्ट चबाते हुए कहा। “यह एक साल के लिए कच्चा अफीम था जो नेपल्स में क्रिस्टैटोस के रासायनिक कारखाने की ओर जा रहा था। यह सच है कि मिलान में मेरा ऐसा ही एक व्यवसाय है और यह जानकारी ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट की गई है, http://www.processtext.com/abclit.html

यह मेरे कुछ सामानों के लिए एक सुविधाजनक डिपो है। लेकिन यह कैस्केरा और एस्पिरिन से ज़्यादा घातक कुछ भी नहीं बनाता। क्रिस्टैटोस की कहानी के उस हिस्से के लिए, कोलंबो की जगह क्रिस्टैटोस पढ़ें। वही इस पदार्थ को हेरोइन में बदलता है और वही इसे लंदन ले जाने के लिए कूरियर नियुक्त करता है। उस विशाल खेप की कीमत क्रिस्टैटोस और उसके आदमियों के लिए शायद दस लाख पाउंड थी। लेकिन क्या आप जानते हैं, मेरे प्यारे जेम्स? उसे एक पैसा भी खर्च नहीं करना पड़ा। क्यों? क्योंकि यह रूस का उपहार है। इंग्लैंड के भीतरी हिस्से में दागे जाने वाले एक विशाल और घातक प्रक्षेपास्त्र का उपहार। रूसी इस प्रक्षेपास्त्र के लिए असीमित मात्रा

में सामग्री की आपूर्ति कर सकते हैं। यह काकेशस में उनके अफीम के खेतों से आता है, और अल्बानिया एक सुविधाजनक बंदरगाह है। लेकिन उनके पास इस मिसाइल को दागने का उपकरण नहीं है। क्रिस्टैटोस नाम के व्यक्ति ने आवश्यक उपकरण बनाया है, और वही रूस में अपने आकाओं की ओर से ट्रिगर दबाता है। आज, हमने मिलकर, आधे घंटे में, पूरी साजिश का पर्दाफाश कर दिया है। अब आप वापस जाकर इंग्लैंड में अपने लोगों को बता सकते हैं कि तस्करी बंद हो जाएगी। आप उन्हें सच्चाई भी बता सकते हैं - कि इटली इस भयानक भूमिगत युद्ध हथियार का स्रोत नहीं था। यह हमारे पुराने मित्र रूसियों का काम है। निस्संदेह यह उनकी खुफिया एजेंसी का कोई मनोवैज्ञानिक युद्ध विभाग है। यह मैं आपको नहीं बता सकता। शायद, मेरे प्यारे जेम्स," कोलंबो ने उत्साहवर्धक मुस्कान के साथ कहा, "वे आपको पता लगाने के लिए मॉस्को भेजेंगे। अगर ऐसा होता है, तो उम्मीद है कि आपको अपनी दोस्त फ्रॉइलिन लिस्ल बॉम जैसी कोई आकर्षक लड़की मिल जाएगी जो आपको सच्चाई के सही रास्ते पर ले जाएगी।"

"तुम्हारा मतलब 'मेरी दोस्त' से क्या है? वो तुम्हारी है।" कोलंबो ने सिर हिलाया। "मेरे प्यारे जेम्स, मेरे बहुत सारे दोस्त हैं। तुम अपनी रिपोर्ट लिखने के लिए इटली में कुछ और दिन बिताओगे, और इसमें कोई शक नहीं," वह हँस पड़ा,

"मैंने आपको जो बातें बताई हैं, उनकी जाँच कर रहा हूँ। शायद आपको अमेरिकी खुफिया विभाग में अपने सहयोगियों को जीवन के तथ्यों को समझाने में भी आधा घंटा अच्छा लगेगा। इन कर्तव्यों के बीच आपको किसी साथी की ज़रूरत होगी - कोई ऐसा जो आपको मेरे प्यारे वतन की खूबसूरती दिखा सके। असभ्य देशों में, यह शिष्टाचार है कि आप अपने प्रिय पुरुष को, जिसका आप सम्मान करना चाहते हैं, अपनी पत्नियों में से एक भेंट करें। मैं भी असभ्य हूँ। मेरी कोई पत्नियाँ नहीं हैं, लेकिन मेरे पास लिस्ल बॉम जैसी कई दोस्त हैं। उन्हें इस बारे में कोई निर्देश देने की ज़रूरत नहीं होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि वह आज शाम आपके लौटने का इंतज़ार कर रही होंगी।" कोलंबो ने अपनी पतलून की जेब में हाथ डाला और बॉन्ड के सामने मेज पर कुछ पटक दिया, जिससे ज़ोर की आवाज़ आई। "यह रहा इसका ठोस कारण।" कोलंबो ने अपना हाथ अपने दिल पर रखा और गंभीरता से बॉन्ड की आँखों में देखा। "मैं इसे आपको दिल से बता रहा हूँ। शायद उनके दिल से भी।"

बॉन्ड ने वह चीज़ उठाई। वह एक चाबी थी जिस पर एक भारी धातु का टैग लगा हुआ था। उस टैग पर 'अल्बेर्गो डेनिएली, कमरा नंबर 68' लिखा हुआ था।

स्टिंग-रे लगभग छह फीट (पंखों के एक सिरे से दूसरे सिरे तक) और संभवतः दस फीट (नाक के नुकीले सिरे से लेकर उसकी घातक पूंछ के अंत तक) लंबी थी। उसका रंग गहरा भूरा था, जिसमें बैंगनी रंग की झलक थी, जो अक्सर पानी के भीतर खतरे का संकेत होती है। जब वह सुनहरी रेत से ऊपर उठी और थोड़ी दूर तैरी, तो ऐसा लगा मानो पानी में एक काला तौलिया लहराया जा रहा हो।

जेम्स बॉन्ड, अपने हाथों को बगल में रखे और केवल अपने पंखों की हल्की सी सरसराहट के साथ तैरते हुए, ताड़ के पेड़ों से घिरे चौड़े लैगून में काली परछाई का पीछा कर रहा था, गोली चलाने के मौके का इंतज़ार कर रहा था। वह खाने के अलावा शायद ही कभी मछली मारता था, लेकिन कुछ अपवाद थे - बड़ी मोरे ईल और बिच्छू मछली परिवार के सभी सदस्य। अब उसने डंक मारने वाली मछली को मारने का प्रस्ताव रखा क्योंकि वह बेहद भयावह दिख रही थी।

अप्रैल के महीने में सुबह के दस बजे थे, और दक्षिणी छोर के पास स्थित बेले एंसे लैगून (ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

सेशेल्स द्वीपसमूह के सबसे बड़े द्वीप माहे का पानी एकदम शांत था। उत्तर-पश्चिम मानसून कई महीने पहले ही समाप्त हो चुका था और दक्षिण-पूर्व मानसून के आने में मई तक का समय लग रहा था। अब छाया में तापमान 80 डिग्री और आर्द्रता 90 डिग्री थी, और लैगून के बंद पानी में तापमान लगभग रक्त-तापमान के बराबर था। मछलियाँ भी सुस्त लग रही थीं। एक दस पाउंड की हरी तोता मछली, मूंगे के एक टुकड़े से शैवाल कुतर रही थी, बॉन्ड के ऊपर से गुजरते समय केवल अपनी आँखें घुमाने के लिए रुकी और फिर अपने भोजन में वापस लग गई। मोटी भूरी चूब मछलियों का एक झुंड, जो तेज़ी से तैर रहा था, बॉन्ड की परछाई को रास्ता देने के लिए विनम्रतापूर्वक दो हिस्सों में बँट गया और फिर आपस में मिलकर अपने विपरीत दिशा में आगे बढ़ गया। छह छोटे स्क्विडों का एक समूह, जो आम तौर पर पक्षियों की तरह शर्मीले होते हैं, उनके गुजरने पर अपना छलावरण बदलने की भी जहमत नहीं उठाई।

बॉन्ड सुस्ती से आगे बढ़ता रहा, स्टिंग-रे को अपनी नज़र में रखता रहा। जल्द ही वह थक जाएगी या फिर बॉन्ड, जो सतह पर तैरती बड़ी मछली थी, के हमले न करने से आश्वस्त हो जाएगी। फिर वह समतल रेत के एक टुकड़े पर बैठ जाएगी, अपना छलावरण बदलकर हल्के, लगभग पारदर्शी भूरे रंग का कर लेगी, और अपने पंखों के सिरों को धीरे-धीरे हिलाते हुए खुद को रेत में दबा लेगी।

चट्टान नज़दीक आती जा रही थी और अब चारों ओर मूंगे के उभार और समुद्री घास के मैदान दिखाई दे रहे थे। ऐसा लग रहा था मानो खुले मैदान से किसी कस्बे में आ गए हों। हर जगह रत्नों से सजी चट्टानी मछलियाँ टिमटिमा रही थीं और हिंद महासागर के विशाल एनीमोन छाया में आग की लपटों की तरह चमक रहे थे। कांटेदार समुद्री अंडों की बस्तियाँ भूरी रंग की छटाएँ बना रही थीं मानो किसी ने चट्टान पर स्याही फेंक दी हो, और लैंगोस्ट के चमकीले नीले और पीले स्पर्शक अपनी दरारों से छोटे अजगरों की तरह लहरा रहे थे। कभी-कभी, चमकदार तल पर समुद्री शैवाल के बीच, गोल्फ की गेंद से भी बड़ी कौड़ी की चित्तीदार चमक दिखाई देती थी - तेंदुआ कौड़ी -

और एक बार बॉन्ड ने वीनस हार्प की सुंदर फैली हुई उंगलियाँ देखीं। लेकिन ये सब चीजें अब उसके लिए आम हो चुकी थीं और वह लगातार आगे बढ़ता रहा, चट्टान में उसकी दिलचस्पी केवल एक आवरण के रूप में थी जिसके माध्यम से वह रे मछली से समुद्र की ओर जा सकता था और फिर उसका पीछा करते हुए वापस किनारे की ओर आ सकता था। यह रणनीति कारगर साबित हुई, और जल्द ही काली परछाईं अपने पीछे आती भूरी टॉरपीडो जैसी आकृति के साथ विशाल नीले दर्पण पर वापस जाने लगी। लगभग बारह फीट गहरे पानी में वह किरण सौवीं बार रुकी। बॉन्ड भी रुक गया और धीरे-धीरे पानी में पैर पटकने लगा। सावधानी से उसने अपना सिर उठाया और अपने चश्मे से पानी निकाला। जब उसने दोबारा देखा तब तक वह किरण गायब हो चुकी थी।

बॉन्ड के पास दोहरी रबर वाली चैंपियन हार्पून-गन थी। हार्पून के सिरे पर सुई की तरह नुकीला त्रिशूल लगा था - यह कम दूरी का हथियार था, लेकिन चट्टानों पर शिकार के लिए सबसे अच्छा था। बॉन्ड ने तिजोरी को ऊपर धकेला और धीरे-धीरे आगे बढ़ा, उसके पंख पानी की सतह के ठीक नीचे धीरे-धीरे फड़फड़ा रहे थे ताकि कोई आवाज़ न हो। उसने अपने चारों ओर देखा, लैगून के विशाल जलप्रपात के धुंधले क्षितिज को भेदने की कोशिश कर रहा था। वह किसी बड़े छिपे हुए जीव की तलाश में था। शिकार के समय किसी शार्क या बड़ी बैराकुडा मछली का गवाह बनना ठीक नहीं था। मछलियाँ कभी-कभी घायल होने पर चीखती हैं, और यहाँ तक कि जब वे नहीं भी चीखतीं, तो तेज़ संघर्ष से उत्पन्न हलचल और खून सफाई करने वाले जीवों को आकर्षित करते हैं। लेकिन दूर-दूर तक कोई जीवित प्राणी नज़र नहीं आ रहा था और रेत धुएँ के रंग के किनारों तक ऐसे फैली हुई थी जैसे किसी मंच के खाली तख्ते हों। अब बॉन्ड को तल पर एक धुंधली आकृति दिखाई दी। वह सीधे उसके ऊपर तैरा और सतह पर स्थिर होकर नीचे देखने लगा। रेत में एक छोटी सी हलचल हुई। नाक के छिद्रों जैसे दिखने वाले श्वास छिद्रों के ऊपर रेत के दो मिनट के फव्वारे नाच रहे थे। छिद्रों के पीछे जीव के शरीर का हल्का उभार था। वही निशाना था। छिद्रों से एक इंच पीछे। बॉन्ड ने पूंछ के ऊपर की ओर संभावित झटके का अनुमान लगाया और धीरे से अपनी बंदूक नीचे करके ट्रिगर दबा दिया।

उसके नीचे रेत उछली और एक पल के लिए बॉन्ड को कुछ दिखाई नहीं दिया। फिर भाले की रस्सी खिंची और रे मछली दिखाई दी, जो उससे दूर खिंच रही थी और उसकी पूंछ, आक्रामक प्रतिक्रिया में, बार-बार उसके शरीर पर वार कर रही थी। पूंछ के आधार पर बॉन्ड को तने से निकले नुकीले विषैले कांटे दिखाई दिए। ये वही कांटे थे जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने यूलिसिस को मार डाला था, जिनके बारे में प्लिनी ने कहा था कि वे एक पेड़ को नष्ट कर देंगे। हिंद महासागर में, जहाँ समुद्री विष सबसे अधिक घातक होते हैं, रे मछली के डंक की एक खरोंच भी निश्चित मृत्यु का कारण बन सकती है। सावधानी से, रे मछली को कसी हुई रस्सी पर पकड़े हुए, बॉन्ड उग्र रूप से छटपटाती मछली के पीछे धीरे-धीरे चलने लगा। वह एक तरफ तैरता रहा ताकि रस्सी को वार करती पूंछ से दूर रख सके जो उसे आसानी से काट सकती थी। यह पूंछ हिंद महासागर के पुराने गुलाम-अधिग्रहियों के कोड़े की तरह थी। आज सेशेल्स में तो इसे अपने पास रखना भी गैरकानूनी है, लेकिन ये परिवारों में बेवफा पत्नियों पर इस्तेमाल के लिए पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही हैं, और अगर यह बात फैल जाए कि फलां या फलां महिला ने स्टिंग रे (प्रोवेनियाई नाम) का इस्तेमाल किया है, तो समझो कि बेवफा पत्नी की ही बेवफाई हो गई है। (ABC Amber LIT Converter द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

यह कहते हुए कि वह औरत कम से कम एक हफ्ते तक दोबारा नज़र नहीं आएगी। अब उस लंबे आदमी की पलकें कमज़ोर पड़ने लगी थीं और बॉन्ड तैरते हुए उस रे मछली के आगे निकल गया, उसे अपने पीछे किनारे की ओर खींच लाया। उथले पानी में रे मछली बेजान हो गई और बॉन्ड ने उसे पानी से बाहर निकालकर किनारे पर खींच लिया। लेकिन वह अब भी उससे दूर ही रहा। अच्छा ही हुआ कि उसने ऐसा किया। अचानक, बॉन्ड की किसी हरकत से और शायद अपने दुश्मन को अचानक पकड़ने की उम्मीद में, विशाल रे मछली हवा में उछल पड़ी। बॉन्ड एक तरफ हट गया और रे मछली अपनी पीठ के बल गिर पड़ी और उसका सफेद निचला हिस्सा सूरज की ओर था और उसका बड़ा बदसूरत हंसिया जैसा मुंह चूसता और हांफता रहा।

बॉन्ड खड़ा होकर स्टिंग-रे को देखने लगा और सोचने लगा कि आगे क्या करना है।

खाकी शर्ट और पतलून पहने एक छोटा, मोटा गोरा आदमी ताड़ के पेड़ों के नीचे से निकला और ज्वार के निशान के ऊपर बिखरे हुए समुद्री अंगूर और धूप में सूखे समुद्री शैवाल के बीच से बॉन्ड की ओर बढ़ा। जब वह काफी करीब आ गया तो हंसते हुए बोला, "बूढ़ा आदमी और समुद्र! किसने किसको पकड़ा?"

बॉन्ड मुड़ा। “द्वीप पर शायद वही एक आदमी होगा जिसके पास माचेटी नहीं है। फिडेले, भले आदमी बनो और अपने किसी आदमी को बुलाओ। यह जानवर मर नहीं रहा है, और इसने मेरा भाला अपने शरीर में फंसा रखा है।”

सेशेल्स में लगभग हर संपत्ति के मालिक अनगिनत बारबे परिवार के सबसे छोटे सदस्य फिडेले बारबे पास आए और रे मछली को नीचे देखते हुए खड़े हो गए। “वाह, बढ़िया है। किस्मत अच्छी थी कि तुमने सही जगह निशाना लगाया, वरना वो तुम्हें चट्टान के ऊपर खींच ले जाती और तुम्हें अपनी बंदूक छोड़नी पड़ती। मरने में उन्हें बहुत समय लगता है।”

लेकिन चलो, मुझे तुम्हें विक्टोरिया वापस ले जाना है। कुछ काम आ गया है। कुछ अच्छा काम। मैं अपने एक आदमी को बंदूक लाने भेजता हूँ। क्या तुम मेरा पीछा करना चाहोगे?

बॉन्ड मुस्कुराया। "मेरी कोई पत्नी नहीं है। लेकिन आज रात कुछ राई औ बटर नॉयर (एक प्रकार की काली सूप) कैसी रहेगी?"

“आज रात नहीं, मेरे दोस्त। आओ। तुम्हारे कपड़े कहाँ हैं?”

तटीय सड़क पर स्टेशन वैगन में जाते हुए फिडेले ने कहा: “क्या तुमने मिल्टन क्रेस्ट नाम के किसी अमेरिकी के बारे में सुना है? खैर, लगता है कि वह क्रेस्ट होटल्स और क्रेस्ट फाउंडेशन नाम की एक संस्था के मालिक हैं। एक बात मैं तुम्हें पक्के तौर पर बता सकता हूँ। उनके पास हिंद महासागर में सबसे शानदार यॉट है। कल ही आई है। वावेक्रेस्ट। लगभग दो सौ टन। सौ फीट लंबी। उसमें एक खूबसूरत पत्नी से लेकर एक बड़ा ट्रांजिस्टर ग्रामोफोन तक सब कुछ है, ताकि लहरों से सुई न हिले। पूरे में एक इंच मोटी कालीन बिछी है। पूरी तरह से एयर कंडीशनर लगा है। अफ्रीका महाद्वीप के इस तरफ सिर्फ यहीं सूखी सिगरेट मिलती हैं, और पेरिस देखने के बाद से नाश्ते के बाद शैम्पेन की सबसे बढ़िया बोतल यहीं मिलती है।” फिडेले बारबे खुशी से हँस पड़ीं। “मेरे दोस्त, यह वाकई एक शानदार जहाज है, और अगर मिस्टर क्रेस्ट नाजायज औलादों की

औलाद भी हैं, तो भला किसे परवाह है?"

"वैसे भी किसे परवाह है? इससे तुम्हारा या मेरा क्या लेना-देना है?"

"बस इतना ही, मेरे दोस्त। हम श्री क्रेस्ट और श्रीमती क्रेस्ट, खूबसूरत श्रीमती क्रेस्ट के साथ कुछ दिन नाव में बिताने वाले हैं। मैंने जहाज को चाग्रिन ले जाने की सहमति दे दी है - जिस द्वीप के बारे में मैंने तुमसे बात की थी। यह यहाँ से मीलों दूर है - अफ्रीकी तट के पास, और मेरे परिवार ने कभी भी इसका उपयोग केवल चिड़ियों के अंडे इकट्ठा करने के लिए ही किया है। यह समुद्र तल से लगभग तीन फीट ऊपर है। मैं पिछले पाँच सालों से उस जगह पर नहीं गया हूँ। खैर, यह क्रेस्ट वहाँ जाना चाहता है। वह समुद्री नमूने इकट्ठा कर रहा है, अपने फाउंडेशन के लिए कुछ काम से, और एक छोटी सी मछली है जो केवल चाग्रिन द्वीप के आसपास ही पाई जाती है। कम से कम क्रेस्ट का कहना है कि दुनिया में एकमात्र नमूना वहीं से आया है।"

"काफी मजेदार लग रहा है। इसमें मेरी क्या भूमिका है?"

मुझे पता था कि तुम ऊब रहे हो और तुम्हारे पास जहाज़ पर जाने से पहले एक हफ़्ता है, इसलिए मैंने कहा कि तुम यहाँ के पानी के नीचे के माहिर हो और अगर मछली होगी तो तुम उसे जल्दी ही ढूंढ लोगे, और वैसे भी मैं तुम्हारे बिना नहीं जाऊँगा। (जनरेटेड बाय ABC Amber LIT कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

तुम। मिस्टर क्रेस्ट तैयार थे। और बस बात खत्म। मुझे पता था कि तुम तट के किनारे कहीं मौज-मस्ती कर रहे होगे, इसलिए मैं गाड़ी चलाता रहा जब तक कि एक मछुआरे ने मुझे बताया कि बेले एंसे में एक पागल गोरा आदमी अकेले आत्महत्या करने की कोशिश कर रहा है और मुझे पता था कि वह तुम ही होगे।

बॉन्ड हँस पड़ा। "ये द्वीपवासी समुद्र से जिस तरह डरते हैं, वह वाकई अजीब है। लगता है अब तक तो उन्हें समुद्र से तालमेल बिठा लेना चाहिए था। सेशेल्स के बहुत कम लोग तैरना भी जानते हैं।"

"रोमन कैथोलिक चर्च को ये पसंद नहीं कि वे अपने कपड़े उतारें। बिलकुल बकवास है, लेकिन यही सच है।"

और डर की बात करें तो, यह मत भूलिए कि आप यहाँ सिर्फ एक महीने से हैं। शार्क, बैराकुडा - आपने अभी तक किसी भूखे जीव को नहीं देखा है। और स्टोनफिश। क्या आपने कभी किसी ऐसे आदमी को देखा है जिसने स्टोनफिश पर पैर रख दिया हो? दर्द से उसका शरीर धनुष की तरह पीछे की ओर झुक जाता है। कभी-कभी यह इतना भयानक होता है कि उसकी आँखें सचमुच सॉकेट से बाहर निकल आती हैं। ऐसे लोग बहुत कम ही बच पाते हैं।

बॉन्ड ने असंवेदनशीलता से कहा: "उन्हें चट्टान पर जाते समय जूते पहनने चाहिए या अपने पैरों को बांध लेना चाहिए।"

प्रशांत महासागर में उन्हें ये मछलियाँ और साथ ही विशालकाय क्लैम भी मिल जाती हैं। ये तो सरासर बेवकूफी है। यहाँ हर कोई अपनी गरीबी का रोना रोता है, जबकि समुद्र मछलियों से भरा

पड़ा है। और उन चट्टानों के नीचे कौड़ी की पचास किस्में हैं। वे इन्हें दुनिया भर में बेचकर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

फिडेले बारबे ज़ोर से हँसे। “बॉन्ड को गवर्नर बनाओ! यही सही रहेगा। विधान सभा की अगली बैठक में मैं यह प्रस्ताव रखूँगा। आप इस पद के लिए बिलकुल सही व्यक्ति हैं - दूरदर्शी, विचारों से भरपूर, और जोश से भरे हुए। कौड़ी! यह तो शानदार है। युद्ध के बाद पचौली की बढ़ती मांग के बाद पहली बार बजट संतुलित होगा। 'हम सेशेल्स से समुद्री सीपियाँ बेचते हैं।' यही हमारा नारा होगा। मैं सुनिश्चित करूँगा कि इसका श्रेय आपको मिले। आप देखते ही देखते सर जेम्स बन जाएँगे।”

"घाटे में वेनिला उगाने की कोशिश करने से बेहतर है कि इस तरह से ज़्यादा पैसा कमाया जाए।" वे हल्के-फुल्के हिंसा के साथ तब तक बहस करते रहे जब तक कि माहे की जर्जर राजधानी के बाहरी इलाके में ताड़ के पेड़ों के झुरमुट विशाल संगड्रैगन पेड़ों में तब्दील नहीं हो गए।

लगभग एक महीने पहले एम ने बॉन्ड को बताया था कि वह उसे सेशेल्स भेज रहा है।

मालदीव में अपने नए बेड़े के अड्डे को लेकर नौसेना को परेशानी हो रही है। सीलोन से कम्युनिस्ट घुसपैठ कर रहे हैं। हड़तालें, तोड़फोड़ - वही रोज़ का हाल। शायद उन्हें नुकसान कम करने के लिए सेशेल्स की ओर लौटना पड़े। हज़ार मील दक्षिण में, लेकिन कम से कम वहाँ काफ़ी सुरक्षा नज़र आती है। लेकिन वे दोबारा उसी जाल में नहीं फँसना चाहते। औपनिवेशिक कार्यालय का कहना है कि वह जगह एकदम सुरक्षित है। फिर भी मैंने किसी को एक स्वतंत्र राय देने के लिए भेजने का वादा किया है। कुछ साल पहले जब मकारियोस को वहाँ कैद किया गया था, तब सुरक्षा को लेकर काफ़ी चिंताएँ थीं। जापानी मछली पकड़ने वाली नावें आसपास मंडरा रही थीं, इंग्लैंड से एक-दो शरणार्थी अपराधी थे, फ्रांस के साथ मज़बूत संबंध थे। बस जाकर अच्छी तरह देख लीजिए।” एम ने खिड़की से बाहर तेज़ मार्च की बर्फ़बारी पर नज़र डाली। “सनस्ट्रोक मत होने देना।”

बॉन्ड की रिपोर्ट, जिसमें यह निष्कर्ष निकाला गया था कि सेशेल्स में एकमात्र संभावित सुरक्षा खतरा सेशेल्स की महिलाओं की सुंदरता और उनकी सहज उपलब्धता में निहित है, एक सप्ताह पहले ही पूरी हो चुकी थी और उसके बाद उनके पास एसएस कम्पाला के मोम्बासा जाने का इंतजार करने के अलावा कोई काम नहीं था। वह गर्मी, मुरझाए ताड़ के पेड़ों, चिड़ियों की दुखभरी आवाज और खोपरा के बारे में अंतहीन बातचीत से पूरी तरह ऊब चुके थे। बदलाव की संभावना से उन्हें बेहद खुशी हुई।

बॉन्ड बारबे हाउस में अपना आखिरी हफ्ता बिता रहे थे, और वहाँ से अपना सामान लेने के बाद, वे लॉन्ग पियर के आखिरी छोर तक गए और कार को कस्टम शेड में छोड़ दिया। चमकती हुई सफेद नौका आधा मील दूर रोडस्टेड में खड़ी थी। उन्होंने आउटबोर्ड मोटर वाली एक छोटी नाव से शांत खाड़ी को पार किया और चट्टान में बने खुले हिस्से से होते हुए आगे बढ़े। वावेक्रेस्ट दिखने में सुंदर नहीं थी - उसकी चौड़ाई और अव्यवस्थित ऊपरी संरचना ने उसकी सुंदरता को कम कर दिया था - लेकिन बॉन्ड तुरंत समझ गए कि वह एक असली जहाज थी, जो दुनिया भर में घूमने के लिए बनी थी, न कि सिर्फ फ्लोरिडा कीज़ के लिए। वह सुनसान लग रही थी, लेकिन जैसे ही वे उसके पास पहुँचे, दो नावों ने उसे देखा।

सफेद शॉर्ट्स और बनियान पहने हुए कुछ सलीकेदार नाविक प्रकट हुए और सीढ़ी के पास खड़े हो गए। उनके पास नाव के हुक थे, जिनसे वे जर्जर डोंगी को नौका की चमकदार सतह पर खरोंच लगने से बचाने के लिए तैयार थे। उन्होंने दोनों बैग लिए और उनमें से एक ने एल्युमिनियम का एक ढक्कन पीछे सरका दिया और उन्हें नीचे जाने का इशारा किया। जैसे ही बॉन्ड उस ढक्कन से नीचे उतरकर कुछ सीढ़ियाँ नीचे लाउंज में पहुँचा, उसे लगभग जमा देने वाली ठंडी हवा का झोंका लगा।

लाउंज खाली था। यह कोई केबिन नहीं था। यह एक भव्य और आरामदायक कमरा था, जिसका जहाज के इंटीरियर से कोई संबंध नहीं था। आधे खुले वेनेशियन ब्लाइंड्स के पीछे की खिड़कियाँ पूरी तरह से बड़ी थीं, और नीची केंद्रीय मेज के चारों ओर रखी आरामदायक कुर्सियाँ भी बड़ी थीं। कालीन हल्के नीले रंग का था, जो बहुत ही बढ़िया था। दीवारें चांदी जैसी लकड़ी से बनी थीं और छत हल्के सफेद रंग की थी। वहाँ एक मेज थी जिस पर लिखने का सामान और एक टेलीफोन रखा था। बड़े ग्रामोफोन के बगल में पेय पदार्थों से भरा एक साइडबोर्ड था।

साइडबोर्ड के ऊपर एक बेहद खूबसूरत रेनॉयर की पेंटिंग जैसी आकृति थी - काले और सफेद धारीदार ब्लाउज पहने एक सुंदर गहरे बालों वाली लड़की का सिर और कंधे। बीच में रखी मेज पर सफेद और नीले रंग के जलकुंभी के फूलों से भरा एक बड़ा कटोरा और मेज के एक तरफ करीने से रखी पत्रिकाओं की कतार, एक आलीशान टाउन हाउस के बैठक कक्ष का आभास करा रही थी।

“मैंने तुमसे क्या कहा था, जेम्स?”

बॉन्ड ने प्रशंसा से सिर हिलाया। “समुद्र के साथ ऐसा व्यवहार करना वाकई बहुत अच्छा है - मानो उसका कोई अस्तित्व ही न हो।” उसने गहरी साँस ली। “ताज़ी हवा का एक घूँट भर पाना कितना सुकून देने वाला है। मैं तो लगभग भूल ही गया था कि इसका स्वाद कैसा होता है।”

“बाहर का सामान तो ताज़ा है, साहब। ये डिब्बाबंद है।” श्री मिल्टन क्रेस्ट चुपचाप कमरे में आए और उन्हें घूरते हुए खड़े हो गए। वे पचास के आस-पास के एक सख्त, तगड़े आदमी थे। वे चुस्त-दुरुस्त दिखते थे, और उनकी फीकी नीली जींस, मिलिट्री-कट शर्ट और चौड़ी चमड़े की बेल्ट से लगता था कि उन्हें सख्त दिखने का शौक था। धूप में झुलसे चेहरे में उनकी भूरी आँखें थोड़ी झुकी हुई थीं और उनकी निगाहें नींद से भरी और तिरस्कारपूर्ण थीं। उनके होंठ नीचे की ओर मुड़े हुए थे, जो शायद मज़ाकिया या तिरस्कारपूर्ण थे - शायद तिरस्कारपूर्ण ही - और उनके कहे शब्द, जो ‘साहसी’ जैसे अपमानजनक शब्द को छोड़कर अपने आप में तो सीधे-सादे थे, मानो दो कुलियों को फेंके गए छोटे सिक्के हों। बॉन्ड को श्री क्रेस्ट के बारे में सबसे अजीब बात उनकी आवाज़ लगी। यह दाँतों के बीच से तुतलाती हुई एक कोमल, बेहद आकर्षक आवाज़ थी। यह बिल्कुल दिवंगत हम्फ्री बोगार्ट की आवाज़ थी। बॉन्ड ने उस आदमी को ऊपर से नीचे तक देखा, उसके कम कटे हुए काले और भूरे बाल, जो किसी गोली के नोक पर बिखरे लोहे के बुरादे जैसे लग रहे थे, से लेकर दाहिनी बांह पर बने टैटू वाले चील के ऊपर एक टूटे हुए लंगर के ऊपर बने चील के चित्र तक, और फिर उसके नंगे चमड़े के पैरों तक, जो कालीन पर सीधे खड़े थे। उसने सोचा: यह आदमी खुद को हेमिंग्वे का हीरो कहलाना पसंद करता है। मेरी उससे नहीं बनेगी।

मिस्टर क्रेस्ट कालीन पर चलकर आए और अपना हाथ आगे बढ़ाया। "आप बॉन्ड हैं? आपको

अपने साथ पाकर खुशी हुई, महोदय।"

बॉन्ड को हड्डी तोड़ देने वाली पकड़ की उम्मीद थी और उसने अपनी मांसपेशियों को मजबूत करके उसे रोक दिया।

“फ्री-डाइविंग या एक्वालंग?”

"यह मुफ़्त है, और मैं इसमें गहराई से नहीं जाता। यह महज़ एक शौक है।"

"बाकी समय में आप क्या करते हैं?"

"सिविल सेवक।"

श्री क्रेस्ट ने ठहाके लगाते हुए कहा, "शिष्टता और सेवाभाव। आप अंग्रेज दुनिया के सबसे बेहतरीन नौकर और सेवक होते हैं। सरकारी कर्मचारी? मुझे लगता है हमारी अच्छी बनेगी। मुझे अपने आस-पास सरकारी कर्मचारी ही पसंद हैं।"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

डेक हैच के पीछे सरकने की आवाज़ ने बॉन्ड के गुस्से को शांत कर दिया। मिस्टर क्रेस्ट का ख्याल उसके दिमाग से निकल गया जब धूप से झुलसी एक नग्न लड़की सीढ़ियों से उतरकर सैलून में आई। नहीं, वह पूरी तरह नग्न नहीं थी, लेकिन बिकिनी के हल्के भूरे साटन के टुकड़े ऐसे डिज़ाइन किए गए थे कि देखने वाले को लगे कि वह नग्न है।

“देखो, खजाने! तुम कहाँ छिपी हुई थीं? बहुत दिनों बाद मिले। मिलो मिस्टर बारबे और मिस्टर बॉन्ड से, जो आ रहे हैं।” मिस्टर क्रेस्ट ने लड़की की ओर हाथ उठाया। “दोस्तों, ये हैं मिसेज़ क्रेस्ट। पाँचवीं मिसेज़ क्रेस्ट। और कहीं किसी को कुछ गलतफहमी न हो जाए, तो बता दूं कि वो मिस्टर क्रेस्ट से प्यार करती हैं। है ना, खजाने?”

“अरे मिल्ट, ऐसी बातें मत करो, तुम जानते हो मैं तुम्हें पसंद करती हूँ।” श्रीमती क्रेस्ट ने प्यारी सी मुस्कान दी। “आप कैसे हैं, श्रीमान बारबे? और श्रीमान बॉन्ड? आपके साथ होना अच्छा लगा। क्या आप कुछ पीना चाहेंगे?”

“अब एक मिनट रुकिए, कोषाध्यक्ष जी। मान लीजिए कि आप मुझे अपने जहाज पर ही सब कुछ ठीक करने की अनुमति दे दें, है ना?” श्री क्रेस्ट की आवाज नरम और मधुर थी।

महिला का चेहरा लाल हो गया। "ओह जी हाँ, मिल्ट, बिल्कुल।"

“ठीक है, तो चलिए जानते हैं कि वावेक्रेस्ट नाम के इस जहाज़ का कप्तान कौन है।” उनकी मुस्कुराती हुई मुस्कान सभी के चेहरे पर फैल गई। “तो फिर, श्रीमान बारबे। वैसे, आपका पहला नाम क्या है? फिडेले, है ना? बड़ा नाम है। ओल्ड फेथफुल,” श्रीमान क्रेस्ट ने हंसते हुए कहा। “अच्छा, फिडो, चलो हम दोनों पुल पर चलते हैं और इस छोटी सी पुरानी नाव को चलाते हैं, है ना? बेहतर होगा कि आप इसे खुले समुद्र में ले जाएं और फिर एक रास्ता तय करके फ्रिट्ज़ को

सौंप दें। मैं कप्तान हूं। वह मेट है, और इंजन-रूम और पेंट्री के लिए दो लोग हैं। तीनों जर्मन हैं। यूरोप में बस यही बचे हैं। और श्रीमान बॉन्ड।"

पहला नाम? जेम्स, है ना? अच्छा, जिम, क्या कहते हो कि तुम श्रीमती क्रेस्ट पर थोड़ी सी शिष्टता और सेवाभाव का प्रदर्शन करोगे?

वैसे, उसे लिज़ कहकर बुलाना। दोपहर के खाने से पहले ड्रिंक्स के लिए कैनपेस वगैरह बनाने में उसकी मदद करना। वो भी कभी अंग्रेज़ थी। तुम दोनों पिकाडिली सर्कस और उन डच लोगों के बारे में बातें कर सकते हो जिन्हें तुम दोनों जानते हो। ठीक है? चलो, फिदो! वह लड़खड़ाते हुए सीढ़ियों पर चढ़ गया। "चलो यहाँ से निकल चलते हैं।"

जब दरवाजा बंद हुआ, तो बॉन्ड ने राहत की सांस ली। श्रीमती क्रेस्ट ने क्षमा मांगते हुए कहा: "कृपया उसके मज़ाकों पर ध्यान न दें। यह बस उसका हास्यबोध है। और वह थोड़ा अड़ियल भी है। उसे लोगों को चिढ़ाने में मज़ा आता है। यह उसकी शरारत है। लेकिन यह सब मज़ाक में ही होता है।"

बॉन्ड ने आश्वस्त करने वाली मुस्कान दी। उसे कितनी बार लोगों के सामने यह भाषण देना पड़ता था, मिस्टर क्रेस्ट ने जिन लोगों पर अपने 'मज़ाकिया अंदाज़' का प्रयोग किया था, उनके गुस्से को शांत करने की कोशिश करनी पड़ती थी? उसने कहा: "मुझे लगता है कि आपके पति को थोड़ा जानने की ज़रूरत है। क्या अमेरिका में भी उनका व्यवहार ऐसा ही है?"

उसने बिना किसी कड़वाहट के कहा: "सिर्फ मेरे साथ। उसे अमेरिकी लोग बहुत पसंद हैं। ये तब होता है जब वो विदेश में होता है। दरअसल, उसके पिता जर्मन थे, असल में प्रशियाई। उसमें वो बेवकूफी भरी जर्मन सोच है कि यूरोपीय लोग पतित हैं, अब किसी काम के नहीं रहे। उससे बहस करने का कोई फायदा नहीं। ये बस उसकी एक आदत है।"

तो बस! वही पुराना हूण फिर से आ गया। हमेशा या तो तुम्हारे पैरों पर या तुम्हारी गर्दन पर। वाकई, मज़ाक का क्या ही अंदाज़ है! और इस औरत को क्या-क्या सहना पड़ता होगा, इस खूबसूरत लड़की को जिसे उसने अपनी गुलाम बना लिया था - अपनी अंग्रेज़ गुलाम? बॉन्ड ने पूछा: "तुम्हारी शादी को कितने साल हो गए हैं?"

"दो साल। मैं उनके एक होटल में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम कर रही थी। आप जानते ही हैं, वो क्रेस्ट ग्रुप के मालिक हैं।"

यह अद्भुत था। किसी परीकथा जैसा। मुझे अभी भी कभी-कभी यकीन करने के लिए खुद को चुटकी काटनी पड़ती है कि मैं सपना तो नहीं देख रही। उदाहरण के लिए," उसने आलीशान कमरे की ओर हाथ हिलाते हुए कहा, "और वह मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार करता है।"

वह हमेशा मुझे तोहफे देते रहते हैं। आप जानते हैं, वह अमेरिका में बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं। हर जगह शाही मेहमान की तरह व्यवहार किया जाना बहुत अच्छा लगता है।

"ज़रूर होगा। मुझे लगता है उसे इस तरह की चीज़ें पसंद आती होंगी?"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

"ओह हाँ।" हँसी में थोड़ी निराशा थी। "उसमें सुल्तान की बहुत सी आदतें हैं। अगर उसे ठीक से सेवा न मिले तो वह बहुत अधीर हो जाता है। वह कहता है कि जब कोई पेड़ की चोटी तक पहुँचने के लिए बहुत मेहनत करता है तो उसे वहाँ उगने वाले सबसे अच्छे फल पर अधिकार होता है।" श्रीमती क्रेस्ट को लगा कि वह कुछ ज़्यादा ही खुलकर बोल रही हैं। उन्होंने जल्दी से कहा: "लेकिन सच में, मैं क्या कह रही हूँ? कोई भी सोचेगा कि हम एक-दूसरे को सालों से जानते हैं।" वह शर्माते हुए मुस्कुराईं। "मुझे लगता है कि यह इंग्लैंड से आए किसी व्यक्ति से मिलने का असर है। लेकिन मुझे सच में जाकर कुछ और कपड़े पहनने चाहिए। मैं डेक पर धूप सेंक रही थी।" तभी डेक के बीचोंबीच से एक गहरी गड़गड़ाहट सुनाई दी। "लो।"

हम चल पड़े। क्यों न आप पिछले डेक से हमें बंदरगाह से निकलते हुए देखें, मैं एक मिनट में आकर आपके साथ आ जाऊंगी। मुझे लंदन के बारे में बहुत कुछ सुनना है। इधर आइए।" वह उसके पास से गुजरी और एक दरवाजा खोल दिया। "दरअसल, अगर आप समझदार हैं, तो रातों के लिए इस पर अपना दावा कर लीजिए। यहाँ बहुत सारे कुशन हैं, और एयर कंडीशनिंग के बावजूद केबिन थोड़े उमस भरे हो सकते हैं।"

बॉन्ड ने उन्हें धन्यवाद दिया और बाहर निकलकर दरवाज़ा बंद कर लिया। यह एक बड़ा सा डेक था, जिसमें भांग की फर्श थी और पिछले हिस्से में क्रीम रंग का अर्धवृत्ताकार फोम रबर का सोफा था। बेंत की कुर्सियाँ इधर-उधर बिखरी हुई थीं और एक कोने में सर्विंग बार था। बॉन्ड के मन में ख्याल आया कि मिस्टर क्रेस्ट शायद बहुत शराब पीते होंगे। क्या यह उनका वहम था, या मिसेज़ क्रेस्ट उनसे डरी हुई थीं? उनके प्रति उनके रवैये में एक अजीब सी गुलामी झलक रही थी। निस्संदेह, उन्हें अपनी इस मनगढ़ंत कहानी की भारी कीमत चुकानी पड़ी होगी। बॉन्ड ने माहे के हरे-भरे किनारों को धीरे-धीरे पीछे छूटते देखा। उन्होंने अनुमान लगाया कि उनकी गति लगभग दस नॉट थी। वे जल्द ही नॉर्थ पॉइंट पर पहुँच जाएँगे और खुले समुद्र की ओर बढ़ेंगे। बॉन्ड एग्जॉस्ट से निकलने वाले चिपचिपे बुलबुले की आवाज़ सुन रहे थे और खूबसूरत मिसेज़ एलिज़ाबेथ क्रेस्ट के बारे में सोच रहे थे।

वह एक मॉडल हो सकती थी - शायद होटल रिसेप्शनिस्ट बनने से पहले रही भी हो - वह सम्मानित महिला पेशा जिसमें अभी भी उच्च वर्ग की झलक है - और वह अब भी अपने खूबसूरत शरीर को उस सहजता से हिलाती थी जैसे कोई बिना कपड़ों के, या लगभग बिना कपड़ों के, घूमने का आदी हो। लेकिन उसमें मॉडल वाली कोई ठंडक नहीं थी - उसका शरीर गर्मजोशी से भरा था और चेहरा दोस्ताना और भरोसेमंद था। वह तीस साल की हो सकती थी, निश्चित रूप से इससे अधिक नहीं, और उसकी सुंदरता, जो इससे अधिक कुछ नहीं थी, अभी भी अपरिपक्व थी। उसकी सबसे खूबसूरत विशेषता उसके सुनहरे बाल थे जो उसकी गर्दन के नीचे तक लटके हुए थे, लेकिन वह इस बारे में बिल्कुल भी घमंड नहीं करती थी। वह उन्हें न तो उछालती थी और न ही उनसे खेलती थी, और बॉन्ड को लगा कि वास्तव में वह नखरे का कोई संकेत नहीं दिखा रही थी। वह चुपचाप, लगभग विनम्र भाव से खड़ी थी, अपनी बड़ी, प्यारी नीली आँखों से लगभग पूरे समय अपने पति को देखती रही। उसके होंठों पर लिपस्टिक नहीं थी, न ही नाखूनों पर नेल पॉलिश, और उसकी भौहें भी प्राकृतिक थीं। क्या मिस्टर क्रेस्ट ने शायद यही आदेश दिया था कि

वह एक जर्मन प्राकृतिक बच्ची जैसी दिखे? शायद। बॉन्ड ने कंधे उचका दिए। वे वाकई एक अजीबोगरीब जोड़ी थे - अधेड़ उम्र के हेमिंग्वे, जिनकी आवाज़ बोगार्ट जैसी थी, और वह सुंदर, भोली-भाली लड़की। और माहौल में तनाव था - जिस तरह से उसने ड्रिंक्स ऑफर करने पर उसे अपने काबू में किया था, और उस आदमी के बनावटी मर्दानगी में।

बॉन्ड के मन में यह ख्याल आया कि शायद वह आदमी नपुंसक था और उसका सारा कठोर और असभ्य व्यवहार केवल पौरुष प्रदर्शन का दिखावा था। चार-पाँच दिन इस बात को सहना तो बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाला था।

बॉन्ड ने खूबसूरत सिलुएट द्वीप को दाईं ओर दूर जाते देखा और मन ही मन ठान लिया कि वह अपना आपा नहीं खोएगा। अमेरिकी कहावत है ना? 'अपनी गलती मानना'। यह उसके लिए एक दिलचस्प मानसिक कसरत होगी। वह पाँच दिन तक अपनी गलती मानता रहेगा और इस मनहूस आदमी को अपनी इस अच्छी यात्रा में दखल नहीं देने देगा।

“अच्छा, दोस्त। आराम कर रहे हो?” श्री क्रेस्ट नाव के डेक पर खड़े होकर कुएं में नीचे देख रहे थे।

“उस औरत का क्या किया जिसके साथ मैं रहता हूँ? लगता है सारा काम उसी पर छोड़ दिया है। अच्छा, और क्यों नहीं? आखिर काम तो यही है ना? क्या जहाज पर एक नज़र डालोगे? फिडो कुछ समय के लिए स्टीयरिंग संभाल रहा है और मेरे पास थोड़ा खाली समय है।” जवाब का इंतज़ार किए बिना, मिस्टर क्रेस्ट झुके और खुद को वेल-डेक में नीचे उतार लिया, आखिरी चार फीट तक।

"श्रीमती क्रेस्ट कपड़े पहन रही हैं। हाँ, मैं जहाज के ऊपर से देखना चाहूँगा।"

मिस्टर क्रेस्ट ने बॉन्ड को अपनी कठोर, तिरस्कारपूर्ण निगाहों से घूरा। “ठीक है। तो चलिए, पहले तथ्य जान लेते हैं। इसे ब्रॉन्सन ने बनाया है। ABC एम्बर LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

शिपबिल्डिंग कॉर्पोरेशन। संयोग से, मेरे पास इस कंपनी के नब्बे प्रतिशत शेयर हैं, इसलिए मुझे वही मिला जो मैं चाहता था।

रोसेनब्लैट्स द्वारा डिज़ाइन किया गया - जो नौसेना के शीर्ष वास्तुकार हैं। सौ फीट लंबा, इक्कीस फीट चौड़ा और छह फीट गहरा।

दो पांच सौ हॉर्सपावर के सुपीरियर डीजल इंजन। अधिकतम गति चौदह नॉट। आठ नॉट की गति से ढाई हजार मील की दूरी तय कर सकता है। पूरी तरह से वातानुकूलित। कैरियर कॉर्पोरेशन ने दो विशेष पांच टन के यूनिट डिजाइन किए हैं। एक महीने के लिए पर्याप्त फ्रोजन फूड और शराब ले जा सकता है। हमें बस नहाने और शॉवर के लिए ताजे पानी की जरूरत है। ठीक है? अब चलिए आगे चलते हैं, आप क्रू क्वार्टर देख सकते हैं, और हम पीछे की ओर चलेंगे। और एक बात, जिम,” मिस्टर क्रेस्ट ने डेक पर पैर पटकते हुए कहा। “यह फर्श है, देखो? और शौचालय टॉयलेट है। और अगर मुझे किसी को कुछ भी करने से रोकना हो तो मैं 'बेले' नहीं चिल्लाता, मैं 'होल्ड इट' चिल्लाता हूँ। समझे, जिम?”

बॉन्ड ने सौहार्दपूर्वक सिर हिलाया। "मुझे कोई आपत्ति नहीं है। यह आपका जहाज है।"

“यह मेरा जहाज है,” श्री क्रेस्ट ने सुधार करते हुए कहा। “स्टील और लकड़ी के एक टुकड़े को स्त्री बनाना सरासर बेवकूफी है। खैर, चलिए चलते हैं। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। यहाँ हर चीज़ के लिए छह फुट दो इंच की जगह है।”

बॉन्ड, मिस्टर क्रेस्ट के पीछे-पीछे जहाज के पूरे लंबे संकरे गलियारे से होते हुए आधे घंटे तक उस यॉट की खूब तारीफ करता रहा, जो यकीनन अब तक की सबसे बेहतरीन और आलीशान डिज़ाइन वाली यॉट थी। हर छोटी-छोटी चीज़ में आराम का पूरा ध्यान रखा गया था। यहाँ तक कि क्रू का बाथटब और शॉवर भी पूरे आकार का था, और स्टेनलेस स्टील की रसोई, जिसे मिस्टर क्रेस्ट रसोई कहते थे, क्रेस्ट के केबिन जितनी बड़ी थी। मिस्टर क्रेस्ट ने बिना दरवाज़ा खटखटाए केबिन का दरवाज़ा खोल दिया। लिज़ क्रेस्ट ड्रेसिंग टेबल पर बैठी थीं। मिस्टर क्रेस्ट ने अपनी कोमल आवाज़ में कहा, "अरे वाह, मेरी प्यारी! मुझे लगा था कि तुम बाहर ड्रिंक ट्रे ठीक कर रही होगी। तैयार होने में तुम्हें बहुत समय लग गया। जिम के लिए थोड़ा ज़्यादा सज-धज कर तैयार हो रही हो, है ना?"

“माफ़ करना, मिल्ट। मैं बस आ ही रही थी। ज़िप अटक गई थी।” लड़की ने जल्दी से एक कॉम्पैक्ट उठाया और दरवाज़े की ओर चल पड़ी। उसने उन दोनों को घबराहट भरी आधी मुस्कान दी और बाहर चली गई।

“वर्मोंट बर्च की लकड़ी की पैनलिंग, कॉर्निंग के कांच के लैंप, मैक्सिकन टफ्ट रग्स। वैसे, वह जहाज वाली तस्वीर तो मोंटेग्यू डॉसन की असली पेंटिंग है...” मिस्टर क्रेस्ट की कैटलॉग बिना रुके चलती रही। लेकिन बॉन्ड की नज़र उस चीज़ पर थी जो बेडसाइड टेबल के पास, मिस्टर क्रेस्ट के विशाल डबल बेड के हिस्से में, लगभग नज़र से ओझल लटक रही थी। वह चमड़े के पट्टे वाला एक पतला चाबुक था, जिसकी लंबाई लगभग तीन फीट थी। वह एक स्टिंग-रे मछली की पूंछ थी।

बॉन्ड लापरवाही से बिस्तर के किनारे गया और उसे उठा लिया। उसने अपनी उंगली उसकी कांटेदार उपास्थि पर फिराई। ऐसा करने में भी उसकी उंगली में दर्द हुआ। उसने कहा, "यह तुम्हें कहाँ से मिला? मैं आज सुबह ऐसे ही किसी जानवर का शिकार कर रहा था।"

“बहरीन। अरब लोग इनका इस्तेमाल अपनी पत्नियों पर करते हैं।” श्री क्रेस्ट ने सहजता से हंसते हुए कहा। “लिज़ पर अभी तक एक बार में एक से ज़्यादा स्ट्रोक लगाने की ज़रूरत नहीं पड़ी है। शानदार नतीजे। हम इसे मेरा ‘करेक्टर’ कहते हैं।”

बॉन्ड ने वह चीज़ वापस रख दी। उसने मिस्टर क्रेस्ट को घूरकर देखा और कहा: "क्या सच में? सेशेल्स में, जहाँ के लोग काफी सख्त हैं, वहाँ तो ऐसी चीज़ रखना भी गैरकानूनी है, इस्तेमाल करना तो दूर की बात है।"

मिस्टर क्रेस्ट दरवाजे की ओर बढ़े। उन्होंने बेपरवाही से कहा: "भाई, यह जहाज संयोग से संयुक्त राज्य अमेरिका के क्षेत्र में है। चलो कुछ पीने चलते हैं।"

श्री क्रेस्ट ने दोपहर के भोजन से पहले तीन डबल बुलशॉट (बर्फ में जमी वोदका) पी लीं और

खाने के साथ बीयर पी। उनकी पीली आँखें थोड़ी गहरी हो गईं और उनमें पानी जैसी चमक आ गई, लेकिन उनकी फुसफुसाती आवाज़ नरम और भावहीन ही रही, और बातचीत पर पूरी तरह से अपना अधिकार जमाते हुए उन्होंने यात्रा का उद्देश्य समझाया। "देखो दोस्तों, बात ऐसी है। अमेरिका में हमारे पास उन भाग्यशाली लोगों के लिए एक फाउंडेशन सिस्टम है जिनके पास खूब पैसा है और वे उसे अमेरिकी सरकार के खजाने में जमा नहीं करना चाहते। आप एक फाउंडेशन बनाते हैं।

- जैसे कि यह क्रेस्ट फाउंडेशन - धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए - सभी के लिए, बच्चों के लिए, बीमार लोगों के लिए, एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

विज्ञान के नाम पर - आप अपना पैसा किसी को भी दे देते हैं, सिवाय खुद के या अपने आश्रितों के, और उस पर टैक्स नहीं लगता। तो मैंने क्रेस्ट फाउंडेशन में दस मिलियन डॉलर लगाए, और क्योंकि मुझे नौकायन और दुनिया घूमना पसंद है, इसलिए मैंने उस पैसे में से दो मिलियन डॉलर से यह नौका बनवाई और स्मिथसोनियन - जो कि हमारा बड़ा प्राकृतिक इतिहास संस्थान है - को बताया कि मैं दुनिया के किसी भी हिस्से में जाकर उनके लिए नमूने इकट्ठा करूँगा। तो इससे मैं एक वैज्ञानिक अभियान बन गया, समझे? हर साल तीन महीने मैं एक शानदार छुट्टी मनाता हूँ, जिसका खर्चे मुझे बस मामूली से फैटी अर्बकल जितना पड़ता है!" श्री क्रेस्ट ने तालियों की उम्मीद में अपने मेहमानों की ओर देखा। "समझे?"

फिडेले बारबे ने संदेह से सिर हिलाया। "यह ठीक लगता है, श्रीमान क्रेस्ट। लेकिन ये दुर्लभ नमूने। क्या इन्हें ढूंढना आसान है? स्मिथसोनियन को एक विशाल पांडा, एक समुद्री शंख चाहिए। जहाँ वे असफल रहे हैं, वहाँ आप ये चीजें हासिल कर सकते हैं?"

श्री क्रेस्ट ने धीरे से अपना सिर हिलाया। उसने उदास स्वर में कहा: "भाई, तुम तो कल ही पैदा हुए हो। पैसा, बस यही चाहिए। पांडा चाहिए? किसी ऐसे चिड़ियाघर से खरीद लो जिसके पास अपने सरीसृपों के लिए सेंट्रल हीटिंग का खर्च भी नहीं है या जो अपने बाघों के लिए नया ब्लॉक बनाना चाहता है। सीप चाहिए? किसी ऐसे आदमी को ढूंढो जिसके पास हो और उसे इतना पैसा दो कि चाहे वो एक हफ्ते तक रोए, तुम्हें बेच ही दे। कभी-कभी सरकारों से थोड़ी दिक्कत हो जाती है। कोई न कोई जानवर संरक्षित होता है। ठीक है। एक उदाहरण देता हूँ। मैं कल तुम्हारे द्वीप पर पहुँचा। मुझे प्रस्लिन द्वीप से एक काला तोता चाहिए। मुझे अल्डाब्रा से एक विशाल कछुआ चाहिए। मुझे तुम्हारे यहाँ की सभी कौड़ियाँ चाहिए और मुझे वो मछली चाहिए जिसकी हमें तलाश है। पहले दो कानून द्वारा संरक्षित हैं। कल शाम मैंने शहर में कुछ पूछताछ करने के बाद तुम्हारे गवर्नर से मुलाकात की। मैंने कहा, महामहिम, मुझे पता चला है कि आप स्थानीय बच्चों को तैरना सिखाने के लिए एक सार्वजनिक स्विमिंग पूल बनवाना चाहते हैं। ठीक है। क्रेस्ट फाउंडेशन पैसा लगाएगा।"

कितने? पाँच हज़ार, दस हज़ार? ठीक है, तो दस हज़ार। ये रहा मेरा चेक। और मैंने तुरंत लिख दिया। बस एक छोटी सी बात, महामहिम, मैंने चेक को पकड़े हुए कहा। मुझे यहाँ रखे इस काले तोते का एक नमूना और एक अल्डाब्रा कछुआ चाहिए। मुझे पता है कि ये कानून द्वारा संरक्षित हैं। क्या मैं इनमें से एक-एक नमूना अमेरिका ले जाकर स्मिथसोनियन संग्रहालय में रख सकता हूँ? खैर, थोड़ी कहा-सुनी हुई, लेकिन क्योंकि ये स्मिथसोनियन संग्रहालय था और मेरे पास अभी भी

चेक था, इसलिए आखिर में हमने हाथ मिलाकर सौदा पक्का कर लिया और सब खुश थे। है ना? खैर, वापस आते समय मैं एक कस्बे में रुका और आपके भले व्यापारी श्री अबेन्डाना से तोते और कछुए को मेरे लिए मंगवाने और रखवाने का इंतज़ाम किया, और मेरी बात कौड़ियों के बारे में होने लगी। दरअसल, श्री अबेन्डाना बचपन से ही इन्हें इकट्ठा करते आ रहे हैं। उन्होंने मुझे दिखाया। बहुत ही खूबसूरती से रखे हुए - हर एक को रुई में लपेटा हुआ। अच्छी हालत में थे और उनमें से कई इसाबेला और मैप्पा वाले थे, जिन्हें खास तौर पर मुझे ढूंढने के लिए कहा गया था। माफ कीजिए, वो उन्हें बेच नहीं सकते थे। वो उनके लिए बहुत मायने रखते थे वगैरह-वगैरह। धत् तेरे की! मैंने मिस्टर अबेन्डाना की तरफ देखा और पूछा, कितने पैसे? नहीं नहीं। वो सोच ही नहीं पा रहे थे। फिर से धत् तेरे की! मैंने अपनी चेकबुक निकाली और पाँच हज़ार डॉलर का चेक लिखा और उनकी नाक के नीचे रख दिया। उन्होंने उसे देखा। पाँच हज़ार डॉलर! वो बर्दाश्त नहीं कर पाए। उन्होंने चेक मोड़कर अपनी जेब में रख लिया और फिर ये बेचारा रोने लगा! यकीन मानिए? मिस्टर क्रेस्ट ने अविश्वास से अपनी हथेलियाँ खोल दीं। “कुछ सीपियों के लिए। तो मैंने उनसे कहा कि शांत हो जाइए, और मैंने सीपियों की ट्रे उठाई और वहाँ से निकल गया, इससे पहले कि ये पागल पछतावे से खुद को गोली मार ले।”

मिस्टर क्रेस्ट आराम से बैठ गए, खुद पर बेहद गर्व महसूस करते हुए। "वाह, इस बारे में आपका क्या कहना है? द्वीप पर चौबीस घंटे में ही मैंने अपनी सूची का तीन-चौथाई काम पूरा कर लिया है। बढ़िया है ना, जिम?"

बॉन्ड ने कहा: "घर पहुँचकर शायद तुम्हें पदक मिलेगा। इस मछली का क्या?"

श्री क्रेस्ट मेज से उठे और अपनी डेस्क की दराज में कुछ ढूंढने लगे। वे एक टाइप किया हुआ कागज़ लेकर आए। “ये लीजिए।” उन्होंने पढ़कर सुनाया: “‘हिल्डेब्रांड रेरिटी। अप्रैल 1925 में सेशेल्स द्वीपसमूह के चाग्रिन द्वीप के पास विटवाटरसैंड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हिल्डेब्रांड द्वारा जाल में पकड़ा गया।’” श्री क्रेस्ट ने ऊपर देखा। “और फिर इसमें बहुत सारी वैज्ञानिक बातें लिखी हैं। मैंने उनसे इसे सरल अंग्रेजी में लिखवाया है, और ये रहा अनुवाद।” वे कागज़ की ओर मुड़े। “‘यह गिलहरी-मछली परिवार का एक अनूठा सदस्य प्रतीत होता है। एकमात्र ज्ञात नमूना, जिसे इसके खोजकर्ता के नाम पर “हिल्डेब्रांड रेरिटी” नाम दिया गया है, छह इंच लंबा है।”

यह मछली छह इंच लंबी है। इसका रंग चमकीला गुलाबी है जिस पर काली धारियाँ हैं। गुदा, उदर और पृष्ठीय पंख गुलाबी हैं। पूंछ का पंख काला है। आँखें बड़ी और गहरे नीले रंग की हैं। अगर यह मछली मिले तो इसे संभालते समय सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि इसके सभी पंख इस परिवार की बाकी मछलियों की तुलना में कहीं अधिक नुकीले हैं। प्रोफेसर हिल्डेब्रांड ने दर्ज किया है कि उन्होंने इस नमूने को दक्षिण-पश्चिमी चट्टान के किनारे तीन फीट गहरे पानी में पाया था। श्री क्रेस्ट ने कागज़ मेज पर पटक दिया। "तो फिर, दोस्तों, हम एक छह इंच की मछली को खोजने के लिए कई हज़ार डॉलर खर्च करके लगभग एक हज़ार मील की यात्रा कर रहे हैं। और दो साल पहले राजस्व विभाग के लोगों ने यह कहने की हिम्मत की थी कि मेरा फाउंडेशन फर्जी है!"

लिज़ क्रेस्ट ने उत्सुकता से बीच में कहा: "लेकिन बात तो यही है, मिल्ट, है ना? इस बार ढेर सारे नमूने और अन्य चीज़ें वापस लाना वाकई बहुत ज़रूरी है। क्या उन भयानक कर अधिकारियों ने पिछले पाँच सालों से यह नहीं कहा था कि अगर हमने कोई उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं दिखाई, तो वे नौका और उसके खर्चों को नामंजूर कर देंगे?"

क्या उन्होंने इसे इसी तरह नहीं कहा था?

“ट्रेजर,” मिस्टर क्रेस्ट की आवाज़ मखमल जैसी कोमल थी। “मान लीजिए कि आप मेरे निजी मामलों के बारे में अपना मुंह बंद रखेंगे। ठीक है?” आवाज़ में सौहार्द और बेफिक्री थी। “आपको पता है आपने अभी क्या किया है, ट्रेजर? आपने आज शाम करेक्टर से मुलाकात का मौका पा लिया है। यही आपने किया है।”

लड़की ने अपना हाथ अपने मुंह पर रख लिया। उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। उसने फुसफुसाते हुए कहा: "ओह नहीं, मिल्ट। ओह नहीं, कृपया।"

दूसरे दिन सुबह-सुबह उन्हें चाग्रिन द्वीप दिखाई दिया। इसे सबसे पहले रडार ने पकड़ा था।

स्कैनर पर सीधी रेखा में एक छोटा सा उभार दिखा और फिर विशाल घुमावदार क्षितिज पर एक सूक्ष्म धुंधलापन अनंत धीमी गति से बढ़कर आधा मील तक फैले हरे रंग के सफेद किनारों वाले क्षेत्र में तब्दील हो गया। दो दिनों के बाद ज़मीन पर आना असाधारण था, क्योंकि ऐसा लग रहा था मानो नौका ही इस खाली दुनिया में एकमात्र गतिशील, एकमात्र जीवित वस्तु हो। बॉन्ड ने इससे पहले कभी भी शांत क्षेत्रों को न तो देखा था और न ही उनकी कल्पना की थी। अब उसे एहसास हुआ कि पाल वाली नौकाओं के ज़माने में ये कितने भयानक खतरे रहे होंगे - चिलचिलाती धूप में कांच जैसा समुद्र, दुर्गंधयुक्त, भारी हवा, दुनिया के किनारे पर छोटे-छोटे बादलों की लकीरें जो कभी करीब नहीं आती थीं, कभी हवा या बारिश नहीं लाती थीं। सदियों से नाविकों ने हिंद महासागर के इस छोटे से बिंदु को कितना धन्य माना होगा, जब वे चप्पू चलाते हुए भारी जहाज को शायद एक दिन में एक मील आगे बढ़ाते थे! बॉन्ड नौका के अगले हिस्से में खड़ा होकर उड़ती हुई मछलियों को पतवार के नीचे से पानी उछालते हुए देख रहा था, जैसे-जैसे समुद्र का नीला-काला रंग धीरे-धीरे गहरे उथले पानी के भूरे, सफेद और हरे रंग में बदलता जा रहा था। यह कितना सुखद है कि वह जल्द ही बैठने और लेटने की बजाय फिर से चलने और तैरने लगेंगे। कुछ घंटों का एकांत कितना सुखद है - श्री मिल्टन क्रेस्ट से कुछ घंटों की दूरी!

उन्होंने चट्टान के बाहर दस फैदम की गहराई में लंगर डाला और फिडेले बारबे उन्हें स्पीडबोट में बिठाकर खुले स्थान से अंदर ले गईं। हर मायने में चाग्रिन एक आदर्श प्रवाल द्वीप था। यह लगभग बीस एकड़ में फैला रेत, मृत प्रवाल और छोटी झाड़ियों से घिरा हुआ था, जिसके पचास गज के उथले लैगून के बाद चट्टानों की एक श्रृंखला थी, जिस पर शांत, लंबी लहरें हल्की फुफकार के साथ टूट रही थीं। उनके उतरते ही पक्षियों के झुंड उड़ उठे - टर्न, बूबी, मेन-ऑफ-वॉर, फ्रिगेट - लेकिन जल्दी ही फिर से बैठ गए। गुआनो की तेज अमोनिया जैसी गंध थी, और झाड़ियाँ उसी से सफेद हो गई थीं। वहाँ केवल कुछ ही अन्य जीवित प्राणी थे, जैसे कि जमीन पर रहने वाले केकड़े जो लताओं के बीच रेंगते और खुरचते थे और रेत में रहने वाले फिडलर केकड़े।

सफेद रेत की चकाचौंध चकाचौंध कर रही थी और कहीं छाया नहीं थी। श्री क्रेस्ट ने एक तंबू लगाने का आदेश दिया और उसमें बैठकर सिगार पीते रहे, जबकि तरह-तरह का सामान किनारे पर लाया जा रहा था। श्रीमती क्रेस्ट तैर रही थीं और सीपियाँ इकट्ठा कर रही थीं, जबकि बॉन्ड और फिडेले बारबे ने मास्क पहन लिए और विपरीत दिशाओं में तैरते हुए द्वीप के चारों ओर की चट्टान की व्यवस्थित रूप से छानबीन करने लगे।

जब आप पानी के भीतर किसी विशेष प्रजाति की तलाश कर रहे हों - चाहे वह शंख हो, मछली हो, समुद्री शैवाल हो या मूंगे की संरचना हो।

आपको अपने दिमाग और आंखों को उस एक खास पैटर्न पर केंद्रित रखना होगा। रंगों का यह अद्भुत संगम ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा उत्पन्न किया गया है, http://www.processtext.com/abclit.html

गति और प्रकाश और छाया की अंतहीन विविधता हर समय आपकी एकाग्रता भंग करती रहती है। बॉन्ड धीरे-धीरे उस अद्भुत दुनिया में आगे बढ़ रहा था, उसके मन में बस एक ही तस्वीर थी - छह इंच लंबी गुलाबी मछली जिस पर काली धारियाँ और बड़ी-बड़ी आँखें थीं - ऐसी मछली उसने पहले कभी नहीं देखी थी। "अगर तुम इसे देखो," मिस्टर क्रेस्ट ने कहा, "तो बस ज़ोर से चिल्लाना और वहीं रहना। बाकी मैं कर लूँगा। मेरे पास तंबू में एक छोटी सी चीज़ है जो मछली पकड़ने के लिए सबसे बढ़िया चीज़ है जो तुमने कभी देखी होगी।"

बॉन्ड अपनी आँखों को आराम देने के लिए रुका। पानी इतना हल्का था कि वह बिना हिले-डुले सतह पर औंधे मुँह लेट सकता था। उसने लापरवाही से अपने भाले की नोक से एक समुद्री अंडा तोड़ा और चमकती हुई समुद्री मछलियों के झुंड को सुई जैसी नुकीली काली रीढ़ की हड्डी के बीच पीले मांस के टुकड़ों की तलाश में झपटते हुए देखा। कितना भयानक था कि अगर उसे रेरिटी मिल भी गई तो उससे केवल मिस्टर क्रेस्ट को ही फायदा होगा! क्या उसे मिलने पर चुप रहना चाहिए? बचकाना होगा, और वैसे भी वह एक तरह से अनुबंध के तहत था। बॉन्ड धीरे-धीरे आगे बढ़ा, उसकी आँखें अपने आप फिर से खोज में जुट गईं जबकि उसका दिमाग उस लड़की के बारे में सोचने लगा। उसने पिछला दिन बिस्तर पर बिताया था। मिस्टर क्रेस्ट ने कहा था कि उसे सिरदर्द था। क्या वह एक दिन उसके खिलाफ हो जाएगी? क्या वह चाकू या बंदूक उठा लेगी और एक रात, जब वह उस शापित चाबुक को उठाएगा, तो क्या वह उसे मार डालेगी? नहीं। वह बहुत कोमल, बहुत लचीली थी। मिस्टर क्रेस्ट ने सही चुनाव किया था। वह गुलामों के गुणों से भरपूर थी। और उसके बंधन

'परीकथा' वाली बातें बहुत ही अनमोल थीं। क्या उसे यह एहसास नहीं था कि अगर स्टिंग-रे कोड़ा अदालत में पेश किया गया तो जूरी उसे निश्चित रूप से बरी कर देगी? वह इस भयानक, घिनौने आदमी के बिना भी सारी सुख-सुविधाएँ पा सकती थी। क्या बॉन्ड को उसे यह बताना चाहिए? बकवास मत करो! वह इसे कैसे कहता? "ओह लिज़, अगर तुम अपने पति की हत्या करना चाहती हो, तो यह बिल्कुल ठीक रहेगा।" बॉन्ड ने अपने मुखौटे के अंदर मुस्कुराया। भाड़ में जाए! दूसरों के जीवन में दखल मत दो।

शायद उसे यह पसंद है - आत्मपीड़क। लेकिन बॉन्ड जानता था कि यह बहुत आसान जवाब था। यह एक ऐसी लड़की थी जो डर में जीती थी। शायद वह घृणा में भी जीती थी। उन कोमल नीली आँखों में ज़्यादा कुछ नहीं पढ़ा जा सकता था, लेकिन खिड़कियाँ एक-दो बार खुली थीं और उनमें बचकानी नफ़रत जैसी कोई झलक दिखाई दी थी। क्या यह नफ़रत थी? शायद बदहज़मी थी। बॉन्ड ने क्रेस्ट्स के बारे में सोचना बंद किया और यह देखने के लिए ऊपर देखा कि वह द्वीप पर कितनी दूर तक आ गया है।

फिडेले बारबे का स्नोर्कल सिर्फ सौ गज दूर था। वे लगभग चक्कर पूरा कर चुके थे।

वे दोनों एक साथ ऊपर आए और तैरकर किनारे पर पहुंचे और गर्म रेत पर लेट गए। फिडेले बारबे ने कहा:

"मेरी ज़मीन पर दुनिया की सारी मछलियाँ हैं, सिवाय एक के। लेकिन मेरी किस्मत चमक गई है।"

मुझे हरे घोंघों की एक बड़ी कॉलोनी दिखी। वो मोती के खोल थे, जो एक छोटी फुटबॉल जितने बड़े थे। काफी कीमती थे। मैं एक दिन अपनी नाव से उन्हें पकड़ने जाऊंगा। मैंने एक नीली तोता मछली देखी, जिसका वजन लगभग तीस पाउंड रहा होगा। एकदम शांत, यहाँ की बाकी मछलियों की तरह। उसे मारने की हिम्मत नहीं हुई। और अगर मार देता, तो मुसीबत हो जाती। मैंने दो-तीन तेंदुए शार्क को चट्टान के ऊपर घूमते देखा।

पानी में खून की मौजूदगी ने शायद उन्हें बचा लिया। अब मुझे कुछ पीने और खाने की इच्छा हो रही है।

उसके बाद हम अपनी जगह बदल सकते हैं और एक और कोशिश कर सकते हैं।"

वे उठे और समुद्र तट पर चलते हुए तंबू तक पहुँचे। श्री क्रेस्ट ने उनकी आवाज़ें सुनीं और उनसे मिलने बाहर आए। “कुछ नहीं मिला, है ना?” उन्होंने गुस्से से अपनी बगल खुजलाई। “मुझे उस मक्खी ने काट लिया। यह द्वीप तो हद से ज़्यादा बेकार है। लिज़ को बदबू बर्दाश्त नहीं हुई। वह जहाज़ पर वापस चली गई। लगता है हमें एक बार फिर यहाँ का जायज़ा लेना चाहिए और फिर यहाँ से निकल जाना चाहिए। आप लोग खाना खा लीजिए और आपको आइसपैक में ठंडी बीयर मिल जाएगी। लीजिए, मुझे एक मास्क दे दीजिए। इसे कैसे इस्तेमाल करते हैं? लगता है मुझे इसी बीच समुद्र की तलहटी भी देख लेनी चाहिए।”

वे गर्म तंबू में बैठे, चिकन सलाद खाया, बीयर पी और उदास मन से मिस्टर क्रेस्ट को उथले पानी में इधर-उधर देखते रहे। फिडेले बारबे ने कहा: “वह बिल्कुल सही कह रहे हैं। ये छोटे-छोटे द्वीप बहुत ही भयानक जगहें हैं। चारों ओर बस केकड़े और पक्षियों की बीट ही है, और चारों ओर बहुत सारा समुद्र है। केवल बेचारे ठंडे यूरोपीय ही मूंगे के द्वीपों का सपना देखते हैं। स्वेज नहर के पूर्व में, आपको कोई भी समझदार आदमी नहीं मिलेगा जिसे इनकी परवाह हो। मेरे परिवार के पास ऐसे लगभग दस द्वीप हैं - अच्छे आकार के भी, जिन पर छोटे-छोटे गाँव बसे हैं और खोपरा और कछुए से अच्छी आमदनी होती है। खैर, आप ये सब कुछ पेरिस या लंदन में एक फ्लैट के बदले में ले सकते हैं।”

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

बॉन्ड हँस पड़ा। उसने कहना शुरू किया, “द टाइम्स में विज्ञापन दे दो, तो ढेरों लोग आ जाएँगे...” तभी पचास गज दूर, मिस्टर क्रेस्ट घबराकर इशारे करने लगे। बॉन्ड ने कहा, “या तो उस कमीने को मिल गया है या फिर उसने गिटार-फिश पर पैर रख दिया है,” और अपना मास्क उठाकर समुद्र की ओर दौड़ पड़ा।

श्री क्रेस्ट उथले चट्टानी किनारों पर कमर तक पानी में खड़े थे। उन्होंने उत्साह से सतह की ओर

उंगली मारी। बॉन्ड धीरे से आगे बढ़ा। समुद्री घास की एक चादर टूटे हुए मूंगे और इक्का-दुक्का निगरहेड मछलियों पर आकर खत्म होती थी। दर्जनों प्रकार की तितली और अन्य चट्टानी मछलियाँ चट्टानों के बीच इश्कबाज़ी कर रही थीं, और एक छोटी लैंगोस्ट अपने एंटीना से बॉन्ड की ओर बढ़ रही थी। एक बड़े हरे मोरे का सिर एक छेद से बाहर निकला हुआ था, उसके आधे खुले जबड़े में नुकीले दाँतों की कतारें दिखाई दे रही थीं। उसकी सुनहरी आँखें बॉन्ड को ध्यान से देख रही थीं। बॉन्ड को यह देखकर मज़ा आया कि श्री क्रेस्ट के बालों वाले पैर, जो शीशे में हल्के पेड़ के तनों की तरह बड़े दिखाई दे रहे थे, मोरे के जबड़ों से एक फुट से ज़्यादा दूर नहीं थे। उसने अपने भाले से मोरे को प्रोत्साहित करने के लिए एक हल्का सा वार किया, लेकिन ईल ने केवल धातु के नुकीले हिस्सों पर झपट्टा मारा और आँखों से ओझल हो गई। बॉन्ड रुका और तैरता रहा, उसकी आँखें शानदार जंगल को स्कैन कर रही थीं। दूर धुंध में से एक लाल धब्बा दिखाई दिया और उसकी ओर आया। वह मछली मानो अपनी शान दिखा रही हो, उसके ठीक नीचे चक्कर लगा रही थी। उसकी गहरी नीली आँखें बिना किसी डर के उसे निहार रही थीं। छोटी मछली कुछ झिझकते हुए एक छोटे से काँच के नीचे उगी शैवाल को कुतरने में व्यस्त हो गई, पानी में तैरती किसी छोटी सी चीज़ पर झपटी, और फिर, मानो अपनी कलाबाज़ी दिखाने के बाद मंच छोड़कर, सुस्ती से वापस कोहरे में तैर गई।

बॉन्ड मोरे के बिल से पीछे हट गया और अपने पैर ज़मीन पर रख दिए। उसने अपना मुखौटा उतार दिया। उसने मिस्टर क्रेस्ट से कहा, जो अपनी गॉगल्स से उसे बेसब्री से देख रहे थे: "हाँ, सब ठीक है।"

बेहतर होगा कि चुपचाप यहाँ से चले जाओ। जब तक वह डर न जाए, वह नहीं जाएगा। ये चट्टानी मछलियाँ अक्सर एक ही जगह पर रहती हैं।

मिस्टर क्रेस्ट ने अपना मुखौटा उतार दिया। “वाह, मैंने इसे पा लिया!” उन्होंने श्रद्धापूर्वक कहा। “हाँ, मैंने पा ही लिया।” वे धीरे-धीरे बॉन्ड के पीछे-पीछे किनारे की ओर चल पड़े।

फिडेले बारबे उनका इंतजार कर रही थी। श्री क्रेस्ट ने जोश से कहा: “फिडो, मुझे वो मछली मिल गई। मैं -

मिल्टन क्रेस्ट। इसके बारे में तुम्हें क्या पता? तुम दोनों कमीने सुबह से यही कर रहे थे। मैंने तुम्हारा वो मास्क उतार दिया - यकीन मानो, मैंने पहली बार मास्क पहना था - और मैं बाहर निकला और पंद्रह मिनट में ही मुझे वो मछली मिल गई। क्या कहते हो, फिदो?

“बहुत बढ़िया, मिस्टर क्रेस्ट। ठीक है। अब इसे कैसे पकड़ें?”

“आहा।” श्री क्रेस्ट ने धीरे से आँख मारी। “मेरे पास इसका एकदम सही नुस्खा है। मेरे एक रसायनज्ञ मित्र से मिला है। इसे रोटेनोन कहते हैं। यह डेरिस की जड़ से बनता है। ब्राज़ील में आदिवासी इसी से मछली पकड़ते हैं। बस इसे पानी में डाल दो, जहाँ यह उस मछली के ऊपर तैरता रहेगा जिसे तुम पकड़ना चाहते हो, और यह उसे पक्का मार देगा। एक तरह का ज़हर है। यह उनके गलफड़ों की रक्त वाहिकाओं को सिकोड़ देता है। उन्हें दम घोंटकर मार देता है। मनुष्यों पर इसका कोई असर नहीं होता क्योंकि उनके गलफड़े नहीं होते, समझे?” श्री क्रेस्ट बॉन्ड की ओर मुड़े। “लो, जिम। तुम जाओ और नज़र रखो। ध्यान रखना कि ये मछलियाँ भाग न जाएँ।

फिडो और मैं वो चीज़ वहाँ ले आते हैं” - उन्होंने उस महत्वपूर्ण अंग से ऊपर की ओर इशारा किया। “जब तुम कहोगे, मैं रोटेनोन छोड़ दूँगा। यह बहकर तुम्हारी ओर आ जाएगा। ठीक है? लेकिन प्लीज़ समय का ध्यान रखना। मेरे पास इसकी सिर्फ़ पाँच गैलन की एक छोटी सी डिब्बी है। ठीक है?”

बॉन्ड ने कहा, "ठीक है," और धीरे-धीरे पानी में उतर गया। वह आलस से तैरते हुए उस जगह पर पहुँच गया जहाँ वह पहले खड़ा था। हाँ, सब लोग अभी भी वहीं थे, अपने-अपने काम में लगे हुए थे। मोरे का नुकीला सिर फिर से अपने बिल के किनारे पर था, लैंगोस्ट ने फिर से उससे सवाल किया। एक मिनट में, मानो बॉन्ड से कोई मुलाकात तय हो, हिल्डेब्रांड रेरिटी प्रकट हुई। इस बार वह उसके चेहरे के काफी करीब तैरकर आई। उसने शीशे के पार से उसकी आँखों में देखा और फिर, मानो वहाँ जो कुछ देखा उससे विचलित होकर, तेज़ी से दूर चली गई। वह थोड़ी देर चट्टानों के बीच खेलती रही और फिर धुंध में गायब हो गई।

धीरे-धीरे बॉन्ड की दृष्टि में समाई छोटी सी पानी के भीतर की दुनिया उसे सहजता से स्वीकारने लगी। एक छोटा सा ऑक्टोपस, जो मूंगे के टुकड़े के रूप में छिपा हुआ था, ने अपनी उपस्थिति प्रकट की और सावधानीपूर्वक नीचे की ओर बढ़ने लगा। (जनरेटेड बाय एबीसी एम्बर लिट कन्वर्टर, http://www.processtext.com/abclit.html)

रेत। नीले और पीले रंग का लैंगोस्ट चट्टान के नीचे से कुछ कदम बाहर आया, मानो उसे देख रहा हो। कुछ छोटी-छोटी मछलियाँ, जैसे मिनो, उसके पैरों और पैर की उंगलियों को कुतर रही थीं, जिससे गुदगुदी हो रही थी। बॉन्ड ने उनके लिए एक समुद्री अंडा तोड़ा और वे बेहतर भोजन की ओर दौड़ पड़ीं। बॉन्ड ने अपना सिर उठाया। मिस्टर क्रेस्ट, चपटे डिब्बे को पकड़े हुए, बॉन्ड के दाहिनी ओर बीस गज की दूरी पर थे। बॉन्ड के इशारे पर वे जल्द ही तरल पदार्थ डालना शुरू कर देंगे, ताकि तरल पदार्थ सतह पर अच्छी तरह फैल जाए।

“ठीक है?” श्री क्रेस्ट ने पुकारा।

बॉन्ड ने सिर हिलाया। "जब वह वापस आएगा तो मैं अंगूठा उठाऊंगा। तब आपको जल्दी से डालना होगा।"

“ठीक है, जिम। तुम बम गिराने वाली जगह पर हो।”

बॉन्ड ने अपना सिर नीचे झुका लिया। वहाँ एक छोटा सा समुदाय था, हर कोई अपने-अपने कामों में व्यस्त था। जल्द ही, पाँच हज़ार मील दूर एक संग्रहालय में किसी की थोड़ी-बहुत चाहत वाली एक मछली को पाने के लिए, सौ, शायद हज़ार छोटे-छोटे लोग मरने वाले थे। जब बॉन्ड इशारा देगा, तो मौत का साया नदी पर छा जाएगा। ज़हर का असर कब तक रहेगा? वह चट्टान पर कितनी दूर तक फैलेगा?

शायद मरने वालों की संख्या हजारों में नहीं बल्कि दसियों हजार में होगी।

एक छोटी सी ट्रंक-फिश दिखाई दी, उसके नन्हे पंख प्रोपेलर की तरह तेज़ी से घूम रहे थे। सोने, लाल और काले रंग की एक खूबसूरत रॉक ब्यूटी रेत पर चोंच मार रही थी, और टूटे हुए समुद्री अंडे की गंध से आकर्षित होकर, काले और पीले रंग की धारियों वाले सार्जेंट-मेजर की एक जोड़ी

अचानक कहीं से प्रकट हो गई।

चट्टान के अंदर, छोटी मछलियों की दुनिया में शिकारी कौन था? वे किससे डरते थे? छोटी बैराकुडा मछली से?

कभी-कभार शिकार करने वाली मछली? अब, एक बड़ा, पूरी तरह से विकसित शिकारी, क्रेस्ट नाम का एक आदमी, घात लगाकर बैठा था। और यह भूखा भी नहीं था। वह तो बस शिकार करने आया था - मानो मजे के लिए।

बॉन्ड की नज़र में दो भूरे रंग के पैर दिखाई दिए। उसने ऊपर देखा। वह फिडेले बारबे था, जिसकी छाती पर एक बड़ी टोकरी बंधी थी और उसके हाथ में लंबे हैंडल वाला जाल था।

बॉन्ड ने अपना मुखौटा उठाया। "मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं नागासाकी में बम दागने वाला सैनिक हूँ।"

मछलियाँ ठंडे रक्त वाली होती हैं। उन्हें कुछ भी महसूस नहीं होता।

“तुम्हें कैसे पता? मैंने उन्हें चोट लगने पर चीखते हुए सुना है।”

बार्बे ने उदासीनता से कहा: “इस चीज़ से वे चीख भी नहीं पाएँगे। यह उनका गला घोंट देगी। तुम्हें क्या परेशान कर रहा है? वे तो बस मछलियाँ हैं।”

“मुझे पता है, मुझे पता है।” फिडेले बारबे ने अपना पूरा जीवन जानवरों और मछलियों को मारने में बिताया था। जबकि बॉन्ड ने कई बार इंसानों को मारने में भी संकोच नहीं किया था। भला वो इतना परेशान क्यों हो रहा था? उसे स्टिंग-रे को मारने में कोई आपत्ति नहीं थी। हाँ, लेकिन वो तो दुश्मन मछली थी। यहाँ नीचे रहने वाले लोग तो दोस्त थे। लोग? ये कैसी दयनीय भ्रांति!

“अरे!” श्री क्रेस्ट की आवाज़ आई। “वहाँ क्या चल रहा है? यह गपशप करने का समय नहीं है।”

अपना सिर नीचे करो, जिम।

बॉन्ड ने अपना मुखौटा नीचे किया और सतह पर लेट गया। तभी उसने दूर धुंध से आती हुई एक सुंदर लाल परछाई देखी। मछली तेज़ी से उसकी ओर तैरती हुई आई, मानो अब वह उसे हल्के में ले रही हो। वह उसके नीचे लेट गई और ऊपर देखने लगी। बॉन्ड ने अपने मुखौटे में कहा: "यहाँ से दूर हो जा, धिक्कार है तू।" उसने अपने भाले से मछली पर ज़ोरदार वार किया। मछली वापस धुंध में भाग गई। बॉन्ड ने अपना सिर उठाया और गुस्से से अंगूठा ऊपर किया। यह तोड़फोड़ का एक हास्यास्पद और तुच्छ कृत्य था, जिसके लिए वह पहले से ही शर्मिंदा था। गहरा भूरा तैलीय तरल लैगून की सतह पर बह रहा था। इससे पहले कि यह सब खत्म हो जाए, मिस्टर क्रेस्ट को रोकने का समय था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

अब उसे हिल्डेब्रांड रेरिटी पर एक और मौका देने का समय आ गया है। बॉन्ड तब तक खड़ा

देखता रहा जब तक आखिरी बूंद भी बाहर नहीं निकल गई। मिस्टर क्रेस्ट भाड़ में जाए!

अब वह पदार्थ धारा के साथ धीरे-धीरे नीचे की ओर बह रहा था - एक चमकदार, फैलता हुआ धब्बा जो नीले आकाश को धातुई चमक के साथ प्रतिबिंबित कर रहा था। विशालकाय फसल काटने वाले श्री क्रेस्ट उसके साथ नीचे की ओर बढ़ रहे थे। "तैयार हो जाओ, साथियों," उन्होंने उत्साह से पुकारा। "यह अब तुम्हारे पास ही है।"

बॉन्ड ने अपना सिर पानी के नीचे डाल दिया। उस छोटे से समुदाय में सब कुछ पहले जैसा ही था। और फिर, अचानक, सब लोग पागल हो गए। ऐसा लगा जैसे उन सबको सेंट विटस का नाच सवार हो गया हो। कई मछलियाँ पागलों की तरह गोल-गोल घूमने लगीं और फिर भारी पत्तों की तरह रेत पर गिर पड़ीं। मोरे ईल मूंगे के छेद से धीरे-धीरे बाहर निकली, उसके जबड़े चौड़े थे। वह सावधानी से अपनी पूंछ पर सीधी खड़ी हुई और धीरे से एक तरफ लुढ़क गई। छोटे लैंगोस्ट ने अपनी पूंछ से तीन लात मारीं और अपनी पीठ के बल पलट गया, और ऑक्टोपस ने मूंगे पर अपनी पकड़ छोड़ दी और उल्टा होकर तल में बह गया। और फिर ऊपर से लाशें बहकर मैदान में आ गईं - सफेद पेट वाली मछलियाँ, झींगे, केंचुए, हर्मिट केकड़े, चित्तीदार और हरे मोरे, हर आकार के लैंगोस्ट। मानो मौत की हल्की हवा से उड़ाए गए वे बेढंगे शरीर, जिनके रंग पहले ही फीके पड़ चुके थे, धीरे-धीरे बहते चले गए। एक पाँच पाउंड की बिल-फिश अपनी चोंच चटकाते हुए मौत से लड़ती हुई गुजरी।

चट्टान के नीचे, पानी की सतह पर हलचल मची हुई थी क्योंकि उससे भी बड़ी मछलियाँ सुरक्षा के लिए भागने की कोशिश कर रही थीं। बॉन्ड की आँखों के सामने, एक-एक करके समुद्री अर्चिन चट्टानों से गिरकर रेत पर काले धब्बे बना रहे थे।

बॉन्ड को अपने कंधे पर किसी का स्पर्श महसूस हुआ। मिस्टर क्रेस्ट की आँखें धूप और चकाचौंध से लाल हो गई थीं। उन्होंने अपने होठों पर सफेद सनबर्न पेस्ट लगाया हुआ था। उन्होंने बॉन्ड के मुखौटे पर अधीरता से चिल्लाते हुए कहा, "हमारी मछली कहाँ है?"

बॉन्ड ने अपना मुखौटा उठाया। "ऐसा लगता है कि यह सब कुछ गिरने से ठीक पहले भागने में कामयाब हो गया। मैं अभी भी इस पर नज़र रख रहा हूँ।"

उसने मिस्टर क्रेस्ट के जवाब का इंतज़ार नहीं किया और झट से अपना सिर फिर से पानी में डाल लिया। अभी भी और खून-खराबा, अभी भी और लाशें। लेकिन यकीनन अब सब कुछ थम गया होगा। यकीनन यह इलाका सुरक्षित होगा, कहीं ऐसा न हो कि मछली, उसकी मछली क्योंकि उसने उसे बचाया था, वापस आ जाए! वह एकदम सख्त हो गया। दूर धुंध में एक गुलाबी चमक दिखी। वह गायब हो गई थी। अब वह फिर से लौट आई थी। हिल्डेब्रांड रेरिटी, चट्टान की टूटी हुई चौकियों के बीच बने चैनलों के जाल से होते हुए, धीरे-धीरे उसकी ओर तैर रही थी।

मिस्टर क्रेस्ट की परवाह न करते हुए, बॉन्ड ने अपना खाली हाथ पानी से बाहर निकाला और ज़ोर से नीचे पटका। फिर भी मछली आती रही। बॉन्ड ने अपनी भाले वाली बंदूक का सेफ खिसकाया और मछली की दिशा में फायर कर दिया।

कोई असर नहीं हुआ। बॉन्ड ने अपने पैर जमाए और लाशों के ढेर के बीच से मछली की ओर

चलने लगा।

लाल और काले रंग की वह खूबसूरत मछली मानो थम सी गई और कांप उठी। फिर वह सीधे पानी में तैरती हुई बॉन्ड की ओर बढ़ी और उसके पैरों के पास रेत पर गोता लगाकर वहीं जम गई। बॉन्ड को बस झुकना पड़ा और उसने उसे उठा लिया।

पूंछ की एक भी फड़फड़ाहट नहीं हुई। मछली ने बॉन्ड के हाथ को पूरी तरह से ढक लिया, और उसकी नुकीली काली पृष्ठीय पंख ने हथेली को हल्का सा चुभन दी। बॉन्ड ने उसके रंगों को सुरक्षित रखने के लिए उसे पानी के नीचे वापस ले गया। जब वह मिस्टर क्रेस्ट के पास पहुँचा तो उसने कहा, "लो," और उन्हें छोटी मछली सौंप दी। फिर वह किनारे की ओर तैरकर चला गया।

उस शाम, जब वावेक्रेस्ट विशाल पीले चंद्रमा के मार्ग पर घर की ओर बढ़ रहा था, श्री क्रेस्ट ने एक आदेश दिया जिसे उन्होंने 'विंडडिंग' कहा। "लिज़, जश्न मनाना है। यह शानदार है, एक शानदार दिन। आखिरी लक्ष्य को भी नष्ट कर दिया और अब हम इन घटिया सेशेल्स से निकलकर वापस सभ्यता की ओर जा सकते हैं।"

क्या कहते हो, कछुए और उस मनहूस तोते को साथ लेकर हम मोम्बासा चलें? नैरोबी के लिए उड़ान भरें और वहाँ से रोम, वेनिस, पेरिस - जहाँ भी तुम चाहो, वहाँ के लिए एक बड़ा विमान लें। क्या कहती हो, प्यारी?" उसने अपने बड़े हाथ से उसकी ठुड्डी और गालों को दबाया और उसके पीले होंठों को सिकोड़ दिया। उसने उन्हें रूखेपन से चूमा। बॉन्ड ने लड़की की आँखों को देखा। वे कसकर बंद थीं। मिस्टर क्रेस्ट ने उसे छोड़ दिया। लड़की ने अपने चेहरे को सहलाया। उसका चेहरा अभी भी उसकी उंगलियों के निशानों से सफेद था।

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

“अरे मिल्ट,” उसने हंसते हुए कहा, “तुमने तो मुझे लगभग कुचल ही दिया था। तुम्हें अपनी ताकत का अंदाजा नहीं है। लेकिन चलो जश्न मनाते हैं। मुझे लगता है इसमें बहुत मजा आएगा। और पेरिस जाने का विचार तो शानदार है। चलो चलते हैं, ठीक है?”

मैं रात के खाने में क्या ऑर्डर करूं?

“अरे वाह – कैवियार तो चाहिए ही।” श्री क्रेस्ट ने अपने हाथ फैलाए। “हैमर श्लेमर का वो दो पाउंड वाला डिब्बा – ग्रेड दस शॉट साइज वाला, और सारी सामग्रियां साथ में। और वो गुलाबी शैम्पेन।” उन्होंने बॉन्ड की ओर मुड़कर पूछा। “ये तुम पर जंचेगा, यार?”

“लगता है बढ़िया खाना है।” बॉन्ड ने विषय बदलते हुए पूछा, “इनाम का क्या किया?”

“फॉर्मेलिन। नाव के डेक पर, इधर-उधर से इकट्ठा की गई कुछ और चीजों से भरे जारों के साथ - मछलियाँ, सीपियाँ। सब हमारे घर के मुर्दाघर में सुरक्षित हैं। हमें नमूनों को इसी तरह रखने के लिए कहा गया था। सभ्यता में वापस पहुँचते ही उस मछली को हवाई डाक से भेज देंगे। पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। इससे घर के अखबारों में खूब सुर्खियाँ बनेंगी। मैंने स्मिथसोनियन और समाचार एजेंसियों को पहले ही रेडियो कर दिया है। मेरे लेखाकारों को उन राजस्व अधिकारियों

को दिखाने के लिए कुछ प्रेस की कटिंग देखकर बहुत खुशी होगी।"

उस रात मिस्टर क्रेस्ट ने खूब शराब पी ली थी। हालांकि, इसका कोई खास असर नहीं दिखा। उनकी कोमल आवाज़ और भी धीमी और बेजान हो गई। उनका गोल, सख्त सिर कंधों पर और भी सधे हुए अंदाज़ में घूमने लगा। सिगार को दोबारा जलाने के लिए लाइटर की लौ में ज़्यादा समय लगने लगा और एक गिलास मेज से नीचे गिर गया। लेकिन मिस्टर क्रेस्ट की बातों में यह साफ झलक रहा था। उनके अंदर एक हिंसक क्रूरता, दूसरों को चोट पहुँचाने की एक विकृत इच्छा, साफ तौर पर दिखाई दे रही थी।

उस रात, खाने के बाद, पहला निशाना जेम्स बॉन्ड था। उसे बड़ी विनम्रता से समझाया गया कि यूरोप, जिसमें इंग्लैंड और फ्रांस भी शामिल हैं, दुनिया के लिए तेजी से घटती हुई संपत्ति क्यों है।

श्री क्रेस्ट ने कहा, आजकल केवल तीन ही शक्तियाँ बची हैं - अमेरिका, रूस और चीन। यही असली पोकर का खेल है और किसी भी अन्य देश के पास इसमें शामिल होने के लिए न तो चिप्स हैं और न ही कार्ड। कभी-कभी कोई छोटा-सा प्यारा देश - और उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में वे काफी बड़े खिलाड़ी रहे हैं - जैसे इंग्लैंड को कुछ पैसे उधार दिए जाते हैं ताकि वे बड़ों के साथ हाथ आजमा सकें। लेकिन यह तो बस शिष्टाचार था, जैसा कि कभी-कभी करना पड़ता है - अपने क्लब के किसी दोस्त के प्रति जो दिवालिया हो गया हो। नहीं। इंग्लैंड - अच्छे लोग, ध्यान रहे, अच्छे खिलाड़ी - पुरानी इमारतों और रानी आदि को देखने की जगह है। फ्रांस? वे केवल अच्छे भोजन और आसानी से मिलने वाली महिलाओं के लिए जाने जाते हैं। इटली? धूप और स्पेगेटी। एक तरह का सैनिटोरियम। जर्मनी?

खैर, उनमें अभी भी कुछ जोश बाकी था, लेकिन दो हारी हुई लड़ाइयों ने उनका मनोबल तोड़ दिया था। श्री क्रेस्ट ने कुछ इसी तरह के शब्दों का प्रयोग करते हुए बाकी दुनिया को खारिज कर दिया और फिर बॉन्ड से उनकी टिप्पणी पूछी।

बॉन्ड, मिस्टर क्रेस्ट से पूरी तरह तंग आ चुका था। उसने कहा कि उसे मिस्टर क्रेस्ट का दृष्टिकोण बहुत सरल और भोला लगता है। उसने कहा, "आपकी दलील मुझे अमेरिका के बारे में सुनी एक तीखी कहावत की याद दिलाती है। क्या आप उसे सुनना चाहेंगे?"

"ज़रूर ज़रूर।"

इसका तात्पर्य यह है कि अमेरिका परिपक्वता की अवस्था से गुजरे बिना ही शैशवावस्था से वृद्धावस्था की ओर बढ़ गया है।

मिस्टर क्रेस्ट ने बॉन्ड को ध्यान से देखा। अंत में उन्होंने कहा: "अरे जिम, ये तो बहुत बढ़िया है।" उनकी आँखें थोड़ी झुकी हुई थीं जब वे अपनी पत्नी की ओर मुड़ीं। "लगता है तुम जिम की उस बात से सहमत हो, है ना, खजाना? मुझे याद है तुमने एक बार कहा था कि तुम्हें अमेरिकियों में कुछ बचकानापन लगता है। याद है?"

"ओह मिल्ट।" लिज़ क्रेस्ट की आँखों में चिंता थी। उसने संकेत भांप लिए थे। "तुम ये बात कैसे उठा सकते हो? तुम्हें पता है मैंने अखबारों के कॉमिक सेक्शन के बारे में बस यूं ही कह दिया था। ज़ाहिर है मैं जेम्स की बात से सहमत नहीं हूँ। वैसे भी, ये तो बस एक मज़ाक था, है ना जेम्स?"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

“बिल्कुल सही,” बॉन्ड ने कहा। “जैसे मिस्टर क्रेस्ट ने कहा था कि इंग्लैंड में खंडहरों और एक रानी के अलावा कुछ नहीं बचा है।”

मिस्टर क्रेस्ट की निगाहें अभी भी उस लड़की पर टिकी थीं। उन्होंने धीरे से कहा: “अरे, मेरी प्यारी। तुम इतनी घबराई हुई क्यों दिख रही हो? ज़ाहिर है, ये एक मज़ाक था।” वे थोड़ी देर रुके। “और ये एक ऐसा मज़ाक है जिसे मैं हमेशा याद रखूंगा, मेरी प्यारी। एक ऐसा मज़ाक जिसे मैं ज़रूर याद रखूंगा।”

बॉन्ड का अनुमान था कि अब तक मिस्टर क्रेस्ट ने लगभग एक पूरी बोतल भर शराब, जिसमें ज़्यादातर व्हिस्की थी, पी ली होगी। बॉन्ड को ऐसा लग रहा था कि अगर मिस्टर क्रेस्ट बेहोश नहीं हुए, तो जल्द ही उन्हें अपने जबड़े पर एक ज़ोरदार मुक्का मारना पड़ेगा। फिडेले बारबे को अब यही सबक सिखाया जा रहा था। “ये तुम्हारे द्वीप, फिडो। जब मैंने पहली बार इन्हें नक्शे पर देखा, तो मुझे लगा जैसे ये पन्ने पर धूल के कुछ धब्बे हों।” मिस्टर क्रेस्ट हँसे। “मैंने इन्हें हाथ के पिछले हिस्से से झाड़ने की कोशिश भी की। फिर मैंने इनके बारे में थोड़ा पढ़ा और मुझे लगा कि मेरा पहला विचार बिल्कुल सही था। किसी काम के नहीं हैं, है ना, फिडो? मुझे हैरानी होती है कि तुम्हारे जैसा समझदार आदमी वहाँ से निकल क्यों नहीं जाता। समुद्र तट पर घूमना कोई अच्छी ज़िंदगी नहीं है। हालाँकि मैंने सुना है कि तुम्हारे परिवार के किसी सदस्य के सौ से ज़्यादा नाजायज बच्चे हैं। शायद यही आकर्षण है, है ना, दोस्त?” मिस्टर क्रेस्ट ने जानबूझकर मुस्कुराते हुए कहा।

फिडेले बारबे ने शांत भाव से कहा: “ये मेरे चाचा गैस्टन हैं। परिवार के बाकी सदस्य इससे सहमत नहीं हैं। इससे परिवार की संपत्ति में काफी नुकसान हुआ है।”

“पारिवारिक संपत्ति, है ना?” श्री क्रेस्ट ने बॉन्ड की ओर आँख मारी। “किसमें है? कौड़ी के खोल में?”

“बिल्कुल नहीं।” फिडेले बारबे को मिस्टर क्रेस्ट के इस तरह के असभ्य व्यवहार की आदत नहीं थी। वह थोड़ा शर्मिंदा दिखे। “हालांकि, लगभग सौ साल पहले जब इन चीजों का बहुत चलन था, तब हमने कछुए की खोल और सीप से काफी कुछ बनाया था। खोपरा हमेशा से हमारा मुख्य व्यवसाय रहा है।”

“लगता है, खानदान के नाजायज बच्चों से काम करवा रहे हो। बढ़िया विचार है। काश मैं भी अपने घर में ऐसा कुछ कर पाता।” उसने अपनी पत्नी की तरफ देखा। उसके होंठ और भी सिकुड़ गए। अगला ताना मारने से पहले ही बॉन्ड ने अपनी कुर्सी पीछे धकेली और कुएं वाले डेक पर जाकर दरवाजा बंद कर लिया।

दस मिनट बाद, बॉन्ड को नाव के डेक से सीढ़ी से नीचे उतरते कदमों की हल्की आहट सुनाई दी। वह मुड़ा। यह लिज़ क्रेस्ट थी। वह उसके पास, जहाँ वह नाव के पिछले हिस्से में खड़ा था, आकर बोली, “मैंने कहा था कि मैं सोने जा रही हूँ। लेकिन फिर मैंने सोचा कि वापस आकर देख लूँ कि

तुम्हें तुम्हारी सारी ज़रूरतें पूरी हो गई हैं या नहीं। मुझे अफ़सोस है कि मैं अच्छी मेज़बान नहीं हूँ। क्या तुम्हें यहाँ सोने में कोई आपत्ति नहीं है?"

मुझे यह अच्छा लग रहा है। मुझे अंदर की बंद हवा से ज़्यादा इस तरह की हवा पसंद है। और इतने सारे तारों को देखना वाकई अद्भुत है। मैंने पहले कभी इतने सारे तारे नहीं देखे।

उसने उत्सुकता से, एक दोस्ताना विषय पकड़ने की कोशिश करते हुए कहा: "मुझे ओरियन बेल्ट और दक्षिणी क्रॉस सबसे ज़्यादा पसंद हैं। आपको पता है, जब मैं छोटी थी, तो मुझे लगता था कि तारे वास्तव में आकाश में छेद हैं। मुझे लगता था कि दुनिया एक बड़े काले आवरण से घिरी हुई है, और उसके बाहर ब्रह्मांड चमकदार रोशनी से भरा हुआ है।"

तारे मानो लिफाफे में बने छेद थे जिनसे रोशनी की छोटी-छोटी किरणें निकल रही थीं। जवानी में ऐसे अजीबोगरीब ख्याल आते हैं। उसने ऊपर उसकी तरफ देखा, वह चाहती थी कि वह उसे नज़रअंदाज़ न करे।

बॉन्ड ने कहा: "आप शायद बिल्कुल सही कह रहे हैं। वैज्ञानिकों की हर बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए। वे हर चीज़ को नीरस बनाना चाहते हैं। तब आप कहाँ रहते थे?"

"न्यू फॉरेस्ट के रिंगवुड में। वह पालन-पोषण के लिए एक अच्छी जगह थी। बच्चों के लिए एक अच्छी जगह। मैं एक दिन फिर से वहां जाना चाहूंगी।"

बॉन्ड ने कहा: "तब से अब तक आपने काफी लंबा सफर तय कर लिया है। आपको शायद यह काफी नीरस लगेगा।"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसने हाथ बढ़ाकर उसकी आस्तीन को छुआ। "कृपया ऐसा मत कहो। तुम नहीं समझते—" उसकी कोमल आवाज़ में थोड़ी सी बेबसी थी—"मैं उन चीज़ों को याद करके नहीं जी सकती जो आम लोगों के पास होती हैं—आम लोगों के पास। मेरा मतलब," वह घबराकर हँसी, "तुम विश्वास नहीं करोगे, लेकिन बस कुछ मिनटों के लिए इस तरह बात करना, तुम्हारे जैसे किसी से बात करना, ये ऐसी चीज़ है जिसे मैं लगभग भूल ही गई थी।" उसने अचानक उसका हाथ पकड़ लिया और कसकर थाम लिया। "मुझे माफ़ करना। मैं बस ऐसा करना चाहती थी। अब मैं सोने जा रही हूँ।"

उनके पीछे से एक धीमी आवाज़ आई। आवाज़ थोड़ी लड़खड़ा रही थी, लेकिन हर शब्द को अलग-अलग बोला गया था। "वाह वाह! क्या बात है? पानी के अंदर काम करने वाली लड़की के साथ रोमांस!"

श्री क्रेस्ट सैलून के हैच में खड़े थे। उनके पैर फैले हुए थे और बाहें सिर के ऊपर चौखट तक फैली हुई थीं। पीछे से आती रोशनी में उनकी आकृति किसी बबून जैसी लग रही थी। सैलून की ठंडी, घुटन भरी हवा उनके पास से गुज़री और एक पल के लिए वेल-डेक की गर्म रात की हवा को ठंडा कर दिया। श्री क्रेस्ट बाहर निकले और धीरे से दरवाज़ा बंद कर दिया।

बॉन्ड उसकी ओर एक कदम बढ़ा, उसके हाथ ढीले ढाले उसके बगल में थे। उसने मिस्टर क्रेस्ट के पेट के निचले हिस्से तक की दूरी नापी। उसने कहा: “जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष मत निकालिए, मिस्टर क्रेस्ट। और अपनी ज़बान संभालिए। आप खुशकिस्मत हैं कि आज रात अब तक आपको चोट नहीं लगी है। अपनी किस्मत को ज्यादा मत आजमाइए। आप नशे में हैं। जाइए, सो जाइए।”

“ओहो! इस धूर्त आदमी की बात सुनो।” श्री क्रेस्ट का धूप से झुलसा हुआ चेहरा धीरे-धीरे बॉन्ड से अपनी पत्नी की ओर मुड़ा।

उसने तिरस्कारपूर्ण, हाब्सबर्ग शैली का मुंह बनाया। उसने अपनी जेब से एक चांदी की सीटी निकाली और उसे डोरी पर घुमाया। “उसे बात समझ नहीं आ रही है, है ना, जनाब? तुमने उसे बताया नहीं कि सामने वाले वो हेनीज़ सिर्फ़ सजावट के लिए नहीं हैं?” वह बॉन्ड की ओर मुड़ा। “भाई, अगर तुम ज़रा भी पास आए तो मैं इसे एक बार बजाऊंगा। और जानते हो क्या? फिर मिस्टर बॉन्ड को पानी में फेंक दिया जाएगा” - उसने समुद्र की ओर इशारा किया - “बहक जाना। आदमी पानी में गिर गया। बहुत बुरा हुआ। हम तलाशी के लिए पीछे हटेंगे और जानते हो क्या, भाई? इत्तेफ़ाक से हम उन दो पेंचों से तुमसे टकरा जाएंगे। यकीन मानो!

"उस भले आदमी जिम के लिए कितनी बुरी किस्मत है, जिसे हम सब इतना पसंद करने लगे थे!" श्री क्रेस्ट अपने पैरों पर लड़खड़ा गए।

“क्या तुम्हें वो फोटो मिल गई, जिम? ठीक है, तो चलो फिर से दोस्त बन जाते हैं और थोड़ी देर सो लेते हैं।” उसने खिड़की के चौखट की ओर हाथ बढ़ाया और अपनी पत्नी की ओर मुड़ा। उसने अपना खाली हाथ उठाया और धीरे से एक उंगली टेढ़ी की। “चलो, प्यारी। सोने का समय हो गया है।”

“जी हां, मिल्ट।” उसकी चौड़ी, डरी हुई आंखें बगल में घूम गईं। “शुभ रात्रि, जेम्स।” जवाब का इंतजार किए बिना, वह मिस्टर क्रेस्ट की बांह के नीचे से निकलकर लगभग दौड़ते हुए सैलून से बाहर भाग गई।

मिस्टर क्रेस्ट ने हाथ उठाया। "आराम से रहो, दोस्त। कोई बुरा मत मानना, है ना?"

बॉन्ड ने कुछ नहीं कहा। वह मिस्टर क्रेस्ट को लगातार घूरता रहा।

श्री क्रेस्ट अनिश्चितता से हँसे। उन्होंने कहा: "ठीक है फिर।" वे सैलून में दाखिल हुए और दरवाजा बंद कर दिया।

खिड़की से बॉन्ड ने उसे लड़खड़ाते हुए सैलून में जाते और बत्तियाँ बुझाते हुए देखा। वह गलियारे में गया और वहाँ स्टेटरूम के दरवाजे से एक पल के लिए हल्की रोशनी आई, और फिर वह भी अंधेरा हो गया।

बॉन्ड ने अपने कंधे उचका दिए। हे भगवान, क्या आदमी है! वह जहाज के पिछले हिस्से की रेलिंग से टिक गया और तारों तथा पानी के पीछे उठने वाली लहरों की चमक को देखने लगा, और अपने मन को शांत करने और शरीर में जमा तनाव को कम करने में जुट गया।

आधे घंटे बाद, क्रू के बाथरूम में नहाने के बाद, बॉन्ड डनलपिलो के गद्दों के ढेर के बीच अपना बिस्तर बना रहा था, तभी उसे एक दिल दहला देने वाली चीख सुनाई दी। रात के सन्नाटे में वह चीख गूंजी और फिर दब गई। वह लड़की थी। बॉन्ड भागते हुए सैलून से होते हुए गलियारे में चला गया।

केबिन के दरवाजे पर हाथ रखे हुए वह रुक गया। उसे उसकी सिसकियाँ सुनाई दे रही थीं और उनके ऊपर मिस्टर क्रेस्ट की धीमी, एक समान आवाज़ आ रही थी। उसने कुंडी से हाथ हटा लिया, धिक्कार है! इससे उसका क्या लेना-देना था?

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

वे पति-पत्नी थे। अगर वह इस तरह की बातें सहने को तैयार थी और अपने पति को मार नहीं रही थी, या उसे छोड़कर नहीं जा रही थी, तो बॉन्ड का सर गैलाहाड बनने का कोई मतलब नहीं था। बॉन्ड धीरे-धीरे गलियारे से वापस चला गया। जैसे ही वह सैलून पार कर रहा था, चीख फिर से सुनाई दी, इस बार पहले से कम तीखी। बॉन्ड ने गुस्से में गालियां दीं और बाहर जाकर अपने बिस्तर पर लेट गया और डीजल इंजनों की धीमी आवाज पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की। एक लड़की में इतनी कम हिम्मत कैसे हो सकती है? या क्या औरतें मर्दों से लगभग सब कुछ सह सकती हैं? उदासीनता को छोड़कर सब कुछ? बॉन्ड का दिमाग शांत नहीं हो रहा था। नींद उससे और दूर होती जा रही थी।

एक घंटे बाद बॉन्ड बेहोशी की कगार पर पहुँच गया था, तभी उसके ऊपर नाव के डेक पर श्री क्रेस्ट खर्राटे लेने लगे। पोर्ट विक्टोरिया से निकलने के बाद दूसरी रात, श्री क्रेस्ट आधी रात को अपने केबिन से निकलकर उस झूले पर चले गए थे जो स्पीडबोट और डिंघी के बीच उनके लिए टांगा गया था। लेकिन उस रात उन्होंने खर्राटे नहीं लिए थे। अब वे गहरे, कर्कश और बेसुध खर्राटे ले रहे थे, जैसे बहुत ज़्यादा शराब के साथ नीली नींद की गोलियाँ लेने से आते हैं।

यह हद से ज़्यादा था। बॉन्ड ने अपनी घड़ी देखी। डेढ़ बज रहे थे। अगर दस मिनट में खर्राटे बंद नहीं हुए, तो बॉन्ड फिडेले बारबे के केबिन में जाकर ज़मीन पर सो जाएगा, भले ही सुबह उठने पर उसका शरीर अकड़ा हुआ और जमा हुआ महसूस हो।

बॉन्ड ने चमकती हुई मिनट की सुई को धीरे-धीरे डायल पर घूमते हुए देखा। अब! वह उठ खड़ा हुआ था और अपनी कमीज़ और शॉर्ट्स समेट रहा था कि तभी नाव के डेक से एक ज़ोरदार धमाका हुआ। धमाके के तुरंत बाद खरोंचने की आवाज़ें और एक भयानक घुटन और गड़गड़ाहट सुनाई दी। क्या मिस्टर क्रेस्ट अपने झूले से गिर गए थे? अनिच्छा से बॉन्ड ने अपना सामान वापस डेक पर रखा और चलकर सीढ़ी पर चढ़ गया। जैसे ही उसकी नज़र नाव के डेक पर पड़ी, घुटन बंद हो गई। उसकी जगह एक और, ज़्यादा भयानक आवाज़ सुनाई दी - एड़ियों की तेज़ थपथपाहट। बॉन्ड उस आवाज़ को जानता था। वह आखिरी सीढ़ियों पर उछलकर चढ़ा और तेज़ चाँदनी में पीठ के बल लेटे हुए उस व्यक्ति की ओर दौड़ा।

वह रुक गया और स्तब्ध होकर धीरे-धीरे घुटनों के बल बैठ गया। गला घोंटा हुआ चेहरा देखना ही भयानक था, लेकिन उसके खुले मुंह से जो निकला हुआ था, वह मिस्टर क्रेस्ट की जीभ नहीं थी।

वह एक मछली की पूंछ थी। रंग गुलाबी और काला था। यह हिल्डेब्रांड रेरिटी थी!

वह आदमी मर चुका था - भयानक मौत। जब मछली उसके मुंह में ठूंसी गई थी, तो उसने ज़रूर ऊपर हाथ बढ़ाकर उसे बाहर निकालने की बेताब कोशिश की होगी। लेकिन पृष्ठीय और गुदा पंखों के कांटे उसके गालों में फंस गए थे और कुछ कांटेदार सिरे अब खून से लथपथ त्वचा से बाहर निकले हुए थे, जो उसके भद्दे मुंह के चारों ओर फैली हुई थी। बॉन्ड सिहर उठा। मौत एक मिनट के भीतर आ गई होगी। लेकिन वह एक मिनट कितना भयानक था!

बॉन्ड धीरे-धीरे उठा। वह कांच के नमूने रखने वाले जारों के रैक के पास गया और सुरक्षात्मक चंदवा के नीचे झाँका। आखिरी जार का प्लास्टिक का ढक्कन उसके बगल में डेक पर पड़ा था। बॉन्ड ने उसे सावधानी से तिरपाल पर पोंछा, और फिर, अपनी उंगलियों के नाखूनों से पकड़कर, उसे जार के मुंह पर ढीला-ढाला वापस रख दिया।

वह वापस गया और लाश के पास खड़ा हो गया। इन दोनों में से किसने यह किया था? कीमती इनाम को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने में एक शैतानी द्वेष झलक रहा था। इससे महिला की ओर इशारा मिला। उसके पास ज़रूर अपने कारण रहे होंगे। लेकिन फिडेले बारबे, अपने क्रियोल खून के साथ, क्रूरता और साथ ही भयावह हास्य दोनों रखता। "जे लुई ऐ फौतु सोन सैक्रे पॉइसन डान्स ला ग्यूल"। बॉन्ड उसे ये शब्द कहते हुए सुन सकता था। अगर बॉन्ड के सैलून से जाने के बाद, मिस्टर क्रेस्ट ने सेशेल्सवासी को थोड़ा और उकसाया होता - खासकर उसके परिवार या उसके प्यारे द्वीपों के बारे में - तो फिडेले बारबे उसे वहीं पर नहीं मारता, न ही चाकू का इस्तेमाल करता, वह इंतज़ार करता और योजना बनाता।

बॉन्ड ने डेक पर चारों ओर नज़र डाली। उस आदमी के खर्राटे उन दोनों में से किसी के लिए भी संकेत हो सकते थे। केबिन-डेक के मध्य भाग के दोनों ओर से बोट-डेक तक सीढ़ियाँ थीं। आगे के पायलट-हाउस में स्टीयरिंग व्हील पर बैठा आदमी इंजन-रूम के शोर के ऊपर कुछ भी नहीं सुन पा रहा होगा। छोटी मछली को फॉर्मेलिन के घोल से निकालकर मिस्टर क्रेस्ट के खुले मुँह में डालने में बस कुछ ही सेकंड लगते।

बॉन्ड ने कंधे उचका दिए। जिसने भी यह किया था, उसने इसके परिणामों के बारे में नहीं सोचा था - अपरिहार्य जांच के बारे में। (एबीसी एम्बर एलआईटी कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html)

शायद एक ऐसे मुकदमे का जिसमें बॉन्ड खुद एक अतिरिक्त संदिग्ध होगा। अगर वह मामले को सुलझा नहीं पाया तो निश्चित रूप से वे सभी बहुत बड़ी मुसीबत में फंसने वाले थे।

बॉन्ड ने नाव के डेक के किनारे से नीचे झाँका। नीचे तीन फुट चौड़ी डेक की पट्टी थी जो जहाज की पूरी लंबाई में फैली हुई थी। इसके और समुद्र के बीच दो फुट ऊँची रेलिंग थी। मान लीजिए कि झूला टूट गया होता, और मिस्टर क्रेस्ट गिरकर स्पीडबोट के नीचे लुढ़कते हुए ऊपरी डेक के किनारे से नीचे चले गए होते, तो क्या वे समुद्र तक पहुँच सकते थे? इस सन्नाटे में तो लगभग असंभव था, लेकिन यही होने वाला था।

बॉन्ड हरकत में आ गया। उसने सैलून से एक टेबल-चाकू लाकर, झूले की एक मुख्य डोरी को

सावधानी से घिसा और फिर तोड़ दिया, जिससे झूला डेक पर असली जैसा दिखने लगा। फिर उसने एक नम कपड़े से लकड़ी पर लगे खून के धब्बे और नमूने के जार से टपकती फॉर्मेलिन की बूंदों को साफ किया। फिर आया सबसे मुश्किल काम - लाश को संभालना। बॉन्ड ने सावधानी से लाश को डेक के बिल्कुल किनारे तक खींचा और खुद सीढ़ी से नीचे उतरकर, खुद को संभालते हुए, ऊपर की ओर बढ़ा। लाश उस पर भारी, नशे में धुत्त आलिंगन की तरह गिर पड़ी। बॉन्ड लड़खड़ाते हुए उसके नीचे से होते हुए नीची रेलिंग तक पहुँचा और उसे धीरे से नीचे उतारा।

उस बदसूरत, फूले हुए चेहरे की आखिरी झलक दिखी; बासी व्हिस्की की घिनौनी गंध, एक ज़ोरदार छपछपाहट, और वह गायब हो गया और लहरों के साथ धीरे-धीरे बहता चला गया। बॉन्ड सैलून के हैचवे से सटकर बैठ गया, ताकि अगर हेल्मसमैन पीछे से जाँच करने आए तो वह अंदर घुस सके। लेकिन आगे कोई हलचल नहीं हुई और डीज़ल इंजनों की लोहे जैसी गड़गड़ाहट स्थिर रही।

बॉन्ड ने गहरी सांस ली। किसी दुर्घटना के अलावा कुछ और साबित करने वाला फोरेंसिक विशेषज्ञ बहुत ही परेशानी भरा होगा।

वह वापस नाव के डेक पर गया, एक आखिरी बार सब कुछ देखा, चाकू और गीले कपड़े को ठिकाने लगाया और सीढ़ी से उतरकर कुएं में बने अपने बिस्तर पर चला गया। समय था ढाई बजकर पंद्रह मिनट। बॉन्ड दस मिनट के भीतर सो गया।

बारह नॉट की रफ्तार से जहाज चलाते हुए वे शाम छह बजे तक नॉर्थ पॉइंट पहुँच गए। उनके पीछे आसमान नीले रंग पर लाल और सुनहरी धारियों से जगमगा रहा था। दोनों पुरुष, जिनके बीच में एक महिला खड़ी थी, वेल-डेक की रेलिंग पर खड़े होकर समुद्र के मोती जैसे साफ पानी में चमकते किनारे को देखते रहे। लिज़ क्रेस्ट ने सफेद लिनेन की फ्रॉक पहनी थी, जिसमें काली बेल्ट और गले में काला-सफेद रूमाल था। शोक के रंग उनकी सुनहरी त्वचा पर खूब जंच रहे थे। तीनों लोग अकड़े हुए और कुछ संकोच से खड़े थे, हर कोई अपने-अपने गुप्त ज्ञान को सँजोए हुए था, और हर कोई बाकी दोनों को यह जताना चाहता था कि उनके रहस्य उसके पास सुरक्षित हैं।

उस सुबह तीनों ने देर तक सोने की साज़िश रची थी। बॉन्ड भी सुबह दस बजे तक सूरज की रोशनी से नहीं जागा था। उसने क्रू क्वार्टर में नहाया और हेलसमैन से थोड़ी देर बात की, फिर नीचे जाकर देखा कि फिडेले बारबे का क्या हुआ। वो अभी भी बिस्तर पर था। उसने कहा कि उसे हैंगओवर है। क्या उसने मिस्टर क्रेस्ट से बहुत बदतमीज़ी की थी? उसे ज़्यादा कुछ याद नहीं था, बस इतना याद था कि मिस्टर क्रेस्ट ने उससे बहुत बदतमीज़ी की थी। "जेम्स, तुम्हें याद है मैंने उसके बारे में शुरू से क्या कहा था? हरामी लोगों का ग्रैंड स्लैम। अब तुम मुझसे सहमत हो? एक दिन कोई न कोई उसका वो घटिया मुँह हमेशा के लिए बंद कर देगा।"

निष्कर्ष अस्पष्ट। बॉन्ड ने रसोईघर में अपने लिए नाश्ता बनाया था और वहीं खा रहा था जब लिज़ क्रेस्ट भी नाश्ता करने के लिए अंदर आई। उसने घुटनों तक लंबा हल्के नीले रंग का शंटुंग किमोनो पहना हुआ था। उसकी आँखों के नीचे काले घेरे थे और वह खड़े होकर नाश्ता कर रही थी। लेकिन वह बिल्कुल शांत और सहज लग रही थी।

उसने दबी आवाज़ में रहस्यमयी अंदाज़ में कहा: “मैं कल रात के लिए माफ़ी मांगती हूँ। मुझे

लगता है मैंने भी कुछ ज़्यादा पी ली थी। लेकिन मिल्ट को माफ़ कर देना। वो सच में बहुत अच्छा इंसान है। बस जब वो ज़्यादा पी लेता है तभी थोड़ा नखरे दिखाता है। अगली सुबह वो हमेशा पछताता है। तुम देख लोगी।"

जब ग्यारह बज गए और बाकी दोनों में से किसी ने भी, एक तरह से कहें तो, अपनी पोल खोलने का कोई संकेत नहीं दिया, तो बॉन्ड ने आगे बढ़ने का फैसला किया। उसने लिज़ क्रेस्ट को घूरकर देखा, जो वेल-डेक पर पेट के बल लेटी एक पत्रिका पढ़ रही थी। उसने कहा: "वैसे, तुम्हारा पति कहाँ है? अभी भी सो रहा है?"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

उसने माथे पर शिकन डाली। "शायद ऐसा ही है। वह नाव के डेक पर अपने झूले पर चला गया। मुझे समय का कोई अंदाजा नहीं है। मैंने नींद की गोली ली और सीधे सो गई।"

फिडेले बारबे ने एम्बरजैक मछली पकड़ने के लिए जाल डाला हुआ था। बिना इधर-उधर देखे उन्होंने कहा: "वह शायद पायलट हाउस में होगा।"

बॉन्ड ने कहा: "अगर वह अभी भी नाव के डेक पर सो रहा है, तो उसे बुरी तरह से सनबर्न हो जाएगा।"

लिज़ क्रेस्ट ने कहा: "ओह, बेचारा मिल्ट! मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था। मैं जाकर देखूंगी।"

वह सीढ़ी चढ़ी। जब उसका सिर नाव के डेक के स्तर से ऊपर पहुंचा तो वह रुक गई। उसने घबराकर नीचे पुकारा: "जिम। वह यहाँ नहीं है। और झूला टूटा हुआ है।"

बॉन्ड ने कहा: "फिडेले शायद सही कह रही है। मैं आगे जाकर देखूंगा।"

वह पायलट-हाउस गया। वहाँ फ्रिट्ज़, मेट और इंजीनियर मौजूद थे। बॉन्ड ने पूछा, "क्या किसी ने मिस्टर क्रेस्ट को देखा है?"

फ्रिट्ज असमंजस में दिख रहा था। "नहीं, महोदय। क्यों? क्या कुछ गड़बड़ है?"

बॉन्ड के चेहरे पर चिंता साफ झलक रही थी। "वो पीछे नहीं है। इधर आओ! चारों तरफ देखो। वो नाव के डेक पर सो रहा था। वो वहाँ नहीं है और उसका झूला भी टूटा हुआ है। कल रात उसकी हालत कुछ ज्यादा ही खराब थी। चलो! जल्दी करो!"

जब अपरिहार्य निष्कर्ष पर पहुंचा गया, तो लिज़ क्रेस्ट को थोड़े समय के लिए लेकिन विश्वसनीय रूप से हिस्टीरिया का दौरा पड़ा।

बॉन्ड उसे उसके केबिन में ले गया और उसे वहीं रोते हुए छोड़ दिया। "कोई बात नहीं, लिज़," उसने कहा। तुम इसमें दखल मत दो। मैं सब संभाल लूंगा। हमें पोर्ट विक्टोरिया को रेडियो से सूचना देनी होगी, वगैरह। मैं फ्रिट्ज़ को स्पीड बढ़ाने के लिए कहूंगा। मुझे डर है कि अब पीछे मुड़कर देखना बेकार है। छह घंटे का दिन का उजाला रहा है, जिसमें वह बिना सुने या देखे जहाज

से नहीं गिर सकता था। यह रात में ही हुआ होगा। मुझे डर है कि इन समुद्रों में छह घंटे तक रहना मुमकिन नहीं है।"

वह उसे घूरती रही, उसकी आँखें चौड़ी हो गईं। "तुम्हारा मतलब - तुम्हारा मतलब शार्क वगैरह से है?"

बॉन्ड ने सिर हिलाया।

"ओह मिल्ट! बेचारा मिल्ट! ओह, ऐसा क्यों होना था?"

बॉन्ड बाहर गया और धीरे से दरवाजा बंद कर दिया।

याट ने कैनन पॉइंट का चक्कर लगाया और गति धीमी कर दी। टूटी हुई चट्टान से काफी दूर रहते हुए, वह शांत भाव से चौड़ी खाड़ी में आगे बढ़ी, जो अब अंतिम प्रकाश में नींबू और गहरे लाल रंग की दिख रही थी, और लंगरगाह की ओर बढ़ गई। पहाड़ों के नीचे बसा छोटा सा कस्बा गहरे नीले रंग की छाया में डूबा हुआ था, जिसमें कुछ पीली बत्तियाँ दिखाई दे रही थीं। बॉन्ड ने देखा कि सीमा शुल्क और आव्रजन विभाग की नौका लॉन्ग पियर से उनकी ओर रवाना हुई।

यह छोटी सी बस्ती पहले से ही उस खबर से गुलजार होगी जो रेडियो स्टेशन से सेशेल्स क्लब तक और फिर सदस्यों के ड्राइवरों और कर्मचारियों के माध्यम से शहर में तेजी से फैल गई होगी।

लिज़ क्रेस्ट ने उसकी ओर मुड़कर कहा, "मुझे घबराहट होने लगी है। क्या आप इन सभी औपचारिकताओं और झंझटों को पूरा करने में मेरी मदद करेंगे?"

ABC Amber LIT कन्वर्टर द्वारा जनरेट किया गया, http://www.processtext.com/abclit.html

"बिल्कुल।"

फिडेले बारबे ने कहा: "ज्यादा चिंता मत करो। ये सभी लोग मेरे दोस्त हैं। और मुख्य न्यायाधीश मेरे चाचा हैं। हम सभी को बयान देना होगा। शायद कल पूछताछ होगी। आप परसों जा सकेंगे।"

"क्या तुम्हें सच में ऐसा लगता है?" उसकी आँखों के नीचे पसीने की बूँदें आ गई थीं। "मुश्किल ये है कि मुझे सच में नहीं पता कि कहाँ जाना है या आगे क्या करना है। मुझे लगता है," वो हिचकिचाई, बॉन्ड की तरफ देखे बिना। "मुझे लगता है, जेम्स, तुम मोंबासा चलना चाहोगे? मतलब, तुम वैसे भी वहाँ जा रहे हो, और मैं तुम्हें तुम्हारे इस जहाज़, इस कैंप से एक दिन पहले वहाँ पहुँचा सकती हूँ।"

"कम्पाला।" बॉन्ड ने अपनी झिझक छुपाने के लिए सिगरेट जलाई। इस लड़की के साथ एक खूबसूरत नौका में चार दिन! लेकिन उस मछली की पूंछ, मुंह से बाहर निकली हुई! क्या उसने ऐसा किया था? या फिदेले ने, जिसे पता था कि माहे में उसके चाचा और चचेरे भाई किसी तरह यह सुनिश्चित कर लेंगे कि उसे कोई नुकसान न पहुंचे? काश उनमें से कोई एक गलती कर देता। बॉन्ड ने सहजता से कहा: "यह तो बहुत अच्छा है, लिज़। मैं ज़रूर आना चाहूंगा।"

फिडेले बारबे मुस्कुराईं। "शाबाश, मेरे दोस्त। और मैं तुम्हारी जगह होना पसंद करती, लेकिन एक बात है।"

वो मनहूस मछली! ये बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी है। मुझे ये सोचकर अच्छा लगता है कि आप दोनों को स्मिथसोनियन से इसके बारे में ढेरों संदेश मिल रहे होंगे। ये मत भूलिए कि अब आप दोनों एक वैज्ञानिक कोह-ए-नूर के संरक्षक हैं। और आप जानते हैं कि ये अमेरिकी कैसे होते हैं। जब तक उन्हें वो मिल नहीं जाती, तब तक वे आपको परेशान करते रहेंगे।

बॉन्ड की आँखें पत्थर की तरह कठोर थीं, जब उसने उस लड़की को देखा। यकीनन इससे शक उस लड़की पर ही जाता था। अब वह कोई बहाना बनाएगा - यात्रा से बच निकलेगा। किसी आदमी को मारने के उस खास तरीके में कुछ तो गड़बड़ थी...

लेकिन उन खूबसूरत, निर्भीक आँखों में जरा भी भाव नहीं आया। उन्होंने फिडेले बारबे के चेहरे की ओर देखा और सहजता से, मोहक अंदाज में कहा: "इसमें कोई समस्या नहीं होगी। मैंने इसे ब्रिटिश संग्रहालय को देने का फैसला किया है।"

जेम्स बॉन्ड ने देखा कि अब उसके कनपटी पर पसीने की बूँदें जमा हो गई थीं। लेकिन, आखिर शाम बेहद गर्म थी...

इंजनों की गड़गड़ाहट बंद हो गई और लंगर की जंजीर गर्जना करते हुए शांत खाड़ी में जा गिरी।